



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 29, 1994/ कार्तिक 7, 1916

No. 44]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 29, 1994/KARTIKA 7, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government  
of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

का. आ. 2905.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री ओम प्रकाश शर्मा, (व्यास) एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बैर, जिला भरतपुर, (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(118)/92-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

Judicial Section

NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1994

S.O. 2905.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Om Prakash Sharma (Vyas) Advocate for appointment as a Notary to practise in WEIR, Distt. Bharatpur in Rajasthan.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5 (118)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

का. आ. 2906.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री लक्ष्मण राव, एन. कुमकाले, एडवोकेट ने उक्त

प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गोखले नगर एवं सिटी क्षेत्र (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के लिए नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(123)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1994

S.O. 2906.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Laxman Rao N. Kulkarni, Advocate for appointment as a Notary to practise in Gokhale Nagar & City area, (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5 (123)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

#### सूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

का. आ. 2907.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री प्रेम कुमार खोसला, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र व्यवसाय करने के लिए नोटरी के लिए नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(126)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1994

S.O. 2907.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Prem Kumar Khosla Advocate for appointment as a Notary to practise in NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5 (126)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

#### सूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1994

का. आ. 2908.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री टी. जी. भगत एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे चिन्नापन्नाहल्ली, बंगलौर (कर्नाटक) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(117)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 30th September, 1994

S.O. 2908.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri T. G. Bhagat, Advocate for appointment as a Notary to practise in Chinna-pannahalli, Bangalore, (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice

[F. No. 5 (117)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

#### गृह मंत्रालय

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1994

का. आ. 2909.—निष्क्रान्त हित (प्रथमकरण) अधिनियम, 1951 (1951 का 64) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा तत्काल प्रभाव में श्री आर. सी. जैन, अवर जिला जज, तीस हजारी, दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अपील अधिकारी नियुक्त करती है।

2. यह भारत सरकार, गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग (पुनर्वास प्रभाग) के दिनांक 12 अगस्त, 1991 के अधिसूचना संख्या 1(7) विशेष कक्ष/91 बन्दोबस्त का अतिरिक्त करेगी।

[संख्या -1(2) विशेष कक्ष/92—बन्दोबस्त (ए)]

आर. एस. ग्रहजा, अवर सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 29th September, 1994

S.O. 2909.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 13 of the Evacuee Interest (Separation) Act, 1951 (LXIV of 1951), the Central Government hereby appoints Shri R. C. Jain, Additional District Judge, Tis Hazari, Delhi as Appellate Officer for the National Capital Territory of Delhi with immediate effect.

2 This supersedes Government of India, Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security, (Rehabilitation Division), Notification No. 1(7)/Spl. Cell/91-Settlement dated 12th August, 1991.

[No. 1(2)/Spl. Cell/92 Settlement (A)]

R. S. AHUJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1994

का. श्रा. 2910.—निष्क्रांत हित (पृथक्करण) अधिनियम, 1951 (1951 का 64) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री एम. एल. मेहता, वाणिज्यिक सिविल न्यायाधीश को, अपने स्वयं के कर्तव्यों के अतिरिक्त, उपरोक्त अधिनियम के अधीन कृत्यों के निर्वहन और शक्तियों के प्रयोग के प्रयोजन निहेतु, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए, तत्काल प्रभाव से सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

2. यह दिनांक 23 जून, 1992 की अधिसूचना सं.

1(2) विशेष कक्ष/92 बन्दोबस्त के अधिकरण में जारी किया जाता है ।

[सं. 1(2)/विशेष कक्ष/92-बन्दोबस्त (ख)]

आर. एस. अहुजा, अवर सचिव

New Delhi, the 29th September, 1994

S.O. 2910.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Evacuee Interest (Separation) Act, 1951 (LXIV of 1951), the Central Government hereby appoints Shri M. L. Mehta, Commercial Civil Judge, Delhi as Competent Officer, for National Capital Territory of Delhi, for the purpose of performing the functions and exercising the powers under the said Act, in addition to his own duties, with immediate effect.

2. This supersedes Notification No. 1(2)/Spl. Cell/92-Settlement dated the 23rd June, 1992.

[No. 1(2)/Spl. Cell/92-Settlement (B)]

R. S. AHUJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

का. श्रा. 2911.—श्री कामालुद्दीन अहमद, 29 सितम्बर, 1994 से राष्ट्रपति की मंत्रिपरिषद में राज्य मंत्री नहीं रहे हैं ।

[सं. 10/3/94 एम. एण्ड जी.]

वी. के. मल्होत्रा, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 11th October, 1994

S.O. 2911.—Shri Kamaluddin Ahmed has with effect from 29th September, 1994 ceased to be Minister of State in the Council of Ministers of the President.

[No. 10/3/94-M &amp; G]

V. K. MALHOTRA, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कलकत्ता, 9 मई, 1994

आयकर

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Calcutta, the 9th May, 1994

## INCOME TAX

का.भा. 2912 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टिट्यूट,  
इण्डिया हेबिटाट सेंटर, हेबिटाट प्लेस,  
इंस्टिट्यूशनल एरिया,  
लोदी रोड,  
नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1107 (एफ. सं. एन. डि. 82 म. नि./आ. क.  
(छूट) 35(1) (ii)/90]  
राजेन्द्र सिंह, उप-निदेशक

S.O. 2912.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Tata Energy Research Institute,  
India Habitat Centre, Habitat Place,  
Institutional Area, Lodi Road,  
New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1107/F. No. DG/IT(E)/ND-82/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director



कलकत्ता, 9 मई, 1994

Calcutta, the 9th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का. आ. 2913 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

अमला कैंसर रिसर्च सेन्टर,  
त्रिचूर, अमला नगर-680553,  
केरल, इण्डिया।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—(1) उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1108 (एफ. सं. के-9 म. नि./आ. क. (छूट)  
35(1) (ii)/90)]

राजेंद्र सिंह, उपनिदेशक

S.O. 2913.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for a purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions) (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Amala Cancer Research Centre,  
Trichur, Amalanagar-680553,  
Kerala, India.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- 2 The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1108/F. No. DG/IT(E)/K-9/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 12 मई, 1994

Calcutta, the 12th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का.आ. 2914.—सर्वसाधारण को एनब्लारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग-अलग लेखा बहिया रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, मई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

दि फाउंडेशन फॉर रिसर्च इन कम्युनिटी हेल्थ,  
84-ए. आर. जी. थाडानी मार्ग,  
वर्ली, बम्बई-400018

यपे अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-1996 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1109/एफ. सं. एम-75 म. नि./आ. क. (छूट)

35(1)(ii)/89]

आर.सिंह; उपनिदेशक

S.O. 2914.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books & accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Foundation for Research in  
Community Health,  
84-A, R.G. Thadani Marg, Worli,  
Bombay-400018.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1109/F. No. DG/IT(E)/M-75/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का. आ. 2915.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इण्डियन कॉपर डेवलपमेंट सेंटर,  
27-बी, कामाक स्ट्रीट,  
कलकत्ता-700016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1110/ए. स. प. वं.-19 म. वि./आ. क. (छूट)  
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

S.O. 2915.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Copper Development Centre,  
27-B, Camac Street,  
Calcutta-700016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1110/F. No DG IT(E). WB-19/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का. आ. 2916.—सर्वसाधारण को एनड्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा ।

## संगठन का नाम

रिसर्च सोसायटी आफ द बोम्बे  
कालेज ऑफ फार्मेसी,  
कलिना, सान्ताक्रुज (पू.)  
बम्बई-400098

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—(1) उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

(2) संगठन का सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 1111/फ. नं. एम-82 म. नि/आ. क. (छूट)  
35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

S.O. 2916.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income Tax (Exemptions) having jurisdiction research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Research Society of the Bombay College  
of Pharmacy,  
Kalina, Santacruz (E),  
Bombay-400098.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1111/F No DG/IT(E)/M 82/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का.आ. 2917.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

सेन्टर फार रिसर्च इन मेन्टल  
रेटार्डेशन (क्रीमीयर), खुशालदास डगारा हाउस,  
आफ. कस्तुरबा रोड, नीयर लड्डा हॉल, मलाड (प.),  
बम्बई-400064

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1112/एफ. सं. एम-21 म. नि./आ. क. (छूट)  
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

S.O. 2917.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Research in Mental  
Retardation (Cremere),  
Khushaldas Dagara House,  
Off. Kasturba Road, Near Ruia Hall  
Malad (W), Bombay-400064.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1112/F. No. DG/IT(E)/M-21/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का.आ. 2918.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई, तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

हिमालयन हॉस्पिटल ऑफ़ हॉस्पिटल ट्रस्ट,  
113/89, स्वरोप नगर,  
कानपुर 208001, उ.प्र.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपरोक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1113/एफ. सं. य. पी.—9/म. नि.आ. क. (छूट)  
35(1) (ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

S.O. 2918.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 25 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Himalayan Institute of Hospital Trust,  
113/89, Swaroop Nagar,  
Kanpur-208001, U.P.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1113/F. No. DG/IT(E)/UP-9/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

आयकर

INCOME TAX

का.आ. 2919.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हरिलाल जयचन्द दोषी मेडिकल रिसर्च फाउन्डेशन,  
मालवीय नगर,  
ऑफ. गोंडाल रोड,  
राजकोट-360004 (भारत)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1114/एफ. सं. जी-26/म. नि. आ. क. (छूट)]

35(1)(ii) 90]

राजेंद्र मिश्र, उप निदेशक

S.O. 2919.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Harilal Jeechand Doshi Medical  
Research Foundation,  
Malaviyanagar, Off : Gondal Road,  
Rajkot-360004 (India).

This Notification is effective for the period from 1-4 1991 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1114/F. No. DG-IT(E)/G-26/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का.आ. 2920:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्य-कलाप सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

ईनीज मेडिकल रिसर्च सोसायटी,  
16वां के.एम., टुमकूर रोड,  
बंगलूर-560073.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नं. 1115/एफ. गं. के. टी.-12, म. नि. आ. क.

(छूट) 35(1) (ii)/89]

आर. सिंह, उप निदेशक

S.O. 2920.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income-and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

INYS Medical Research Society,  
16th Km., Tumkur Road,  
Bangalore-560073.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1115/F. No. DG/IT(E)/KT-12/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director



कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

आयकर

## INCOME TAX

का.आ. 2921.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली, रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक, (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्य-कलाप सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डी कुपुस्वामी शास्त्री रिसर्च  
इंस्टिट्यूट, 84, थीरु वी का रोड,  
मीलापुर,  
मद्रास-600004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुसाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1116 / एफ सं. टी. एन-41/म. नि. आ. क.]

(छट) 35(1) (ii) 90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

S.O. 2921.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technological Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Kuppuswami Sastri Research Institute,  
84, Thiru Vi Ka Road, Mylapore,  
Madras-600004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1116/F. No. DG/ITE/TN-41/35(1)(iii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

Calcutta, the 24th May, 1994

आयकर

INCOME TAX

का. आ. 2922 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी सिल्क एण्ड आर्ट सिल्क मिल्स,  
रिसर्च, एसोसिएशन,  
सस्मिरा, सस्मिरा मार्ग, वर्ली,  
बम्बई-400025.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1117 (एफ. सं. एम-120/म. नि./आ. क. (छूट)

35(1) (ii) 90]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

S.O. 2922.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category, "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-1100. for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Silk and Art Silk Mills  
Research Association,  
Sasmira, Sasmira Marg,  
Worli, Bombay-400025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1117/F. No. DG/IT(E)/M-120/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता 24 मई, 1994

(आयकर)

का.प्र. 2923.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्स कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

एफ.आई.ए.एम.सी.बायो-मेडिकल एथिक्स सेंटर,  
सन्त पियूस एक्स कलेज : आर्य रोड, गोरे गांव पूरब,  
बम्बई-400063,  
(इंडिया)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होंगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशत में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतिशत सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1118 / एफ. सं. एम-11/म. नि./आ. क.  
(छूट) 35(1) (ii) 89]

राजेंद्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2923.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category

"Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

F.I.A.M.C. Bio-Medical Ethics Centre,  
St. Pius X College : Aarey Road,  
Goregaon East, Bombay-400063,  
(INDIA).

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1118/F. No. DG/IT(E)/M-11/35(1)(ii)/89]  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

(आयकर)

का.प्र. 2924.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग से लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्स कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

डी वांलन्टरी हेल्थ सचियस  
टी. टी. टी. आई. पोस्ट, अदयार,  
मद्रास-600113

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

कलकत्ता, 24 मई, 1994

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा

आयकर

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1119/एफ. सं. टी एन 17 म. नि./आ. क.

(छूट)/35(1) (ii) /89]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 2924.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Voluntary Health Services,  
TTTI Post, Adyar,  
Madras-600113.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

#### NOTES.

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1119/F. No. DG/IT(E)/TN-17/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

का.आ. 2925.—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 के उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारों द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा का प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में द गई शर्तें किया गया, सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-पत्रिका: मासिक-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

श्रीच कैंडी मेडिकल रिसर्च सेंटर

60, मुलाभाई देसाई रोड,

बम्बई - 400026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1120/एफ. सं./एम - 5 म. नि./आ. क.  
(छूट)/35 (i) (ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

## (INCOME-TAX)

S.O. 2925.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Breach Candy Medical Research Centre,  
60, Bhulabhai Desai Road,  
Bombay-400026.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

## NOTES:

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1120/F. No. DG/IT(E)/M-5/35(1)(ii)[89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

आयकर

का.आ. 2926.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

2343 GI/94—3.

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

सेन्टर फार रिसर्च एंड डेवलपमेंट,  
175, डॉ. डी. एन. रोड,  
बम्बई - 400001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1121/एफ. सं. एम. 87 म. नि./आ. क.  
(छूट)/35 (i) (ii)/90]

राजेश्वर सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

## (INCOME-TAX)

S.O. 2926.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Research and Development,  
175, Dr. D. N. Road,  
Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

## NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1121/F. No. DG/IT(E)/M-87/35(1)(iii)/90]  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

आयकर

का. आ. 2927.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गिजोफ्रेनिया रिसर्च फाउंडेशन (इंडिया),  
सी - 46, 13वां ट्रीट, ईस्ट अन्ना नगर,  
मद्रास - 600102

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1122 (एफ. सं. टी एन-48 म. नि/आ. क.  
(छूट) 35 (1) (ii)/90]  
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

## (INCOME-TAX)

S.O. 2927.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Schizophrenia Research Foundation (India),  
C-46, 13th Street, East Anna Nagar,  
Madras-600102.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

## NOTES :

- (i) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1122/F. No. DG/IT(E)/TN-48/35(1)(ii)/90]  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

आयकर

का. आ. 2928.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

रिसर्च फाउन्डेशन फार जैनोलोजी,  
18, रामानुजा आय्यर स्ट्रीट,  
सोमवार पेठ मद्रास - 79

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1123/एफ. सं. टी. एन. - 9 म. नि./आ. क.  
(छूट)/35 (1) (iii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2928.—It is hereby notified for general information that the organisations mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Research Foundation for Jainology,  
18, Ramanuja Iyer Street,  
Somwarpet, Madras-79.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

#### NOTES:

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having juris-

dition over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1123/F. No. DG/IT(E)/TN-9/35(1)(iii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मई, 1994

आयकर

का.आ. 2929.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च का भी संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

सर हरकिशनदास नरोत्तमदास मेडिकल रिसर्च  
सोसायटी, राजा राम मोहन राय रोड,  
बम्बई - 400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1124/एफ. सं. एम. 25 म. नि./आ. क.  
(छूट)/35 (1) (ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th May, 1994

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2929.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Sir Harkisondas Nurtoundas Medical Research Society,  
Raja Ram Mohan Roy Road,  
Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

#### NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1124/F. No. DG/IT(E)/M-25/35(1)(ii)/89]  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मई, 1994

#### आयकर

का. आ. 2930.—संस्थाकरण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग सेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर सहायिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर सहायिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई निम्न कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परिक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

बाई जर्वाई वाडिया हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रेन एंड इस्टिड्यूट ऑफ चार्डलड हेल्थ रिसर्च सोसायटी, अचार्य डॉडेमार्ग पारेल बम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 01-04-94 से 31-03-97 की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:- 1. आयुक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझा दिया जाता है कि वे अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर सहायिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र का 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1125 (एफ. सं. एम-28 म.नि./आ. क. (छूट)  
35(1)(ii)/89-]]  
आर० सिंह, डी निदेशक

Calcutta, the 30th May, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2930.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following condition :-

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Bai Jerbai Wadia Hospital for Children and Institute of Child Health Research Society, Acharya Donde Marg, Parel, Bombay-400 012.

This Notification is effective for the period from 01-04-1994 to 31-03-1997.

Notes :—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1125 (F. No. DG/IT(E)/M-28/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director



कलकत्ता, 30 मई, 1994

आयकर

का. आ. 2931.—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डॉ. जीवराज मेहता स्मारक हेल्थ फाउण्डेशन, आरोग्यधाम, एन.आर. आयोजन, अहमदाबाद-380007.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझा दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1126/एफ. सं. जी-4 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/(89)]  
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 30th May, 1994

INCOME TAX

S.O. 2931.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secreary, Department of

Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Jivraj Mehta Smarak Health Foundation Arogya-dham, Mr. Ayojan, Ahmedabad-380 007.

This Notification is effective for the period from 01-04-1994 to 31-03-1997.

- Notes :—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1126/F. No. DG/IT(E)/G-4/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मई, 1994

आयकर

का.आ. 2932.—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कुंदलनी रिसर्च एसोसिएशन इंटरनेशनल (इंडियन चापटर) 562, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1127/ एफ. सं. एन. डी. 119 म.नि./आ.क. (छूट) 35(1)(ii)/94]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 30th May, 1994

### INCOME TAX

S.O. 2932.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Kundalini Research Association International (Indian Chapter), 562, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi—110 006.

This Notification is effective for the period from 01-04-1994 to 31-03-1996.

Notes :—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1127/F. No. DG/IT(E)/ND-110/35(1)(ii)/94]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मई, 1994

आयकर

का.आ. 2933:—प्रवसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अग्रो अनुमोदित किया गया है:

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

### संगठन का नाम

सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरिगेशन एंड पावर, मालवा मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1128/ एफ. सं. एन. डी. 51 म.नि./आ.क. (छूट) 35(1)(ii)/90]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 30th May, 1994

### INCOME TAX

S.O. 2933.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of

Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF ORGANISATION

Central Board of Irrigation and Power, Malcha Marg, Chanakya Puri, New Delhi-110 021.

This Notification is effective for the period from 01-04-1993 to 31-03-1996.

Notes :—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1128/F. No. DG/IT(E)/ND-51/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 1 जून, 1994

आयकर

का. आ. 2934.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों तथा संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

डॉ. पतानी साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च पी.एस.आई. आर. बिल्डिंग, महाकाली रोड, अंधेरी (ईस्ट) बम्बई-400093

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संस्था" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1129/ एफ. सं. एम. 14 म.नि./आ. क. (छूट)  
35(1)(ii) / 89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 1st June, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2934.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF ORGANISATION

Dr. Patani Scientific & Industrial Research PSIR Building, Mahakali Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

This Notification is effective for the period from 01-04-1990 to 31-03-1993.

Notes :—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1129/F. No. DG/IT(E)/M-14/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2935.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts, and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Himalayan Institute of Hospital Trust, 113/89, Swaroop Nagar, Kanpur—208 001, U.P.

This Notification is effective for the period from 1-4-1995 to 31-03-1996.

Notes :—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1130/F. No. DG/IT(E)/UP-9/35(Jun)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## आयकर

का.आ. 2936.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रि वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मन्त्रि, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर

## आयकर

का. आ. 2935.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रि, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मन्त्रि, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और, (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटल ट्रस्ट, 113/89, स्वारूप नगर, कानपुर-208001, यू. पी.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1995 से 31-3-1996 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रि, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1130/एफ. सं. यू. पी. 9 म. नि./आ. क. (छूट) 35(1)(ii)/89]

राजेश्वर मिश्र, उप निदेशक

महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिस्च कायों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

ई.एन.ए.आर फाउण्डेशन रिसर्च सेंटर नेशनल हाईवे नं. 8,  
विलेज धारागिरि, पोस्ट: कबीलपुर,  
तार: नवसरी (396424)  
गुजरात राज्य

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1131/एफ. सं. जी-61 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/92]  
राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2936.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

ENAR Foundation Research Centre,  
National Highway No. 8,  
Village : Dharagiri,  
Post : Kabilpore,  
Tal : Navsari (396424),  
Gujarat State.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

2343 GI/94-5

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1131/F. No. DG/IT(E)/G-61/35(1)(ii)/92]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

#### आयकर

का. आ. 2937—सर्वसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "कालेज" संघों के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा,

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिस्च कायों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (रन अंडर द आसपिस ऑफ श्री काँची कामकोटी पीतम चैरिटेबल ट्रस्ट), 1 सलाय स्ट्रीट, कंचीपुरम-631502

यह अधिसूचना दिनांक 9-5-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1132/एफ. सं. टी.एन-61म.नि./आ.क. (छूट) 35(1)(iii)/94]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक,

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2937.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "College" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Sri Chandrasekharendra Saraswathi  
Viswa Maha Vidyalaya,  
(run under the auspices of Sri Kanchi  
Ramakotti Peetam Charitable Trust),  
1, Shalai Street, Kancheepuram-631502.

This Notification is effective for the period from 9-5-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1132/F No. DG/IT(E)/TN-61/35(1)(ii)/94]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## आयकर

का.पा. 2938.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायत्न/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आय-

कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

दी फिस्कल रिसर्च फाउण्डेशन,  
एल-22, हौज़ खास एनक्लेव,  
नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायत्न/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1133/एफ. सं. एनडी.-58 म.ति./आ.क. (छूट)  
35(1) (iii)/90]

राजेंद्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2938.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year , and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Fiscal Research Foundation,  
L-22, Hanz Khas Enclave,  
New Delhi-110016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation.

Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1133/F. No. DG/IT(E)/ND-58/35(1)(iii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

आयकर

का.प्रा. 2939.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महेरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (i) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बी.एम.ए. आयल सीड्स रिसर्च डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, 908, आकाश डीप बिल्डिंग, 26, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 19-3-1993 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1134 /एफ. सं. एनडी 109/म.नि.

35(1)(ii)/93]

राजेंद्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

INCOME TAX

S.O. 2939.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of

Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

VMA Oilsceds Research and Development Institute,  
908, Akashdeep Building,  
26-A, Barakhamba Road,  
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 19-3-1993 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1134/F. No. DG/IT(E)/ND-109/35(1)(ii)/93]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

आयकर

का.प्रा. 2940.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिड़ला रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड साइंस, बिड़ला-ग्राम-456331, नगड़ा (म.प्र.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघ के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1135 /एफ. सं. एम.पी.-2 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/90]

राजेश्वर सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2940.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Birla Research Institute for  
Applied Sciences,  
Birlagram-456331,  
Nagda (M.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1135/F. No. DG/IT(E)/MP-2/35(1)(ii)/90]

MR. R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून 1994

आयकर

का. प्रा. 2941—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और।

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर महा-



निर्णय (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षण आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

दो रिस्च सोसाइटी,  
ग्रेट मेडिकल कालेज एंड जे. जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल  
वार्ड नं. 9,

1ला तल्ला मेन बिल्डिंग जे. जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल  
बम्बई-40000

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1996 तक  
की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उक्त शर्त (i) "संघ" जैसा शर्त के लिए लागू  
नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की  
अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक  
(छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के  
माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को  
तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि  
बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां  
सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को  
प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1136 (एफ. स. एम. 84 नि.आ.क. (छूट)  
'5(1)(ii)/90)]

जेन्द्र सिंह, उपा निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2941.—It is hereby notified for general information  
that the organisation mentioned below has been approved by  
the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax  
Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of  
Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category  
"Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of  
accounts for its research activities :

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific  
research activities to the Secretary, Department of  
Scientific and Industrial Research, 'Technology  
Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016  
for every financial year by 31st May of each year ;  
and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-  
tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of  
Scientific and Industrial Research, and (c) Commis-  
sioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemp-  
tions), having jurisdiction over the organisation, by  
the 31st October each year, a copy of its audited  
Annual Accounts and also a copy of audited Income  
and Expenditure Account in respect of its research  
activities for which exemption was granted under  
sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act,  
1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society,  
Great Medical College and J.J. Group  
of Hospitals, Ward No. 9,  
1st Floor Main Bldg.,  
J.J. Group of Hospitalais,  
Bombay 400008.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994  
to 31-3-1996

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations  
categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate  
and well in advance for further extension of the  
approval, to the Director General of Income-tax  
(Exemptions), Calcutta through the Commissioner  
of Income-tax/Director of Income-tax (Exemp-  
tions) having jurisdiction over the organisation.  
Six copies of the application for extension of  
approval should be sent directly to the Secretary,  
Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1136/F. No. DG/IT(E)/M-84/35(1)(ii)/90]

MR. R SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

Calcutta, the 9th June, 1994

## आयकर

## INCOME TAX

का.आ. 2942.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

## संगठन का नाम

श्री मुकुन्दी लाल मेमोरियल फाउण्डेशन फॉर हार्ट एंड मेडिकल केअर, 21, नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज, दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1996 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1137/एफ. सं. 112 एन. डी. म.नि./आ. क. (छूट) 35(1)(ii)/93]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

S.O. 2942.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6, of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Shri Mukandi Lal Memorial Foundation  
for Heart and Medical Care,  
21, Netaji Subhash Marg, Daryaganj,  
Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1137/F. No. DG/IT(E)/ND-112/35(1)(ii)/93]

MR. R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## आयकर

का.आ. 2943.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव,

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग,  
“प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई  
दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

श्री बी. वी. पटेल फार्मस्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च डिवेलपमेंट सेंटर, शरखेज गांधीनगर हाईवे, थालतेज, अहमदाबाद-54

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1138 / एफ. स. जी-31 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/90]

राजेंद्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

#### INCOME TAX

S.O. 2943.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6, of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technological Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Com-

missioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Shri B. V. Patel Pharmaceutical Education and Research Development Centre, Sharkhej Gandhinagar Highway, Thaltej, Ahmedabad-54.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1138/P. No. DG/IT(E)/G-31/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

#### आयकर

का.आ. 2944.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा;
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कौंसिल फॉर पावर यूटीलिटीज, सी.बी.आई. एंड पी. बिल्डिंग, माल्हा मार्ग, चानक्यपुरी, नई दिल्ली-110021.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1139/एफ. सं. एन. डी. 63 म.नि./आ.क. (छूट) 35(1)(ii)/90]

राजेश्वर सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

INCOME TAX

S.O. 2944.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 15 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Council for Power Utilities,  
CBI & P Buildings, Malcha Marg,  
Chanakypuri, New Delhi-110021.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and call in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax

(Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1139/F. No. DG/IT(F)/ND-63/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

आयकर

का.आ. 2945.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) निम्नके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फातवैस्ट जैन मेडिकल रिसर्च सोसाइटी, 8/10, सिकाव बाड़ी लेन, कंदेवाड़ी, बम्बई-400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) 'संघ' जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि

बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

कलकत्ता, 9 जून, 1994

आयकर

[संख्या 1141/ए.क. सं. एम. 30 म.नि./प्रा.क. (छूट)  
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

### INCOME-TAX

S.O. 2945.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Conwest Jain Medical Research Society,  
8/10, Mikadwari Lane, Kandewadi,  
Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

NOTES. 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1141 F No. DG/IT(E)/M-30/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

का.प्रा. 2946 सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

### संगठन का नाम

चौखर आरोग्य मंडल मेडिकल रिसर्च सोसाइटी, बल्लभ  
विद्यानगर, 388120, पी. बी. नं. 7, जिला (गुजरात)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए भावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- (2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिन के क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में दिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1142/ए.क. सं. जी. 13/ म.नि./प्रा.क. (छूट)  
35(1)(ii)/90-91]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2946.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Chaurutar Arogya Mandal Medical Research Society,  
Vallabh Vidyanagar, 388120, P. B. No. 7,  
Dist-Kaira (Gujarat).

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-95.

NOTES: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1142] F. No. DG/IT(E)/G-13/35(1)(ii)/90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## आयकर

का.आ. 2947:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन', न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख), सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिस्साब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नेशनल इंश्योरेंस अकादमी, एस. नं. 25, बैनर रोड,  
विलेज वलेवाड़ी तालूक हवेली, जिला-पुणे, पिन-411008.

यह अधिमूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: (1) उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- (2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या: 1143 / एफ. सं. एम-149 म.नि./आक. (छूट)  
35(1)(ii)/90-91]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2947.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Insurance Academy,  
S. No. 25, Baner Road,  
Village Bulewadi Taluk Haveli,  
Dist. Pune, PIN-411 008.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-1995.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1143/F. No. DG/IT(E)/M-149/35(1)(iii)]90-911  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## आयकर

का.आ. 2948:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर, "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रोद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नामन

विवेकानन्द केन्द्र योग रिसर्च फाउण्डेशन, नं. 9, अप्पा-जप्पा अग्रराहुरा चामाराज पेट, बंगलौर-560018.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

(2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1144/एफ. सं. के. टी. 14 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/89]

राजेंद्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2948.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Vivekananda Kendra Yoga Research,  
Foundation,  
No. 9, Appajappa Agrahara,  
Chamarajpet, Bangalore-560 018.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-1997.

## NOTES:

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1144/F. No. DG/IT(E)/KT-14/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME-TAX

## धायकर

का. आ. 2949.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, धायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, धायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग 'प्रौद्योगिकी भवन', न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) धायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) धायकर आयुक्त/धायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और धायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

डॉ. पतानी साइंटिफिक एंड इंस्ट्रियल रिसर्च, डी.एस. आई. आर. बिल्डिंग, महाकाली रोड, अंधेरी (ईस्ट), बम्बई-400093.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

(2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, धायकर आयुक्त/धायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1145/एफ. सं. एम-14/म.नि./आ. क. (छूट)  
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उप निदेशक

S.O. 2949.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Patani Scientific & Industrial,  
Research, DSIR Building,  
Mahakali Road, Andhra (East),  
Bombay-400 093.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 3-3-95

## NOTES:

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1145/F. No. DG/IT(E)/M-14/35(1)(ii)/89]  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## धायकर

का. आ. 2950.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, धायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, धायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए,



प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्च कार्यों सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

डाबुर रिसर्च फाउण्डेशन,  
8/3, असफ अली रोड,  
नई दिल्ली-110002.

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1146/एफ. सं. एन. डी. 84 म.नि./आक. (छूट)  
35(1)(ii)/90-91]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

#### INCOME-TAX

S.O. 2950.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Dabur Research Foundation,  
8/3, Asaf Ali Road,  
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-95.

#### NOTES:

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1146/F. No. DG/IT(E)/ND-84/35(1)(ii)/90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9, जून, 1994

#### आयकर

क्र. घा. 2951.—सर्वसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इलेक्ट्रॉनिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर, पुणे एस. आई.  
डी. आई. प्रेमोमेज, एग्रीकल्चर कॉलेज कंपाउण्ड, पुणे-411005

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी - 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघ के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम में आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए जावेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1147/एफ. सं. एम. 157 म. नि./आ. क. (छूट)  
35 (1) (ii)/92]

राजेश्वर सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2951.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its Research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Electronics Research and Development Centre,  
Pune, SIDI Premises,  
Agriculture College Compound,  
Pune-411 005.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-1997.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1147/F. No. DG/IT(E)/M-157/35(1)(ii)/92]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

## आयकर

नं. आ. 2952 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम, के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर संघ के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्य-कलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी मैनेजरीज आई.सी.एम. आई. हाउस,  
22 इंस्टिट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघ के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1148/एफ. सं. एन. डी-14 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)]

राजेश मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

### INCOME-TAX

S.O. 2952.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its Research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Company Secretaries.  
ICSI House, 22, Institutional,  
Area, Lodhi Road, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-1997.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1148/F. No. DG/IT(E)/ND-14/35(1)(iii)]  
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता 9 जून, 1994

आयकर

का.भा. 2953:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) से दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विवरण को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि ट्यूबर फ्लैसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 3, रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1996 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1149/एफ. सं. एन. डी. 49 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/90-91]

राजेश मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

### INCOME-TAX

S.O. 2953.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of its Research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Tuberculosis Association of India,  
3, Red Cross Road,  
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1149/F. No DG/IT(E)/ND-49/35(1)(ii)/90-91]

R. SINGH, Dy Director

कलकत्ता, 9 जून, 1994

आयकर

का.आ. 2951—संवर्गभाषण को गतद्वारा सूचित किया जात है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेख को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च क्रियाकलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विज्ञान रिसर्च फाउण्डेशन,  
18, कॉलेज रोड, मद्रास-60000

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-1997 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होंगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां भेजें: अवधि बढ़ाने के लिए, अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1150/एफ. सं. टी.एन.-3 म.नि./आ. क. (छूट)  
35(1)(ii)/89.]

राजेंद्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1994

#### INCOME-TAX

S.O. 2951.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research "Technology Bhawan" New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of its Research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Vision Research Foundation,  
18, College Road,  
Madras—600 006

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No 1150/F. No. DG/IT(E)/TN-3/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 20, जून, 1994

आयकर

का.भा. 2955:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भ्रमण लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रियाकलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जियोमैग्नेटिज्म डा. नानाभाय मुज रोड, कोलबा, बम्बई-400005

यह अधिसूचना दिनांक से 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1151/एफ. सं. एम-120 म.नि./आ.क. (छूट)

35(1)(ii)]

राजेंद्र सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 20th June, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2955.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Institute of Geomagnetism,  
Dr. Nanaabhoj Mooz Road,  
Colaba, Bombay-400005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1151/F. No. DG/IT(E)/M-120/35(1)(ii)89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जून, 1994

आयकर

का.भा. 2725:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भ्रमण लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च क्रियाकलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंड फाउण्डेशन फॉर हेल्थ केअर, सी/ओ एंड फामस्यूटिकल, बर्कस लिमिटेड, गोखले रोड साउथ, बम्बई-400025।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की  
अवधि के लिए प्रभावी है।

कलकत्ता, 20 जून, 1994

आयकर

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1152/एफ. सं. एम.-112 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th June, 1994

### INCOME-TAX

S.O. 2956.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Zandu Foundation for Health Care,  
C/o. Zandu Pharmaceutical Works Ltd.,  
Gokhle Road, South,  
Bombay—400 025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1152/F. No. DG/IT(E)/M-112/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director.

का.आ.2957:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;

- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखाकी प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च क्रिया-कलाप सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जवाहर लाल नेहरू एलम्यूनियम रिसर्च डिवलपमेंट ट्रस्ट  
डिजाइन सेंटर, मोहता अपार्टमेंट, कंट्रोल रोड, छनोल,  
नागपुर-440013

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की  
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1153/एफ. सं. एम.-100 म.नि./आ.क. (छूट)  
35(1)(ii)/90-91]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th June, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2957.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Jawaharlal Nehru Aluminium Research Development & Design Centre, Mohita Apartment, Katol Road, Chhanol, Nagpur—440 013.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1153/F. No. DG/IT(E)/M-100/35(1)(ii)90-91]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 20 जून, 1994

आयकर

का०मा० 2958.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग

"प्रायोगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्व क्रिया-कलापों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि चाइल्ड्स ट्रस्ट मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन  
12-ए नगेश्वरा रोड, प्रंगमवकम, मद्रास-600034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1994 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1154/एफ. सं. टी. एन. 6 म.नि./प्रा.क. (छूट)  
35(1)(ii)/89]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th June, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2958.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION :

The Child Trust Medical Research Foundation, 12-A, Nageshwara Road, Nungambukkam, Madras—600 034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1155/F. No. DG/IT(E)/TN-14/35(1)(iii)/90]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 20 जून, 1994

प्रायकर

का.आ. 2959.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" शब्दों के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चें किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टिट्यूट फॉर टेक्नो एकोनॉमिक स्टडीज, 76, हरींगटन रोड, मद्रास-600031

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संघों के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रक्रिया बढ़ाने के लिए प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करें, अनुमोदन की प्रक्रिया बढ़ाने के संबंध में किए प्रावेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1155/एफ. सं. टी. ए. 44 म.नि./आ.क. (छूट) 35(1)(ii)/90]

रा० सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th June, 1994

INCOME-TAX

S.O. 2959.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act 1961.

MINISTRY OF FINANCE

Institute for Techno Economic Studies,  
76, Harrington Road,  
Madras—600 031.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1155/F. No. DG/IT(E)/TN-44/35(1)(ii)/90]  
R. SINGH Dy. Director



कलकत्ता, 20 जून, 1994

Calcutta, the 20th June, 1994

## आयकर

का. आ. 2960.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

के. जी. रिसर्च फाउण्डेशन, 941, पूनमाल्ली हाई रोड, मद्रास-600084

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-1997 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

## टिप्पणी:—

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1156/एफ. सं. टी. एन.-2 म.नि./आ.क. (छूट) 35(1)(ii)/89]  
रा. सिंह, उपनिदेशक

## INCOME-TAX

S.O. 2960.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION :

K. J. Research Foundation,  
941, Poonamallee High Road,  
Madras-600 084.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[1156/F. No. DG/IT(E)/TN-2/35(1)(ii)/89]  
R. SINGH, Dy. Director.

## (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

का.आ. 2961.—सामान्य सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित संस्था/संगठन और उसके नीचे दिए गए इसके कार्यक्रम सचिव, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35-सीसीडी के प्रयोजनार्थ आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6-ए ए सी के अंतर्गत निर्धारित प्राधिकारी होने के नाते अनुमोदित किए जाते हैं:—

संस्था/संगठन का नाम  
पर्यावरण समिति मद्रास,  
बीसेंट गार्डन्स, बीसेंट एवेन्यू,  
मद्रास-600020.

## कार्यक्रम :

1. ग्राम एलंगुपट्टी पट्टी जिला पुडुकोट्टई, तमिलनाडु में पवित्र उप वन का परिरक्षण एवं विकास।
2. एकीकृत जैविक फार्मिंग निदर्शन मॉडल।
3. चलता-फिरता पर्यावरण शिक्षा यूनिट।

## Programmes :

1. Conservation and Development of scared groove in a village Elangudipatti in Pudukottai District, Tamil Nadu.
2. Integrated organic farming demonstration model.
3. Mobile Environmental Education Unit.

Both the approvals accorded by the Prescribed Authority namely (i) to the Institution/Association under sub-section (2) of Section 35-CCB and (ii) to the programmes under sub-section (1) of the Section 35-CCB are valid for a period of 3 years from 1st April, 1991 to 31st March, 1994 to the following conditions :—

निर्धारित प्राधिकारी द्वारा दिए गए दोनों अनुमोदन अर्थात् (i) धारा 35-सी सी बी के उप खंड (2) के अधीन संस्था/संगठन, और (ii) धारा 35 सी बी सी की उपधारा (1) के अधीन कार्यक्रम दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक 3 वर्षों का अवधि के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन वैध है :—

1. पर्यावरण समिति, मद्रास, बेसन्ट गार्डन, बीसन्ट एवेन्यू परिरक्षण कार्यक्रमों के लिए इसके द्वारा प्राप्त दान के संबंध में एक अलग खाता रखेगी।
2. समिति, परिरक्षण कार्यक्रमों के बारे में प्रगति रिपोर्ट निर्धारित प्राधिकारी को प्रतिवर्ष 30 जून तक हर एक वित्त वर्ष के संबंध में प्रस्तुत करेगी।
3. पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के दिनांक 23-7-1987 के पत्र संख्या क्यू-15014/14/86-सीपीए के तहत पहले अनुमोदित किए गए कार्यक्रमों के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35-सी सी बी के अंतर्गत कर-छूट के लिए पहले अनुमोदित किए गए परिरक्षण कार्यक्रमों के लिए प्राप्त हुए दान के संबंध में वार्षिक लेखों के लेखा परीक्षित विवरण की प्रतियां और संबंधित आयुक्तों को भेजे गए इन दस्तावेजों की प्रतियां।
5. समिति निर्धारित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 जून तक कुल आय तथा देनदारियां दिखाते हुए लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रस्तुत करेगी, और इनमें से प्रत्येक दस्तावेज की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्तों को भेजेगी।
6. यह अनुमोदन निर्धारित प्राधिकारी की निरंतर संतुष्टि के अधीन है तथा यह अनुमोदन पूर्व व्याप्ति से, यदि आवश्यक समझा जाये, तो वापस लिया जा सकता है।

[अधिसूचना सं. 9618/का.सं. 203/15/93-आयकर नि-II]]

अजय कुमार, अवर सचिव

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 5th October, 1994

S.O. 2961.—It is notified for general information that the Institution/Association mentioned below and its programme given hereunder, have been approved by the Secretary, Ministry of Environment and Forests, Government of India, New Delhi being the prescribed authority under the rule 6-AAC of the Income-tax Rules, 1962, for the purposes of Section 35CCB of Income-tax Act, 1961.

Name of the Institution/Association

The Environmental Society Madras.  
Besant Gardens, Besant Avenue, Madras-600 020.

1. The Environmental Society, Madras, Besant Garden, Besant Avenue shall maintain a separate account of the donations received by it for conservation activities.
2. The Society shall furnish progress reports of the conservation programmes to the prescribed authority for every financial year by the 30th June each year.
3. Submission of detailed report on the programmes approved earlier vide Ministry of Environment & Forests Letter No. Q-15014/14/86-CPA, dated 23rd July, 1987.
4. Copies of audited statement of annual accounts for the donations received for conservation programmes approved earlier for tax exemption under 35-CCB of Income-tax Act, 1961 and copies of these documents sent to the concerned Commissioners.
5. The Society shall submit to the prescribed authority by the 30th June each year, a copy of the audited annual accounts showing total income and liabilities and a copy of each of these documents sent to the concerned Commissioner of Income-tax.
6. The approval is subject to the continued satisfaction of the prescribed authority and may be withdrawn with retrospective effect if considered necessary.

[Notification No. 9618/F. No. 203/15/93-ITA.II]

AJAY KUMAR, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.प्रा. 2962.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "जूडो फंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली" को 1994-95 से 1996-97 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारित उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन इस प्रकार के संचयन हेतु उक्त खंड (23) द्वारा यथा-संशोधित धारा 11 की उप-धारा (2) तथा (3) के उपबंधों के अनुरूप पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिन के लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट

किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि [जेवर-जवाहरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य-वस्तु, जिसे उपर्युक्त खंड (23) के तीसरे परन्तुक के अधीन बोर्ड द्वारा अधिसूचित किया जाए, के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न] का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,

- (3) कर-निर्धारिती अपने सदस्यों को किसी भी तरीके से अपनी आय के किसी भाग का संवितरण अपने से संबंध किसी एसोसिएशन अथवा संस्था को अनुदान के अलावा नहीं करेगा; और
- (4) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हों जब तक ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रामाणिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9619/फा. सं. 196/17/94-आयकर-नि-1]  
साधना पवाड़िया, अवर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 2962.—In exercise of the powers conferred by clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Judo Federation of India, New Delhi" for the purpose of the said clause for assessment year 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, in consonance with the provisions of sub-section (2) and (3) of section 11 as modified by the said clause (23) for such accumulation wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds [other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture or any other article as may be notified by the Board under the third provision to the aforesaid clause (23)] for any period during the previous year(s) relevant to the assessment year(s) mentioned above otherwise than in any one or more of the forms of modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) the assessee will not distribute any part of its income in any manner to its members except as grants to any association or institution affiliated to it; and
- (iv) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9619/F. No. 196/17/94-ITA-I]

SADHNA PAVADIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर 1994

का.आ. 2963.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "ट्रांगल टेनिस ट्रस्ट, मद्रास" को 1991-92 से 1993-94 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए, उसका संचयन इस प्रकार के संचयन हेतु उक्त खंड (23) द्वारा यथा-संशोधित धारा 11 की उपधारा (2) तथा (3) के उपबंधों के अनुरूप पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण : वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि [जेवर-जवाहरात, फर्नीचर, अथवा किसी अन्य वस्तु, जिसे उपर्युक्त खंड (23) के तीसरे परन्तुक के अधीन बोर्ड द्वारा अधिसूचित किया जाए, के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न] का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) कर-निर्धारिती अपने सदस्यों को किसी भी तरीके से अपनी आय के किसी भाग का संवितरण अपने से संबंध किसी एसोसिएशन अथवा संस्था को अनुदान के अलावा नहीं करेगा; और
- (4) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रामाणिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9620/फा. सं. 196/10/94-आयकर-नि-1]

साधना पवाड़िया, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 2963.—In exercise of the powers conferred by clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Triangle Tennis Trust, Madras" for the purpose of the said clause for assessment year 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, in consonance with the provisions of sub-section (2) and (3) of section 11 as modified by the said clause (23) for such accumulation wholly and exclusively to the object for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds [other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture or any other article as may be notified by the Board under the third provision to the aforesaid clause (23)] for any period during the previous year(s) relevant to the assessment year(s) mentioned above otherwise than in any one or more of the forms of modes specified in sub-section (5) of section 11;

(iii) the assessee will not distribute any part of its income in any manner to its members except as grants to any association or institution affiliated to it; and

(iv) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9620/F. No. 196/10/94-ITA-I]

SADHNA PAVADIA, Under Secy.

(साथिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

का.आ. 2964.—रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 (1986 का 1) की धारा 6 की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, सचिव, भारी उद्योग, श्री अशोक चन्द्रा, आई ए एन (उ. प्र. 59) की उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 30 नवंबर, 1996 तक की अवधि के लिए औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 7/8/94-बी.ओ. 1]

के. के. मंगल, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 7th October, 1994

S.O. 2964.—In pursuance of the powers conferred by sub-section (2) of Section 4 read with sub-section (2) of Section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986), the Central Government hereby appoints Shri Ashok Chandra, IAS (UP : 59), Secretary, Department of Heavy Industry, as a Member of the Board for Industrial and Financial Reconstruction for the period from the date of his taking charge and upto 30th November, 1996.

[F. No. 7/8/94-BO.I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का.आ. 2965.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 8 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एम. पी. तलवार, वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 30 जून, 1999 तक के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के उपगवर्नर के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एफ 7/16/93-बी.ओ.-1]

आर. वी. गुप्ता, विशेष सचिव

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 2965.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) read with sub-section (4) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 the Central Government hereby appoints Shri S. P. Talwar, presently Chairman and Managing Director, Bank of Baroda, as Deputy Governor of the Reserve Bank of India for the period from the date of his taking charge and upto 30th June, 1999.

[F. No. 7/16/93-B.O.I]

R. V. GUPTA, Special Secy.

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का. आ. 2966.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध काशीनाथ सेठ बैंक लि. पर 31 अक्टूबर, 1994 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इस बैंक से दिनांक 31 मार्च, 1994 तक की स्थिति के अनुसार, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित लेखाओं और तुलनपत्रों को निर्धारित ढंग से प्रकाशित करने और उसकी तीन प्रतियां भारतीय रिजर्व बैंक को 30 मितम्बर, 1994 तक की बड़ाई हुई अवधि के अन्दर-अन्दर विवरणियों के रूप में प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

[सं. 15/8/93-बी.ओ.ए.]

राज्यलक्ष्मी, निदेशक

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 2966.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act, shall not apply to the Kashi Nath Seth Bank Ltd. upto 31st October, 1994 in so far as it is required to publish the accounts and balance sheet as at 31st March, 1994 together with auditors' report in the prescribed manner and submit three copies thereof as returns to the Reserve Bank of India within the extended period upto 30th September, 1994.

[No. 15/8/93-BOA]

RAJALAKSHMI, Director

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का. आ. 2967.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिकारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध बनारस स्टेट बैंक लि. पर 30 नवंबर, 1994 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इस बैंक से दिनांक 31 मार्च, 1994 तक की स्थिति के अनुसार, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित लेखाओं और तुलनपत्र को निर्धारित ढंग से प्रकाशित करने और उसकी तीन प्रतियां भारतीय रिजर्व बैंक को 30 मितम्बर, 1994 तक की बड़ाई हुई अवधि के अन्दर-अन्दर विवरणियों के रूप में प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

[सं. 15/7/93-बी.ओ.ए.]

राज्यलक्ष्मी, निदेशक

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 2967.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act, shall not apply to the Benaras State Bank Ltd. upto 30th November, 1994 in so far as it is required to publish the accounts and balance sheet as at 31st March, 1994 together with auditors' report in the prescribed manner and submit three copies thereof as returns to the Reserve Bank of India within the extended period upto 30th September, 1994.

[No. 15/7/93-BOA]  
RAJALAKSHMI, Director

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1994

का. आ. 2968.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक का विचारित पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम को धारा 31 के उपबन्ध कैथोलिक सीरियन बैंक लि. पर 31 अक्टूबर, 1994 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इस बैंक से दिनांक 31 मार्च, 1994 तक की स्थिति के अनुसार, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित लेखाओं और तुल्यपत्र को निर्धारित ढंग से प्रकाशित करने और उसकी तीन प्रतियां भारतीय रिजर्व बैंक को 30 सितम्बर, 1994 तक की बटवाई हुई अवधि के अन्दर-अन्दर विवरणियों के रूप में प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

[सं. 15/14/87-बी. ओ. ए.]

राज्यलक्ष्मी, निदेशक

New Delhi, the 11th October, 1994

S.O. 2968.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949, (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act, shall not apply to the Catholic Syrian Bank Ltd. upto 31st October, 1994 in so far as it is required to publish the accounts and balance sheet as at 31st March, 1994 together with auditor's report in the prescribed manner and submit three copies thereof as returns to the Reserve Bank of India within the extended period upto 30th September, 1994.

[No. 15/14/87-BOA]  
RAJALAKSHMI, Director.

वाणिज्य मंत्रालय

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

- आदेश

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

का. आ. 2969.—मै. फोटोफोन इंडस्ट्रीज इंडिया लि. बम्बई को पुरानी पूंजीगत वस्तुओं के आयात हेतु 6,54,439 रु. (छह लाख चौवन हजार चार सौ उन्सत्तालीस रु.) की लागत बीमा भाड़ा मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2131161 दिनांक 4-10-93 मंजूर किया गया था।

2. फर्म ने उक्त लाइसेंस की विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुमिति इस आधार पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है/गुम हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति और विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति किसी भी कस्टम हाउस से पंजीकृत नहीं करायी गई थी और इसकी मूल्य रु. की राशि प्रयोग में लायी जा चुकी है लेकिन इसका शेष राशि 6,54,439/- रु. का उपयोग नहीं हुआ है।

3. अपने तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक, बम्बई के समक्ष विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं वंतुष्ट हूं कि आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी 2131161 दिनांक 4-10-1993 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति/विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति फर्म से खो गई है या गुम हो गई है। यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उपखंड 9(ग) (ग) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स फोटोफोन इंडस्ट्रीज इंडिया लि. बम्बई को जारी की गई उक्त मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति/विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति सं. पी/सीजी/2131191 दिनांक 4-10-93 एतद्वारा रद्द की जाती है।

4. पार्टी को उक्त लाइसेंस की दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति/विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[फा. सं.-18/628/एम/94/ईपीसीजी-3/6186]

एम. डी. केम, उप महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE  
(Director General of Foreign Trade)

ORDER

New Delhi, the 10th October, 1994

S.O. 2969.—M/s. Photophone Industries India Ltd., Bombay, were granted an Import Licence No. P/CG/2131161 dated 4th October, 1993 of CIF value Rs. 6,54,439 (Rupees six lakhs fifty four thousand four hundred and thirty nine only) for import of Second Hand capital goods.

2. The firm has applied for issue of duplicate copy of Custom Purpose of the above licence on the ground that the Original Custom Purpose copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Custom Purpose copy of the licence were not registered with Customs House, and has been utilised for a sum of Rs. NIL leaving an unutilised balance of Rs. 6,54,439.

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before Notary Public, Bombay. I am accordingly satisfied that the custom purpose copy of import licence No. P/CG/2131161 dated 4th October, 1993 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(ec) of the Import (Control) order 1955 dated 7th December, 1955 as amended, the said original custom purpose copy No. P/CG/2131161 dated 4th October, 1993 issued to M/s. Photophone Industries India Ltd., Bombay is hereby cancelled.

4. The duplicate custom purpose copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/628/AM 94/EPCG-III/6186]  
M. D. KEM, Dy. Director Genl. of Foreign Trade

## नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और भार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1994

का.आ. 2970.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड "ख" के अनुमरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिये गये मानक(कों) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

## अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 11 : 1987	सं. 2, मार्च 1993	31 मार्च 1993
2.	आईएस : 63 : 1978	सं. 2, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
3.	आईएस : 73 : 1992	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
4.	आईएस : 164 : 1981	सं. 3, जून 1993	30 जून 1993
5.	आईएस : 175 : 1989	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
6.	आईएस : 204 (भाग 2) : 1992	सं. 1, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
7.	आईएस : 205 : 1992	सं. 2, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
8.	आईएस : 273 : 1990	सं. 1, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
9.	आईएस : 277 : 1992	सं. 1, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
10.	आईएस : 302-2-3 : (1991)	सं. 2, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
11.	आईएस : 427 : 1965	सं. 4, जून 1993	30 जून 1993
12.	आईएस : 428 : 1969	सं. 3, जून 1993	30 जून 1993
13.	आईएस : 458 : 1988	सं. 2, अप्रैल 1991	30 अप्रैल 1991
14.	आईएस : 550 (भाग 1) : 1991	सं. 1, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
15.	आईएस : 832 : 1985	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
16.	आईएस : 844 (भाग 3) : 1979	सं. 1, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
17.	आईएस : 863 : 1988	सं. 10, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
18.	आईएस : 897 : 1982	सं. 2, मार्च 1993	31 मार्च 1993
19.	आईएस : 1083 : 1978	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
20.	आईएस : 1169 : 1967	सं. 6, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
21.	आईएस : 1239 (भाग 1) : 1990	सं. 3, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
22.	आईएस : 1239 (भाग 2) : 1992	सं. 1, अगस्त 1993	31 अगस्त 1993
23.	आईएस : 1396 : 1960	सं. 3, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
24.	आईएस : 1459 : 1974	सं. 3, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
25.	आईएस : 1539 (भाग 1) : 1977	सं. 3, मार्च 1993	31 मार्च 1993
26.	आईएस : 1592 : 1989	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
27.	आईएस : 1774 : 1986	सं. 1, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
28.	आईएस : 1775 : 1981	सं. 1, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
29.	आईएस : 1848 : 1991	सं. 1, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993
30.	आईएस : 1931 (भाग 2) : 1985	सं. 1, मितम्बर 1993	30 मितम्बर 1993

1	2	3	4
31.	आईएस : 2026 (भाग 4) : 1977	सं. 2, सितम्बर 1993	30 सितम्बर 1993
32.	आईएस : 2067 : 1975	सं. 1, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
33.	आईएस : 2202 (भाग 1) : 1991	सं. 1, सितम्बर 1993	30 सितम्बर 1993
34.	आईएस : 2257 : 1989	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
35.	आईएस : 2483 : 1986	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993
36.	आईएस : 2664 : 1980	सं. 1, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
37.	आईएस : 2765 : 1982	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
38.	आईएस : 2796 : 1971	सं. 3, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
39.	आईएस : 2951 (भाग 2) : 1965	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993
40.	आईएस : 2991 : 1988	सं. 1, सितम्बर 1993	30 सितम्बर 1993

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादूरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिनेद्रीम, राजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र वि/13 : 5]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

Ministry of Food and Civil Supplies  
(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 20th July, 1994

S.O. 2970 :—In pursuance of clause (b) of sub Rule (1) of Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed has/have been issued.

## SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
1	2	3	4
1.	IS 11:1987	No. 2 March 1993	31 March 1993
2.	IS 63:1978	No. 2 October 1993	31 October 1993
3.	IS 73:1992	No. 1 March 1993	31 March 1993
4.	IS 164:1981	No. 3 June 1993	30 June 1993
5.	IS 175:1989	No. 1 March 1993	31 March 1993
6.	IS 204 (Part 2):1992	No. 1 October 1993	31 October 1993
7.	IS 205:1992	No. 2 October 1993	31 October, 1993
8.	IS 273:1990	No. 1 September 1993	30 September 1993
9.	IS 277:1992	No. 1 October 1993	31 October 1993
10.	IS 302-2-3 1992	No. 2 October 1993	31 October 1993
11.	IS 427:1965	No. 4 June 1993	30 June 1993
12.	IS 428:1969	No. 3 June 1993	30 June 1993
13.	IS 458:1988	No. 2 April 1991	30 April 1991
14.	IS 550 (Part I):1991	No. 1 October 1993	31 October 1993
15.	IS 832:1985	No. 1 March 1993	31 March 1993
16.	IS 844 (Part 3):1979	No. 1 October 1993	31 October 1993
17.	IS 863:1988	No. 1 October 1993	31 October 1993
18.	IS 897:1982	No. 2 March 1993	31 March 1993
19.	IS 1083:1978	No. 1 March 1993	31 March 1993
20.	IS 1169:1967	No. 6 September 1993	30 September 1993
21.	IS 1239 (Part 1):1990	No. 3 October 1993	31 October 1993

1	2	3	4
22. IS 1239 (Part 2):1992	No. 1 August 1993	31 August 1993	
23. IS 1396:1960	No. 3 September 1993	30 September 1993	
24. IS 1459:1974	No. 3 September 1993	30 September 1993	
25. IS 1539 (Part 1):1977	No. 3 March 1993	31 March 1993	
26. IS 1592:1989	No. 1 March 1993	31 March 1993	
27. IS 1774:1986	No. 1 September 1993	30 September 1993	
28. IS 1775-1981	No. 1 September 1993	30 September 1993	
29. IS 1848:1991	No. 1 September 1993	30 September 1993	
30. IS 1931 (Part 2):1985	No. 1 September 1993	30 September 1993	
31. IS 2026 (Part 4):1977	No. 2 September 1993	30 September 1993	
32. IS 2067:1975	No. 1 October 1993	31 October 1993	
33. IS 2202 (Part 1):1991	No. 1 September 1993	30 September 1993	
34. IS 2257:1989	No. 1 March 1993	31 March 1993	
35. IS 2483:1986	No. 1 July 1993	31 July 1993	
36. IS 2664:1980	No. 1 October 1993	31 October 1993	
37. IS 2765:1982	No. 1 March 1993	31 March 1993	
38. IS 2796:1971	No. 3 October 1993	31 October 1993	
39. IS 2951 (Part 2): 1965	No. 1 March 1993	31 March 1993	
40. IS 2991:1988	No. 1 September 1993	30 September 1993	

Copies of these amendments are available from the Bureau of Indian Standards, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and from Regional Offices at, Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also from Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Kanpur, Lucknow, Patna and Thiruvananthapuram.

[No. C.M.D. 13:5]

N. SRINIVASAN, Addl. Director, General.

नागरिक पूर्ति, उद्योगिता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1994

का.आ. 2971.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड “ख” के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिये गए मानक(कों) में संशोधन किया गया है / किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 1 : 1968	सं. 3, अक्टूबर 1992	31 अक्टूबर 1992
2.	आईएस : 16 : 1980	सं. 1, जनवरी 1993	31 जनवरी 1993
3.	आईएस : 278 : 1978	सं. 3, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
4.	आईएस : 354 (भाग 2) : 1986	सं. 3, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
5.	आईएस : 419 : 1967	सं. 3, अक्टूबर 1993	31 अक्टूबर 1993
6.	आईएस : 573 : 1992	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993
7.	आईएस : 7070 : 1976	सं. 1, अक्टूबर 1992	31 अक्टूबर 1992
8.	आईएस : 941 : 1985	सं. 2, मार्च 1993	31 मार्च 1993
9.	आईएस : 1151 : 1969	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993



(1)	(2)	(3)	(4)
10. आईएस : 1165 : 1982	सं. 1, फरवरी 1993	28 फरवरी 1993	
11. आईएस : 1171 : 1988	सं. 2, अगस्त 1993	31 अगस्त 1993	
12. आईएस : 1320 : 1988	सं. 1, अप्रैल 1993	30 अप्रैल 1993	
13. आईएस : 1548 : 1981	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993	
14. आईएस : 1708 (भाग 1 से 18) : 1986	सं. 1 जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
15. आईएस : 1891 (भाग 2) : 1988	सं. 2, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
16. आईएस : 1898 : 1990	सं. 2, अगस्त 1993	31 अगस्त 1993	
17. आईएस : 2266 : 1989	सं. 2, मार्च 1993	31 मार्च 1993	
18. आईएस : 2294 : 1986	सं. 1, जनवरी 1993	31 जनवरी 1993	
19. आईएस : 2414 : 1991	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
20. आईएस : 2500 (भाग 2) : 1985	सं. 1, मार्च 1993	31 मार्च 1993	
21. आईएस : 2556 (भाग 2) : 1981	सं. 2 फरवरी 1993	28 फरवरी 1993	
22. आईएस : 2721 : 1979	सं. 1, फरवरी 1992	28 फरवरी 1992	
23. आईएस : 3087 : 1985	सं. 4, मई 1993	31 मई 1993	
24. आईएस : 3196 (भाग 1) : 1992	सं. 1, अप्रैल 1993	30 अप्रैल 1993	
25. आईएस : 3196 (भाग 2) : 1992	सं. 1 अप्रैल 1993	30 अप्रैल 1993	
26. आईएस : 4174 : 1977	सं. 2, अप्रैल 1993	30 अप्रैल 1993	
27. आईएस : 4199 : 1990	सं. 2, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
28. आईएस : 4473 : 1967	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
29. आईएस : 4760 : 1992	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
30. आईएस : 5509 : 1980	सं. 3, फरवरी 1993	28 फरवरी 1993	
31. आईएस : 5867 : 1970	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
32. आईएस : 6031 : 1971	सं. 2, अप्रैल 1993	30 अप्रैल 1993	
33. आईएस : 6177 : 1981	सं. 1, मई 1993	31 मई 1993	
34. आईएस : 6571 : 1991	सं. 2, फरवरी 1993	28 फरवरी 1993	
35. आईएस : 6704 : 1992	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
36. आईएस : 6962 : 1991	सं. 1, जून 1993	30 जून 1993	
37. आईएस : 7200 (भाग 1) : 1989	सं. 1, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
38. आईएस : 7454 : 1991	सं. 2, मार्च 1993	31 मार्च 1993	
39. आईएस : 7620 (भाग 2) : 1986	सं. 1 फरवरी, 1993	28 फरवरी 1993	
40. आईएस : 7924 : 1976	सं. 1, फरवरी 1993	28 फरवरी 1993	
41. आईएस : 7992 : 1983	सं. 1, फरवरी 1993	28 फरवरी 1993	
42. आईएस : 8086 : 1991	सं. 2, मार्च 1993	31 मार्च 1993	
43. आईएस : 8622 : 1977	सं. 3, जुलाई 1993	31 जुलाई 1993	
44. आईएस : 9323 : 1991	सं. 1, जून 1993	30 जून 1993	
45. आईएस : 9459 : 1980	सं. 2, अप्रैल 1993	30 अप्रैल 1993	

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध है।

[सं. के प्रवि/13:5]]

पत. आनिवायन, अपर महानिदेशक

## MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS &amp; PUBLIC DISTRIBUTION

## BUREAU OF INDIA STANDARDS

New Delhi, the 20th July, 1994

S.O. 297.—In pursuance of clause(b) of sub-rule (1) or Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed has/have been issued.

## SCHEDULE

Sl. No. and year of the Indian Standard amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
1	2	3
4		
1. IS 1:1968	No. 3 October, 1992	31 October, 1992
2. IS 16:1980	No. 1 January, 1993	31 January, 1993
3. IS 278:1978	No. 3 October, 1993	31 October, 1993
4. IS 354(Part 2), 1986	No. 3 October, 1993	31 October, 1993
5. IS 419:1967	No. 3 October, 1992	31 October, 1992
6. IS 573:1992	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
7. IS 707:1976	No. 1 October, 1992	31 October, 1992
8. IS 941:1985	No. 2 March, 1993	31 March, 1993
9. IS 1151:1969	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
10. IS 1165:1992	No. 1 February, 1993	28 February, 1993
11. IS 1171:1988	No. 2 August 1993	31 August, 1993
12. IS 1320:1980	No. 1 April, 1993	30 April, 1993
13. IS 1548:1981	No. 1 March, 1993	31 March, 1993
14. IS 1708(Parts 1 to 18): 1986	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
15. IS 1891(Part 2): 1988	No. 2 July, 1993	31 July, 1993
16. IS 1898:1990	No. 1 August, 1993	31 August, 1993
17. IS 2266:1989	No. 2 March, 1993	31 March, 1993
18. IS 2204:1986	No. 1 January, 1993	31 January, 1993
19. IS 2414:1991	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
20. IS 2500 (Part 2):1965	No. 1 March, 1993	31 March, 1993
21. IS 2556(Part 2): 1981	No. 2 February, 1993	28 February, 1993
22. IS 2721:1979	No. 1 February, 1992	28 February, 1992
23. IS 3087:1985	No. 4 May, 1993	31 May, 1993
24. IS 3196(Part 1): 1992	No. 1 April, 1993	30 April, 1993
25. IS 3196 (Part 2): 1992	No. 1 April, 1993	30 April, 1993
26. IS 4174:1977	No. 2 April, 1993	30 April, 1993
27. IS 4199:1990	No. 2 July, 1993	31 July, 1993
28. IS 4473:1967	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
29. IS 4760:1992	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
30. IS 5509:1980	No. 3 February, 1993	28 February, 1993
31. IS 5867:1970	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
32. IS 6031:1971	No. 2 April, 1993	30 April, 1993
33. IS 6177:1981	No. 1 May, 1993	31 May, 1993
34. IS 6571:1991	No. 2 February, 1993	28 February, 1993
35. IS 6704:1992	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
36. IS 6992:1991	No. 1 June, 1993	30 June, 1993
37. IS 7200(Part 1):1989	No. 1 July, 1993	31 July, 1993
38. IS 7454:1991	No. 3 March, 1993	31 March, 1993
39. IS 7620(Part 2): 1986	No. 1 February, 1993	28 February, 1993
40. IS 7924:1976	No. 1 February, 1993	28 February, 1993

1	2	3	4	5	6	7
41. IS 7992:1983			No. 1 February, 1993		28 February, 1993	
42. IS 8086:1991			No. 2 March, 1993		31 March, 1993	
43. IS 8622:1977			No. 3 July, 1993		31 July, 1993	
44. IS 9323:1991			No. 1 June, 1993		30 June, 1993	
45. IS 9459:1980			No. 2 April, 1993		30 April, 1993	

Copies of these Amendments are available from the Bureau of Indian Standards, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and from Regional Offices at Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also from Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna and Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13:5]

N. SRINIVASAN, Addl. Dir. Gen.

## खान सन्त्रालय

## आदेश

नई, दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

का.आ. 2972.—खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 67) की धारा 23 (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केंद्र सरकार एतद्वारा बिहार सरकार के निम्नलिखित अधिकारियों को अधिनियम की उक्त धारा के तहत शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार देती है, अर्थात्:—

क्रमांक	अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र जिसके लिए कालम-2 में उल्लिखित अधिकारियों को प्राधिकृत किया गया है।
1	2	3
1.	निदेशक (खान); पटना	सम्पूर्ण बिहार के लिये
2.	अपर निदेशक, खान (मुख्यालय)	उनके अपने-अपने क्षेत्राधिकार वाले क्षेत्र हेतु
3.	अपर निदेशक, खान (रांची और पटना)	—वहीं—
4.	उपनिदेशक (खान)	—वहीं—
5.	जिला खनन अधिकारी	—वहीं—
6.	सहायक खनन अधिकारी	—वहीं—

[फाइल नं. 1 (48)/94-एम-6]

डी. वी. सिंह, निदेशक

## MINISTRY OF MINES

## ORDER

New Delhi, the 5th October, 1994

S.O.2972.—In exercise of the powers conferred by section 23(B) of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby authorises the following officials of Government of Bihar to exercise powers under the said section of the Act, namely:—

Sl. No.	Designation of official	Area for which officials mentioned in Column No. 2 is authorised
1	2	3
1.	Director (Mines) Patna	For entire Bihar.
2.	Additional Director, Mines (Headquarters)	For their respective jurisdiction.
3.	Additional Director, Mines, Ranchi and Patna	For their respective jurisdiction.
4.	Deputy Director (Mines)	For their respective jurisdiction.
5.	District Mining Officer	For their respective jurisdiction.
6.	Assistant Mining Officer	For their respective jurisdiction.

[F. No. 1(48)/94-M-VI]

D.V. SINGH, Director

## कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1994

का.ग्रा. 2973.—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इससे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) (धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.ग्रा. 2758, तारीख, 14 अक्टूबर, 1991 द्वारा, जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 2 नवम्बर, 1991 में प्रकाशित की गई थी, उस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची "क" में विनिर्दिष्ट परिश्रेत में भूमि तथा उसमें के सभी अधिकारों का और अनुसूची "ख" में विनिर्दिष्ट परिश्रेत में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुमरण में केंद्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केंद्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और महाराष्ट्र सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि—

(क) इसमें संलग्न अनुसूची "क" में वर्णित 60.06 हेक्टर (लगभग) या 148.41 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि का; और

(ख) इसमें संलग्न अनुसूची "ख" में वर्णित 531.06 हेक्टर (लगभग) या 1312.30 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों का खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि—

(क) इससे संलग्न उक्त अनुसूची "क" में वर्णित 60.06 हेक्टर (लगभग) या 148.41 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि का; और

(ख) इसमें संलग्न अनुसूची "ख" में वर्णित 531.06 हेक्टर (लगभग) या 1312.30 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों का खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का

अर्जन किया जाता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी-1 (ई) III/जे जे आर. 537-0693, तारीख 29 जून, 1993 का निरीक्षण कलक्टर,

(महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या चेरटर्ड कोलफील्ड्स लिमिटेड, (राजस्व अनुभाग) कोयला एन्स्टेट, मिनिंग लाइन्स, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

## अनुसूची "क"

बीमा ब्लॉक

वाणी क्षेत्र

जिला यावतमल (महाराष्ट्र राज्य)

सभी अधिकार

क्रम सं.	ग्राम का नाम	ग्राम सं.	परचारी सफिल सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	घोसा	98	56	वाणी	यावतमल	15.72	भाग
2.	फलोरा	230	56	वाणी	यावतमल	44.34	भाग
अनुसूची "क" का कुल क्षेत्र						60.06 हेक्टर (लगभग)	
						या	
						148.41 एकड़ (लगभग)	

ग्रामघोंसा में अर्जित प्लॉट सं.

57/1-1, 57/2, 58/1, 58/2, 59, 60

ग्राम फूलोर में अर्जित प्लॉट सं.

21/1, 21/1क, 21/2, 21/2क, 27/1, 27/1क-27/1ख-27/1ग-27/1घ, 27/1ङ, 27/1च, 27/1खच-27/1त-27/2, 28/1, 28/2, 28/3, 29/1, 29/1क-29/1ट-29/1ख, 29/2, 29/2क, भाग

सीमा वर्णन

क-ख-ग-घ-ङ. रेखा "द" बिन्दु से आरंभ होती है और प्लॉट सं. 21/1, 21/1क, 21/1ख, 21/2, 21/2क, 29/1, 29/1क-29/1ख, 29/1ट, 29/2, 29/2क, 27/1, 27/1क, 27/2ख, 27/1ग, 27/1घ, 27/1ङ, 27/1च, 27/1खच, 27/1त, 27/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ फूलोर ग्राम के होकर जाती है। उसके बाद वह प्लॉट सं. 57/1, 57/2, 58/1, 58/2, 60, 59 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम घोंसा से होकर आगे जाती है और "ड." बिन्दु पर मिलती है।

ड.-च रेखा ग्राम घोंसा और ग्राम फूलोर की सम्मिलित सीमा साथ-साथ जाती है और "च" बिन्दु पर मिलती है।

च-छ-ध-द रेखा प्लॉट सं. 28/1, 28/2, 28/3 और प्लॉट सं. 29/1, 29/1क, 29/1ख, 29/1ट, 29/2, 29/2क की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम फूलोर से होकर जाती है। उसके बाद वह प्लॉट सं. 21/1, 21/1क, 21/2, 21/2क की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे जाती है और आरंभिक बिन्दु "ब" पर मिलती है।

अनुसूची "ख"

घोंसा ब्लॉक

वाणी क्षेत्र

जिला यावतमल (महाराष्ट्र राज्य)

खनन अधिकार

क्रम सं.	ग्राम का नाम	ग्राम संख्यांक	पटवारी मकिल सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियाँ
1.	रासा	319	41	वाणी	यावतमल	32.58	भाग
2.	फूलोर	230	56	वाणी	यावतमल	65.34	भाग
3.	घोंसा	98	56	वाणी	यावतमल	237.45	भाग
4.	कुम्भरखानी	42	57	वाणी	यावतमल	101.82	भाग
5.	सखारा	370	57	वाणी	यावतमल	11.26	भाग
6.	दहेगांव	149	59	वाणी	यावतमल	5.10	भाग
7.	गोधाला	86	59	वाणी	यावतमल	77.51	भाग

अनुसूची "ख" का कुल क्षेत्र 531.06 हैक्टर (लगभग)

या

1312.30 एकड़ (लगभग)

ग्राम रासा में अर्जित प्लॉट संख्यांक :

410 भाग, 411/1, 411/2, 412, 413/1, 413/2, 414, 415

ग्राम फूलोर में अर्जित प्लॉट संख्यांक :—

2 भाग, 25/1क, 25/1ख, 25/1ग, 25/2, 25/3, 25/4, 26/1, 26/1क, 26/1ख, 26/2, 26/2क

ग्राम घोंसा में अर्जित प्लॉट संख्यांक :

26/1, 26/2, 26/3, 27 से 33, 34/1, 34/2, 35 से 37, 38/1, 38/2, 39, 40, 41/1, 41/1क, 41/2, 41/2क, 41/2ख, 42 से 44, 45/1, 45/2, 45/3, 46 से 52, 53/1, 53/2, 54, 55/1, 55/2, 56/1, 56/2, 56/2क, 56/2ख, 61/1, 61/2, 62, 63/1, 63/2, 63/3, 64, 65/1, 65/2, 66/1, 66/2, 66/3, 67 से 76, 77/1, 77/2, 78/1, 78/2, 78/3, 79/6, 79/2, 79/3, 80, 81, 82/1, 82/2, 83/1, 83/2, 84, 85/1, 81/1क, 86 से 88 90, 91/1, 91/2, 92, 93/1, 93/2, 93/3, 94/1, 94/2, 95/1, 95/2, 95/3, 95/4, 96/1, 96/2, सड़क भाग, नाला भाग, नदी भाग ।

ग्राम कुम्भरखानी में अर्जित प्लॉट संख्यांक :

1/3, 1/1क, 1/2, 2 से 5, 6/1, 6/2, 6/3, 6/4, 15, 84/1, 84/1क, 84/2, 85, आबादी, सड़क भाग, नदी भाग;

ग्राम सखारा में अर्जित प्लॉट संख्यांक :—

323 से 325

ग्राम दाहगांव में अर्जित प्लॉट संख्यांक

12 से 14

ग्राम गोंधाला में अर्जित प्लॉट संख्यांक :—

30/1, 30/1क, 30/2, 32/1, 32/2, 32/2क, 32/3, 32/क, 32/3, 32/3क, 32/3ख, 32/4, 33/1, 33/2, 33/3, 34/1, 34/1क, 34/1ग, 34/2, 34/3, 35/6, 35/2, 35/3, 36/1क, 36/1ख, 36/1ग, 36/2क, 36/3, 36/4, 37/1, 37/1क, 37/1ख, 37/1ग, 37/2, 37/3, 38/1क, 38/1ख, 38/1ग, 38/1घ, 38/2, 38/2क

सीमा वर्णन :

क-ख : रेखा “क” बिन्दु से आरंभ होती है और प्लॉट सं. 26/1, 26/2, 26/3, 27 की बाहरी सीमा के साथ-साथ घोंसा ग्राम से होकर जाती है। उसके बाद प्लॉट सं. 25/1क, 25/1ख, 25/1ग, 25/2, 25/3, 25/4 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम फूलोर से होकर आगे जाती है और “ख” बिन्दु पर मिलती है।

ख-ग : रेखा प्लॉट सं. 25/1क, 25/1ख, 25/1ग, 25/2, 25/3, 25/4, 26/1, 26/1क, 26/1ख, 26/2, 26/2क की बाहरी सीमा के साथ-साथ फूलोर ग्राम से होकर जाती है। उसके बाद वह प्लॉट सं. 56/1, 56/2, 56/2क, 56/2ख की बाहरी सीमा के साथ-साथ घोंसा ग्राम से होकर जाती है और “ग” बिन्दु पर मिलती है।

ग-घ : रेखा प्लॉट सं. 61/1, 61/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ घोंसा ग्राम से होकर जाती है और “घ” बिन्दु पर मिलती है।

घ-ङ-च-छ रेखा प्लॉट सं. 65/1, 65/2, की बाहरी सीमा के साथ घोंसा ग्राम से होकर जाती है उसके बाद वह घोंसा ग्राम ज-झ और फूलोर ग्राम की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ आगे जाती है और भागतः वन की बाहरी सीमा के और वन भूमि प्लॉट सं. 2 के साथ-साथ फूलोर ग्राम से होकर जाती है। उसके बाद वह प्लॉट सं. 415, 412, 411/1, 411/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ रासा ग्राम से होकर आगे जाती है। उसके बाद भागतः प्लॉट सं. 410 की बाहरी सीमा के तथा प्लॉट सं., जोकि 410 में साथ-साथ आगे जाती है तथा “झ” बिन्दु पर मिलती है।

झ-ञ-ट रेखा प्लॉट सं. 4, 5, 6/1, 6/2, 6/3, 6/4, 1/1, 15, 84/1, 84/1क, 84/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ कुम्भरखानी ग्राम से होकर जाती है, सड़क और नदी होकर पार करती है। उसके बाद वह कुम्भरखानी और सखारा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ आगे जाती है और प्लॉट सं. 325, 323, 324 की बाहरी सीमा के साथ-साथ सखारा ग्राम से होकर जाती है। उसके बाद वह सखारा और गोंधाला ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और “ट” बिन्दु पर मिलती है।

द-ण-त : रेखा प्लॉट सं. 32/1, 32/2, 32/2क, 32/3, 32/3क, 32/ख3, 32/4, 30/1, 30/1क, 30/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ गोंधाला ग्राम से होकर जाती है। उसके बाद वह गोंधाला और दहेगांव ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है। उसके बाद वह प्लॉट सं. 14, 13, 12 की बाहरी सीमा के साथ-साथ दहेगांव से होकर आगे जाती है। उसके बाद वह घोंसा और दहेगांव ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और "त" बिन्दु पर मिलती है।

त-य-क : रेखा प्लॉट सं. 86, 85/1, 85/1क, 88, 96/1, 96/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ घोंसा ग्राम से होकर जाती है, सड़क पार करती है उसके बाद वह 93/1, 93/2, 93/3, 45/1, 2, 3, 44, बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है नदी पार करती है। और प्लॉट सं. 43, 42, 41/1, 41/1क, 41/2, 41/2क, 41/2ख, 32, 31, 26/1, 26/2, 26/3, की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/12/89-एन.एस.डब्ल्यू]

बी.बी. राव, उप सचिव

## MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 18th October, 1994

S.O. 2973.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2758 dated the 14th October, 1991 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Sub-section (ii), dated the 2nd November, 1971, the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands and all rights in the locality specified in the Schedule and rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the locality specified in Schedule 'B' annexed to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Maharashtra, is satisfied that,—

- (a) the lands measuring 60.06 hectares (approximately) or 148.41 acres (approximately) described in the Schedule 'A' appended hereto;
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 531.06 hectares (approximately) or 1312.30 acres (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto,

should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby declares that,—

- (a) the lands measuring 60.06 hectares (approximately) or 148.41 acres (approximately) described in the said Schedule 'A' appended hereto; and
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 531.06 hectares (approximately) or 1312.30 acres (approximately) in Mining Rights described in Schedule 'B' appended hereto;

are hereby acquired.

The plan bearing No. C-1 (E) III/JJR/537-0693 dated the 29th June, 1993 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Yavatmal (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra).

**SCHEDULE 'A'**  
**GHONSA BLOCK**  
**WANI AREA**  
**DISTRICT YAVATMAL (MAHARASHTRA STATE)**

All Rights

Sl. No.	Name of village	Village number	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Ghonsa	96	56	Wani	Yavatmal	15.72	Part
2.	Fulor	230	56	Wani	Yavatmal	44.34	Part
Total area of Schedule 'A'						60.06 hectares (approximately)	
						or	
						148.41 acres (approximately)	

Plot numbers acquired in village Ghonsa :

57/1-57/2, 58/1-58/2, 59, 60.

Plot numbers acquired in village Fulor :

21/1-21/1A-21/2-21/2A, 27/1-27/1A-27/1B-27/1C-27/1D-27/1E-27/1F-27/1BH-27/1P-27/2, 28/1-28/2-23/3, 29/1-29/1A-29/1K-29/1B-29/2-29/2A Part.

Boundary description :

R-B-C-D-E

Line starts from point 'R' and passes through village Fulor along the outer boundary of plot number 21/1-21/1A-21/2-21/2A, 29/1-29/1A-29/1B-29/1K-29/2-29/2A, 27/1-27/1A-27/1B-27/1C-27/1D-27/1E-27/1F-27/1BH-27/1P-27/2, then proceeds through village Ghonsa along the outer boundary of plot numbers 57/1-57/2, 58/1-58/2, 60, 59 and meets at point 'E'.

E-F

Line passasses along the common village boundary of villages Ghonsa and Fulor and meets at point 'F'.

F-G-S-R

Line passes through village Fulor along te outer boundary of plot number 28/1-28/2-28/3 and in plot number 29/1-29/1A-29/1B-29/1K-29/2-29/2A, then proceeds along the outer boundary of plot number 21/1-21/1A-21/2-21/2A and meets at starting point 'R'.

**SCHEDULE 'B'**  
**BHONSA BLOCK**  
**WANI AREA**  
**DISTRICT YAVATMAL (MAHARASHTRA STATE)**

Mining Rights

Sl. No.	Name of village	Village number	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Rasa	319	41	Wani	Yavatmal	32.58	Part
2.	Fulor	230	56	Wani	Yavatmal	65.34	Part
3.	Ghonsa	98	56	Wani	Yavatmal	237.45	Part
4.	Kumbharkhani	42	57	Wani	Yavatmal	101.82	Part
5.	Sakhara	370	57	Wani	Yavatmal	11.26	Part
6.	Dahegaon	149	59	Wani	Yavatmal	5.10	Part
7.	Gondhala	86	59	Wani	Yavatmal	77.51	Part

Total area of Schedule 'B' :

531.06 hectares (approximately)

or

1312.30 acres (approximately)



Plot numbers acquired in village Rasa :

410 Part, 411/1-411/2, 412, 413/1-413/2, 414, 415.

Plot numbers acquired in village Fulor :

2 Part, 25/1A-25/1B-25/1C-25/2-25/3-25/4, 26/1-26/1A-26/1B-26/2-26/2A.

Plot numbers acquired in village Ghonsa :

26/1-26/2-26/3, 27 to 33, 34/1-34/2, 35 to 37, 38/1-38/2, 39, 40, 41/1-41/1A-41/2-41/2A-41/2B, 42 to 44, 45/1-45/2-45/3, 46 to 52, 53/1-53/2, 54, 55/1-55/2, 56/1-56/2-56/2A-56/2B, 61/1 61/2, 62, 63/1-63/2-63/3, 64, 65/1-65/2, 66/1-66/2-66/3, 67 to 76, 77/1-77/2, 78/1-78/2-78/3, 79/1-79/2-79/3, 80, 81, 82/1-82/2, 83/1-83/2, 84, 85/1-85/1A, 86, 88 to 90, 91/1-91/2, 92, 93/1-93/2-93/3, 94/1-94/2; 95/1-95/2-95/3-95/4, 96/1-96/2, Road Part, Nallah Part, River Part.

Plot numbers acquired in village Kumbharkhani :

1/1, 1/1A-1/2, 2 to 5, 6/1-6/2-6/3-6/4, 15, 84/1-84/1A-84/2, 85, Abadi. Road Part, River Part.

Plot number acquired in village Sakhara :

323 to 325.

Plot numbers acquired in village Dahegaon :

12 to 14.

Plot numbers acquired in village Gondhala :

30/1-30/1A-30/2, 32/1-32/2-32/2A-32/3-32/3A-32/3B-32/4, 33/1-33/2-33/3, 34/1-34/1A-34/1C-34/2-34/3, 35/1-35/2-35/3, 36/1A-36/1B-36/1C-36/2A-36/3-36/4, 37/1-37/1A-37/1B-37/1C-37/2-37/3, 38/1-38/1A-38/1B-38/1C-38/1D-38/2-38/2A.

Boundary description :

- A-B Line starts from point 'A' and passes through village Ghonsa along the outer boundary of plot numbers 26/1-26/2-26/3, 27, then proceeds through village Fulor along the outer boundary of plot numbers 25/1A-25/1B-25/1C-25/2-25/3-25/4 and meets at point 'B'.
- B-C Line passes through village Fulor along the outer boundary of plot numbers 25/1A-25/1B-25/1C-25/2-25/3-25/4, 26/1-26/1A-26/1B-26/2-26/2A, then proceeds through village Ghonsa along the outer boundary of plot number 56/1-56/2-56/2A-56/2 B and meets at point 'C'.
- C-D Line passes through village Ghonsa along the outer boundary of plot number 61/1-61/2 and meets at point 'D'.
- D-E-F-G-H-I Line passes through village Ghonsa along the outer boundary of plot number 65/1-65/2, then proceeds along the common village boundary of villages Ghonsa and Fulor and proceeds through village Fulor partly along the outer boundary of forest land plot number 2 and in forest land plot number 2 then proceeds through village Rasa along the outer boundary of plot numbers 415, 412, 411/1-411/2, then proceeds partly along the outer boundary of plot number 410 and in plot number 410 and meets at point 'I'.
- I-J-K-L-M-N Line passes through village Kumbharkhani along the outer boundary of plot numbers 4, 5, 6/1-6/2-6/3-6/4, 1/1, 15, 84/1-84/1A-84/2, crosses road and river, then proceeds along the common boundary of villages Kumbharkhani and Sakhara and passes through village Sakhara along the outer boundary of plot numbers 325, 323, 324, then passes along the common boundary of villages Sakhara and Gondhala and meets at point 'N'.
- N-O-P Line passes through village Gondhala along the outer boundary of plot numbers 32/1-32/2-32/2A-32/3-32/3A-32/3B-32/4, 30/1-30/1A-30/2, then passes along the common village boundary of villages Gondhala and Dahegaon, then proceeds through village Dahegaon along the outer boundary of plot numbers 14, 13, 12, then passes along the common boundary of villages Ghonsa and Dahegaon and meets at point 'P'.
- P-Q-A Line passes through village Ghonsa along the outer boundary of plot number 86, 85/1-85/1A, 88, 96/1-96/2, crosses road, then passes along the outer boundary of plot numbers 93/1-93/2-93/3, 45/1-2-3, 44, crosses river and passes along the outer boundary of plot number 43, 42, 41/1-41/1A-41/2-41/2A-41/2B, 32, 31, 26/1-26/2-26/3 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/12/89-TSW]

B. B. RAO, Dy. Secy.

## विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 मिनम्बर, 1994

का.आ. 2974.—सार्वजनिक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोक्ताओं की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) जिसे इसमें और बाद में अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, तत्कालीन ऊर्जा मंत्रालय (विद्युत विभाग) अधिसूचनाओं एन.ओ. 1130 दिनांक 31 मार्च, 1978, अधिसूचना एन.ओ. 3608 दिनांक 11 अक्टूबर, 1979 तथा अधिसूचना एन.ओ. 4017 दिनांक 20 मिनम्बर, 1983 का अधिलम्बन करते हुए, इस प्रकार के अधिलम्बन से पूर्व किए गए कार्यों को छोड़कर भारत सरकार एतद्वारा नीचे दी गई सारणी के कालम 2 में उल्लिखित दामोदर घाटी निगम के अधिकारियों को नियुक्त करता है, वे अब उक्त सारणियों के कालम 3 में समानरूप प्रविष्टि में त्रिनिदिष्ट सार्वजनिक परिसरों के श्रेणियों के संबंध में अपने से संबंधित कार्यक्षेत्र की स्थानीय परिसीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए संज्ञा अधिगरी होंगे तथा भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के समकक्ष होंगे जो उक्त अधिनियम द्वारा अथवा इसके तहत संज्ञा अधिकारियों के कर्तव्यों अथवा शक्तियों का निर्वाह करेंगे या उपयोग करेंगे।

## तालिका-1 (मुख्य परियोजनाएं)

क्र. अधिकाारियों के पदनाम  
सं.

मुख्य परियोजनाओं में सम्बन्धित सार्वजनिक परिसरों की  
श्रेणियां और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं

1. अधीक्षक अभियंता (सिविल) कालोनी विभाग,  
दुर्गापुर ताप विद्युत केन्द्र, दामोदर घाटी निगम,  
दुर्गापुर, प. बंगाल

(क) वारिया-दुर्गापुर जिला-बुरदवान, प. बंगाल में दामोदर घाटी निगम की स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर लिए गए अथवा इनके द्वारा किराए पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था और

(ख) अपने अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर दुर्गापुर स्टीन परियोजना टाउनशिप, जिना बुरदवान में व्रेनाधिति।

2. प्रशासनिक अधीक्षक कालोनी विभाग, दामोदर घाटी  
निगम मैथान, जिला धनबाद, बिहार

मैथान जिला-धनबाद, बिहार और बांदाट कालोनी, मैथान जिला-बुरदवान प. बंगाल में दामोदर घाटी निगम की उसके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर दामोदर घाटी निगम द्वारा लीज पर लिए गए अथवा उनके द्वारा किराए पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था,

3. अधीक्षक अभियंता (सिविल), सर्किल-1 कालोनी विभाग,  
दामोदर घाटी निगम, पंचेत, जिला-धनबाद, बिहार

पंचेत, जिला-धनबाद बिहार में दामोदर घाटी निगम की, उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।

4. रेजिमेंट मजिस्ट्रेट कालोनी विभाग,  
चन्द्रपुर ताप विद्युत केन्द्र, दामोदर घाटी निगम,  
चन्द्रपुर, जिला बोकारो, बिहार

चन्द्रपुर, जिला बोकारो, बिहार में दामोदर घाटी निगम की, उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।





1	2	3
25.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-4, दामोदर घाटी निगम, पुटकी, धनबाद, बिहार।	निमियाघाट, जिला गिरीडिह, बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
26.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-4, दामोदर घाटी निगम, पुटकी, धनबाद, बिहार।	कटराज, जिला धनबाद, बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
27.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-5, दामोदर घाटी निगम, हजारी बाग, बिहार।	सरहो, जिला हजारीबाग, बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
28.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-5, दामोदर घाटी निगम, हजारीबाग, बिहार।	कोडारमा, जिला हजारीबाग, बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
29.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-4, दामोदर घाटी निगम, हजारीबाग, बिहार।	मिजुआ, जिला धनबाद बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
30.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-4 दामोदर घाटी निगम, पुटकी, धनबाद, बिहार।	दिगवाडी, जिला धनबाद बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
31.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-4, दामोदर घाटी निगम, पुटकी, बिहार, धनबाद, बिहार।	गम्बरू मोमेंट कम्पनी रिमिनिंग स्टेशन, जिला धनबाद, बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
32.	कार्यपालक अभियंता, कालोनी विभाग, दामोदर घाटी निगम, मैथान।	लेक्ट्रिक कालोनी, मैथान जिला बुरदधान, पं. बंगाल में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।
33.	अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ग्रिड प्रचालन अनुरक्षण विभाग-5, दामोदर घाटी निगम, हजारीबाग, बिहार।	पतगवू, जिला हजारीबाग बिहार में दामोदर घाटी निगम की उनके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के भीतर उनके स्वामित्व वाली अथवा उनके द्वारा लीज पर ली गई सभी प्रकार की भूमि, क्वाटर और अन्य प्रकार की आवास व्यवस्था।

[फा.सं. 15/4/90-डी बी सी]

वी.बी. प्रसाद, निदेशक (ताप-विद्युत)

## MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 29th September, 1994

S.O. 2974.—In exercise of powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) (herein after referred to as the said Act), and in supersession of the Government of India, then Ministry of Energy (Department of Power), notification S.O. 1130, dated the 31st March, 1978, notification S.O. 3608 dated the 11th October, 1979 and notification S.O. 4017, dated the 20th September, 1983, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers of the Damodar Valley Corporation mentioned in Column (2) of the Tables below, being officers of equivalent rank to Gazetted Officers of Government, to be estate officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the categories of public premises specified in the corresponding entry in column (3) of the said Tables.

TABLE-1 (MAIN PROJECTS)

Sl. No.	Designation of officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction relating to Main Projects
1	2	3
1.	Superintending Engineer (Civil) Colony Division, Durgapur Thermal Power Station, Damodar Valley Corporation Durgapur, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in (a) Waria-Durgapur district-Burdwan, West Bengal and (b) Benachity within the Durgapur Steel Project Township district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
2.	Administrative Superintendent, Colony Division, Damodar Valley Corporation Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Maithon district-Dhanbad, Bihar and Left Bank Colony, Maithon district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
3.	Superintending Engineer (Civil), Circle-I, Colony Division, Damodar Valley Corporation, Panchet, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Panchet, district-Dhanbad Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
4.	Resident Magistrate, Colony Division, Chandrapura Thermal Power Station, Damodar Valley Corporation, Chandrapura, district-Bokaro, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Chandrapura, district-Bokaro, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
5.	Resident Magistrate, Colony Division, Bokaro Thermal Power Station, Damodar Valley Corporation, Bokaro, district-Bokaro, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation, in Bokaro Thermal Power Station, district-Bokaro, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
6.	Senior Divisional Engineer, (Electrical), Damodar Valley Corporation, Tileiye, Damodar Valley Corporation, Tileiye, district-Hazaribagh, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Konar, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
7.	Senior Divisional Engineer (Civil), Damodar Valley Corporation, Koner, district-Hazaribagh, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Konar, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
8.	Director of Soil Conservation, Damodar Valley Corporation, Hazaribagh, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Hazaribagh, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
9.	Superintending Engineer (Electrical), Grid Operation Maintenance Division-III, Damodar Valley Corporation, Jamshedpur, district-Singhbhum (East), Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Jamshedpur, district-Singhbhum (East), Bihar, within the local limits of his jurisdiction.

**TABLE—2**  
**(UNITS UNDER GRID OPERATION AND MAINTENANCE DIVISION)**

Sl. No.	Designation of officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction (Grid Operation and Maintenance Division).
1	2	3
1.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation and Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Putki, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
2.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation and Maintenance Division-I, Damodar Valley Corporation, Howrah, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Howrah, district-Howrah, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
3.	Farm Superintendent, Panagarh Agricultural Fera, Damodar Valley Corporation, Panagarh, district-Burdwan, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Panagarh, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
4.	Joint Secretary, Damodar Valley Corporation, Calcutta.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Calcutta within its Municipal area, within the local limits of his jurisdiction.
5.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-I, Damodar Valley Corporation, Howrah, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Belmuri, district-Hooghly West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
6.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-I, Damodar Valley Corporation, Howrah, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Burdwan district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
7.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-I, Damodar Valley Corporation, Howrah, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation Koleyhat, district-Midnapur, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
8.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-I, Damodar Valley Corporation, Howrah, West Bengal.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Khargapur, district-Midnapur, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
9.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Kulti, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
10.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-III, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Dishergarh, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
11.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Kalipahari, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
12.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Alloy Steel Plant sub-station, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
13.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Luchipur, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.

(1)	(2)	(3)
14.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Seebpur, district-Burdwan West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
15.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Kumardhubi, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
16.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Remkanali, district-Purulia, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
17.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-II, Damodar Valley Corporation, Maithon, district-Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Hirepur, district-Burdwan West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
18.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-V, Damodar Valley Corporation, Hazaribagh, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Rangarh, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
19.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-III, Damodar Valley Corporation, Jamshedpur, district-Singhbhum (East), Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Mosabani, district-East Singhbhum, Bihar within the local limits of his jurisdiction.
20.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-V, Damodar Valley Corporation, Hazaribagh, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Gole, district-Hazaribagh Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
21.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-III, Damodar Valley Corporation, Jamshedpur, district-Singhbhum (East), Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Chandil, district-East Singhbhum, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
22.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-III, Damodar Valley Corporation, Jamshedpur, district-Singhbhum (East), Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Purulia, district-Purulia West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
23.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation, Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Sindri, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
24.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Patherdih, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
25.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Nimiaghat, district-Giridih, within the local limits of his jurisdiction.
26.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Katras, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
27.	Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-V, Damodar Valley Corporation, Hazaribagh, Bihar.	All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Barhi, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.



(1)	(2)	(3)
28. Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-V, Damodar Valley Corporation, Hazaribagh, Bihar.		All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Kodarma, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
29. Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.		All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Sijua, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
30. Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.		All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Digwadi, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.
31. Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-IV, Damodar Valley Corporation, Putki, Dhanbad, Bihar.		All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Associated Cement Company Receiving Station, district-Dhanbad, Bihar, within the local limits of jurisdiction.
32. Executive Engineer, Colony Division, Damodar Valley Corporation, Maithon.		All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Left Bank Colony, Maithon, district-Burdwan, West Bengal, within the local limits of his jurisdiction.
33. Superintending Engineer (Electrical) Grid Operation Maintenance Division-V, Damodar Valley Corporation, Hazaribagh, Bihar.		All lands, quarters and other accommodation owned or leased or rented by the Damodar Valley Corporation in Patratu, district-Hazaribagh, Bihar, within the local limits of his jurisdiction.

[File No. 15/4/90-DVC]

V.V. PRASAD, Director (Thermal)

## पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1994

का.आ. 2975.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में विजयपुर से दादरी तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है।

बतते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारतीय विद्यालय चौराहा, ए.बी. रोड, शिवपुरी (म.प्र.) को इस अधिसूचना को तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसी आपत्ति करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची			1	2	3
विजयपुर-दादरी गैस पाइप लाइन परियोजना					
ग्राम : ढोगरा, तहसील : शिवपुरी, जिला : शिवपुरी			39.	612	0.2432
			40.	625	0.0068
			41.	611	0.1650
			42.	610	0.4160
			43.	639	0.0350
			44.	640	0.1695
			45.	456	0.4375
			46.	457	0.2940
			47.	458	0.3365
			48.	446	0.0035
			49.	476	0.1995
			50.	477	0.1903
			51.	439	0.0919
			52.	438	0.1870
			53.	435	0.1680
			54.	434	0.0143
			55.	436	0.0844
			56.	437	0.0104
			57.	423	0.2226
			58.	422	0.0162
			59.	420	0.2030
			60.	421	0.0247
			61.	418	0.0267
			योग		9.7111
			ग्राम : खानपुर		
			01.	1242	0.0520
			02.	1237	0.2775
			03.	1238	0.0245
			04.	1240	0.3105
			05.	1239	0.2550
			06.	1241	0.0200
			07.	660	0.0600
			08.	1208	0.0680
			09.	1207	0.0035
			10.	660	0.0210
			11.	1015	0.0900
			12.	1016	0.2550
			13.	1014	0.1600
			14.	1011	0.1350
			15.	1026	0.2300
			16.	1007	0.2970
			17.	1027	0.0330
			18.	1006	0.6030
			19.	1003	0.0530

1	2	3	1	2	4
ग्राम : तानपुर					
20.	1002	0.3900	08.	19	0.2790
21.	1000	0.0660	09.	17	0.3778
22.	1001	0.0816	10.	16	0.0068
33.	999	0.0450	11.	15	0.1800
24.	989	0.0612	12.	106	0.0475
25.	990	0.1529			
26.	988	0.0350	योग		1.7610
27.	766	0.1575			
28.	869	0.0210	ग्राम : चौकी		
29.	885	0.3900	01.	150	0.1132
30.	882	0.0210	02.	147	0.1258
31.	771	0.1320	03.	148	0.0050
32.	772	0.0450	04.	143	0.0240
33.	773	0.0540	05.	142	0.3855
34.	774	0.0270	06.	141	0.0442
35.	775	0.6450	07.	103	0.0006
36.	781	0.0012	08.	102	0.9365
37.	782	0.1710	09.	101	0.0144
38.	783	0.1740	10.	106	0.1420
39.	789	0.0724	11.	107	0.2105
40.	255	0.0393	12.	109	0.2640
41.	256	0.0196	13.	96	0.0270
42.	258	0.1008	14.	87	0.2810
43.	257	0.1800	15.	88	0.1081
44.	247	0.0572	16.	66	0.0940
45.	248	0.1885	17.	67	0.2645
46.	244	0.3900	18.	65	0.0915
47.	243	0.0428	19.	55	0.3577
48.	241	0.3630	20.	54	0.0305
49.	235	0.0875	21.	34	0.1464
50.	237	0.0175	22.	32	0.0660
51.	236	0.4215	23.	33	0.0216
52.	103	0.0225	24.	30	0.3480
53.	901	0.1350	25.	28	0.1665
योग		7.7590	26.	29	0.0450
			27.	4	0.0240
			28.	251	0.0450
			29.	252	0.0027
			30.	259	0.2423
			31.	253	0.0102
			32.	260	0.3120
			33.	264	0.2639
			34.	263	0.4261
			योग		4.7400
ग्राम : असुवाखेडी					
01.	28	0.1950			
02.	26	0.0270			
03.	24	0.0977			
04.	25	0.0583			
05.	23	0.2320			
06.	38	0.0937			
07.	22	0.1662			

1	2	3
ग्राम : बिर्गोकला		
01.	402	0.0195
02.	403	0.5984
03.	398	0.0840
04.	336	0.1092
05.	339	0.0441
06.	337	0.0980
07.	338	0.3428
08.	328	0.3378
09.	344	0.0814
10.	327	0.0098

योग 1.7250

ग्राम : मालखेडी

01.	212	0.2153
02.	211	0.2760
03.	202	0.0350
04.	226	0.0025
05.	227	0.0250
06.	228	0.0705
07.	230/2	0.1273
08.	229	0.0256
09.	230/3	0.2635
10.	194/1	0.2160
11.	194/2	0.3670
12.	233	0.0015
13.	193	0.0590
14.	189	0.1623
15.	187	0.0173
16.	188	0.0650
17.	164	0.1766
18.	182	0.0750
19.	166	0.0018
20.	168	0.1274
21.	167	0.3620
22.	153	0.2790
23.	154	0.0009
24.	152	0.0600
25.	150	0.0630
26.	149	0.1052
27.	148	0.0507
28.	142	0.0192
29.	146	0.0090
30.	147	0.0209
31.	136	0.0789

1	2	3
32.	137	0.2139
33.	138	0.0150
34.	121	0.0588
35.	108	0.2460
36.	107	0.0437
37.	106	0.1348
38.	105	0.0352
39.	104	0.2334
योग		4.3392

ग्राम : कोटनदा

01.	966	0.2280
02.	967	0.1990
03.	969	0.2223
04.	956	0.0300
05.	961	0.2293
06.	957	0.6565
07.	960	0.0065
08.	945	0.0315
09.	944	0.1508
10.	941	0.2495
11.	942	0.0285
12.	940	0.2820
13.	929	0.2104
14.	927	0.0055
15.	926	0.2588
16.	925	0.0598
17.	917	0.2349
18.	918	0.0180
19.	919	0.0525
20.	920	0.0830
21.	856	0.0760
22.	857	0.2390
23.	858	0.0733
24.	859	0.0900
25.	829	0.0120
26.	860	0.3820
27.	861	0.0009
28.	862	0.0456
29.	298	0.2660
30.	292	0.2130
31.	291	0.1930
32.	289	0.2180
33.	288	0.2688
34.	287	0.1191

1	2	3	1	2	3
ग्राम : कोडावदा			ग्राम : क्योर खेजे (जारी)		
35.	274	0.1155	12.	392	0.3380
36.	272	0.2672	13.	395	0.1920
37.	273	0.1296	14.	398	0.1800
38.	271	0.2225	15.	399	0.0960
39.	270	0.0250	16.	403	0.1810
40.	269	0.0733	17.	354	0.2050
41.	224	0.2228	18.	352	0.1540
42.	225	0.2925	19.	353	0.0560
43.	226	0.1520	20.	348	0.2860
44.	227	0.0116	21.	336	0.1590
45.	216	0.1252	22.	337	0.1050
46.	215	0.1227	23.	338	0.0580
47.	206	0.2520	24.	332	0.1800
48.	205	0.0006	25.	331	0.1340
49.	207	0.0450	26.	330	0.2240
50.	208	0.2355	27.	327	0.1732
51.	209	0.0450	28.	328	0.0380
52.	41	0.0545	29.	314	0.0487
53.	44	0.0143	30.	313	0.1850
54.	53	0.1267			
55.	76	0.0491			योग 4.1730
56.	75	0.2364			
57.	74	0.1575			
58.	72	0.0390	ग्राम : छार		
59.	73	0.0660	01.	73	0.0575
60.	55	0.1617	02.	72	0.0960
61.	56	0.0468	03.	67	0.1825
62.	58	0.0950	04.	71	0.0192
63.	52	0.0755	05.	68	0.1260
	योग	8.9220	06.	66	0.1170
ग्राम : क्योर खेडी			07.	64	0.0840
01.	710	0.1990	08.	63	0.2134
02.	625	0.0558	09.	62	0.0168
03.	596	0.3175	10.	60	0.0921
04.	591	0.0310	11.	43	0.0338
05.	589	0.1500	12.	61	0.0176
06.	587	0.0018	13.	8	0.3347
07.	588	0.0750	14.	5	0.2140
08.	426	0.0210	15.	3	0.2800
09.	376	0.0190	16.	2	0.1323
10.	377	0.0925			
11.	378	0.2225			योग 2.0069

1	2	3	1	2	3
ग्राम : ठरों			ग्राम : ठरों (जारी)		
01.	298	0.0540	13.	323	0.1117
02.	261	0.3580	14.	398	0.0135
03.	262	0.0009	15.	397	0.0525
04.	263	0.2330	16.	322	0.0760
05.	120	0.3087	17.	321	0.1198
06.	258	0.0610	18.	320	0.2005
07.	257	0.1974	19.	394	0.0252
08.	275	0.1500	20.	393	0.0012
09.	258	0.4703	21.	30	0.2640
10.	247	0.1661	22.	29	0.3240
11.	246	0.0456	23.	28	0.0945
12.	268	0.0135	24.	33	0.1255
12.	268	0.0135	25.	51	0.2326
13.	245	0.3400	26.	50	0.0851
14.	243	0.3610	27.	46	0.0252
15.	118	0.0370	28.	52	0.2047
16.	119	0.0500	29.	55	0.0008
17.	116	0.0150	30.	59	0.0360
18.	114	0.2565	31.	67	0.0459
19.	113	0.0400	32.	66	0.0750
20.	108	0.1270	33.	65	0.0480
21.	106	0.1270	34.	63	0.0984
22.	105	0.0231	35.	62	0.0441
23.	104	0.1417	36.	61	0.3420
24.	103	0.2115	37.	183	0.0840
25.	102	0.0322			
26.	101	0.0194			5.2690
27.	100	0.2686			
	योग	3.9780	ग्राम : खोन्धार		
ग्राम : ठरों			01.	2084	0.2525
01.	430	0.1253	02.	2088	0.0036
02.	421	0.1710	03.	2081	0.0080
03.	420	0.1550	04.	2089	0.2315
04.	419	0.1590	05.	2074	0.2340
05.	416	0.1720	06.	2073	0.0193
06.	417	0.3400	07.	2072	0.1410
07.	409	0.3600	08.	2064	0.1620
08.	406	0.2565	09.	2065	0.0930
09.	405	0.2400	10.	2066	0.0473
10.	400	0.2580	11.	2059	0.3686
11.	392	0.2968	12.	2058	0.0518
12.	324	0.0052	13.	2050	0.1760
			14.	2048	0.2860
			15.	2049	0.2210
			16.	2028	0.2584

1	2	3
17.	2029	0.0132
18.	2036	0.1735
19.	2033	0.4675
20.	2034	0.0704
21.	2007	0.0300
22.	721	0.0550
23.	716	0.0052
24.	717	0.1573
		3.5261
<b>ग्राम : तर्दू भाटे</b>		
01.	301	0.0300
02.	817	0.1350
03.	821	0.0360
04.	822	0.2160
05.	823	0.2505
06.	813	0.1090
07.	811	0.0333
08.	812	0.0828
09.	910	0.0423
10.	808	0.1170
11.	807	0.100
12.	809	0.1020
13.	793	0.1200
14.	794	0.2340
15.	782	0.0070
16.	783	0.1800
17.	784	0.2010
18.	166	0.2115
19.	713	0.0730
20.	127	0.0270
21.	165	0.025
22.	705	0.1135
23.	706	0.0034
23.	706	0.1755
24.	707	0.0034
25.	695	0.0598
26.	674	0.0204
27.	673	0.2345
28.	668	0.0960
29.	669	0.0840
30.	255	0.2420
31.	257	0.0900
32.	256	0.1615
33.	258	0.0150

  

1	2	3
34.	252	0.3485
35.	249	0.0240
36.	248	0.0850
37.	247	0.0050
38.	265	0.0210
39.	328	0.0110
40.	329	0.3670
41.	327	0.0430
42.	330	0.0960
43.	331	0.0240
44.	458	0.0350
45.	459	0.0140
46.	457	0.1260
47.	456	0.2750
48.	455	0.3850
49.	476	0.3310
		5.7024
<b>ग्राम : ठकरोरा</b>		
01.	465	0.2340
02.	466	0.0504
03.	449	0.2100
04.	419	0.0390
05.	298	0.4660
06.	300	0.0495
07.	303	0.2310
08.	309	0.0125
09.	308	0.0775
10.	307	0.0510
11.	319	0.829
12.	320	0.0440
13.	321	0.1300
14.	322	0.0240
15.	166	0.3855
16.	136	0.1935
17.	135	0.0450
18.	140	0.3172
19.	142	0.3410
20.	80	0.1965
21.	78	0.2670
22.	65	0.1008
23.	63	0.0476
24.	64	0.1550
25.	58	0.1080

1	2	3	1	2	3
			ग्राम : बिलपुरा		
26	56	0.0570	01.	114	0.6645
27.	57	0.1680	02.	115	0.0075
28.	7/509	0.1560	03.	113	0.0300
29.	7	0.1051	04.	112	0.2010
30.	6	0.1282	05.	117	0.1337
31.	8	0.0056	06.	118	0.0045
32.	1	0.0976	07.	106	0.0124
			08.	107	0.0024
			09.	105	0.0480
			10.	104	0.0150
			11.	101	0.0712
			12.	102	0.1677
			13.	68	0.0603
			14.	67	0.0476
			15.	66	0.1890
			16.	60	0.0270
			17.	42	0.1530
			18.	38	0.5362
			19.	46	0.1430
			20.	48	0.1742
			21.	37	0.0447
			22.	49	0.0451
			23.	50	0.0240
			योग		2.8020
			ग्राम : चक्रमानर बसई		
			01.	123	0.1509
			02.	126	0.0126
			03.	125	0.2355
			योग		0.3990
			ग्राम : चाकडोकन बसई		
			01.	53	0.3045
			02.	54	0.0128
			03.	57	0.0028
			04.	58	0.0420
			05.	90	0.1250
			06.	88	0.1945
			07.	85	0.0425
			08.	86	0.2640
			09.	79	0.3350
			10.	78	0.1109
			योग		1.4340
			ग्राम : रामाबसई		
01.	715	0.1260			
02.	707	0.1998			
03.	706	0.0330			
04.	708	0.1113			
05.	709	0.0630			
06.	699	0.2070			
07.	698	0.0210			
08.	696	0.0975			
09.	695	0.0444			
10.	690	0.1995			
11.	692	0.1058			
12.	693	0.0941			
13.	679	0.0296			
14.	673	0.0050			
15.	672	0.0665			
16.	651	0.0475			
17.	675	0.0270			
18.	648	0.1020			
19.	645	0.1795			
20.	626	0.0035			
21.	628	0.3360			
22.	627	0.0068			
23.	572	0.2341			
24.	569	0.0240			
25.	404	0.0126			
26.	408	0.1974			
27.	409	0.0420			
28.	410	0.2760			
29.	411	0.0240			
30.	455	1.0141			
31.	463	0.0150			
योग		3.9450			



1	2	3	1	2	3
ग्राम : तारका					
01.	27	0.0100	07.	999	0.1590
02.	28	0.1620	08.	998	0.1350
03.	35	0.2490	09.	997	0.0948
04.	36	0.0423	10.	992	0.0009
05.	26	0.0020	11.	993	0.1572
06.	24	0.0012	12.	994	0.0120
07.	23	0.0042	13.	963	0.0540
08.	22	0.0430	14.	962	0.0084
09.	38	0.2375	15.	961	0.1350
10.	10	0.0812	16.	960	0.0240
11.	8	0.1173	17.	959	0.1400
12.	9	0.2074	18.	1018	0.0182
13.	4	0.0654	19.	1019	0.0763
14.	6	0.2929	20.	956	0.0330
15.	5	0.0056	21.	951	0.1293
16.	2	0.0150	22.	946	0.1560
			23.	943	0.1560
		1.5360	24.	947	0.0095
			25.	942	0.2969
			26.	941	0.0390
ग्राम : माडनखेड़ी			27.	939	0.2713
01.	60	0.4160	28.	936	0.0498
02.	34	0.3158	29.	1021	0.1326
03.	37	0.0162	30.	1027	0.0015
04.	35	0.1230	31.	1028	0.4064
05.	31	0.0090	32.	1040	0.2520
06.	16	0.0414	33.	1041	0.0826
07.	17	0.0364	34.	933	0.0252
08.	18	0.0300	35.	931	0.4122
09.	19	0.2060	36.	922	0.0108
10.	20	0.0240	37.	927	0.2455
11.	21	0.1787	38.	924	0.4300
12.	22	0.0040	39.	925	0.1810
13.	86	0.0395	40.	210	0.0210
		1.4400	41.	185	0.3550
			42.	184	0.0264
			43.	176	0.0989
			44.	175	0.0352
ग्राम : सिकरबदा			45.	174	0.1260
01.	1297	0.0450	46.	172	0.2820
02.	981	0.0306	47.	164	0.0270
03.	977	0.0895	48.	98	0.2755
04.	980	0.1555	49.	102	0.2250
05.	979	0.0096	50.	101	0.0325
06.	986	0.0870	51.	103	0.3095
			52.	104	0.1885



1	2	3	1	2	3
ग्राम : भिलूपुरा					
01.	227	0.0330	09.	107	0.5075
02.	219	0.3880	10.	100	0.2460
03.	218	0.5180	11.	96	0.4123
04.	215	0.1970	12.	93	0.1904
05.	213	0.2758	13.	91	0.0848
06.	198	0.2520	14.	92	0.1290
07.	194	0.0250	15.	87	0.5656
08.	193	0.6395	16.	85	0.5545
09.	192	0.6000	17.	84	0.0095
10.	191	0.6240	18.	83	0.2246
11.	187	0.5850	19.	82	0.2940
12.	176	0.3450	20.	79	0.0802
13.	175	0.1050	21.	80	0.2055
			22.	2	0.1235
		4.3123			5.3790

ग्राम : डेडरी

01.	358	0.7495
02.	357	0.8040
03.	356	0.2400
04.	355	0.1290
05.	354	0.0600
06.	57	0.1140
07.	383	0.1652
08.	384	0.0840
09.	390	1.4850
10.	393	0.8355
11.	8	0.0728
12.	7	0.5830
13.	395	0.0045
14.	396	0.0542
15.	6	0.0330

योग :

5.4137

ग्राम : ध्यामपुर

01.	168	0.3212
02.	133	0.0012
03.	77	0.3725
04.	76	0.5550
05.	75	0.1560
06.	78	0.0432
07.	112	0.0625
08.	108	0.2400

[सं. एल-14016/11/94-जी पी]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 22nd September, 1994

S.O. 2975.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural gas from Vijaipur to Dadri in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas AUTHORITY OF INDIA LIMITED, BHARTIYA VIDYALAYA CHAURAH, A.B. ROAD, SHIV-PURI (M.P.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE			(1)	(2)	(3)
VIJAYPUR-DADRI GAS PIPELINE PROJECT					
Village : Tongra, Tehsil : Shivpuri, Distt. : Shivpuri					
Sr. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare			
(1)	(2)	(3)			
01.	2617	0.2400	48.	446	0.0035
02.	2616	0.0300	49.	476	0.1995
03.	2605	0.0400	50.	477	0.1903
04.	2606	0.3211	51.	439	0.0919
05.	2604	0.0292	52.	438	0.1370
06.	2607	0.1035	53.	435	0.1680
07.	2608	0.2298	54.	434	0.0143
08.	2575	0.6042	55.	436	0.0844
09.	2577	0.0950	56.	437	0.0104
10.	2579	0.1352	57.	423	0.2226
11.	910	0.0225	58.	422	0.0162
12.	1004	0.0140	59.	420	0.2030
13.	1003	0.1930	60.	421	0.0247
14.	1008	0.2408	61.	418	0.0267
15.	1009	0.1860	Total :		9.7111
16.	1010	0.1500	Vill. Tanpur		
17.	1011	0.1844	01.	1242	0.0520
18.	1013	0.0590	02.	1237	0.2775
19.	1012	0.2400	03.	1238	0.0245
20.	988	0.2350	04.	1240	0.3105
21.	987	0.3026	05.	1239	0.2550
22.	951	0.1790	06.	1241	0.0200
23.	952	0.2066	07.	660	0.0600
24.	955	0.3341	08.	1208	0.0680
25.	957	0.0314	09.	1207	0.0035
26.	956	0.1155	10.	660	0.0210
27.	848	0.0700	11.	1015	0.0900
28.	847	0.1680	12.	1016	0.2550
29.	841	0.1608	13.	1014	0.1600
30.	840	0.1109	14.	1011	0.1350
31.	843	0.0631	15.	1026	0.2300
32.	839	0.1935	16.	1007	0.2970
33.	617	0.4759	17.	1027	0.0330
34.	619	0.0002	18.	1006	0.6030
35.	621	0.0133	19.	1003	0.0530
36.	624	0.2087	20.	1002	0.3900
37.	616	0.1560	21.	1000	0.0660
38.	615	0.0728	22.	1001	0.0846
39.	612	0.2432	23.	999	0.0450
40.	625	0.0068	24.	989	0.0612
41.	611	0.1650	25.	990	0.1529
42.	610	0.4160	26.	988	0.0350
43.	639	0.0350	27.	766	0.1575
44.	640	0.1695	28.	869	0.0210
45.	456	0.4375	29.	885	0.3900
46.	457	0.2940	30.	882	0.0210
47.	458	0.3365	31.	771	0.1320
			32.	772	0.0450
			33.	773	0.0540
			34.	774	0.0270
			35.	775	0.6450
			36.	781	0.0012

1	2	3	1	2	3
Village : Tanpur			Village : Chauki		
37. 782		0.1710	15. 88		0.1081
38. 783		0.1740	16. 66		0.0940
39. 789		0.0724	17. 67		0.2645
40. 255		0.0393	18. 65		0.0915
41. 256		0.0196	19. 55		0.3577
42. 258		0.1008	20. 54		0.0305
43. 257		0.1800	21. 34		0.1464
44. 247		0.0572	22. 32		0.0660
45. 248		0.1885	23. 33		0.0216
46. 244		0.3900	24. 30		0.3480
47. 243		0.0428	25. 28		0.1665
48. 241		0.3630	26. 29		0.0450
49. 235		0.0875	27. 4		0.0240
50. 237		0.0175	28. 251		0.0450
51. 236		0.4215	29. 252		0.0027
52. 103		0.0225	30. 259		0.2423
53. 901		0.1350	31. 253		0.0102
			32. 260		0.3120
			33. 264		0.2639
			34. 263		0.4264
	Total	7.7590		Total	4.7400
Village : Asuwa Kheri			Village : Bilokalan		
1. 28		0.1950	1. 402		0.0195
2. 26		0.0270	2. 403		0.5984
3. 24		0.0977	3. 398		0.0840
4. 25		0.0583	4. 336		0.1092
5. 23		0.2320	5. 339		0.0441
6. 38		0.0937	6. 337		0.0980
7. 22		0.1662	7. 338		0.3428
8. 19		0.2790	8. 328		0.3378
9. 17		0.3778	9. 344		0.0814
10. 16		0.0068	10. 327		0.0098
11. 15		0.1800			
12. 106		0.0475			
	Total	1.7610		Total	1.7250
Village : Chauki			Village : Malakheri		
1. 150		0.1132	1. 212		0.2153
2. 147		0.1258	2. 211		0.2760
3. 148		0.0050	3. 202		0.0350
4. 143		0.0240	4. 226		0.0025
5. 142		0.3855	5. 227		0.0250
6. 141		0.0442	6. 228		0.0705
7. 103		0.0006	7. 230/2		0.1273
8. 102		0.0365	8. 229		0.0256
9. 101		0.0144	9. 230/3		0.2635
10. 106		0.1420	10. 194/1		0.2160
11. 107		0.2105	11. 194/2		0.3670
12. 109		0.2640	12. 233		0.0015
13. 96		0.0270	13. 193		0.0590
14. 87		0.2810	14. 189		0.1623

1	2	3	1	2	3
Vill. : Malakheri			Vill. : Kondavada		
15.	187	0.0173	25.	829	0.0120
16.	188	0.0650	26.	860	0.3820
17.	164	0.1766	27.	861	0.0009
18.	182	0.0750	28.	862	0.0456
19.	166	0.0018	29.	298	0.2660
20.	168	0.1274	30.	292	0.2130
21.	167	0.3620	31.	291	0.1930
22.	153	0.2790	32.	289	0.2180
23.	154	0.0009	33.	288	0.2688
24.	152	0.0600	34.	287	0.1191
25.	150	0.0630	35.	274	0.1155
26.	149	0.1052	36.	272	0.2672
27.	148	0.0507	37.	273	0.1296
28.	142	0.0192	38.	271	0.2225
29.	146	0.0090	39.	270	0.0250
30.	147	0.0209	40.	269	0.0733
31.	136	0.0789	41.	224	0.2228
32.	137	0.2139	42.	225	0.2925
33.	138	0.0150	43.	226	0.1520
34.	121	0.0588	44.	227	0.0116
35.	108	0.2460	45.	216	0.1252
36.	107	0.0437	46.	215	0.1227
37.	106	0.1348	47.	206	0.2520
38.	105	0.0352	48.	205	0.0006
39.	104	0.2334	49.	207	0.0450
Total		4.3392	50.	208	0.2355
Village : Kondavada			51.	209	0.0450
1.	966	0.2280	52.	41	0.0545
2.	967	0.1990	53.	44	0.0143
3.	969	0.2223	54.	53	0.1367
4.	956	0.0300	55.	76	0.0491
5.	961	0.2293	56.	75	0.2364
6.	957	0.6565	57.	74	0.1575
7.	960	0.0065	58.	72	0.0390
8.	945	0.0315	59.	73	0.0660
9.	944	0.1508	60.	55	0.1817
10.	941	0.2495	61.	56	0.0438
11.	942	0.0285	62.	58	0.0960
12.	940	0.2820	63.	52	0.0755
13.	929	0.2104	Total		8.9220
14.	927	0.0055	Village : Kabirkheri		
15.	926	0.2588	1.	710	0.1990
16.	925	0.0598	2.	625	0.0558
17.	917	0.2349	3.	596	0.3175
18.	918	0.0180	4.	591	0.0310
19.	919	0.0525	5.	589	0.1500
20.	920	0.0830	6.	587	0.0018
21.	856	0.0760	7.	588	0.0750
22.	857	0.2390	8.	426	0.0210
23.	858	0.0733	9.	376	0.0190
24.	859	0.0900	10.	377	0.0925

1	2	3	1	2	3
Village : Kabirkheri			Village : Tharri		
11.	378	0.2225	09.	248	0.4703
12.	392	0.3380	10.	247	0.1661
13.	395	0.1920	11.	246	0.0456
14.	398	0.1800	12.	268	0.0135
15.	399	0.0960	13.	245	0.3400
16.	403	0.1810	14.	243	0.3610
17.	354	0.2050	15.	118	0.0370
18.	352	0.1540	16.	119	0.0500
19.	353	0.0560	17.	116	0.0150
20.	348	0.2860	18.	114	0.2560
21.	336	0.1590	19.	113	0.0400
22.	337	0.1050	20.	108	0.1270
23.	338	0.0540	21.	106	0.1270
24.	332	0.1800	22.	105	0.0231
25.	331	0.1350	23.	104	0.1417
26.	330	0.2240	24.	103	0.2115
27.	327	0.1732	25.	102	0.0322
28.	328	0.0360	26.	101	0.0194
29.	314	0.0487	27.	100	0.2686
30.	313	0.1850			
Total		4.1730	Total:		3.9780
Village : Chhar			Village : Tharra		
01.	73	0.0575	01.	430	0.1253
02.	72	0.0960	02.	421	0.1710
03.	67	0.1725	03.	420	0.1550
04.	71	0.0192	04.	419	0.1590
05.	68	0.1260	05.	416	0.1720
06.	66	0.1170	06.	417	0.3400
07.	64	0.0840	07.	409	0.3600
08.	63	0.2134	08.	406	0.2565
09.	62	0.0168	09.	405	0.2400
10.	60	0.0921	10.	400	0.2580
11.	43	0.0338	11.	392	0.2968
12.	61	0.0176	12.	324	0.0052
13.	8	0.3347	13.	323	0.1117
14.	5	0.2140	14.	398	0.0135
15.	3	0.2800	15.	397	0.0525
16.	2	0.1323	16.	322	0.0760
Total :		2.0069	17.	321	0.1198
Village : Tharri			18.	320	0.2005
01.	298	0.0540	19.	394	0.0252
02.	261	0.3580	20.	393	0.0012
03.	262	0.0009	21.	30	0.2640
04.	263	0.2330	22.	29	0.3240
05.	120	0.3087	23.	28	0.0945
06.	258	0.0660	24.	33	0.1255
07.	257	0.1974	25.	51	0.2326
08.	275	0.0150	26.	50	0.0851
			27.	46	0.0252
			28.	52	0.2047
			29.	55	0.0008

1	2	3	1	2	3
Village : Tharra			Village : Khuraibhat		
30.	59	0.0360	13.	793	0.1200
31.	67	0.0459	14.	794	0.2340
32.	66	0.0750	15.	782	0.0070
33.	65	0.0480	16.	783	0.1800
34.	63	0.0984	17.	784	0.2010
35.	62	0.0441	18.	166	0.2115
36.	61	0.3420	19.	713	0.0730
37.	183	0.0840	20.	127	0.0270
			21.	165	0.0025
Total :		5.2690	22.	705	0.1135
			23.	706	0.1755
			24.	707	0.0034
			25.	695	0.0598
Village : Khordhar			26.	674	0.0204
01.	2084	0.2525	27.	673	0.2345
02.	2088	0.0036	28.	668	0.0960
03.	2081	0.0080	29.	669	0.0840
04.	2089	0.2315	30.	255	0.2420
05.	2074	0.2340	31.	257	0.0900
06.	2073	0.0193	32.	256	0.1615
07.	2072	0.1410	33.	258	0.0150
08.	2064	0.1620	34.	252	0.3485
09.	2065	0.0930	35.	249	0.0240
10.	2066	0.0473	36.	248	0.0850
11.	2059	0.3686	37.	247	0.0050
12.	2058	0.0518	38.	265	0.0210
13.	2050	0.1760	39.	328	0.0110
14.	2048	0.2860	40.	329	0.3670
15.	2049	0.2210	41.	327	0.0430
16.	2028	0.2584	42.	330	0.0960
17.	2029	0.0132	43.	331	0.0204
18.	2036	0.1735	44.	458	0.0350
19.	2033	0.4675	45.	459	0.0140
20.	2034	0.0704	46.	457	0.1260
21.	2007	0.0300	47.	456	0.2750
22.	721	0.0550	48.	455	0.3850
23.	716	0.0052	49.	476	0.3310
24.	717	0.1573			
Total :		3.5261	Total : 5.7024		
Village : Khuraibhat			Village : Dhakrora		
01.	301	0.0300	01.	465	0.2340
02.	817	0.1350	02.	466	0.0405
03.	821	0.0360	03.	449	0.2100
04.	822	0.2160	04.	419	0.0390
05.	823	0.2505	05.	298	0.4660
06.	813	0.1090	06.	300	0.0495
07.	811	0.0333	07.	303	0.2310
08.	812	0.0828	08.	309	0.0125
09.	810	0.0423	09.	308	0.0775
10.	808	0.1170	10.	307	0.0510
11.	807	0.0100	11.	319	0.0829
12.	809	0.1020	12.	320	0.0440



1	2	3	1	2	3
13.	321	0.1300	Village : Bilupura		
14.	322	0.0240	01.	114	0.6645
15.	166	0.3855	02.	115	0.0075
16.	136	0.1935	03.	113	0.0300
17.	135	0.0450	04.	112	0.2010
18.	140	0.3172	05.	117	0.1337
19.	142	0.3410	06.	118	0.0045
20.	80	0.1965	07.	106	0.0124
21.	78	0.2670	08.	107	0.0024
22.	65	0.1008	09.	105	0.0480
23.	63	0.0476	10.	104	0.0150
24.	64	0.1550	11.	101	0.0712
25.	58	0.1080	12.	102	0.1677
26.	56	0.0570	13.	68	0.0603
27.	57	0.1680	14.	67	0.0476
28.	7/509	0.1560	15.	66	0.1890
29.	7	0.1051	16.	60	0.0270
30.	6	0.1282	17.	42	0.1530
31.	8	0.0056	18.	38	0.5362
32.	1	0.0976	19.	46	0.1430
Total :		4.5665	20.	48	0.1742
Village : Ramabasai			21.	37	0.0447
01.	715	0.1260	22.	47	0.0451
02.	707	0.1998	23.	50	0.0240
03.	706	0.0330	Total : 2.8020		
04.	708	0.1113	Village : Chakmanak Basai		
05.	709	0.0630	01.	123	0.1509
06.	699	0.2070	02.	126	0.0126
07.	698	0.0210	03.	125	0.2355
08.	696	0.0975	Total : 0.3990		
09.	695	0.0444	Village : Chak Dhokal Basai		
10.	690	0.1995	01.	53	0.3045
11.	692	0.1058	02.	54	0.0128
12.	693	0.0941	03.	57	0.0028
13.	679	0.0296	04.	58	0.0420
14.	673	0.0050	05.	90	0.1150
15.	672	0.0665	06.	88	0.1945
16.	651	0.0475	07.	85	0.0425
17.	675	0.0270	08.	86	0.2640
18.	648	0.1020	09.	79	0.3350
19.	645	0.1795	10.	78	0.1109
20.	626	0.0035	Total: 1.4340		
21.	628	0.3360	Total : 3.9450		
22.	627	0.0068			
23.	572	0.2341			
24.	569	0.0240			
25.	404	0.0126			
26.	408	0.1974			
27.	409	0.0420			
28.	410	0.2760			
29.	411	0.0240			
30.	455	1.0141			
31.	463	0.0150			

1	2	3	1	2	3
Village : Tarka					
01.	27	0.0100	15.	961	0.1350
02.	28	0.1620	16.	960	0.0240
03.	35	0.2490	17.	959	0.1400
04.	36	0.0423	18.	1018	0.0182
05.	26	0.0020	19.	1019	0.0763
06.	24	0.0012	20.	956	0.0330
07.	23	0.0042	21.	951	0.1293
08.	22	0.0430	22.	946	0.1560
09.	38	0.2375	23.	943	0.1560
10.	10	0.0812	24.	947	0.0095
11.	8	0.1173	25.	942	0.2969
12.	7	0.2074	26.	941	0.0390
13.	4	0.0654	27.	939	0.2713
14.	6	0.2929	28.	936	0.0498
15.	5	0.0056	29.	1021	0.1326
16.	2	0.0150	30.	1027	0.0015
			31.	1028	0.4064
			32.	1040	0.2520
		Total : 1.5360	33.	1041	0.0826
			34.	933	0.0252
Village : Marankheri			35.	931	0.4122
01.	60	0.4160	36.	922	0.0108
02.	34	0.3158	37.	927	0.2455
03.	37	0.0162	38.	924	0.4300
04.	35	0.1230	39.	925	0.1810
05.	31	0.0090	40.	210	0.0210
06.	16	0.0414	41.	185	0.3550
07.	17	0.0364	42.	184	0.0264
08.	18	0.0300	43.	176	0.0989
09.	19	0.2060	44.	175	0.0352
10.	20	0.0240	45.	174	0.1260
11.	21	0.1787	46.	172	0.2820
12.	22	0.0040	47.	164	0.0270
13.	86	0.0395	48.	98	0.2755
			49.	102	0.2250
		Total : 1.4400	50.	101	0.0325
Village : Sikarawada			51.	103	0.3095
01.	1297	0.0450	52.	104	0.1885
02.	781	0.0306	53.	89	0.1535
03.	977	0.0895	54.	88	0.1770
04.	980	0.1555	55.	5	0.1650
05.	979	0.0096	56.	6	0.1575
06.	986	0.0870	57.	3	0.2040
07.	999	0.1590	58.	8	0.0368
08.	998	0.1350	59.	2	0.1543
09.	997	0.0948	60.	9	0.0544
10.	992	0.0009	61.	1	0.1847
11.	993	0.1572	62.	28	0.0390
12.	994	0.0120			
13.	963	0.0540			
14.	962	0.0084			
					Total : 8.0813

1	2	3	Village : Sud	
Village : Sikarwadi			29. 77	0.0310
01. 54	0.3592	30. 80		0.0690
02. 53	0.0528	31. 75		0.1399
03. 40	0.4810	32. 74		0.0684
04. 48	0.1755	33. 81		0.0403
05. 47	0.2180	34. 73		0.0676
06. 42	0.1930	35. 72		0.0165
07. 29	0.1170	36. 71		0.0840
08. 16	0.0281	37. 67		0.0285
09. 27	0.0950	38. 65		0.2655
10. 28	0.0325	39. 57		0.2380
11. 26	0.0672	40. 64		0.0348
12. 25	0.0483	41. 63		0.0120
13. 21	0.0247	42. 55		0.0240
14. 22	0.1365	43. 51		0.1785
15. 14	0.0330	44. 56		0.1195
16. 5	0.1576			
17. 6	0.0390		Total :	5.7056
18. 4	0.2396			
19. 7	0.0280			
20. 218	0.0360			
Total :			2.5650	
Village : Sud				
01. 384	0.2710			
02. 372	0.2210			
03. 393	0.2105			
04. 398	0.1883			
05. 400	0.0259			
06. 399	0.2458			
07. 403	0.4382			
08. 406	0.4282			
09. 408	0.3385			
10. 407	0.0015			
11. 412	0.0138			
12. 413	0.1484			
13. 414	0.1425			
14. 415	0.016			
15. 420	0.0750			
16. 416	0.0180			
17. 419	0.1014			
18. 417	0.0108			
19. 418	0.2387			
20. 314	0.0210			
21. 245	0.0048			
22. 193	0.2475			
23. 194	0.1800			
24. 195	0.4078			
25. 197	0.0148			
26. 198	0.0360			
27. 188	0.0120			
28. 76	0.1951			
Village : Simaria				
		01. 2		0.0590
		02. 3		0.0940
		03. 4		0.0300
		04. 5		0.1350
		05. 1		0.0330
Total :				0.3510
Village : Silupura				
		01. 227		0.0330
		02. 219		0.3830
		03. 218		0.5180
		04. 215		0.1970
		05. 213		0.2758
		06. 198		0.2520
		07. 194		0.0250
		08. 193		0.6395
		09. 192		0.6000
		10. 191		0.6240
		11. 187		0.5850
		12. 176		0.3450
		13. 175		0.1050
Total :				4.3123
Village : Dendri				
		01. 358		0.7485
		02. 357		0.8040
		03. 356		0.2400
		04. 355		0.1290

1	2	3
Village : Dendri		
05.	354	0.0600
06.	57	0.1140
07.	383	0.1652
08.	384	0.0840
09.	390	1.4850
10.	393	0.8355
11.	8	0.0728
12.	7	0.5830
13.	395	0.0045
14.	396	0.0542
15.	6	0.0330
Total :		5.4137

## Village : Shyampur

01.	168	0.3212
02.	133	0.0012
03.	77	0.3725
04.	76	0.5550
05.	75	0.1560
06.	78	0.0432
07.	112	0.0625
08.	108	0.2400
09.	107	0.5075
10.	100	0.2460
11.	96	0.4123
12.	93	0.1904
13.	91	0.0848
14.	92	0.1290
15.	87	0.5656
16.	85	0.5545
17.	84	0.0095
18.	83	0.2246
19.	82	0.2940
20.	79	0.0802
21.	80	0.2055
22.	2	0.1235
Total		5.3790

[No. L. 14016/11/94-G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 22 मितम्बर, 1994

का.अ. 2976.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में विजयपुर से दादरी तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, द्वारा पाइप-लाइन बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारतीय विद्यालय चौराह ए. बी. रोड, शिवपुरी (म.प्र.) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसी आपत्ति करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

विजयपुर—दादरी गैस पाइपलाइन परियोजना

ग्राम : बेरजा, तहसील : पोहरी, जिला : शिवपुरी

क्रमांक	खसरा नं.	सर्वे का यह क्षेत्रफल जिसमें ग्राम.ओ.यू. अध्यापित किया जाता है। (हेक्टेयर में)
1	2	3
01.	1637	0.3150
02.	1638	0.0180
03.	1636	0.0504
04.	1635	0.0842
05.	1634	0.2070
06.	1633	0.0060
07.	1626	0.0720
08.	1625	0.2280
09.	1432	0.3215
10.	1435	0.0820
11.	1609	0.0690
12.	1433	0.0300
13.	1434	0.0060
14.	1437	0.3435
15.	1436	0.2899
16.	1445	0.1012
17.	1467	0.4414

1	2	3	1	2	3
ग्राम : बेरजा जरी					
18.	1468	0.0240	14.	477	0.0037
19.	1476	0.3503	15.	476	0.0280
20.	1471	0.0006	16.	475	0.6840
21.	1472	0.1314	17.	474	0.0245
22.	1473	0.2550	18.	472	0.2645
23.	1475	0.2916	19.	473	0.0360
			20.	401	0.2175
		3.7180	21.	403	0.0045
			22.	402	0.1905
ग्राम : गूगरपट्टी			23.	398	0.0444
01.	215	0.2395	24.	404	0.0630
02.	218	0.2070	25.	397	0.3035
03.	219	0.2490	26.	407	0.1350
04.	223	0.4020	27.	408	0.0270
05.	203	0.0240	28.	416	0.0120
06.	174	0.1338	29.	418/671	0.0515
07.	175	0.3497	30.	418	0.1480
08.	193	1.0923	31.	419	0.1110
09.	185	0.0480	32.	420	0.0480
10.	186	0.1764			4.2309
11.	187	0.2670	ग्राम : बिलवरा भाला		
12.	196	0.0040	01.	2161	0.2655
13.	195	0.2352	02.	2162	0.1650
14.	194	0.1410	03.	2166	0.1575
15.	117	0.0570	04.	2167	0.1575
16.	113	0.0930	05.	2176	0.2040
17.	112	0.0300	06.	2175	0.1230
18.	111	0.5510	07.	2173	0.1410
			08.	1972	0.2865
		4.2999	09.	1973	0.1215
ग्राम : गूगरगाँव			10.	1974	0.3415
01.	347	0.7375	11.	1999	0.4200
02.	354	0.1725	12.	1991	0.0015
03.	355	0.2100	13.	1988	0.2595
04.	351	0.0990	14.	1990	0.0748
05.	307	0.0400	15.	1989	0.1468
06.	364	0.0202	16.	1985	0.0045
07.	363	0.0615	17.	1747	0.1302
08.	361	0.1271	18.	1748	0.0180
09.	362	0.0675	19.	1750	0.0162
10.	367	0.0390	20.	1749	0.0179
11.	368	0.0135	21.	1753	0.0424
12.	480	0.0480	22.	1755	0.2902
13.	479	0.2485	23.	1754	0.0248

1	2	2	1	2	3
ग्राम : बीलवरा माता--जारी					
24.	1756	0.0510	24.	608	0.1140
25.	1722	0.0570	25.	602	0.1268
26.	1769	0.2400	26.	604	0.2410
27.	1778	0.0180	27.	603	0.0580
28.	1775	0.3030	28.	598	0.1795
29.	1776	0.0930	29.	597	0.1685
30.	1778	0.0180	30.	626	0.0180
31.	1816	0.1999			
32.	1814	0.0684			3.4193
33.	1813	0.0640			
34.	1812	0.0468	ग्राम : हुसैनपुर		
35.	1811	0.0600	01.	758	0.0180
36.	1809	0.2535	02.	748	0.4376
37.	1807	0.1740	03.	749	0.1012
38.	1830	0.0870	04.	546	0.2940
39.	1832	0.1830	05.	548	0.0690
40.	1848	0.0165	06.	550	0.2820
41.	1849	0.4257	07.	566	0.3060
42.	1847	0.1698	08.	564	0.0420
		5.9384	09.	563	0.1740
			10.	571	0.0460
ग्राम : बिन्दोराखुर्द					
01.	709	0.1690	11.	574	0.1740
02.	506	0.0360	12.	576	0.2340
03.	706	0.1396	13.	577	0.0020
04.	707	0.0261	14.	582	0.0660
05.	704	0.1050	15.	587	0.1525
06.	702	0.1490	16.	613	0.0833
07.	700	0.1930	17.	588	0.1701
08.	512	0.0285	18.	590	0.0114
09.	697	0.0045	19.	610	0.0159
10.	696	0.2699	20.	591	0.1575
11.	695	0.1590	21.	592	0.2040
12.	662	0.1490	22.	593	0.2430
13.	664	0.3620	23.	603	0.1560
14.	665	0.1145	24.	602	0.1844
15.	658	0.0470	25.	597	0.0016
16.	657	0.0750	26.	601	0.2790
17.	656	0.1808			3.9045
18.	655	0.0832	ग्राम : बालापुर		
19.	653	0.0294	01.	334	0.1999
20.	654	0.1140	02.	333	0.0200
21.	583	0.0280	03.	292	0.0510
22.	610	0.0330	04.	228	0.1490
23.	609	0.0180			

1	2	3	1	2	3
ग्राम : बालापुर			ग्राम : खटका		
05.	230	0.1137	01.	147	0.0257
06.	229	0.0390	02.	146	0.0070
07.	231	0.2090	03.	145	0.1470
08.	205	0.0990	04.	144	0.1340
09.	204	0.1140	05.	143	0.1320
10.	201	0.2240	06.	139	0.1980
11.	200	0.0810	07.	138	0.2370
12.	199	0.1700	08.	135	0.2250
13.	238	0.0492	09.	134	0.0150
14.	198	0.3170	10.	132	0.3060
15.	174	0.0210	11.	129	0.2373
16.	160	0.4100	12.	117	0.1410
17.	159	0.1080	13.	126	0.0028
18.	158	0.1210	14.	119	0.0146
19.	148	0.0210	15.	118	0.1240
20.	157	0.1125	16.	112	0.0340
21.	147	0.1225	17.	111	0.0210
22.	38	0.0225	18.	107	0.1980
23.	146	0.1440	19.	105	0.1170
24.	43	0.2750	20.	104	0.1950
25.	44	0.3200	21.	103	0.2940
26.	46	0.1440	22.	100	0.1230
27.	47	0.1260	23.	99	0.1290
28.	48	0.3110	24.	1	0.0180
29.	1	0.1070			
<hr/>			<hr/>		
4.2013			3.0754		
<hr/>			<hr/>		
ग्राम : आवाठपुर			ग्राम : अहिल्यापुर		
01.	80	0.4610	01.	107	0.1496
02.	73	0.2430	02.	108	0.1178
03.	72	0.2040	03.	109	0.1534
04.	67	0.2460	04.	110	0.0624
05.	68	0.0084	05.	115	0.0270
06.	62	0.2380	06.	119	0.0306
07.	69	0.0123	07.	118	0.3550
08.	56	0.0315	08.	117	0.2295
09.	61	0.2713	09.	116	0.0440
10.	57	0.0520	10.	136	0.0065
11.	58	0.1250	11.	144	0.2957
12.	41	0.0270	12.	145	0.0270
13.	19	0.0858	13.	146	0.0342
14.	18	0.0560	14.	147	0.0836
15.	17	0.0180	15.	148	0.3033
16.	15	0.0806	16.	149	0.0240
17.	14	0.0087	17.	154	0.0420
18.	13	0.0050			
<hr/>			<hr/>		
2.1736					

1	2	3	1	2	3
ग्राम अडिहमापुर			ग्राम : देवपुर कलाँ,		
18.	155	0.0240			
19.	156	0.0242	01.	388	0.2712
20.	157	0.0273	02.	385	0.0018
21.	153	0.1220	03.	384	0.0488
22.	158	0.0913	04.	386	0.0522
23.	159	0.1400	05.	379	0.0072
24.	160	0.0105	06.	378	0.1929
25.	161	0.2065	07.	377	0.0072
			08.	371	0.0360
		2.6314	09.	372	0.0034
			10.	364	0.0187
ग्राम : पटेवरी			11.	365	0.1040
01.	660	0.1200	12.	369	0.0863
02.	663	0.2386	13.	363	0.1366
03.	664	0.3704	14.	370	0.0040
04.	665	0.0560	15.	339	1.0350
05.	676	0.0700	16.	317	0.1620
06.	675	0.0240	17.	316	0.0360
07.	674	0.0300	18.	315	0.0825
08.	651	0.0158	19.	318	0.0235
09.	650	0.1522	20.	322	0.0660
10.	649	0.1515	21.	321	0.0155
11.	645	0.0090	22.	314	0.0150
12.	647	0.1170	23.	323	0.0363
13.	633	0.0110	24.	324	0.0116
14.	682	0.0300	25.	313	0.0400
15.	689	0.0985	26.	312	0.0240
16.	688	0.0840	27.	311	0.1890
17.	690	0.0600	28.	452	0.0270
18.	693	0.1125	29.	451	0.0450
19.	694	0.0210	30.	450	0.3410
20.	695	0.1005	31.	449	0.3755
21.	696	0.0756	32.	437	0.0270
22.	702	0.1225	33.	444	0.1770
23.	276	0.0025	34.	446	0.0540
24.	270	0.0080	35.	481	0.2970
25.	269	0.0795	36.	493	0.0180
26.	267	0.1425	37.	495	0.7355
27.	266	0.0500	38.	503	0.3328
28.	265	0.0840	39.	505	0.0352
29.	257	0.0515	40.	508	0.0829
30.	263	0.0144	41.	514	0.0006
31.	261	0.0288	42.	515	0.0002
32.	258	0.1577	43.	515/648	0.1818
33.	259	0.0510			
		2.7400			5.5272



1	2	3	4	5	6
ग्राम : गुर्गछा					
01. 658	0.1690	19. 1037	0.1350		
02. 661	0.0044	20. 1039	0.0407		
03. 659	0.0650	21. 1038	0.0010		
04. 660	0.0795	22. 1043	0.0350		
05. 689	0.1500	23. 1040	0.0740		
06. 688	0.2830	24. 1047	0.0460		
07. 694	0.2085	25. 1041	0.0675		
08. 696	0.1845	26. 1046	0.0420		
09. 699	0.0230	27. 1043	0.0690		
10. 695	0.0010	28. 1045	0.0262		
11. 698	0.2360	29. 1044	0.0168		
12. 690	0.0015	30. 1065	0.3825		
13. 697	0.0180	31. 1066	0.8498		
14. 744	0.0305	32. 675	0.0640		
15. 746	0.0270	33. 674	0.0532		
16. 836	0.8750	34. 673	0.0636		
17. 835	0.0275	35. 678	0.0264		
18. 779	2.7900	36. 671	0.0319		
19. 766	0.0108	37. 670	0.0240		
20. 765	0.3895	38. 653	1.4615		
21. 763	0.3345	39. 662	0.0360		
22. 767	0.0012	40. 1164	0.0520		
23. 762	0.1125	41. 652	0.0234		
	6.0269	42. 651	0.0090		
ग्राम : बुढदा					
01. 908	0.0375	43. 1185	0.0660		
02. 906	0.2160	44. 299	0.4450		
03. 909	0.0440	45. 1197	0.1030		
04. 910	0.0101	46. 292	0.2100		
05. 912	0.0101	47. 1198	0.0350		
06. 923	0.6020	48. 291	0.0105		
07. 933	0.2230	49. 290	0.2718		
08. 935	0.0315	50. 289	0.0306		
09. 942	1.0590	51. 288	0.1650		
10. 944	0.8295	52. 286	0.4800		
11. 945	0.0928	53. 1200	0.9975		
12. 946	0.0975	54. 279	0.0160		
13. 947	0.0225	55. 1201	0.4002		
14. 948	0.2265	56. 1204	0.0300		
15. 1012	0.0240	57. 1210	1.0200		
16. 1013	0.1440				
17. 1023	0.0050				
18. 1031	2.2350				
	0.0402				
					14.4512

1	2	3
गांव : केसा,		
01.	267	0.3900
02.	268	1.1770
03.	271	0.8550
04.	272	0.2670
05.	273	0.5700
06.	274	0.2170
07.	132	0.0450
08.	133	0.4160
09.	134	0.3006
10.	128	0.5130
11.	129	0.0032
12.	110	0.0240
13.	108	0.0900
14.	279	0.2490
		5.1168

सं. एल. 14016/11/94-जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 22nd September, 1994

S.O. 2976.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural gas from Vijaypur to Dadri in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited, Bhartiya Vidyalaya Chau-  
raha, A. B. Road, Shivpuri (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE		
Vijaypur Dadri Gas Pipe Line Project		
Village : Berja, Tehsil : Pohari, Distt. : Shivpuri		
Sr. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
01.	1637	0.3150
02.	1638	0.0180
03.	1636	0.0504
04.	1635	0.0842
05.	1634	0.2070
06.	1633	0.0060
07.	1626	0.0720
08.	1625	0.2280
09.	1432	0.3215
10.	1435	0.0820
11.	1609	0.0690
12.	1433	0.0300
13.	1434	0.0060
14.	1437	0.3435
15.	1436	0.2899
16.	1445	0.1012
17.	1467	0.4414
18.	1468	0.0240
19.	1476	0.3503
20.	1471	0.0006
21.	1472	0.1314
22.	1473	0.2550
23.	1475	0.2916
Total		3.7180

Village : Gugarpatti

01.	215	0.2395
02.	218	0.2070
03.	219	0.2490
04.	223	0.4020
05.	203	0.0240
06.	174	0.1338
07.	175	0.3497
08.	193	1.0923
09.	185	0.0480
10.	186	0.1764
11.	187	0.2670
12.	196	0.0040
13.	195	0.2352
14.	194	0.1410
15.	117	0.0570
16.	113	0.0930
17.	112	0.0300
18.	111	0.5510
Total		4.2999

1	2	3	1	2	3
Village : Gurgargaon					
01.	347	0.7375	18.	1748	0.0180
02.	354	0.1725	19.	1750	0.0162
03.	355	0.2100	20.	1749	0.0179
04.	351	0.0990	21.	1753	0.0424
05.	307	0.0400	22.	1755	0.2902
06.	364	0.0202	23.	1754	0.0248
07.	363	0.0615	24.	1756	0.0510
08.	361	0.1271	25.	1772	0.0570
09.	362	0.0657	26.	1769	0.2400
10.	367	0.0390	27.	1778	0.0180
11.	368	0.0135	28.	1775	0.3030
12.	480	0.0480	29.	1776	0.0930
13.	479	0.2485	30.	1778	0.0180
14.	477	0.0037	31.	1816	0.1999
15.	476	0.0280	32.	1814	0.0684
16.	475	0.6340	33.	1813	0.0640
17.	474	0.0245	34.	1812	0.0468
18.	472	0.2645	35.	1811	0.0600
19.	473	0.0360	36.	1809	0.2535
20.	401	0.2175	37.	1807	0.1740
21.	403	0.0045	38.	1830	0.0870
22.	402	0.1905	39.	1932	0.1830
23.	398	0.0444	40.	1948	0.0165
24.	404	0.0630	41.	1849	0.4257
25.	397	0.3035	42.	1847	0.1698
26.	407	0.1350	Total		5.9384
27.	408	0.0270	Village : Binheakhurd		
28.	416	0.0120	01.	709	0.1690
29.	418/671	0.0515	02.	506	0.0360
30.	418	0.1480	03.	706	0.1396
31.	419	0.1110	04.	707	0.0261
32.	420	0.0480	05.	704	0.1050
Total		4.2309	06.	702	0.1490
Village : Bilawara Mata			07.	700	0.1930
01.	2161	0.2655	08.	512	0.0285
02.	2162	0.1650	09.	697	0.0045
03.	2166	0.1575	10.	696	0.2699
04.	2167	0.1575	11.	695	0.1590
05.	2176	0.2040	12.	662	0.1490
06.	2175	0.1230	13.	664	0.3620
07.	2173	0.1410	14.	665	0.1145
08.	1972	0.2865	15.	658	0.0470
09.	1973	0.1215	16.	657	0.0750
10.	1974	0.3415	17.	656	0.1808
11.	1999	0.4200	18.	655	0.0832
12.	1991	0.0015	19.	653	0.0294
13.	1988	0.2595	20.	654	0.1140
14.	1990	0.0748	21.	583	0.0280
15.	1989	0.1468	22.	610	0.0330
16.	1985	0.0045	23.	609	0.0180
17.	1747	0.1302	24.	608	0.1140
			25.	602	0.1268

1	2	3	1	2	3
26.	604	0.2410	15.	174	0.0210
27.	603	0.0580	16.	160	0.4100
28.	598	0.1795	17.	159	0.1080
29.	597	0.1685	18.	158	0.1210
30.	626	0.0180	19.	148	0.0210
Total		3.4193	20.	157	0.1125
Village : Husainpur			21.	147	0.1225
01.	758	0.0180	22.	38	0.0225
02.	748	0.4376	23.	146	0.1440
03.	749	0.1012	24.	43	0.2750
04.	546	0.2940	25.	44	0.3200
05.	548	0.0690	26.	46	0.1440
06.	550	0.2820	27.	47	0.1260
07.	566	0.3060	28.	48	0.3110
08.	564	0.0420	29.	1	0.1070
09.	563	0.1740	Total :		4.2013
10.	571	0.0460	Village : Abadpur		
11.	574	0.1740	01.	80	0.4610
12.	576	0.2340	02.	73	0.2430
13.	577	0.0020	03.	72	0.2040
14.	582	0.0660	04.	67	0.2460
15.	587	0.1525	05.	68	0.0034
16.	613	0.0333	06.	62	0.2380
17.	588	0.1701	07.	69	0.0123
18.	590	0.0114	08.	56	0.0315
19.	610	0.0159	09.	61	0.2713
20.	591	0.1575	10.	57	0.0520
21.	592	0.2040	11.	58	0.1150
22.	593	0.2430	12.	41	0.0270
23.	603	0.1560	13.	19	0.0858
24.	602	0.1844	14.	18	0.0560
25.	597	0.0016	15.	17	0.0180
26.	601	0.2790	16.	15	0.0306
Total :		3.9045	17.	14	0.0087
Village : Balapur			18.	13	0.0050
01.	334	0.1999	Total :		2.1736
02.	333	0.0200	Village : Khataka		
03.	292	0.0510	01.	147	0.0257
04.	228	0.1490	02.	146	0.0070
05.	230	0.1137	03.	145	0.1470
06.	229	0.0390	04.	144	0.1340
07.	231	0.2090	05.	143	0.1320
08.	205	0.0990	06.	139	0.1980
09.	204	0.1140	07.	138	0.2370
10.	201	0.2240	08.	135	0.2250
11.	200	0.0810	09.	134	0.0150
12.	199	0.1700	10.	132	0.3060
13.	238	0.0492	11.	129	0.2373
14.	198	0.3170			

2343 GI 94--13.

1	2	3
Village Devpur Kalan—Contd.		
22.	314	0.0150
23.	323	0.0363
24.	324	0.0116
25.	313	0.0400
26.	312	0.0240
27.	311	0.1890
28.	452	0.0270
29.	451	0.0450
30.	450	0.3410
31.	449	0.3755
32.	437	0.0270
33.	444	0.1770
34.	446	0.0540
35.	481	0.2970
36.	493	0.0180
37.	495	0.7355
38.	503	0.3328
39.	505	0.0352
4J.	508	0.0829
41.	514	0.0006
42.	515	0.0902
43.	515/648	0.1818
Total		5.5272

## Village : Gurichha

01.	658	0.1690
02.	661	0.0044
03.	659	0.0650
04.	660	0.0795
05.	689	0.1500
06.	688	0.2830
07.	694	0.2085
08.	696	0.1845
09.	699	0.0280
10.	695	0.0010
11.	698	0.2360
12.	690	0.0015
13.	697	0.0180
14.	744	0.0305
15.	746	0.0270
16.	836	0.8750
17.	835	0.0275
18.	779	2.2900
19.	766	0.0108
20.	765	0.3895
21.	763	0.3345
22.	767	0.0012
23.	762	0.1125
Total		6.0269

1	2	3
Village Burdha		
01.	908	0.0375
02.	906	0.2160
03.	909	0.0440
04.	910	0.0101
05.	912	0.6020
06.	923	0.2230
07.	933	0.0315
08.	935	1.0590
09.	942	0.8295
10.	944	0.0928
11.	945	0.0975
12.	946	0.0225
13.	947	0.2265
14.	948	0.0240
15.	1012	0.1440
16.	1013	0.0050
17.	1023	2.2350
18.	1031	0.0402
19.	1032	0.1350
20.	1039	0.0407
21.	1038	0.0010
22.	1048	0.0350
23.	1040	0.0740
24.	1047	0.0460
25.	1041	0.0675
26.	1046	0.0420
27.	1043	0.0690
28.	1045	0.0262
29.	1044	0.0168
30.	1065	0.3825
31.	1066	0.8498
32.	675	0.0640
33.	674	0.0532
34.	673	0.0636
35.	678	0.0264
36.	671	0.0319
37.	670	0.0240
38.	653	1.4615
39.	662	0.0360
40.	1164	0.0520
41.	652	0.0234
42.	651	0.0090
43.	1185	0.0660
44.	299	0.4450
45.	1197	0.1030
46.	292	0.2100
47.	1198	0.0350
48.	291	0.0105
49.	290	0.2718
50.	289	0.0306
51.	288	0.1650
52.	286	0.4800
53.	1200	0.9975
54.	279	0.0160

1	2	3	1	2	3
55.	1201	0.4002	07.	132	0.0450
56.	1204	0.0300	08.	133	0.4160
57.	1210	1.6200	09.	134	0.3006
Total		14.4512	10.	128	0.5130
Village : Kema			11.	129	0.0032
01.	267	0.3900	12.	110	0.0240
02.	268	1.1770	13.	108	0.0900
03.	271	0.8550	14.	279	0.2490
04.	272	0.2670	Total		5.1168
05.	273	0.5700	[No. L. 14016/11/94-GP]		
06.	274	0.2170	ARDHENDU SEN, Director		

नई दिल्ली 28 सितम्बर, 1994

का. आ. 29777.-पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का आ. 2585 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन विद्युत के प्रयोजन के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः भूमि अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन विद्युत के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जन किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड राजामुदी में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

नरसापुरम --नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टे/ एकड़ में)	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिम गोदावरी	नरसापुरम	माधावाइपालेम्	62--भाग	0-09-00	
			63--,,	0-22-50	
			68--4 ,,	0-12-00	
			66--2 ,,	0-13-00	
			683 ,,	0-01-50	
			72--,,	0-23-50	
			73--1 ,,	0-21-00	
			77--,,	0-30-00	
			78--,,	0-02-50	
			कुल हेक्टे	1-35-00	
या याकर 3.34 सेंटस					

[मं. एल-14016/10/93-जी.पी.]

अर्धेन्दुसेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2977.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2585 dated 17-11-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended of this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

## SCHEDULE

## Narasapuram—Nagarm Gas Pipe Line Project.

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In hect/acres)	Remarks
West Godavari	Narasapuram	Madhavaipalem	62-Part	0-09-00	
			63-Part	0-22-50	
			68-4 Part	0-12-00	
			68-2 "	0-13-00	
			68-3 ..	0-01-50	
			72-Part	0-23-50	
			73-1 Part	0-21-00	
			77-Part	0-30-00	
			78-Part	0-02-50	G.P.
			Total	1-35-00	Hectares
				OR	
AC				3-34 cents	

[No. L-14016/10/93-G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2978.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय रसायन और पेट्रोरसायन विभाग की अधिसूचना का.आ. 2606 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना संलग्न से अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी आफ इंडिया, लि., राजामुद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप के प्रकाशन की तारीख में निहित होगा।



## अनुसूची

## परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति

नरसापुरम—नगरम गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे/एकड़ में)	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पुख गोदवारी	गामिणिकुट्टु	नगरम	345--1 भाग	0-11-50	
			,,--3 ए ,,	0-11-50	
			344-4 ,,	0-07-50	
			,, -3 ,,	0-05-00	
			,, -2 ,,	0-09-00	
			,,-1 ,,	0-05-00	
			343-3 बी भाग	0-05-00	
			,,-3 ए ,,	0-02-50	
			346-1 सी ,,	0-03-00	
			,, -1 बी ,,	0-09-00	
			342- ,,	0-03-00	
			340-1 सी ,,	0-02-00	
			,,-3 ,,	0-10-00	
			,, -2 ,,	0-04-50	
			,,-1 ए ,,	0-05-50	
			335-1 ए ,,	0-03-50	
			,,-9 ,,	0-07-50	
			,, -5 ,,	0-05-00	
			,, -4 ,,	0-01-50	
			,, -1 बी ,,	0-03-00	
			339-2 ए ,,	0-07-50	
			,, 3 ए ,,	0-03-50	
			,, -2 बी ,,	0-07-50	
			107-4 ,,	0-16-00	
			,, 3 ,,	0-00-50	
			106-5 ,,	0-05-00	
			108-6 भाग	0-05-00	
			,,-7 ,,	0-03-00	
			116- ,,	0-01-50	
			114-2 बी ,,	0-00-50	
			,,-2 ए ,,	0-05-00	
			,,-3 ,,	0-05-50	
			,,-1 ए ,,	0-06-00	
			,, -1 बी ,,	0-18-50	
			115- ,,	0-08-00	
			112-10 ,,	0-14-50	
			155-- ,,	0-04-50	

1	2	3	4	5	6
पूरुव गोदावरी	ममिडेकुदुरु	नगरम	157-1 भाग	0-03-50	
			" 5 "	0-12-00	
			" 8 "	0-06-50	
			" 7 "	0-03-50	
			153-- "	0-05-50	
			166-- "	0-44-50	
			167-3 "	0-18-00	
			" 6 "	0-08-50	
			" 7 "	0-00-50	
			" 4 "	0-07-50	
			" 5 "	0-03-00	
			169-- "	0-16-00	
			कुल हैक्.	3-55-50	3-79

[सं. एम्.-14016/10/93-जी.पी.]

अर्धेन्दु मेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2978.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2606 dated 17-11-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

**SCHEDULE**  
**GAS PIPE LINE PROJECT**  
**NARASAPURAM NAGARAM**

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in Hectares)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Mamidekuduru	Nagaram	345-1 Part	0-11-50	
			" 3/A "	0-11-50	
			344-4 "	0-07-50	
			" 3 "	0-05-00	
			" 2 "	0-09-00	
			" 1 "	0-05-00	
			343-3 B "	0-05-00	
			" 3 A "	0-02-50	
			346-1/C "	0-03-00	
			" 1/B "	0-09-00	
			342 "	0-03-00	
			340-1C "	0-02-00	

1	2	3	4	5	6
East Godavari	Dadidekuduro	Nagarad	340 3 Part	0-10-00	
			„ 2 „	0-04-50	
			„ 1A „	0-05-50	
			335-1A „	0-03-50	
			„ 9 „	0-07-50	
			„ 5 „	0-05-00	
			„ 4 „	0-01-50	
			„ 1B „	0-03-00	
			339—2A—„	0-07-50	
			„ 3A „	0-03-50	
			„ 2B „	0-07-50	
			107-4 „	0-16-00	
			„ 3 „	0-00-50	
			106-5 „	0-05-00	
			108-6 Part	0-05-00	
			„ 7 „	0-03-00	
			116 „	0-01-50	
			114—2B „	0-00-50	
			„ 2A „	0-05-00	
			„ 3 „	0-05-50	
			„ 1A „	0-06-00	
			„ 1B „	0-18-50	
			115 „	0-08-00	
			112—10 „	0-14-50	
			155 „	0-04-50	
			157-1 „	0-03-50	
			„ 5 „	0-12-00	
			„ 8 „	0-06-50	
			„ 7 „	0-03-50	
			153 „	0-05-50	
			166—„	0-44-50	
			167—3 „	0-18-00	
			„ 6 „	0-08-50	
			„ 7 „	0-00-50	
			„ 4 „	0-07-50	
			„ 5 „	0-03-00	
			169 „	0-16-00	
			Total	3-55-50	
				OR	
			AC	3-79Cents	

[No. L-14016/10/93-G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का. आ. 2979.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोरसायन विभाग की अधिसूचना का. आ. 2607 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों का अधिकार पाइप लाइन विद्युत के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्दिष्ट करती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अध्यापितों आक इंडिया लिमिटेड, राजासदों में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगी।

#### अनुसूची

#### परिच्छेद-6(1) विज्ञप्ति

#### नरसारायन नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे एकर में)	विशरण
रब गोदावरी	गामिडिकुडूरु	गोशडा	144—भाग	0-07-00	जि. पी.
			145—1 ,,	0-56-50	
			149 —,,	0-22-00	
			150—3 ,,	0-12-00	
			,,—4 ए ,,	0-09-00	
			,,—4 बी ,,	0-08-50	
			151—2 ,,	0-14-00	
			153—1 बी	0-02-00	
			,,—2 बी ,,	0-01-50	
			कुल हेक्टे.	1-32-50	
			याकर —सेंटेस	3-28	

[सं. एल 14016/10/93 जी. पी.]

अर्जेंथु गेल, निदेशक

New Delhi, 28th September, 1994

S.O. 2979.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2607 dated 17-11-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Cental Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authoity of India Limited free from all encumbrances.

**SCHEDULE Section 6(1) Notification**  
**GAS PIPE LINE PROJECT**  
**PERAUALI TO DOHHERU**

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in Hect/ Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Mamidikuduru	Geddada	144-Part	0-07-00	G.P.
			145-1 Part	0-56-50	
			149-Part	0-22-00	
			150-3 Part	0-12-00	
			150-4A „	0-09-00	
			150-4B „	0-08-50	G.P.
			151-2Part	0-14-00	
			153-1B Part	0-02-00	
			153-2B „	0-01-50	
			Total	1-32-50	Hectares
			AC	OR 3.28 cents	

[No. L-14016/10/92 G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2980.—पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग की अधिसूचना का.आ. 2594 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुन्दी में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति

नरसपुरम-नगरम—गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे/एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	मलिकिपुरम	मट्टपर्व	36-1	भाग	0-24-00
			6-4	„	0-05-00
			7-4	„	0-00-50
			35-	„	0-25-75

1	2	3	4	5	6
			34-1	,,	0-01-25
			21-2	,,	0-19-75
			22-1	,,	0-07-50
			22-2	,,	0-06-75
			22-3	,,	0-01-00
			24-2	,,	0-09-25
			24-3	,,	0-20-00
			25-2	,,	0-01-25
			23-1	,,	0-01-00
			28-	,,	0-02-75 जी पी
			29-1	,,	0-20-00
			29-2	,,	0-00-50
			30-		0-03-25 जि पि
			69-1	,,	0-01-00
			69-2	,,	0-11-00
			69-3	,,	0-00-50
			69-4	,,	0-03-25
			69-5	,,	0-11-75
			69-6	,,	0-00-50
			70-1ए	,,	0-13-00
			72	,,	0-04-50
कुल हेक्टेयर				1-95-00 या	
				शंकर 4.81 सेंटस	

[सं. एल-14016/10/93-जी.पी.]

अध्वक्ष, सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2980.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O. 2894 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

**SCHEDULE for Section 6 (1)**  
**GAS PIPE LINE PROJECT**  
**Narasapuram—Nagarah**

District	Village	Survey No.	Are (Hect./ Acres)	Remarks
1	2	3	4	5
East Godavari	Mal. kipuram	Mattaparru	36-1 Part	0-24-00
			6-4 "	0-05-00
			7-4 "	0-00-50
			35 "	0-25-75
			34.1 "	0-01-25
			21-2 "	0-19-75
			22-1 "	0-07-50
			" 2 "	0-06-75
			" 3 "	0-01-00
			24-2 "	0-09-25
			" 3 "	0-20-00
			25-2 "	0-01-25
			23-1 "	0-01-00
			28-Part	0-02-75 G.P.
			29-1 "	0-20-00
			2 "	0-00-50
			30 "	0-03-25 G.P.
			69-1 "	0-01-00
			" 2 "	0-11-00
			" 3 "	0-00-50
			" 4 "	0-03-25
			" 5 "	0-11-75
			" 7 "	0-00-50
			70-1A	0-13-00
			72 "	0-04-50
		Total	Hect. 1-95-00	
			OR	
		Ac	4-81 Cents	

[No. L-14016/14/93-G.P.]  
 ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.भा. 2981.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग की अधिसूचना का.भा. 2596 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार की पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना प्राणय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी अफ इंडिया लिमिटेड, राजामुन्शी में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

## परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति

## नरसपुरम-नगरम—गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे/एकड़ में)	विवरण
पश्चिम गोदावरी	नरसपुरम	गोंडि	122-3	भाग	0-02-50
			122-4	"	0-06-50
			123-1	"	0-17-00
			124-1	"	0-06-50
			124-2	"	0-15-50
			125-1	"	0-14-00
			136-3	"	0-02-50
			136-4	"	0-02-50
			136-5	"	0-05-00
			136-6	"	0-08-50
			136-14	"	0-03-00
			136-15	"	0-03-00
			136-16	"	0-07-00
			136-17	"	0-00-50
			136-18	"	0-00-50
			136-19	"	0-08-50
			134-5	"	0-05-50
			134-6	"	0-08-50
			134-7	"	0-03-50
			138-	"	0-17-50
			139-	"	0-12-00 जि पि
			74-2एफ	"	0-01-00
			कुल हेक्टेयर	"	1-51-00 या एकड़ 3.73 सेंट्स

[सं. एन-14016/10/93-जी.पी.]

अर्बेन्धु सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2981.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2596 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.



**SCHEDULE FOR SECTION-6(1) NOTIFICATION**  
**Narasapuram—Nagaram—Gas Pipe line Project)**

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (in Hect/ Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Godavari	Narasapuram	Gondi	122-3Part	0-02-50	
			„ 4 „	0-06-50	
			123-1 „	0-17-00	
			124-1 „	0-06-50	
			„ 2 „	0-15-50	
			125-1 „	0-14-00	
			136-3 „	0-02-50	
			„ 4 „	0-02-50	
			„ 5 „	0-05-00	
			„ 6 „	0-08-50	
			„ 14 „	0-03-00	
			„ 15 „	0-03-00	
			„ 16 „	0-07-00	
			„ 17 „	0-00-50	
			„ 18 „	0-00-50	
			„ 19 „	0-08-50	
			134-5 „	0-05-50	
			„ 6 „	0-08-50	
			„ 7 „	0-03-50	
			138 „	0-17-50	
			139 „	0-12-00	G.P.
			74-2A	0-01-00	
			Total Hect	1-51-00	
				OR	
			AC	3-73 Cents	

[No. L-14016/10/93-G.P.]  
 ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2982.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग की अधिसूचना का.आ. 2597 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अथ अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैर अयॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुन्नी में सभी जाघाजों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची  
परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति  
नरसापुरम-नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

खण्ड	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	यलमंचिलि	येनुगुवानिलंका	28-1	भाग	0-32-00
			28-2	"	0-02-50
			28-3	"	0-04-00
			28-4	"	0-03-50
			28-5	"	0-05-00
			28-6	"	0-06-00
			33-1	"	0-05-50
			33-2	"	0-23-50
			33-3ए	"	0-00-50
			33-3बी	"	0-03-00
			34-3	"	0-05-00
			34-4	"	0-06-00
			40-1	"	0-03-50
			40-2	"	0-02-50
			40-3	"	0-02-50
			40-4	"	0-01-75
			40-5	"	0-02-00
			40-6	"	0-03-50
			40-7	"	0-08-75
			40-8	"	0-03-00
			40-9	"	0-04-50
			41-1	"	0-08-00
			41-2	"	0-03-50
			41-3	"	0-03-50
			41-4	"	0-04-00
			42-1	"	0-03-00
			42-2	"	0-07-50
			42-3	"	0-07-50
			51-1	"	0-02-50
			51-2बी	"	0-07-00
			51-2सी	"	0-07-50
			51-3बी	"	0-05-50
			51-5	"	0-06-00

1	2	3	4	5	6
प्रशिक्षण गोदावरी	यत्नमंथिति	येमुगुवानिलका	50-2	भाग	0-07-50
			50-3बी	"	0-03-25
			50-3सी	"	0-11-75
			49	"	0-07-00
			48	"	0-02-75
			74-12	"	0-06-50
			73-1बी	"	0-66-50
			63-6ए	"	0-00-50
			63-8	"	0-01-00
			64	"	0-02-75
			72-2सी	"	0-01-00
			72-2डी	"	0-02-00
			72-3सी	"	0-00-50
			72-3डी	"	0-01-50
			72-3ई	"	0-01-00
			72-3एफ	"	0-00-50
			72-3जी	"	0-00-50
			72-3जे	"	0-04-00
			72-3के	"	0-03-00
			72-3एल	"	0-01-50
			72-3एम	"	0-01-00
			72-3एन	"	0-01-50
			72-4	"	0-12-00
			71-1	"	0-08-50
			71-5	"	0-08-00
			70-1	"	0-05-50
			70-2	"	0-06-50
			70-3	"	0-05-00
			69-1	"	0-05-00
			69-2ए	"	0-04-50
			69-2बी	"	0-05-00
			69-5	"	0-05-00
			69-6	"	0-01-00
			68	"	0-04-00

कुल हेक्टेयर

3-91-25 या

9.68 सेंट्स

[सं. एल-14016/10/93-जी.पी.]

मार्गम्बु सेन, निदेशक

New Delhi, 28th September, 1994

S.O. 2982.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O. 2597 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to his notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

## SCHEDULE

## Narasapuram—Nagalam Gas Pipe Line Project.

M					
District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect/ Acres.)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Godavari	Elamanchili	Y.V. Lanka	28-1 Part	0-32-00	
			28-2 „	0-02-50	
			28-3 „	0-04-00	
			28-4 „	0-03-50	
			28-5 „	0-05-00	
			28-6 „	0-06-00	
			33-1 Part	0-05-50	
			33-2 „	0-23-50	
			33-3A „	0-00-50	
			33-3B „	0-03-00	
			34-3 Part	0-05-00	
			34-4 „	0-06-00	
			40-1 Part	0-03-50	
			40-2 „	0-02-50	
			40-3 „	0-02-50	
			40-4 „	0-01-75	
			40-5 „	0-02-00	
			40-6 „	0-03-50	
			40-7 „	0-08-75	
			40-8 „	0-03-00	
			40-9 „	0-01-50	
			Total	1-28-50	
				Hectares	
West Godavari	Elamanchili	Y.V. Lanka	41-1 Part	0-08-00	
			41-2 „	0-03-50	
			41-3 „	0-03-50	
			41-4 „	0-04-00	
			42-1 Part	0-03-00	
			42-2 „	0-07-50	
			42-3 „	0-07-50	
			51-1 Part	0-02-50	
			51-2B „	0-07-00	
			51-2C „	0-07-50	

1	2	3	4	5	6
			51-3B ..	0-05-50	
			51-5 ..	0-06-00	
			50-2 Part	0-07-50	
			50-3B ..	0-03-25	
			50-3C ..	0-11-75	
			49-Part	0-07-00	
			48-Part	0-02-75	
			74-12Part	0-06-50	
			73-1BPart	0-66-50	
			63-6A Part	0-00-50	
			63-8 ..	0-01-00	
			Total Hect.	1-27-25	
			64-Part	0-02-75	
			72-2C Part	0-01-00	
			72-2D ..	0-02-00	
			72-3C ..	0-00-50	
			72-3D ..	0-01-50	
			72-3E ..	0-01-00	
			72-3F ..	0-00-50	
			72-3G ..	0-00-50	
			72-3J ..	0-04-00	
			72-3K ..	0-03-00	
			72-3L ..	0-01-50	
			72-3M ..	0-01-00	
			72-3N ..	0-01-50	
			72-4 ..	0-12-00	
			71-1 Part	0-08-50	
			71-5 ..	0-08-00	
			71-1 Part	0-05-50	
			70-2 ..	0-06-50	
			70-3 ..	0-05-00	
			69-1 Part	0-05-00	
			69-2A ..	0-04-50	
			69-2B ..	0-05-00	
			69-5 ..	0-05-00	
			69-9 ..	0-01-00	
			69-Part	0-04-00	
			Total Hect.	0-90-50	
			1st Page Total	1-28-50	
			Ind Page Total	1-72-25	
			Grand Total	3-91-25	
			OR		
			Ac. 9-68Cents		

[No. L-14]16/10/93-G.P.]  
 ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2983.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन अमरपेट्रो-रसायन विभाग की अधिसूचना का.आ. 2599 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निवेश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुन्द्री में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

## परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति

## नरमापुरम नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अवपद	नहमील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टेयर एकड़ में)	नियमन
1	2	3	4	5	
पश्चिम गोदावरि	यलमंचिलि	चिच्चिनाश	165-1	भाग	0-05-00
			165-2	"	0-01-00
			165-3	"	0-08-00
			165-4	"	0-10-00
			166-2	"	0-07-50
			166-3	"	0-01-00
			166-4	"	0-12-00
			161-5	"	0-01-00
			163-1	"	0-05-00
			162-4	"	0-02-75
			162-5	"	0-07-00
			162-6	"	0-05-00
			162-7	"	0-06-50
			162-9	"	0-05-00
			161-3	"	0-00-25
			161-4	"	0-07-75
			161-5	"	0-07-50
			161-7	"	0-01-00
			161-9	"	0-07-75
			156-3	"	0-07-00
			156-4	"	0-07-50
			कुल हेक्टेयर	1-15-00 या	
				चाकर 2.84 सेंट्स	

1	2	3	4	5	6
विचिनाड-जारी			187-1 भाग	0-02-00	
			187-5 "	0-01-00	
			187-7 "	0-06-00	
			177-2 "	0-05-00	
			177-5 "	0-22-25	
			178 "	0-05-50	
			179-3 "	0-16-00	
			180-1 "	0-04-00	
			180-2 "	0-02-00	
			189-3 "	0-01-00	
			189-4 "	0-07-50	
			189-5 "	0-10-00	
			224-1 "	0-03-00	
			224-2 "	0-28-00	
			225 "	0-63-25	
कुल हेक्टेयर				1-77-00 या	
				वाकर 4.39 सेंट्स	
पहले पेज का हेक्टेयर				1-15-50 या	
				या 2.84 सेंट्स	
महा कुल हेक्टेयर				2-92-50 या	
				वाकर 7.23 सेंट्स	

[सं. एल-14016/10/93-जी पी.]

अध्वन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2983.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2599 dated 17-11-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to his notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

## SCHEDULE FOR SECTION 6-1 NOTIFICATION

Narasapur Nigaram Gas Pipe Line Project.

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (In Hect/- Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Godavari	Elamanchili	Chinchinada	165-1 part	0-05-00	
			" 2 "	0-01-200	
			" 3 "	0-08-00	
			" 4 "	0-10-00	
			166-2 "	0-07-50	
			" 3 "	0-01-00	
			" 4 "	0-12-00	
			164-5 "	0-01-00	
			163-1 "	0-05-00	
			162-4 "	0-02-75	
			" 5 "	0-07-00	
			" 6 "	0-05-00	
			" 8 "	0-06-50	
			" 9 "	0-05-00	
			161-3 Part	0-00-25	
			" 4 "	0-07-75	
			" 5 "	0-07-50	
			" 7 "	0-01-00	
			" 9 "	0-07-75	
			156-3 "	0-07-00	
			" 4 "	0-07-50	
			Total Hect.	1-15-00	AC 2-84 Cent
			187-1 Part	0-02-00	
			" 5 "	0-01-00	
			" 7 "	0 06-50	
			177-2 "	0-05-00	
			" 5 "	0-22-25	
			178 "	0-05-50	G.P.
			179-3 "	0-16-00	
			180-1- "	0-04-00	
			" 2 "	0-02-00	
			" 3 "	0-01-00	
			" 4 "	0-07-50	
			" 5 "	0-10-00	
			224-1 "	0-03-00	
			" 2 "	0-28-00	
			225- "	0-63-25	
			P.T. Hect.	1-77-00	AC 4-39
			1st Page "	1-15-50	2-84
			Grand Total	2-92-00	7-23

[No. L-14016/10/93-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director



नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का. आ. 2984 :—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग की अधिसूचना का. आ. 2600 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

## परिच्छेद 6 (1) विज्ञप्ति

## नरसापुरम—नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे सं.	क्षेत्रफल (हेक्टे/ एकड़ में )	विवरण
पश्चिम गोदावरी	राजोलु	चित्तलपल्लि	55-भाग	0-77-75	जिपि.
			35-भाग	0-02-00	
			33-भाग	0-18-00	
			18-भाग	0-47-25	
			17-1 भाग	0-39-00	
			17-2 भाग	0-02-75	
			17-3 भाग	0-01-50	
			10-भाग	0-19-50	
			11-भाग	0-23-00	
			6-भाग	0-17-50	
			5-भाग	0-03-00	
			53-भाग	0-08-00	
			कुल हेक्टेयर	2-59-26	या साकर 6.42 सेंट्स

[सं. एल. 14016/10/93—जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2984.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2600 dated 17-11-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

For Section 6(1) Notification

#### NARASAPURAM—NAGARAM GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (In Hect./Acers)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Rozole	Chintalapalli	55-Part	0-77-75	G.P.
			35— „	0-02-00	
			33 „	0-18-00	
			18 „	0-47-25	
			17-1 „	0-39-00	
			17-2 „	0-02-75	
			17-3 „	0-01-50	
			10 „	0-19-50	
			11 Part	0-23-00	
			6 „	0-17-50	
			5 „	0-03-00	
			53 „	0-08-00	
			Total	2-59-25	
			Ac.	OR 6-42 cents	

[No. L-14016/10/93 G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का. आ. 2985:—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोरसायन विभाग की अधिसूचना का. आ. 2601 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन विज्ञान के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आणय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन विज्ञान के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

अनः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

## परिच्छेद 6 (1) विज्ञप्ति

नरसापुरम—नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं	क्षेत्रफल (हेक्टे. / एकड़ में)	विवरण
पश्चिम गोदावरी	नरसापुरम	चिन्तामिडिपल्लि	84	0-08-00	
			कुल हेक्टे.	0-08-00	या याकर—मेंटम 0-20

[सं. एल-14016/10/93— जी. पी.]

अर्थेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2985.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2601 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

## SCHEDULE

For Section 6(1) Notification

Narasapur —Nagaram Gas Pipe Line Project

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect/ Acres)	Remarks
			84/Part	0-08-00	
			Total Acre	OR 0-08-00 0-20	

[No. L-14016/10/93 G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का. आ. 2986 :—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. 2602 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथागिटी आफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

परिच्छेद 6 (1) बिज्ञप्ति

नरसापुरम—नगरम गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हक्टे एकड़ में)	विवरण
पल्लिगुट्टा	चलवांचि	कलसंगुट्टि	95-7 भाग 96-भाग	0-15-00 0-06-50	
			कुल हक्टे.	0-21-50	
					0-53

[सं. एल. 14016/10/93-जी. पी.]

अर्धेन्दु मेम, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2986.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2602 dated 17-11-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

**SCHEDULE**  
For Section 6(1) Notification  
**GAS PIPE LINE PROJECT**  
**NARASAPURAM—NAGARAM**

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in Hect/ Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Godavari	Elamanchili	Kaladampudi	95-7 Part 96/Part	0-15-00 0-06-50	
			Total Hect.	0-21-50 OR	AC 0-53

[No. L-14016/10/93 G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का. आ. 2987:—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोरसायन विभाग की अधिसूचना का. आ. 2603 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार, ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार की पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अपारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची  
परिच्छेद 6 (1) विज्ञप्ति  
गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट  
नरसापुरम—नगरम

जन्तपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे/ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
पूर्व गोदावरी	राजोले	कडलि	43-भाग	0-28-00	
			42-भाग	0-19-00	
			45-1 ए-भाग	0-24-00	
			45-1 बी-भाग	0-02-00	
			45-1 सी-भाग	0-25-00	
			47-भाग	0-03-50	
			61-भाग	0-16-00	

1	2	3	4	5	6
बुरब गोदावरि	राजोलु	कडलि	60-1 भाग	0-01-00	
			60-2 भाग	0-20-75	
			60-4 भाग	0-21-25	
			60-5 भाग	0-06-50	
			66-3 भाग	0-14-00	
			66-4 भाग	0-08-50	
			66-6 भाग	0-04-50	
			68-भाग	0-04-50	
			68-1 भाग	0-14-00	
			68-2 भाग	0-11-50	
			73-भाग	0-02-50	जिपि.
			78-1 भाग	0-24-00	
			78-2 भाग	0-19-00	
			84-1 भाग	0-01-00	
			84-2 भाग	0-07-00	
			84-3 भाग	0-11-50	
			82-1 भाग	0-04-00	
			83-1 भाग	0-22-00	
			90-1 भाग	0-11-50	
			90-2 भाग	0-12-00	
			91-2 भाग	0-23-00	
			94-4 भाग	0-09-50	
			94-5 भाग	0-14-00	
			93-भाग	0-04-50	
			117-1 भाग	0-04-50	
			119-3 भाग	0-10-50	
			119-4 भाग	0-14-00	
			118-1 भाग	0-02-50	
			118-2 भाग	0-11-50	
			118-3 भाग	0-00-50	
			121-1 भाग	0-06-50	
			121-2 भाग	0-07-00	
			121-3 भाग	0-05-00	
			121-4 भाग	0-05-50	
			122-1 भाग	0-10-00	
			122-2 भाग	0-09-00	
			114-1 भाग	0-14-00	
			114-2 भाग	0-04-00	
			135-3 भाग	0-01-00	
			135-5 भाग	0-06-00	

1	2	3	4	5	6
पूरब गोदावरी	राजोल्	कडलि	113-1 भाग	0-01-00	
			136-2 भाग	0-13-00	
			554-भाग	0-10-50	जिपि.
			559-4 भाग	0-07-50	
			559-3 भाग	0-07-50	
			562-भाग	0-13-50	
			564-भाग	0-02-50	जिपि.
			572-1 भाग	0-13-00	
			572-2 भाग	0-10-50	
			571-2 भाग	0-07-50	
			571-4 भाग	0-12-50	
			571-3 भाग	5-00-50	
			571-5 भाग	0-06-00	
			571-6 भाग	0-02-00	
			571-8 भाग	0-06-00	
			579-1 भाग	0-09-00	
			579-2 भाग	0-14-50	
			579-3 भाग	0-07-00	
			578-2 भाग	0-12-00	
			591-3 भाग	0-15-50	
			591-1 भाग	0-05-50	
			691-1 भाग	0-09-50	
			691-3 भाग	0-11-50	
			691-4 भाग	0-02-50	
			692-1 भाग	0-01-00	
			692-5 भाग	0-00-50	
			692-6 भाग	0-04-50	
			689-भाग	0-03-50	
			702-5 भाग	0-13-50	
			688-भाग	0-26-50	
			687-भाग	0-03-50	जिपि.
			681-1 भाग	0-05-00	
			681-2 भाग	0-01-50	
			682-1 भाग	0-03-50	
			682-2 भाग	0-23-50	
			682-3 भाग	0-03-00	
			683-भाग	0-19-50	
			717-9 भाग	0-00-50	
			678-भाग	0-01-00	जिपि.
			725-2 भाग	0-10-00	
			726-भाग	0-15-50	
			730-भाग	0-11-50	
			729-5 भाग	0-03-00	
			729-6 भाग	0-03-50	
			729-7 भाग	0-12-50	

1	2	3	4	5	6
पूरब गोदावरी	राजोलु	कडलि	729-8 भाग	0-09-50	
			729-9 भाग	0-07-50	
			740-1 भाग	0-03-50	
			739-1 भाग	0-06-50	
			739-2 भाग	0-10-50	
			739-3 भाग	0-14-00	
			739-4 भाग	0-01-00	
			743-भाग	0-03-00	
			कुल हेक्टे.	2-12-00	
			466-1 भाग	0-20-00	
			466-6 भाग	0-14-50	
			463-भाग	0-03-00	जि.वि.
			462-भाग	0-08-00	
			455-1 भाग	0-19-00	
			457-भाग	0-27-50	
			458-भाग	0-44-50	
			406-भाग	0-03-00	
			405-भाग	0-08-50	
			407-भाग	0-18-00	
			439-भाग	0-07-50	
			438-भाग	0-03-00	
			437-1 भाग	0-29-00	
			431-भाग	0-28-50	
			432-1 भाग	0-21-50	
			432-2 भाग	0-03-25	
			432-3 भाग	0-05-50	
			433-भाग	0-15-00	
			434-1 बी भाग	0-16-00	
			427-भाग	0-18-50	
			428-भाग	0-01-50	
			423-भाग	0-00-25	
			426-भाग	0-01-50	
			425-2 भाग	0-06-00	
			425-3 भाग	0-16-00	
			419-1 भाग	0-17-00	
			420-1 भाग	0-12-50	
			420-2 भाग	0-20-00	
			420-3 भाग	0-04-50	

महा कुल हेक्टे.

13-16-50 या 32-55 1/2

[सं. एल-14016/10/93-जी.पी.]

अर्घेन्दु सेन, निदेशक



New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2987.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2603 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to

acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

#### SCHEDULE FOR SECTION 6/1 Notification

Narasapuram—Nagaram

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in Hect/ Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Razole	Kadali	43-Part	0-28-00	
			42-,,	0-19-00	
			45-1A ,,	0-24-00	
			45-1B ,,	0-02-00	
			45-1 C,,	0-25-00	
			47- ,,	0-03-50	
			61- ,,	0-16-00	
			60-1 ,,	0-01-00	
			60-2 ,,	0-20-75	
			60-4 ,,	0-21-25	
			60-5 ,,	0-06-50	
			66-3 ,,	0-14-00	
			66-4 ,,	0-08-50	
			66-6- ,,	0-04-50	
			68- ,,	0-04-50	
			69-1 ,,	0-14-00	
			69-2 ,,	0-11-50	
			73- ,,	0-02-50	G.P.
			78-1 ,,	0-24-00	
			78-2 ,,	0-19-00	
			84-1 ,,	0-01-00	
			84-2 ,,	0-07-00	
			84-3 ,,	0-11-50	
			82-1 ,,	0-04-00	
			Total	2-93-00	
			83-1 Part	0-22-00	
			90-1 ,,	0-11-50	
			90-2 ,,	0-12-00	
			91-2 ,,	0-23-00	
			94-4 ,,	0-09-50	
			94-5 ,,	0-14-00	
			93- ,,	0-04-50	
			117-1 ,,	0-04-50	
			119-3 ,,	0-10-50	

1	2	3	4	5	6
East Godavari	Rozole	Kadali	119-4 Part	0-14-00	
			118-1 „	0-02-50	
			„ 2 „	0-11-50	
			„ 3 „	0-00-50	
			121-1 „	0-06-50	
			„ 2 „	0-07-00	
			„ 3 „	0-05-00	
			„ 4 „	0-05-50	
			122-1 „	0-10-00	
			„ 2 „	0-09-00	
			114-1 „	0-14-00	
			„ 2 „	0-04-50	
			135-3 „	0-01-00	
			„ 5 „	0-06-00	
			113-1 Part	0-01-00	
			136-2 „	0-13-00	
			554— „	0-10-50	G. P.
			559-4 „	0-07-50	
			„ 3 „	0-07-50	
			562- „	0-13-50	
			564- „	0-02-50	G. P.
			572-1 „	0-13-00	
			„ 2 „	0-10-50	
			571-2 „	0-07-50	
			„ 4 „	0-12-50	
			„ 3 „	0-00-50	
			„ 5 „	0-06-00	
			„ 6 „	0-02-00	
			„ 8 „	0-06-00	
			579-1 „	0-09-00	
			„ 2 „	0-14-50	
			„ 3 „	0-07-00	
			578-2 „	0-12-00	
			591-3 „	0-15-50	
			„ 1 „	0-05-50	
			691-1 „	0-09-60	
			„ 3 „	0-11-50	
			„ 4 „	0-02-50	
			692-1 „	0-01-00	
			„ 5 „	0-00-50	
			„ 6 „	0-04-50	
			689-„	0-03-50	G. P.
			702-5 Part	0-13-50	
			688- „	0-26-50	
			687 „	0-03-50	G. P.
			681-1P	0-05-00	
			„ 2P	0-01-50	
			682-1 P	0-03-50	
			„ 2 „	0-23-50	
			„ 3 „	0-03-00	

1	2	3	4	5	6
East Godavari	Rajole	Kadali	683 P	0-19-50	
			717-9 „	0-00-50	
			678 „	0-01-00	G. P.
			725-2 „	0-10-00	
			726- „	0-15-50	
			730- „	0-11-50	
			729-5 „	0-03-00	
			„ 6 „	0-03-50	
			„ 7 „	0-12-00	
			„ 8 „	0-09-50	
			„ 9 „	0-07-50	
			740-1 „	0-03-50	
			739-1 „	0-06-50	
			„ 2 „	0-10-50	
			739-3 „	0-14-00	
			„ 4 „	0-01-00	
			743- „	0 0-03-00	
			466-1 Part	0-20-00	
			„ 6 „	0-14-50	
			463- „	0-03-00	G. P.
			462-4 „	0-08-00	
			455-1 „	0-19-00	
			457- „	0-27-50	
			458- „	0-44-50	
			406- „	0-03-00	
			405- „	0-08-50	
			407 „	0-18-00	
			439- „	0-07-50	
			438 „	0-03-00	
			437-1 „	0-29-00	
			431- „	0-28-50	
			432-1 „	0-21-50	
			„ 2 „	0-03-25	
			„ 3 „	0-05-50	
			433- „	0-15-00	
			434-1B	0-16-00	
			427- „	0-18-50	
			428- „	0-01-50	
			423 „	0-00-25	
			426 „	0-01-50	
			425-2 „	0-06-00	
			„ 3 „	0-16-00	

1	2	3	4	5	6
East Godavri	Rajole	Kadali	419-1 Pt.	0-17-00	
			420-1 „	0-12-50	
			420-2 „	0-20-00	
			420-3 „	0-04-50	

13-16-50 OR AC 32-55 1/2

[No. L-14916/10/93-G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2988.—पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रो रसायन विभाग की अधिमूचना का.आ. 2598 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाईप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

नरसापुरम नगरम गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे.नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे/एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
पूरुब गोदावरी	नरसापुरम	नवरसपुरम	110-1 भाग	0.04.00	
			111-3 भाग	0.05--50	
			„ 4 „	0.06--25	
			112-- 1 „	0.10-00	
			109-- 1 „	0.02-75	
			„ 2 „	0.13-75	
			68--1 „	0.03-00	

1	2	3	4	5	6
पूर्वगोदावरी	नरसापुरम	नव रसपुरम	" --2 "	0.03--00	
			73--2 "	0.08--00	
			72--1 "	0.15--75	
			" --4 "	0.03--00	
			" --5 "	0.06--00	
			71--1 "	0.07--75	
			" --3 "	0.08--25	
			" --4 "	0.02--50	
			64--10 "	0.06--00	
			" --11 "	0.04--00	
			" --12 "	0.10--25	
			63--1 "	0.11--50	
			" --7 "	0.07--50	
			46--1 "	0.07--00	
			" --2 "	0.14--75	
			45--1 भाग	0.06--00	
			" --4 "	0.07--50	
			" --5 "	0.13--50	
			" --6 "	0.03--00	जीप
			162--1 "	0.37--50	
			" --2 "	0.08--50	
			163--1 "	0.26--50	
			" --2 "	0.05--50	
			183--4 "	0.07--25	
			" --1 "	0.31--25	
			185--1 "	0.20--25	
			" --2 "	0.05--25	जीप
			192--1 "	0.01--00	
			193--1 "	0.09--50	
			2 "	0.23--00	
			194--14 "	0.00--25	
			" --15 "	0.05--00	
			" 16 "	0.00--25	
			" --18 "	0.10--50	
			195--1 "	0.05--50	
			" --6 "	0.05--00	
			" 14 "	0.08--50	
			" --17 "	0.05--50	
			196--2 "	0.17--50	
			196--7 भाग	0.04--50	
			" --8 "	0.05--00	
			" --12 "	0.05--50	
			197--1 "	0.08--50	
			" --7 "	0.07--00	
			" --9 "	0.08--50	
			" --10 "	0.09--50	
			205--2 "	0.03--00	जीप

1	2	3	4	5	6
पूरख गोदावरी	नरसापुरम	नवरसपुरम	206- 1 "	0. 02- 00	
			" - 2 "	0. 05- 50	
			" - 3 "	0. 07- 50	
			" - 4 "	0. 08- 00	
			" - 6 "	0. 21- 50	
			202- 5 "	0. 10- 50	
			228- 1 "	0. 02- 00	जीपी
			" - 2 "	0. 32- 50	
			229- 2 "	0. 05- - 00	जीपी
			कुल जोड़	5-69-50	14-08

[संख्या एल-14016/10/93-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2988.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2598 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (I) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to ac-

quire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE  
For Section 6(1) Notification  
GAS PIPE LINE PROJECT  
NARASAPURAM—NAGARAM

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in hect/acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
West Godavari	Narasapuram	Nauarasapuram	110-1 Part	0-04-00	
			111-3 Pt.	0-05-50	
			111-4 Pt.	0-06-25	
			112-1 Pt.	0-10-00	
			109-1 Pt.	0-02-75	
			109-2 Pt.	0-13-75	
			68-1 Pt.	0-03-00	
			68-2 Pt.	0-03-00	
			73-2 Pt.	0-08-00	
			72-1 Pt.	0-15-75	
			72-4 Pt.	0-03-00	
			72-5 Pt.	0-06-00	
			71-1 Pt.	0-07-75	

1	2	3	4	5	6
West Godavari	Narasapuram	Nauarasapuram	71-3 Pt.	0-08-25	
			71-4 Pt.	0-02-50	
			64-10 Pt.	0-06-00	
			6-11 Pt.	0-04-00	
			64-12 Pt.	0-10-25	
			63-1 Pt.	0-11-50	
			63-7 Pt.	0-07-50	
			46-1 Pt.	0-07-00	
			46-2 Pt.	0-14-75	
			45-1 Pt.	0-06-00	
			45-4 „	0-07-50	
			45-5 „	0-13-50	G.P.
			45-6 „	0-03-00	
			162-1 „	0-37-50	
			162-2 „	0-08-50	
			163-1 „	0-26-50	
			163-2 „	0-05-50	
			183-4 „	0-07-25	
			183-1 „	0-31-25	
			185-1 „	0-20-25	
			185-2 „	0-05-25	G.P.
			192-1 „	0-01-00	
			193-1 „	0-09-50	
			193-2 „	0-23-00	
			194-14 „	0-00-25	
			194-15 „	0-05-00	
			194-16 „	0-00-25	
			194-18 „	0-10-50	
			195-1 „	0-05-50	
			195-6 „	0-05-00	
			195-14 „	0-08-50	
			195-17 „	0-05-00	
			196-2 „	0-17-50	
			196-7 Pt.	0-04-50	
			196-8 „	0-05-00	
			196-12 „	0-05-50	
			197-1 „	0-08-50	
			197-7 „	0-07-00	
			197-9 „	0-08-50	
			197-10 „	0-09-50	
			205-2 „	0-03-00	G.P.
			206-1 „	0-02-00	
			206-2 „	0-05-50	
			206-3 „	0-07-50	
			206-4 „	0-08-00	
			206-6 „	0-21-50	

1	2	3	4	5	6
			202-5 „	0-10-50	
			228-1 „	0-02-00 G.P.	
			228-2 „	0-32-50	
			229-2 „	0-05-00 G.P.	
			Total	5-69-50	14-08

[No. L-14016/10/93-G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2989.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोरसायन विभाग की अधिसूचना का. आ. 2604 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद द्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

[स० एल-14016/10/93 जीपी]

अर्जुन सेन, निदेशक

#### अनुसूची

#### परिच्छेद 6(1) विधि

नरसापुरम-नगरम-गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टर एकड़ में)	विवरण
पूरुब गोदावरी	मलिकिपुरम	मुडिमेटलुका	51—	भाग	0.07-00
			65—4	"	0.27-00
			" — 5	"	0.02-00
			" — 6	"	0.04-00
			66—	"	0.07-50
			73—2	"	0.22-50
			72—1	"	0.16-50
			" — 3	"	0.03-00
			" — 4	"	0.17-00

जि—पी.  
जि—पी.



1	2	3	4	5	6
पूरब गोदावरी	भलिक्किपुरम	गुड्डिमेल्लुक्का	75-- 1 "	0.13-00	
			" 2 "	0.01-50	
			" -- 4 "	0.09-00	
			85-- 3 "	0.08-50	
			" -- 4 "	0.08-00	
			" -- 5 "	0.09-00	
			84-- 1 "	0.05-50	
			87-- "	0.03-00	
					जीपी
			89-- 2 "	0.05-00	
			" 3 "	0.05-00	
			" -- 4 "	0.05-00	
			88-- 2 "	0.06-50	
			" -- 3 "	0.02-00	
			" -- 5 "	0.03-00	
			" -- 6 "	0.09-50	
			" -- 11 "	0.03-00	
			कुल हेक्ट.	2.02-00	
					जीपी
			94-- भाग	0.02-50	
			129-- 1 "	0.36-50	
			" -- 2 "	0.10-50	
			130-- "	0.08.00	
			141-- 2 "	0.23-00	
			144-- "	0.03-00	
			153-- ए 3 "	0.00-50	
			" -- ए 4 "	0.08-00	
			156-- "	0.16-50	
			155-- 1 "	0.21-00	
			4ए "	0.02-50	
			4बी "	0.11-50	
			158--	0.06-00	
					जीपी
			172-- 1 "	0.07-50	
			" 2 "	0.46-50	
			169-- "	0.04-50	
			167-- 1 "	0.20-00	
			168-- 2 "	0.23-00	
			324-- "	0.03-00	
			326-- 1 "	0.16.00	
			" -- 2 "	0.18-50	
			" -- 3 "	0.06-00	
			" -- 4 "	0.01-50	
			306-- "	0.03.00	
			305-- 1 "	0.09.00	
			कुल हेक्ट.	3.08-00	

1	2	3	4	5	6
पुख गोदावरी	मलिकिपुरम	गुडेमलन्का			
			297— 5 भाग	0.06-00	
			" 6 "	0.02-00	
			" 7 "	0.06-50	
			" 8 "	0.21-00	
			" 10 "	0.01-00	
			299— "	0.20-00	
			301— 2 "	0.20-00	
			302—1 "	0.02-50	
			276— "	0.01-00	
			273— "	0.01-00	
			274—1 + 2 "	0.19-50	
			" -- 2ए "	0.12-00	
			272— 1 "	0.03-50	
			5 "	0.15-00	
			266— "	0.03-00	
			264— "	0.19-50	
			कुल हेक्ट.	6.63-50	याकर-सेट्स
					या
					16—39

[सं. एल-14016/10/93-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2989.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2604 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to ac-

quire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

**SCHEDULE**  
For Section 6(1) Notification  
**GAS PIPE LINE PROJECT**  
**NARASAPURAM—NAGARAM**

District	Mandal	Village	Survey	Area (In Hect/Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Malikipuram	Gudimellanka	51-Pt.	0-07-00	G.P.
			65-4 Pt.	0-27-00	
			„ 5 „	0-02-00	
			„ 6 Pt.	0-04-00	
			66-Pt.	0-07-50	
			73-2 Pt.	0-22-50	
			72-1 Pt.	0-16-50	
			„ 3 „	0-02-00	
			„ 4 „	0-17-00	
			75-1 Pt.	0-13-00	
			„ 2 Pt.	0-01-50	G.P.
			„ 4 Pt.	0-09-00	
			85-3 Pt.	0-08-50	
			„ 4 Pt.	0-08-00	
			„ 5 „	0-09-00	
			84-1 Pt.	0-05-50	
			87-Pt.	0-03-00	
			89-2 Pt.	0-05-00	
			„ 3 „	0-05-00	
			4 Pt.	0-05-00	
			88-2 Pt.	0-06-50	G.P.
			„ 3 Pt.	0-02-00	
			„ 5 Part.	0-03-00	
			„ 6 Pt.	0-09-50	
			„ 11 Pt.	0-03-00	
			94-Pt.	0-02-50	
			129-1 Part	0-36-50	
			„ 2 „	0-10-50	
			130-Part	0-08-00	
			141-2 part.	0-23-00	G.P.
			144-Part.	0-03-00	
			153-A3 „	0-00-50	
			„ A4 „	0-08-00	
			156-Part	0-16-50	
			155-1 Part.	0-21-00	
			„ 4A „	0-02-50	
			„ 4B „	0-11-50	
			158-Part	0-06-00	
			172-1 Part.	0-07-50	
			„ 2 Part.	0-46-00	G.P.
			169- „	0-04-50	
			167-1 Part.	0-20-00	
			168-2 Part.	0-23-00	
			327-Part	0-03-00	
			326-1 Part.	0-16-00	
			„ 2 „	0-18-50	
			„ 3 Part.	0-06-00	
			„ 4 Part.	0-01-00	
			306-Part.	0-03-00	
			305-1 Part.	0-09-00	

1	2	3	4	5	6
East Godavari	Mialikipuram	Gudimellanka	297-5 Pt.	0-06-00	
			„ 6 Pt.	0-02-00	
			„ 7 Pt.	0-06-50	
			„ 8 Pt.	0-21-00	
			„ 10 Pt.	0-01-00	
			299-Part	0-20-00	
			301-2 Pt.	0-20-00	
			302-1 Pt.	0-02-50	
			276-Pt.	0-01-00	
			273-Pt.	0-01-00	
			274-10 Pt.	0-19-50	
			„ 2A Pt.	0-12-00	
			272-1 Pt.	0-03-50	
			„ 5 Pt.	0-15-00	
			266-Pt. †	0-03-00	
			264-Part	0-19-50	

OR  
AC 16.39 Cents

[No. L-14016/10/93-G.P.]  
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1994

का.आ. 2990.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, रसायन और पेट्रोरसायन विभाग की अधिसूचना का.आ. 2605 तारीख 17-11-93 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आणव्य घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात्, भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अतः इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार, भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, राजामुंद्री में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

परिच्छेद 6(1) विज्ञप्ति

नरसापुरम-नगरम गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
पूरुष गोदावरी	राजोलू	सिवकोडु	308—2 भाग	0.02-25	
			309—11 ”	0.17-00	
			” —2 ”	0.15-00	

1	2	3	4	5	6
पूरव गोदावरी	राजोलू	सिवकोडु	" — 3	0.03-00	
			311—2	0.34-75	
			314—2	0.05-50	
			" — 3	0.01-00	
			318—1	0.30-50	
			" — 2	0.13-50	
			317—3	0.00-50	
			324—1	0.23-75	
			" — 2	0.00-25	
			" — 3	0.01-25	जिपी
			452—	0.24-75	
			447—	0.13-75	
			451—1	0.01-00	जिपी
			" — 2	0.21—00	
			450—1	0.02—00	
			449—3	0.05-50	
			" — 4	0.16-50	
			530—	10.28-50	
			531—	0.01-50	
कुल हेक्टे.				2-62-75	
527—	भाग			0.03.00	जिपी
526—1	"			0.03-50	
" — 2	"			0.04.00	
" — 3	"			0.04-00	
" — 4	"			0.03-50	
" — 5	"			0.04-50	
523—1	"			0.06-00	
" — 2	"			0.06-50	
" — 3	"			0.09-50	
520—	"			0.04-50	जिपी
519—1	"			0.14-50	
" — 2	"			0.01-00	
545—	"			0.07—50	जिपी
543—	"			0.03-00	
546—	"			0.31-50	
547—	"			0.05-25	जिपी
600—5	"			0.18-50	
" — 6	"			0.01-50	
601—1	"			0.11-50	
599—2	"			0.05-50	
602—3	"			0.00-50	
" — 4	"			0.06-50	
" — 5	"			0.10-25	
" — 6	"			0.08-25	
				81	
कुल हेक्टे				1-76-75	

1	2	3	4	5	6
पूरबी गोदावरी	राजोलु	सिवकोडु	605—	भाग	0.10 50
			604—1	"	0.03-00
			" —2	"	0.20-00
			625—	"	0.37-50
			624—1	"	0.02-00
			" —2	"	0.35-00
			620—	"	0.09-00
			622—1	"	0.09-25
			" —2	"	0.11-75
			621—1	"	0.18-50
			632-3	"	0.01-25
			633—1	"	0.18—00
			662—1	"	0.09-50
			" 2ए	"	0.10-00
			" —3	"	0.09-50
			661—2	"	0 07-00
			" —3	"	0.00-50
			660—	"	0.11-25
			670—1	"	0.01-50
			" —2	"	0.07-50
			" —3	"	0.11-50
			67—1	"	0.02-00
			कुल हेक्टे.		6—85—50
					याफर-सेंट्स 16—76

[सं. एल-14016/10/93-जी.पी.]

अर्थन्तु मेन, निदेशक

New Delhi, the 28th September, 1994

S.O. 2990.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2605 dated 17-11-93 under sub-section (I) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (I) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to ac-

quire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

**SCHEDULE**  
**For Section 6(1) Notification**  
**GAS PIPE LINE PROJECT**  
**NARASAPURAM—NAGARAM**

District	Mandal	Village	Survey No.	Area (In Hect/Acers)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Razolu	Sivakodu	308-2 Pt.	0-02-25	
			309-1 Pt.	0-17-00	
			309-3 „	0-15-00	
			309-3 Pt.	0-03-00	
			311-2 Pt.	0-34-75	
			314-2 Part	0-05-50	
			314-3 „	0-01-00	
			318-1 Pt.	0-30-50	
			318-2 „	0-13-50	
			317-3 Pt.	0-00-50	
			324-1 Pt.	0-23-75	
			324-2 „	0-00-25	
			324-3 „	0-01-25	G.P
			452-Pt.	0-24-75	
			447-Part	0-13-75	
			451-1 Pt.	0-01-00	
			451-2 „	0-21-00	
			450-1 Pt.	0-02-00	
			449-3 Pt.	0-05-50	
			449-4 „	0-16-50	
			530-Part	0-28-50	
			531-Part	0-01-50	
			527-Pt.	0-03-00	
			526-1Pt.	0-03-50	
			526-2 „	0-04-00	
			526-3 „	0-04-00	
			526-4 „	0-03-50	
			526-5 „	0-04-50	
			523-1 Pt.	0-06-00	
			523-2 „	0-06-50	
			523-3 „	0-09-50	
			520-Part	0-04-50	
			519-1 Pt.	0-14-50	
			519-2 „	0-01-00	
			545-Pt.	0-07-50	
			543-Pt.	0-03-00	
			546-Pt.	0-31-50	
			547-Pt.	0-05-25	
			600-5 Pt.	0-18-50	
			600-6 „	0-01-50	
			601-1 Pt.	0-11-50	
			599-2 Pt.	0-05-50	
			602-3 Pt.	0-00-50	
			620-4 Pt.	0-06-50	
			602-5 „	0-10-25	
			602-6 „	0-08-25	

1	2	3	4	5
East Godavari	Razolu	Sivakodu	605-Pt.	0-10-50
			604-1 Pt.	0-03-00 GP
			604-2 „	0-20-00
			625-Pt.	0-37-50
			624-1 Pt.	0-02-00 GP
			624-2 „	0-35-00
			620-Pt.	0-09-00
			622-1 Pt.	0-09-25
			622-2 „	0-11-75
			621-1 Pt.	0-18-50
			632-3 Pt.	0-01-25
			633-3 Pt.	0-18-00
			662-1 Pt.	0-09-50
			662-2A „	0-10-00
			662-3 „	0-09-50
			661-2 Pt.	0-07-00
			661-3 „	0-00-50
			660-Pt.	0-11-25
			670-1 Pt.	0-01-50 GP
			670-2 Pt.	0-07-50
			670-3 „	0-11-50
			671-Pt.	0-02-00 CP
			G. Total	6-85-50 Hectares
				OR
			Ac.	16-76 Cents.

x

[No. L-14016/10/93-G.P.]

ARDHANDU, Director

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1994

का. आ. 2991.—केन्द्रीय सरकार ने, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खंड (च) के अनुसरण में, डा. एल. के. गांधी को, डा. जी. एल. सबरवाल के, जिनकी अवधि 20 जुलाई, 1991 को समाप्त हो गई, स्थान पर 25 अगस्त, 1994 से भारतीय दंत चिकित्सा परिषद् का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 3 के खंड (च) के अनुसरण में, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 430, तारीख 24 जनवरी, 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 के परन्तुक के साथ पठित खंड (च) के अधीन नामनिर्दिष्ट” शीर्ष के नीचे—

क्रम संख्यांक 1 और उसमें संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“1. डा. एल. के. गांधी, नामनिर्दिष्ट केन्द्रीय 25-8-94”।

सी-56, एन. डी. सरकार

एस. ई. II,

नई दिल्ली-110049

[संख्या वो. 12013/6/94-पी. एम. एस.]

आलोक परती, निदेशक

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 8th September, 1994

S.O. 2991.—Whereas in pursuance of clause (f) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. L. K. Gandhi has been nominated by the Central Government to be member of the Dental Council of India with effect from 25th August 1994 in place of Dr. G. L. Sabharwal, whose term expired on 20th July 1991.



Now, therefore in pursuance of clause(f) of section 3 read with sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, (Department of Health), No. S.O. 430, dated the 24th January, 1984, namely :—

for serial number 1 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

- |                     |           |            |         |
|---------------------|-----------|------------|---------|
| 1. Dr. L. K. Gandhi | Nominated | Central    | 25-8-94 |
| C-56, N.D.S.E.-II,  |           | Government |         |
| New Delhi-110049    |           |            |         |

In the said notification under the heading "Nominated under clause (f) read with provision to section 3".

[No. V. 12013]6/94-PMSI  
ALOK PERTI, Director (ME)

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1994

का.आ. 2992.—केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अनुसूची के भाग 1 में, मगध विश्वविद्यालय से संबंधित क्रम संख्यांक 37 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

प्राधिकरण या संस्था	मान्यताप्राप्त दंत अर्हता	रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर
38. ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा	बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी	बी डी एस. दरभंगा

[संख्या बी. 12017/9/94-पी.एम.एम.]

आलोक परती, निदेशक

New Delhi, the 19th October, 1994

S.O. 2992.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consulting the Dental Council of India, hereby makes the following further amendment in the Schedule to the said Act, namely :—

the following serial number and entries shall be inserted namely :—

Authority or institution	Recognised Dental qualification	Abbreviation for registration
38. Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga	Bachelor of Dental Surgery	B.D.S. Darbhanga

In part I of the said Schedule, after serial number 37 relating to Magadh University and the entries relating thereto,

[No. V. 12017/9/94-PMSI  
ALOK PERTI, Director

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, 22 सितम्बर, 1994

का.आ. 2993.—साधारण श्रेणीकरण तथा चिन्हांकन नियमावली 1988 के अधीन मुद्राको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं आर.एन. बन्सल, कृषि विपणन मलापकार, भारत सरकार, एतद्वारा, स्तम्भ (1) में उल्लिखित नियमों के अनुसरण में जैसा कि स्तम्भ (2) में शक्तियों के प्रयोग के अधिकारी विनिर्दिष्ट है, स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट राज्य सरकार के अधिकारियों को जम्मू और काश्मीर राज्य में घरेलू मंडी के लिए कृषि उपज (श्रेणीकरण तथा चिन्हांकन), अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के अधीन निर्धारित श्रेणीकरण तथा चिन्हांकन नियमों एवं श्रेणीकरण अभिधानों के अनुसार कृषि और अन्य उत्पादों के श्रेणीकरण तथा चिन्हांकन के बारे में अधिकार देता हूँ।

साधारण श्रेणीकरण चिन्हांकन	प्रत्यायुक्त	शक्तियां	राज्य के अधिकारी का पदनाम
नियमावली, 1988 के नियम का मन्दर्भ			

1	2	3
नियम 3(4)	घरेलू श्रेणीकरण के लिए प्राधिकरण प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु आवेदन प्राप्त करना,	निदेशक बागवानी योजना एवं विपणन जम्मू और काश्मीर धीनगर

1	2	3
नियम 3(5)	आवेदक को सहायता के स्थापन तथा परिसरों, प्रयोगशाला, संसाधन एककों के निरीक्षण की व्यवस्था करना तथा घरेलू श्रेणीकरण के लिए प्राधिकरण प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु सिफारिश करना,	निदेशक बागवानी योजना एवं विपणन प्रमू और कश्मीर, श्रीनगर
नियम 4	विकेन्द्रीकरण श्रेणीकरण के बारे में प्राधिकरण प्रमाण पत्र का नवीनीकरण करना,	—वही—
नियम 8(2)	एसमार्क श्रेणीकरण के लिए प्राइवेट वाणिज्यिक प्रयोगशाला के अनुमोदन की सिफारिश करना,	—वही—
नियम 12	विकेन्द्रीकरण श्रेणीकरण के बारे में श्रेणी अभिधान चिन्हों को जारी करना अथवा प्रयोग को रोकना,	—वही—
नियम 14	किसी भी अनुमोदित वस्तु के बारे में सूचना, रिपोर्ट, विवरणी प्राप्त करना,	—वही—
नियम 3(8)(ब)	प्राधिकृत श्रेणीकरण परिसरों का निरीक्षण करना तथा यह पता लगाना कि विकेन्द्रीकरण वस्तुओं का श्रेणीकरण तथा चिह्नीकरण सही रूप में किया गया,	—वही—
नियम 3(8)(ग)	विकेन्द्रीकरण श्रेणीकरण के प्राधिकृत पैकों द्वारा रखे गए रिपोर्ट की जांच करना,	—वही—
नियम 3(8)(घ)	श्रेणी अभिधान चिन्ह लगे हुए किसी पैकेज को खोलना तथा निरीक्षण करना तथा किसी भी श्रेणीकृत उपज के नमूने लेना परन्तु सभी नमूनों के लिए संदाय किया जाएगा,	—वही—
नियम 3(8)(ङ)	विकेन्द्रीकरण श्रेणीकरण के अधीन आने वाली किसी भी श्रेणीकृत वस्तु का श्रेणी अभिधान चिन्ह रद्द करना या उसे हटाना यदि वह विहित श्रेणी कि निर्देशनों के अनुरूप नहीं है।	—वही—

[सं.-क्यू.-11011/9/93-क्यू सी-2]

धार. एन. बंसल, कृषि विपणन सलाहकार

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

(Directorate of Marketing and Inspection)

Faridabad, the 22nd September, 1994

S.O. 2993—In exercise of the powers conferred on me under the General Grading and Marking Rules, 1988, I, R.N. Bansal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India hereby delegate, in pursuance of the rules cited in column (1), authority to exercise the powers, as specified in Column (2), to the officers of the State Government specified in Column (3), in respect of Grading and marking of agricultural and other produce in accordance with the grade designations and the Grading and Marking Rules prescribed under the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (I of 1937) for domestic market in the State of Jammu and Kashmir.

Reference rule of the GGM Rules 1988	Powers delegated	Designation of the State Officer
1	2	3
Rule 3(4)	To receive the application for grant of Certificate of Authorisation for domestic grading:	Director Horticulture Planning and Marketing, Jammu and Kashmir, Srinagar.
Rule 3(5)	To arrange for verification of bonafides of the applicant and inspection of the premises Laboratory, processing units and to recommend grant of C.A. for domestic grading:	-do-

1	2	3
Rule 4	To renew the certificate of Authorisation in respect of de-centralised grading;	Director Horticulture Planning and Marketing Jammu and Kashmir, Srinagar.
Rule 8(2)	To recommend approval of private commercial laboratory for Agmark grading;	-do-
Rule 12	To withhold issue or use of grade designation marks in respect of de-centralised grading;	-do-
Rule 14	To obtain information, report/return in respect of any of the Scheduled articles;	-do-
Rule 3(8)(b)	To inspect the authorised grading premises and to ascertain that grading and marking of de-centralised commodities is correctly performed;	-do-
Rule 3(8)(c)	To examine the record maintained by the authorised packers of de-centralised grading;	-do-
Rule 3(8)(d)	To open and inspect any package bearing grade designation mark and to take samples of any graded produce provided all samples shall be paid for;	-do-
Rule 3(8)(e)	To cancel or to remove the grade designation mark from any graded article covered under decentralised grading if found not confirming to the prescribed grade specifications;	-do-

[No. Q-11011/9/93-QC II]

R.N. BANSAL, Agricultural Marketing Adviser.

रेल मंत्रालय  
(रेलवे बोर्ड)

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1994

New Delhi, the 10th October, 1994

का. भा. 2994.—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल के 4 कार्यालयों को, जहां कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है :—

S.O. 2994.—In pursuance of sub-Rule (2) and (4) of Rule 10 of the official Language (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board), hereby notify the under mentioned Railway Offices of Ferozepur Division of Northern Railway where the staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

उत्तर रेलवे (फिरोजपुर मंडल)

NORTHERN RAILWAY (FEROZEPUR DIVISION)

1. स्टेशन अधीक्षक फिरोजपुर
2. स्टेशन अधीक्षक फाजिल्का
3. स्टेशन अधीक्षक कोटकापूरा
4. सहायक इंजीनियर पालमपुर

1. Station Supdt., Ferozepur
2. Station Suptd., Fazilka
3. Station Suptd., Kotkapura
4. Asstt. Engineer, Palampur

[सं. हिंदी-94/रा. भा. 1/12/1]

एम. ए. ए. जैदी, सचिव

[No. Hindi-94/OL-J/12/1]  
S. A. A. ZAIDI, Secy.

## वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

क्र. भा. 2995.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संव के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम 4 के अनुसरण में वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनमें 80% कर्मचारी बृन्द ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. कच्चा माल बैंक, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, टाटा रोड चाई-बासा 833201 (बिहार)
2. तकनीकी सेवा केन्द्र, राष्ट्रीय रेशम परियोजना, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, नयागांव 248007 (देहरादून)
3. अनुसंधान विस्तार केन्द्र, क्षेत्रीय (प्रादेशिक) रेशम अनुसंधान केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, परिगी रोड, हिंदुपुर-015201

[सं. ई/11016/2/94-हिंदी]

चरन दास, उप सचिव

## MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 30th September, 1994

S.O. 2995.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union), Rule, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Textiles whereof more than 80 per cent have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Raw Material Bank, Central Silk Road, Tata Road, Chaibasa-833201 (Bihar).
2. Technical Service Centre, National Sericulture Project, Central Silk Board, Nayagaun-248007 (Dehradun).

3. Research Extension Centre, Regional Silk Research Centre, Central Silk Board, Parigi Road, Hindupur-515201.

[No. E-11016/2/94-Hindi]  
CHARAN DASS, Dy. Secy.

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

का. भा. 2996.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के सम्बन्ध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बेंगलूर के पक्षपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/388/89-डी. 2 (ए.)/आई आर (बी.-2)]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th September, 1994.

S.O. 2996.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 29-9-94.

[No. L-12012/388/89-D.II(A)/IR(B-II)]  
V. K. SHARMA, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT,  
BANGALORE

Dated this 26th Day of September, 1994

Present

Sri M.B. Vishwanath,

B.Sc., B.L.,

Presiding Officer

CENTRAL REFERENCE NO. 7/90

I Party

The Gen. Secretary,  
Syndicate Bank Staff Association,  
Anooradha Building,  
S.C. Road,  
Bangalore-560 009.

(By Sri B.D. Kuttappa,  
Advocate)

V/s.

II Party

The Dy. Gen. Manager,  
Syndicate Bank, Zonal Office,  
Gandhinagar,  
Bangalore-6560009.

(By Sri B.C. Prabhakar,  
Advocate)

## AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Govt. by its order No. L. 12012/388/89-DII(A) Dt. 5-12-90 under Sec. 10 (1) (d) of the I.D. Act the point for adjudication as per schedule to reference is :—

"Whether the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of Shri D.K. Dayananda, Clerk, Cottonpet branch of Syndicate Bank is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. In the claim statement dt. 20-1-92 it is contended :—

The I party was permanent employee of the II party bank and was working as a clerk. The I party had to obtain leave on medical grounds and personal grounds. He also met with an accident. The II party has terminated the services of the I party on the ground that he had voluntarily abandoned the services w.e.f. 8-4-85. The II party has ordered that the I party has ceased to be in services of the II party w.e.f. 8-4-85. The termination is illegal. According to II party the termination is because of I party's misconduct of abandoning the services. In that case the II party should have held an enquiry against the I party. But no enquiry has been held against the I party. The I party had to remain absent on account of his health condition. The action of the II party amounts to retrenchment. The II party has not complied with the mandatory requirements of Sec. 25-F of the I.D. Act. The order of termination of the services of I party has to be set aside and he should be reinstated with back wages and seniority.

3. The counter statement has been amended by the II party with the permission of the Tribunal. Amended counter statement has been filed by the II party. In the amended counter statement it is contended:—

The II party has not terminated the services of the I party. The I party has given up employment in accordance with Clause 16(IV) of the B.P.S. The I party remained unauthorisedly absent for more than 90 days. The management gave him 30 days notice as per notice dt. 19-11-85. In spite of this, the I party did not report for duty till 19-12-85. Therefore the management treated I party as having voluntarily abandoned his services by its letter dt. 19-12-85. The I party remained absent unauthorisedly from 22-12-84 without any intimation or sanction of leave till 1-4-85.

During the year 1985 the I party has worked only for a period from 1-4-85 to 6-4-85. The I party lost the lien on his employment because he was absent for more than 90 consecutive days without written permission. The reference is not maintainable. The II party has invoked Clause 16(IV) of the B.P.S.

Once the I party submitted his resignation but requested the II party not to accept the resignation. I party withdrew his resignation and he was permitted to join the duties. The I party reported for duty on 1-4-85 and worked till 6-4-85. He absented himself from 8-4-85. So the II party issued registered notice directing the I party to give explanation for his unauthorised absence. The I party sent a letter to II party for extending his leave upto 12-7-85 on health grounds. Even after that I party did not report for duty. The II party has not punished the I party any misconduct. The II party has acted as per Clause 16(IV) of the B.P.S. The II party intimated the I party that he had left the services on his own. The management has not terminated his services. The II party as per provisions of B.P.S. issued him 30 days notice dated 18-11-85 and called upon I party to report for duty.

In spite of this the I party did not turn up for duty. By letter dt. 19-12-85 the I party was intimated about the deemed provisions of B.P.S. The deemed provisions of B.P.S. have come into effect and there was no question of holding any enquiry against I party. It is not true that the I party was forced to remain absent on account of health condition. He has not produced any medical certificate. Since the I party has voluntarily abandoned the services, question of complying with the conditions precedent for retrenchment does not arise. The II party gave the I party several opportunities to report for duty, but he did not report for duty. The dispute raised is highly belated. For all these reasons the reference has to be rejected.

4. In the order sheet dt. 1-5-92 it is stated that the point for adjudication is covered by the schedule to reference and no separate issues are required. It has been made 2343 GI/94—19

clear that at the time of final arguments all the subsidiary points like jurisdiction, maintainability etc., would be considered.

5. On behalf of the management MW-1 Radhakrishna Tantri, Manager has been examined. On behalf of the I party he has got himself examined and closed his case.

6. The admitted facts are :—

The I party reported for duty on 1-4-85 and worked upto 6-4-85. 7-4-85 was a Sunday. The I party remained absent from 8-4-85. The I party went on applying for leave from 8-4-85 to 27-5-85. The manager M.W.1 has admitted that from 23-12-84 to 5-1-85 the I party applied for leave. He has stated that again I party applied leave upto 27-5-85. M.W.1 has stated that the management did not sanction the above leave. This decision of the bank was communicated to I party as per Ex. M. 10.

7. M.W.1 has stated that since I party remained absent continuously for more than 90 days, the II party issued notice as per Ex. M-11 by RPAD asking him to report for duty. This letter Ex. M.11 is the office copy of II party. The original was enclosed in Ex. M.12 postal cover which bears the shara that the I party refused to receive it. M.W.1 has further stated that since the I party did not report for duty within 30 days the II party issued notice as per Ex. M-16 treating I party as having voluntarily abandoned his services as per provisions of Clause 16(IV) of B.P.S. The original of Ex. M-16 was enclosed in the postal cover Ex. M.13 which was returned with endorsement "not found during delivery time".

8. From the facts stated above it is clear that the notice issued to I party calling upon to report to duty was not served personally and it was returned with shara refused. The I party has stated that he has not refused the cover Ex. M-12 in which the original of Ex. M-11 was enclosed. The postman has not been examined to show that in fact I party refused to receive the notice Ex. M-11 original of which was enclosed in Ex. M.12.

9. The I party has stated that he did not refuse Ex. M.13 which contained the abandonment of service notice Ex. M-16. Thus in my opinion management has not placed convincing evidence to show that in fact it issued notice to the I party calling upon him to join duty within 30 days. So no weight can be attached to Ex. M.16 the original of

which was enclosed in Ex. M.13. The management cannot be permitted under these circumstances to invoke the provisions of Clause 16 (IV) of the B.P.S. On this score reinstatement has to be ordered.

10. The reference has to be accepted on yet another score. The case of the I party is that the II party terminated his services (acting under Clause 16(IV) of the B.P.S.) in view of the continuous unauthorised absence from 8-4-85 till the issue of Ex. M-16. Admittedly no D.E. has been held against the I party before terminating his services as per Ex. M.16.

11. The decision reported in 1993 (II) L.L.J. 696 (D. K. Yadav v/s. J.M.-A- Industries Ltd.-) arose out of the award passed by the Labour Court, Haryana. The workman had wilfully absented himself from duty for more than 8 days without leave or prior permission from the management and therefore he was deemed to have left the services of the company in his own account and lost his lien and the appointment because clause 13(2)(b) of the standing order was that if a workman remained absent without sanctioned leave he shall lose his lien on his appointment unless he reports to duty within 8 calendar days of the commencement of the absence. In accordance with the standing order, the name of the employee was struck off from the muster rolls. The Labour Court upheld the termination order passed by the management. Ultimately the matter went to Hon'ble Supreme Court.

The Hon'ble Supreme Court after observing in para 13 at page 702 that "the order of termination of service of an employee/workman visits with civil consequences of jeopardy-dismiss not only his/her livelihood but also career and livelihood of dependents" has laid down "Therefore, before taking any action putting an end to the tenure of an employee/workman fair play requires that a reasonable opportunity to put forth his case is given and domestic enquiry conducted complying with the principles of natural justice." The Supreme Court was pleased to set aside the termination order and reinstate the employee.

12. In view of the law laid down by the Hon'ble Supreme Court the I party has to be reinstated.

13. The Learned Counsel for the I party stressed that I party was entitled to back wages. Once the I party submitted his resignation which was accepted by the II party. Resignation letter Ex. M.4 shows that he wanted to take up a self employment and started departmental stores. In view of the representation made by the I party, the II party recalled him to duty on humanitarian grounds. It is clear from the material on record that the I party has worked only for 46 days from 1-4-84 to 19-12-85. He was continuously absent from 8-4-85 without obtaining leave, though his leave was refused. This notice Ex. M-10 intimating the I party that his leave was rejected has been served on the I party. The I party stated that he met with an accident and he was continuously ill. He has not placed any convincing material to prove this.

14. The Nationalised Banks have been working under loss. The unsatisfactory conduct of I party cannot lost sight of. Against the background of Ex M.4 it is highly probable that I party workman was not without any employment all these days. If the I party is granted back wages, in my opinion, it will amount to robbing penurious Peter to pay prosperous Paul.

15. All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

#### ORDER

The order of II party as per Ex. M.16 is set aside. The II party is directed to reinstate the I party forthwith with continuity of service. No back wages. Calculated upto the date of reinstatement. the I party is not entitled to earn increments for the period during which he has not worked. Reference accepted in part accordingly. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him, corrected, signed by me on this 26th day of September 1994).

26-9-94

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

का. मा. 2997.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-94 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एल-12012/466/90-आई. आर. (बी-2)]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th September, 1994

S.O. 2997.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 29-9-1994.

[No. L-12012/466/90-IR(B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer.

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

Tuesday, the 10th day of May, 1994

PRESENT :

Thiru K. Sampath Kumaran, B.A.B.L., Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No 23/91

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of

Vijaya Bank, Madras)

#### BETWEEN

The Workman represented by :

The Joint Secretary,  
Vijaya Bank Workers' Organisation,  
283, Pycrofts Road, Triplicane,  
Madras-600 005.

#### AND

The Asstt. General Manager,  
Vijaya Bank Zonal Office,  
Subramanyam Building,  
P.B. No. 3762, IIrd Floor,  
No. 1, Club House Road,  
Madras-600 002.

## REFERENCE :

Order No. L-12012/466/90/IRB-II, dated 18-3-1991, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on the 25th day of January, 1994 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Mr. K. S. Janakiraman and K. M. Ramesh, Advocates appearing for the workman and of Mr. P. B. Krishnamurthy and T. Chidambaram, Advocates appearing for the management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

## AWARD

This reference has been made for the adjudication of the following issue :

"Whether the Management of Vijaya Bank is justified in imposing the punishment of stoppage of one increment permanently on Smt. Meenakshi L. Rao, Clerk from February, 1988? If not, what relief the concerned workman is entitled to?"

2. The Petitioner filed the following Claim Statement.—Smt. Meenakshi L. Rao is a Senior Clerk having put in an unblemished record of 13 years of service. While she was employed in the Egmore branch of the bank she was given a charge sheet dated 20-11-1986 alleging that she had retained 2 cheques without despatching them on the same day to the drawee-Bank for collection in order to accommodate the party who are said to be her close relative. The workman was charged with acts prejudicial to the interests of the Bank. She denied the charges by her reply dated 24-12-1986 and also referred to the earlier representations dated 3-9-1986 and 27-9-1986 in response to the memos dated 27-8-1986 and 17-9-1986. There is no material evidence to show that the said two cheques were retained are delayed intentionally. The workman had despatched them as soon as he received the same in the usual course and in accordance with the normal practice. The Management purported to hold the domestic enquiry without furnishing, alongwith the charge sheet or before the commencement the list of witnesses, copies of report or complaint, and the copy of the so called investigation reports. The enquiry said to have been held against her was neither fair nor proper, nor was it held in accordance with the principles of natural justice and the provisions of the Bi-partite Settlement.

3. The workman was not given a reasonable opportunity to cross examine the Management-witnesses and lead her defence. The charge number 1 was inappropriate and inapplicable to the workman concerned, inasmuch as the transactions in question did not at all relate to the subject-workman but some one else who figured as Management witness. The subject-workman was sought to be made a scape goat for the fault of others. In other respects the charges are vague. Mere delay even if proved cannot constitute a misconduct under the Bi-partite Settlement.

Nothing has been shown to justify that the petitioner was solely responsible for the delay, if any, that such delay was deliberate, wilful, or motivated and that there was any nexus with any such act and intention so as to constitute an Act of misconduct. The charges have not been proved by legal evidence. The petitioner disproved the charges. The enquiry officer gave the findings which are preconceived. The disciplinary authority proposed a punishment of stoppage of increment in the show cause notice dated 16-9-87 in which the employee submitted her reply dated 27-10-1987. The stoppage of one increment was imposed by the final order dated 9-12-1987. The disciplinary Authority was biased and prejudiced against the employee. He being a committed person was incompetent to keep an open and fair mind. The punishment by the said disciplinary authority is therefore biased and unjust. The disciplinary authority failed to give a hearing to the employee before passing the final order, and therefore also the order is illegal. The Management not only stopped one increment but also reduced the pay of the employee. It amounts to double punishment. The employee filed an appeal dated 28-3-1988 to the Deputy General Manager who is the appellate authority. But the Appellate Authority mechanically accepted the versions of the enquiry officer and dismissed the appeal by order dated 10-5-1988. It is against the principles of natural justice and Bi-partite Settlement. The charges are not proved besides being trivial and vague. The charges were not proved by legal evidence. Findings are perverse. There had been no unusual delay in the despatch the two instruments and even if there be any, it is not attributable to the workman. The punishment is disproportionate and is not justified. The reference to past record is not specific but vague. The allegations in the charge sheet even if true would not amount to an Act of misconduct. Therefore, the Tribunal may hold by the Management is not justified in imposing the punishment and direct the management to restore the increment and reimburse all losses suffered by the workman.

4. The respondent filed the following Counter.—The employee Smt. Meenakshi L. Rao was served with a charge sheet dated 20-11-1986 for the alleged act of misconduct committed by her deliberately retaining two cheques for Rs. 25,000 each purchased by the branch in the account of M/s. Cherub, without despatching the same to the drawee branch for collection on the very same day of purchase as per the rules and procedures of the Bank, thereby showing undue favour to the party who are her close relatives, while working at the despatch section of Egmore branch. It is alleged that her acts are prejudicial to the interest of the bank under Clause 19(5)(i) of the Bi-partite Settlement 1966. In the domestic enquiry the petitioner was defended by a Trade Union Representative. On 20-7-1987 the Enquiry Officer submitted his findings holding that the charge levelled against the petitioner is proved. On a careful consideration of the enquiry proceedings and evidence placed on record the disciplinary authority accepted his findings and found the petitioner guilty of the charge. Considering the gravity of the misconducts and her written representations dated

27-10-1987 the Disciplinary Authority imposed the punishment of stoppage of one increment permanently, by its order dated 9-12-1987. Her appeal was considered and dismissed. The Enquiry was conducted in consonance with the principles of natural justice and the Bi-partite settlement. The applicant deliberately delayed the despatch of the two cheques in order to accommodate her close relatives by misusing her position in the branch, which is a grave and serious misconduct unbecoming of an employee of a Bank. The disciplinary authority had taken a lenient view and the punishment is not disproportionate to the gravity of the misconduct. The charge sheet states the incidents with necessary details such as date, place and the proceeds of frame the charge. It is not vague. The Officer in-charge of the despatch section at the relevant period despatched C.B.P. 132/86 dated 13-5-1986 on 16-5-86 after observing that the petitioner had deliberately retained the instrument without despatching on 14-5-1986 contrary to Bank's normal practice. It was brought on record that the instrument in question was sent to the petitioner for despatch on 13-5-1986 and the same was in her possession, and that she deliberately retained the same without despatching with the ulterior motive of favouring M/s. Cherub the partners of which are her close relatives. The Enquiry Officer carefully analysed the evidence and held that the charges are proved. The cheques purchased were subsequently dishonoured for want of funds and therefore the reasonable inference is that the petitioner being aware of the fact that there were no sufficient funds in the account of M/s. Cherub to honour the cheque, deliberately retained the cheque without despatching the same, on the day of purchase or atleast on the following day. The allegation that the findings of the Enquiry Officer are perverse or that he acted in violation of the principles of natural justice is baseless. The allegations that the findings of that the Disciplinary authority are perverse and that he has been prejudiced against the employee even before investigation are baseless. The Disciplinary action was originally initiated in the case of the employee concerned herein by the Joint General Manager. However, consequent upon decentralisation of Disciplinary functions the Assistant General Manager at the Zones concerned were made disciplinary authority. It is denied that the disciplinary authority acted both as Prosecutor and Judge. He never committed himself to a certain view as regards alleged misconduct before the commencement of the enquiry. It is denied that the disciplinary authority did not give opportunity to the petitioner or hearing in accordance with clause 19(2)(a) of the Bipartite Settlement. That clause does not contemplate personal hearing. The employee was asked to make her submissions if any by the letter dated 15-9-1987 of the disciplinary authority, and that complies with the requirements of Clause 19.2(a). The order of the disciplinary authority was communicated to the employee on 9-12-1987, which she acknowledged on 14-12-1987. Since the punishment of stoppage of one increment permanently was imposed on the employee, in the normal course the next increment which fell due should have been stopped. However, the Fomore Branch inadvertently released her increment of Rs. 70

which fell due on 1-1-1988 and included the same in the applicant's salary for the month of January, 1988, but rightly recovered the increment in the month of February 1988. The appellate authority on a consideration of the facts and circumstances upheld the punishment. Therefore, the Tribunal may hold that the punishments of stoppage of one increment justified.

#### 5. The petitioner filed the following reply statement

There is no specific set of condifed procedures| rules in the Bank governing the day to-day running of the despatch section, as no track is being maintained with regard to the number of letters|instruments etc. received by the despatch section for the purpose of mailing. One of the instrument after a delay is not sustainable. The patched by B. D. Dayananda Rai on 16-5-86., as admitted by him, during the enquiry proceedings. Therefore, the charge that the delinquent despatched the instrument after a delay is not sustainable. The other instrument 136/86 was despatched on the same day it was received in the despatch section. Stoppage of one increment permanently is not a punishment enumerated and therefore, the same cannot be imposed. There is no record to prove that the instrument C.B.P. 132/86 was given to the despatch clerk on 13-5-1986. Dayananda Rai's testimony should not have been taken into account at all since he was the person who despatched the first instrument after delay but had put the blame on the employee. The Enquiry Officer shifted the onus of proof to the employee which is not fair. The delinquent employee shall be given the hearing as regards the nature of the proposed punishment. Hearing means personal hearing and not a mere opportunity to file representations.

#### 6. The issues that arise for consideration in this Industrial dispute are :

1. Whether the charges against the employee namely Smt. Meenakshi L. Rao have been proved ?
2. Whether there has been a fair and just enquiry against the said employee ?
3. Whether the punishment imposed upon her is excessive ?

7. Issues 1 to 3 .—The charge-sheeted employee Smt. Meenakshi L. Rao (hereinafter referred to 'as employee') was working as the despatch clerk in the respondent's bank at Egmore, the charge against her is that on 13-5-86 a cheyue CBZP no. 182-86 drawn in favour of M/s. Cherub for Rs. 25,000 on Canara Bank, Bangalore was sent to the employee for despatch to the office at Bangalore, that it should have been despatched either on the same day or on the morning of the next day at the latest. It is alleged by the respondent that though the employee had despatched the other instruments on the next day, this cheque C.B.P. 132/85 purchased on 13-5-86 was despatched only on 16-5-86. It is also alleged that another cheque for Rs. 25,000 drawn in favour of M/s. Cherub under C.B.P. 146/86 dated 20-5-86 was made available to the employee on the same day for the purpose of despatch but the employee despatched the same only on 23-5-86.



8. According to the Respondent, the partners of M/s. Cherub are the relatives of the employee, that in order to favour them the employee had retained the cheques, and despatched them with delay deliberately by misusing her position. It is alleged that this act on the part of the employee is prejudicial to the interest of the Bank Constituted Acts of gross-misconduct under Clause 19.5 (j) of the Bi-partite Settlement 1966. The charge sheet has been marked as Ex. W-1. The employee gave her explanation Ex. W-2, denying the charges. In the departmental enquiry the Management examined 4 witnesses and the employee apart from examining herself also examined another witness by name Sohail. The enquiry officer found the employee guilty and the enquiry report has been marked as Ex. M.2. The disciplinary authority accepted the findings and issued the second show cause notice dated 15-8-87 under Ex. W3, for which the employee gave a reply dated 27-10-87 under Ex. W-4. Ultimately, the Disciplinary Authority passed the order stopping her increment for one year permanently. The employee contends that the charges against her have not been proved by any legal evidence.

9. MW1 before the domestic enquiry (K. Rajagopalan, Senior Manager stated in his evidence that he was asked to investigate into the matter of overdrawings of M/s. Cherub, and that he has given a report regarding the same. He also stated that the Branch manager of the Egmore branch had purchased for M/s. Cherub two cheques CBP 132/86 dated 13-5-86 for Rs. 25,000 and CBP 146 dated 20-5-86. He also stated that CBP 132 was despatched on 16-5-86, and CBP 146 was despatched on 23-5-1986. He further deposed that the employee (Smt. Meenakshi L. Rao) was the despatch clerk at that time, that while she had despatched the other instruments either on the same day or on the next day, she had delayed the despatch of these 2 instruments, and that the partners of M/s. Cherub are the sister and nephews of the employee herein. In cross-examination, he admitted that there is no record in the branch for the movement of papers like cheques etc. from various departments to the despatch section, but he stated that he was given to understand that the cheques were sent to despatch section on the date of purchase itself. The contention of the employee is that there was no delay in despatching the instruments and even if there was any delay, she is not responsible for the same. According to her, whenever instruments were given to her, they were despatched by her without delay. It is in these circumstances, the MW1 was asked as to whether there was any register showing the movement of instruments from various sections the bank to the despatch section. If there was any such register, then it would have been easy to find out as to when a particular instrument was handed over to the despatch clerk and when it was despatched by her. In the absence of any such register, it cannot be stated with precision as to when the instrument was handed over to the despatch clerk for being despatched. MW2 before the Enquiry Officer (Mr. Hari Prakash Shetty, Senior Manager, Credit Department of the Head Office) who was the formerly Senior Manager of the branch concerned, stated that two cheques each for Rs. 25,000 were discounted, and these cheques were returned unpaid after long time.

He deposed that there was some delay in the despatch of these cheques. In cross-examination MW2 also admitted that there are no records for the movement of cheques from different sections to despatch section, and also that there is no procedure, for employees to entrust undespached cheques back to the Officer concerned. MW3 is M. S. Govinda Menon, who was the Assistant Branch Manager of the Egmore branch previously. He stated in his evidence that the chequest CBP 132/85 and 146/86 were retained by him overnight on the date of discounting and given to the despatch clerk on the following day. But, when he was asked to say as to whether there is any record maintained for handing over the discounted cheque to the despatching clerk, he answered in the negative, and stated that there is no such practice. In cross-examination he stated that the CBP 132 was purchased on 13-5-86 while the cheque CBP 146 was purchased on 20-5-86. He stated that he retained them overnight because the cheques cannot be despatched on the same day since registered articles are sent to the post office around 10.30 a.m. From this it is clear that he had retained one cheque on 13-5-86, and the other on 20-5-86 respectively. When he was asked to say whether he handed over these cheques to Despatch clerk personally or sent through somebody else, MW3 answered that he sent these cheques through a peon to the despatching clerk. Therefore, it is evident that the cheques concerned were not handed over by MW3 and for that matter no witness was examined on the side of the Management, to prove the handing over of the cheques in question were handed over to the employee for peon, through whom MW3 is alleged to have sent the cheque to despatch clerk has not been examined. Therefore, there is no direct evidence to show as to when exactly the cheques in question were handed over to the employee. Because, this is a case where a delay of even 1 or 2 days is stated to be prejudicial to the interests of the bank. In such circumstances, when there is no register to show as to when the cheques in question were handed over to the employee for being despatched, it cannot be stated that she had despatched it with delay, unless there is atleast oral evidence to show that these cheques were handed over to her on such and such date. The burden is upon the Management to prove that the cheque was handed over to her on such and such date. The burden is upon the Management to prove that the cheque was handed over to her on the day next to that of discounting. It cannot be stated that in the ordinary course of business, these cheques should have been received by the despatch clerk either on the same day of discounting or on the next day, and therefore, it is for the employee to prove that there was no delay on her part. The observation of the Enquiry Officer in his report on these lines and holding that the legal presumption of official acts having been done in the ordinary course of things can be rebutted by proving that in fact things have happened as it should have, is not at all justified. There is no presumption that the cheques discounted on a particular day reached the despatching clerk the same day, much less a legal presumption. Therefore, the observation of the Enquiry Officer in his report Ex. M. 2 that is the employee who should have rebutted this presumption cannot be accepted at all. It is for the management to prove that the cheques were

entrusted to the despatch clerk on a particular day, and that she despatched it with delay. The evidence of MWs 1, 2, 3 does not in any way prove these things.

10. Of course, the management examined Dayanand Rai as MW4. He stated in his evidence that he was formerly working in the branch in Cochin and on 13-5-86 cheque C.B.P. 132/86 was discounted and on the evening of 15-5-86 there was discussion among some of the staff members about CBP cheques discounted, and that while checking the outward register, he found out that the CBP cheque 132/86 was not despatched, and that he searched for the cheque, found it in the drawer of the counter of the despatch clerk alongwith some other letters in a clip. He stated that since there was considerable delay in the despatch of the same, on the morning of 16-5-86, he took the cheque and outwarded it. He also stated that the employee in question—Meenakshi L. Rao was the despatch clerk at that time and that she came late by 10 minutes to office on 16-5-86. He also stated that cheque CBP 146/86 has been entered in the despatch register on 23-5-86. But, in cross-examination he was asked whether he was in possession of CBP 132/86 since he had entered it in the despatch register, but he denied it and stated that he found it in the drawer of the employee in question. He also stated that though, he was not in possession of the drawer keys, the same were kept in a rack on the counter. He also stated that the cheques and letters meant for despatch will be kept in a tray on the counter. But, he also stated that he does not remember when CBP 132/86 was received by the despatch section. When he was asked to say why he did not report the matter to the Branch Manager, he stated that he did not do so immediately since he thought it was such a serious matter. But, we find from his evidence that it was he who despatched CBP 132/86 on 16-5-86. He had made the necessary entry in despatch register. He also stated that the cheques are kept in a tray and that even the keys of the drawer were available in a rack. He admitted that he is a customer of M/s. Cherub and that he has credit facilities with them, though he stated that nothing is due from him to them. He admitted that he knows Sohail, one of the partners of M/s. Cherub. While the respondent contends that the employee in question is the relation of the partners of M/s. Cherub whose cheques were discounted and in respect of which there is delay in the despatch, MW4 has been purchasing cloth from M/s. Cherub and has been having a credit facility with them. It is he who despatched the cheque C.B.P. 132/86. Therefore, it cannot be stated that it was the employee in question who received the cheque 132/86 on 14-5-86 and despatched it only on 16-5-86. In this connection, the evidence of the first witness examined on the side of the petitioner, Sohail who is a partner of M/s. Cherub is that it is Mr. Dayanandrai who told him that he will delay the despatch of CBP 132/86. Therefore, simply because the employee in question is related to the partners in M/s. Cherub, it cannot be stated that it was she who received the cheques and despatched them after a delay in order to favour her relations. In the absence of acceptable evidence to show that the cheques were entrusted to her on a particular day for being despatched. So, this is a case where even

a delay of 1 or 2 days is stated to be a serious prejudice to the affairs of the bank, but the bank does not maintain a register to watch the movement of valuables like cheques from any one section to the despatch section. It is then only the bank will be able to fasten liability on any employee if there is any delay in despatch. The evidence let in on the side of the management is not sufficient to hold that the employee in question had received two cheques in question on a particular day or that she had despatched them with any delay. Unless the date of entrustment for despatching is proved, the management cannot claim to have proved that there has been a delay. Therefore the finding of the Enquiry Officer that the fact that the cheques should have been handed over on the same day has to be presumed legally, and it is for the employee to rebut it cannot be accepted. So, his finding, in the absence of any acceptable evidence, that the cheques were handed over to her on a particular date and that she caused delay in the despatch of the cheques, is not based upon any legal evidence, and therefore perverse. So, taking into consideration all these factors, I find that the charges against the employee in question namely Meenakshi L. Rao have not been proved.

11. Although, the employee has taken a plea that the enquiry was not fair, there is nothing to show that the enquiry was not fair and just. But, the employee contends that she was not given a personal hearing with regard to the punishment. Clause 19.2 12(3) of the Bi-partite Agreement 1966 provides that the employee should be given a hearing as regards the nature of proposed punishment in case any charge is established against the employee. The employee was given a notice on 15-9-87 to show cause against the proposed punishment of withholding increment for 1 year permanently and that has been marked as Ex. W-3. In the notice, Ex-W-3 it has been stated that if she wishes to make any representation regarding the proposed punishment, she can do so within 7 days from the receipt of this letter. Ex. W-4 is the reply sent by the employee on 27-10-87. There she had not stated that she should be given a personal hearing. Nothing prevented her from asking for a personal hearing and even making her representations personally. Therefore, this contention of the employee cannot be accepted.

12. One other contention put forward by the employee is that she filed an appeal and even the Appellate Authority had not considered the points raised by her. But, I find from Ex. M. 3 that the Appellate Authority had written an elaborate order and had considered the points raised by the Appellant. So, it must be stated that the Appellate Authority has applied its mind to the matter while passing this order.

13. Another contention put forward by the employee is that the stoppage of increment for one year is not a punishment enumerated in the Bipartite Settlement at all. But Clause 19.6.(d) provides that the increment can be stopped, for any gross misconduct. Therefore, this contention cannot be accepted.

14. One other point raised by the employee is that the Disciplinary Authority instructed the bank officials to effect the transfer of the employee from the branch in question, and he himself later became the disciplinary authority. The employee therefore, contends that he is the prosecutor as well as Judge and therefore his order was biased. But simply because the Assistant General Manager instructed the transfer of the employee in view of the allegations and was later appointed as the enquiry officer, it cannot be stated that he is biased, or that his order is vitiated in view of the instructions given by him to transfer the employee. So, this contention of the employee cannot be accepted.

15. One other contention put forward by the employee is that though the punishment was imposed upon the employee on 9-12-87, the increment that fell due on 1-1-1988 was sanctioned and paid to the employee and therefore it must be taken that the punishment imposed has been dropped. But, such a contention cannot be accepted. The punishment was imposed and was communicated to her in December, 1987. In January, 1988 the respondent-bank sanctioned and paid her the annual increment in the same month. That must be by inadvertence and from that it cannot be stated that the punishment has been dropped because in February itself the increment sanctioned has been recovered. Therefore, this contention of the employee also cannot be accepted.

16. But taking into consideration the fact that the charges against the employee have not been proved, I find that the punishment of stoppage of one increment permanently imposed on the employee has to be set aside and the increment will have to be restored to her.

17. In the result, I hold that the imposing of the punishment of stoppage of one increment permanently on Tmt. Meenakshi L. Rao from February, 1988 is not justified, and direct that the increment should be granted by the respondent. Award is passed accordingly. No costs.

Dated, this the 10th day of May, 1994.

K. SAMPATH KUMARAN, Industrial Tribunal.  
WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For workmen :

Ex. W-1/20-11-86.—Charge sheet issued to Tmt. Meenakshi Laxman Rao (Xerox copy).

W-2/12-86.—Explanation of Tmt. Meenakshi Laxman Rao to Ex. W-1 (Xerox copy).

W-3/15-9-87.—Notice of proposed punishment sent to Tmt. Meenakshi Laxman Rao, enclosing Enquiry report dated 20-7-87 (Xerox copy).

Ex. W-4/27-10-87.—Reply from Tmt. Meenakshi L. Rao to the Disciplinary Authority for the Second Show Cause Notice (Xerox copy).

Ex. W-5/29-2-88.—Letter from Tmt. Meenakshi L. Rao to the Appellate Authority (Xerox copy).

Ex. W-6/28-3-88.—Appeal -do-

W-7/24-10-88.—Industrial dispute raised by the Petitioner Union before the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras (Xerox copy).

For Management :

Ex. M. 1.—Proceedings of the Enquiry Officer (Xerox copy).

Ex. M. 2/20-7-87.—Findings -do-

Ex. M. 3/30-5-88.—Order of Appellate Authority (Xerox copy).

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1994

का. आ. 2998.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूको बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/156/92-आई. आर. (बी.-2)]

मी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th October, 1994

S.O. 2998.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 3-10-1994.

[No. L-12012/156/92-IR(B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated 22nd day of September, 1994  
Industrial Dispute No. 79 of 1992

BETWEEN

The Secretary,  
UCO Bank Employees Association (BEET).  
A.P. Committee,  
62, M.G. Road,  
Secunderabad. PETITIONER

## AND

The Divisional Manager, UCO Bank,  
Anasuya Complex, 3-6-10,  
First Floor, Himayat Nagar,  
Hyderabad-500 029. . . . . RESPONDENT

## APPEARANCES :

The Secretary, UCO Bank Employees (BEFT),  
A.P. Committee, Secunderabad.  
The Representative of Respondent Bank.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/156/92-IR(B. II), dated 28-10-1992 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of UCO Bank and their workmen to this Tribunal for adjudication :

“Whether UCO Bank

“Employees Union (BEFI) is justified in demanding notional increment for Shri D. Yadagiri, Sweeper w.e.f. 1-4-1986 and with other consequential benefits? If no, to what relief is the workman entitled?”

The reference was registered as Industrial Dispute No. 79 of 1992 and notices were served to both parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-Union read as follows :—The workman Sri D. Yadagiri represented by Sri Prakash Pandu, Secretary, UCO Bank Employees Association, A. K. State Committee begs to state that Sri D. Yadagiri, Sweeper is presently an employee of the UCO Bank, Divisional Office, Hyderabad. He joined in UCO Bank at Hyderabad on 20-12-1984 as Part Time Sweeper on 3/4th scale of wages. The Branch of the Bank was shifted to a new premises in April, 1986 having bigger area of about 5240 Sq. ft. warranting a Full Time Sweeper. Finally on 14-3-1989 Mr. Yadagiri submitted a representation for increase in wages because of increase in volume of work from April, 1986 onwards. Divisional Manager, UCO Bank, considered the representation of Mr. Yadagiri and appointed him as Full Time Sweeper on full scale wages based on his seniority in Scale Wages at Hyderabad Branch itself vide his letter dated 27-5-1989. After accepting the appointment letter Mr. Yadagiri represented for the arrears of wages due from April 1986 to May, 1989. In order to vitiate the claim of the workman, the Divisional Manager had notified on 10-6-1989 the Full Time Sweeper vacancy which is already filled up, inviting the application with 12-6-1989 as the last day, 11-6-1989 being Sunday. After realising the fully in notifying the already filled up post at Hyderabad branch, the Divisional Manager made the posting of Mr. D. Yadagiri a temporary one on 13-6-1989. Through this notification they wanted to fill up the vacancy on the basis of Services Seniority i.e. date of joining but not Scale wise as was done earlier. This was the cause of I.D. on 25-8-1989 claiming the wages due since April, 1986 to May, 1989 and to stop the Management from

transferring Mr. D. Yadagiri from Hyderabad branch by changing the procedure of posting from Scale Seniority to Service Seniority. After protracted negotiations at all levels of the administration and considering the practical difficulties expressed by the Management to deal with the back wages, a Settlement was arrived on 22-2-1990 before A.L.C., Hyderabad (i) accepting the posting of Mr. D. Yadagiri at Divisional Office, Hyderabad instead of Hyderabad Branch (ii) accepting a lumpsum of 75 per cent of the amount payable for the period April 1986 to May 1989 for the actual performance of duties in bigger area. In order to vitiate and defeat the claim of a petitioner, the Management had agreed another claim of one Mr. Janardhan who is stated to be senior to Mr. D. Yadagiri for a notional increment in the guise of protecting his seniority. It is relevant to note here that Mr. Janardhan was never an applicant for all the high scale wage posts that have fallen vacant during the intervening period and the notional increment sanctioned to Mr. Janardhan is on hypothetical basis at every state of notification, application and recruitment. In this background, the settlement arrived at before the A.L.C. on 22-2-1990 was struck at the grass root level by the Management itself and consequently, revoked the earlier settlement giving rise to the fresh dispute as under : (i) That Mr. D. Yadagiri be given the fitment with hundred per cent back wages and attendant benefits accruing to superannuation for his actual performance of duties since April, 1986 particularly when the Management was able to grant additional increments on notional basis on hypothe-cation grounds of notification, admission and acceptance, petitioner cannot be denied the benefit for his actual performance, (ii) As per the seniority circulated by the Management, the position is No. (1) Smt. P. Durgamma, (b) Y. Janardhan, (c) D. Yadagiri. On the same grounds of accruing a notional benefit to Mr. Y. Janardhan based on his seniority, Mrs. P. Durgamma also should be given the similar benefit. It is respectfully submitted that all the employees in the Bank in respective cadres are governed by the same service conditions right from Desai Award to the Vth Bipartite Settlement as periodically amended. The Management does not possess any authority whatsoever to treat the service conditions of any employee based on his Union affiliation or otherwise except with in the circumstances of these settlements. As the UCO Bank is a nationalised bank, promotion/accrual of higher allowance ceases to be contractual. After the initial acceptance of employment, it is no longer contractual and is one of status. Under Article 21, employment has been held to be property and any tampering with the service conditions arbitrarily would be wholly illegal and void. Hence it is respectfully submitted that the reference may be answered in favour of the petitioner taking into account the above facts and pass an Award directing the Management to accord all the attendant benefits to the petitioner on Full Time basis w.e.f. April, 1986, which he would have been entitled to for his performance as per the rules and refund with the costs incurred.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent—Management read as follows :—The contents of paras 1 and 2 of the claim statement are

true and correct thus eliciting no reply. In respect of para 3, that a dispute regarding the seniority of the petitioner had been raised by the AIBEA and the said dispute had been referred for conciliation to the Assistant Commissioner of Labour (Central) that the conciliation proceedings also the Management has taken a consistent stand that the petitioner was upgraded as full time sweeper temporarily from 1-6-1989. For the sake of record respectfully submits that vide the said telex message the Head Office had totally endorsed the view taken by the Respondent which in turn was to abide by the directions given by the Asstt. Commissioner of Labour. That here the petitioner unequivocally admits and affirms that the dispute raised between the petitioner and the management had been set to rest by a valid settlement arrived at in the course of the conciliation proceedings before the A.L.C. dated 22-2-1990 on the following terms : (i) Accepting the posting of D. Yadagiri at Divisional Office, Hyderabad instead of Hyderabad Branch, (ii) Accepting a lump sum payment 75 per cent of the amount payable for the period 1986 May 1989 for the actual performance of duties in bigger areas. Thus that the subject issue in respect of the petitioner's claim had been finally put to rest by a valid settlement arrived at during conciliation proceedings and as under Section 18 of the I.D. Act is more sanctimonious than an award of an adjudicatory authority, therefore Industrial Law does not contemplate any interference with the finality of a settlement and neither party is permitted to challenge that settlement under any circumstances whatsoever. That under the guise of P. Janardhan's increment and mala fide citing at intro Union rivalry and by imputing favouritism against the management, the petitioner seeks to renege from the earlier settlement (supra) for making illegal gains which as per a long catine of judgements rendered by the apex courts and all the Hon'ble High Courts of the Land, cannot be allowed, in the teeth of a valid settlement already subsisting between the parties hereto. That the Desai Award—Vth Bipartite Settlement were silent in respect of the primary dispute between the parties, the same being "As the petitioner being a Sweeper was during his course of duties from 1986—1989 sweeping a larger floor area than the area originally allotted to him, hence a proportionate increase of salary be awarded to him". The Management at its absolute discretion has allowed the back wages to the petitioner i.e. proportionate increment @ 75 per cent of the amount payable from April 1986—May 1989 in doing so. The Management had not set a precedent for the rest of the like placed staff. That it is not the case of the petitioner that he has been super seeded by P. Janardhan and nor is it disputed by the petitioner that P. Janardhan is senior to him nor is the seniority list (issued by the Respondent/Management) disputed by the petitioner wherein it is shown that P. Janardhan is the senior most amongst the two. Hence it is not open for the petitioner to complain of discrimination when the Respondent/Management in its discretion agreed to a claim of P. Janardhan on a totally different set of facts and in different circumstances, which the petitioner cannot unilaterally hold is germane to his dispute which ex-facie stood settled. Hence for the various reasons aforementioned it is humbly prayed that this Hon'ble Court be pleased to dismiss the claim with exemplary costs and be pleased to

2343 GI/94—20

pass such further or other orders as deemed fit and proper.

4. The point for consideration is whether UCO Bank Employees Union is justified in demanding notional increment for Shri D. Yadagiri, Sweeper w.e.f. 1-4-1986?

5. W.W1 was examined on behalf of the petitioner-workman and marked Exs.W1 to W20. No oral evidence has been adduced by the Respondent-Management but marked Exs. W1 only.

6. W.W1 is P.A.V. Christian. He deposed in brief that presently he is the President of the UCO Bank Employees Association. He is acquainted with the facts of this case. Ex. W1 is the representation dt. 14-3-1989 submitted by the petitioner to the respondent-management. Ex. W2 is the xerox copy of covering letter dt. 20-3-1989 forwarding the representation Ex. W1 to the Divisional Office. Ex. W3 is the xerox copy of letter dt. 27-5-1989 sanctioning order. Ex. W4 is the seniority list of the part-time sweepers. As per Ex. W4 seniority list, Smt. P. Durgamma is the senior. Ex. W6 is the letter dated 20-6-1989 submitted by the Union to the Divisional Manager protesting against the Notification dated 30-6-1989. Ex. W8 is the xerox copy of telex message given by the General Manager to the Personnel Department with regard to payment of wages of Sri Yadagiri. As per the instructions contained in Ex. W8, the wages are to be paid on the enhanced basis from April 1986 onwards i.e. the date the petitioner performed the duties. Ex. W10 is the letter dated 24-3-1990 submitted by the Union to the A.L.C. (Central), Hyderabad for initiation of fresh conciliation proceedings. The fresh initiation of the conciliation proceedings became necessary since the management itself violated the terms of earlier settlement and granted increment to similarly placed part-time sweeper which was denied to the petitioner. Ex. W11 is the circular dated 6-10-1979 directing the Divisional Manager to pay wages to the part-time sweepers taking into consideration the area of floor swept by them. Ex. W12 is the xerox copy of the letter dated 10-11-1981 sanctioning 3/4th of the scale wages to the then part-time sweeper. Ex. W13 is the xerox copy of the letter dated 15-11-1978 sanctioning increase of wages from 1/3rd to 1/2 to the then part-time sweeper. Ex. W14 is the xerox copy of letter dated 27-2-1978 appointing Sri V. Satyanarayana as part-time sweeper on 1/3rd pay of scale of wages. There was no notification issued by the management for increasing the wages from 1/3rd to 1/2 and 1/2 to 3/4th. The increase was made to that particular employee on the basis of this representation without calling for application from other part-time sweepers. Ex. W15 is the xerox copy of Bipartite Settlement page 14. As per the provisions of this Settlement any employee who has not in 3 months of temporary service and above, will be entitled to include the period of temporary service for the purpose of probation and total service. Ex. W16 is the telex message sent by the Union to the General Manager, Head Office, Calcutta. This is a notice to the General Manager terminating the earlier agreement. Ex. W17 is the rejoinder dated 15-11-1989 to Ex. W7 Ex. W18 is the another rejoinder dated 31-10-1989. Ex. W19 is the xerox copy of memorandum of Settlement dated 28-3-1990,

Ex. W20 is the xerox copy of the letter dated 28-3-90 submitted by the Union to the Divisional Manager with regard to notional seniority to part-time sweeper. He requests that the notional increment to the petitioner may be granted together with all consequential benefits right from 1-4-1986 onwards besides all other attendant benefits from time to time.

7. In this case the petitioner workman claim for increase in wages because of increase in volumes of work from April, 1986 onwards, that the Petitioner workman was appointed as Full Time Sweeper on full scale wages based on his seniority in Scale Wages at Hyderabad Branch, that after accepting the appointment letter dt. 27-5-1989, he requested for arrears of wages due from April, 1986 to May 1989 and also to stop the Management from transferring the Petitioner-workman from the Hyderabad Branch by changing the procedure of posting from Scale Seniority to Service Seniority.

8. On the other hand, the case of the Respondent-Bank is that the dispute raised between the Petitioner and the Management had been set to rest by a valid settlement arrived at in the course of the conciliation proceedings before the Asst. Commissioner of Labour (Central) dated 22-2-1990 on the following terms :

- (1) Accepting the posting of D. Yadagiri at Divisional Office, Hyderabad, instead of Hyderabad Branch.
- (2) Accepting a lump sum payment 75 per cent of the amount payable for the period April 1986 to May 1989 for the actual performance of duties in bigger area.

that the case of the Respondent that the S. Desai Award—Vth Bipartite Settlement were silent in respect of the primary dispute between the parties, the same being. "As the petitioner being a Sweeper was during his course of duties from 1986-1989 sweeping a large floor area than the area originally allotted to him, hence a proportionate increase of salary be award to him", that the Respondent at its absolute discretion has allowed the backwages to the petitioner i.e. proportionate increment @ 75 per cent of the amount payable from April 1986—May 1989 and there is absolutely no discrimination at all in respect of the various staff members and that it is not open for the petitioner to complaint of discrimination when the Respondent in its discretion agreed to a claim of P. Janardhan on a totally different set of facts and indifferent circumstances, which the petitioner cannot unilaterally hold in germane to his dispute which ex-facie stood settled.

9. It is an admitted fact that the Petitioner was initially employed on 3/4th scale wages as Part Time Sweeney from 20-12-1984, later on shifting of Branch premises in April 1986 to a bigger premises attracting full time scale wages, the Petitioner was discharging his functions that too on 3/4th scale wages. Thus the petitioner was denied the wages that were due to him by virtue of his working on higher floor area for longer period, now claiming differential wages. The argument of the Petitioner workman that the concept of "equal pay for equal work" is applicable not only

for the purpose of determining the wages but also for fitment and attendant service benefits. The petitioner workman cited the following judgement in support of his claim. As per the decision of the Divisional bench of the Bombay High Court in Bank of Maharashtra Karmachari Sangh v. Bank of Maharashtra (W.P. 509/82), the period of temporary service is to be treated as part of permanent service which should be reckoned for all attendant benefits. He has cited another decision in Jeet Singh v. MCD (AIR 1987 Supreme Court 1781) that temporary employees who are regularised some years back are entitled to salary and allowance on the same basis as paid to the regular and permanent employees from the date of continuous employment. On the basis of the ratio cited in the case, the Petitioner is entitled to regularisation of his services from April 1986. Further in another decision of the Supreme Court in Bhagwan Das v. State of Haryana (AIR 1987 S.C. 2049) held that whether the appointments are for temporary periods and the schemes temporary in nature is irrelevant once it is shown that the nature of duties and the functions discharged and work one is similar and the doctrine of equal pay for equal work is attracted. Whether the appointments are made under temporary scheme can be no ground to deny equal pay. Now the case of differentiation based by the Respondent vide their letter dt. 10-9-1991 states that the service condition of the petitioner is different than that of the other beneficiary Sri Janardhan on the basis of their Union affiliation. It has been held by the Supreme Court in E. Savita v. The Union of India, (1985 SUPP SCC 94) that the differentiation not based on any intelligible ground is not maintainable. Now doubt in the present case, there is an admission by Respondent that both the petitioner and Mr. Janardhan are equal situated and are doing the same nature of jobs can be seen from Ex. W17. Therefore, I am of the clear view that the differentiation in the instant case is not valid in law. It is also seen that no evidence has been adduced by the Respondent to justify the inconsistent stands taken among the similarly placed employees. Therefore, having considered that entire material available on record, I am of the clear opinion that the Petitioner workman is entitled to all the attendant benefits on Full time basis w.e.f. April, 1986 as per the rules.

10. In the result, the UCO Bank Employees Union (BEFT) is justified in demanding notional increment for Sh. D. Yadagiri, Sweeney, w.e.f. 1-4-1986 and with other consequential benefits and the Respondent-Bank is directed to pay the arrears of the benefit within one month from the date of publication of this Award.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 22nd day of September, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal

Appendix of Evidence

Witnesses Examined on  
behalf of Respondent

NIL

Witnesses Examined on  
behalf of Petitioner :

W.W1 P. V. A. Christian

Documents marked on behalf of Workmen

Ex.W1 14-3-89 Copy of representation of the Respondent.

Ex.W2 20-3-89 Xerox copy of covering letter forwarding Ex.W1 to Divl. Officer.

Ex.W3 27-5-89 Copy of letter of sanctioning order.

Ex.W4 Seniority List.

Ex.W5 8-6-89 Copy of representation of the petitioner to the DVM.

Ex.W6 20-6-89 Copy of letter of the petitioner-union.

Ex.W7 25-8-89 Copy of letter of the Union addressed to the Regl. Labour Officer.

Ex.W8 10-11-89 Xerox copy of Telex Message given by the General Manager to the Personal Department of the Respondent.

Ex.W9 1-3-90 Copy of representation of the petitioner to the Divl. Manager of Respondent.

Ex.W10 24-3-90 Copy of letter of the petitioner to Regl. Labour Commissioner (C) for fresh conciliation.

Ex.W11 6-10-79 Copy of circular of the Central Officer of the Respondent Bank.

Ex.W12 10-11-81 Xerox Copy of sanctioned letter by the Bank.

Ex.W13 15-11-78 Copy of letter of the Bank.

Ex.W14 22-2-78 Copy of the Appointment letter of Sri V. Satyanarayana.

Ex. W15 Xerox copy of Bipartite Settlement at page 14.

Ex.W16 Copy of Tclex Message of the Respondent Bank.

Ex. W17 15-11-89.—Copy of rejoinder of the Respondent Bank.

Ex.W18 31-10-89 Copy of Rejoinder of the Respondent Bank.

Ex. W19 Xerox copy of Memorandum of Settlement.

Ex.W20 28-3-90 Copy of letter of the petitioner union.

Documents marked on behalf of Respondent

Ex.M1 22-2-90 Copy of Memorandum of Settlement.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का. भा. 2999.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंधतंत्र में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, उदयपुर

के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-29012/21/90-आई आर (विधि)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 2999.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Udaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Zinc Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 5-10-1994.

[No. L-29012/21/90-IR(MISC.)]

B. M. DAVID, Desk Officer.

अनुबंध

औद्योगिक विवाद अधिकरण एवं श्रम न्यायालय उदयपुर  
पीठासीन अधिकारी : श्री ओम प्रकाश गुप्ता, आर०एच०जे०एम०

प्रकरण संख्या

2 सन् 1991

श्री भंवर सिंह पिता श्री जवानसिंह राजपूत कर्म० नं० 35614  
मकान नं० 35 बार्ड नम्बर 40 टेकरी उदयपुर —प्रार्थी

बनाम

मुख्य प्रबंध (खान उत्पादन राजपुरा दोरोबा माईन्स दोरोबा—  
विपक्षी

उपस्थित :

श्री आर०एस० चौधरी, प्रार्थी की ओर से।

श्री बी०एल० सरूपरिया, विपक्षी की ओर से।

दिनांक 27-4-1994

पंचाट

केन्द्र सरकार के श्रम विभाग इस न्यायालय को निम्न  
आशय का रेफरेन्स प्रेषित किया गया है :—

क्या हिन्दुस्तान जिंक लि० के राजपुरा दोरोबा खान  
प्रबंधन द्वारा श्री भंवर सिंह कर्मचारी सं० 35614 को नीकरी,  
से दिनांक 3-3-89 से कार्यमुक्त करना न्यायोचित है अगर  
नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

स्टेटमेंट ग्राफ ब्लेम में प्रार्थी का अधिकरण है कि  
प्रार्थी को अनधिकृत अधिकार द्वारा आरोप पत्र दिया गया  
है और वह स्पष्ट नहीं है। काल्पनिक एवं बेबुनियाद है।  
उनका यह भी कथन है कि विपक्षी नियोजक ने ट्रांसपोर्ट  
कान्ट्रेक्टर श्री जगन्नाथ लखारा को दिनांक 28-5-88 को  
एक पत्र दिया और उसके उत्तर में टेकदार से दिनांक



29-5-88 को एक फर्जी शिकायतपत्र लिखाकर ठेकेदार के हस्ताक्षर ले लिये और यह एक माल शिकायत कर्ता है। उसने पुलिस में भी एफ०आई०आर० दी जबकि माल विपक्षी प्रतिष्ठान का था। यह भी उल्लेख किया है कि कान्ट्रेक्टर ने शिकायतपत्र में मेटाडोर का नं० 3299 लिखा जबकि विपक्षी ने 3255 लिखा। प्रार्थी का अभिकथन है कि बदनीयती से प्रेरित होकर प्रार्थी को बेवजह फंसाया गया है। विपक्षी नियोजक ने कामगार पर आरोप लगाया कि उसने विपक्षी प्रतिष्ठान के कान्ट्रेक्टर जगन्नाथ लखारा को मेटाडोर नं० आर०आर०आई० 3255 से दिनांक 21-5-1988 को एक लकड़ी का बक्सा किसी एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर चुराया उस व्यक्ति का स्पष्ट नाम आदि न देकर आरोप पत्र का विवरण दिनांक 5-6-88 को दिया। प्रार्थी को 30-5-88 के द्वारा निलम्बित किया। यह भी अभिकथन किया गया है कि विपक्षी नियोजक ने 28-5-88 को पत्र कान्ट्रेक्टर से लिया। उनका कथन है कि 21-5-88 से लेकर 29-5-88 तक चोरी बाबत कुछ भी लिखकर विपक्षी को नहीं दिया और इस पत्र को आधार बनाकर निलम्बित आदेश दिया गया पिलिडिंग्स एवं प्रूफ में विरोधाभास होने से भी विपक्षी का आरोप पत्र असत्य होना बताया है। उनका यह भी कथन है कि ठेकेदार ने लिखा है कि ड्राईवर गाड़ी उसके भाई लालसिंह के मकान के सामने रोककर रखकर अपने घर चला और इस प्रकार 21-5-88 को रात्रि को गाड़ी सड़क पर लावारिस पड़ी रही और 22-5-88 को सुबह 8 बजे गेट पर आयी और सी०आई०एस०एफ० के कर्मचारी द्वारा माल चेक कराया तो एक पेटी नहीं मिली। विपक्षी नियोजक को कोई सूचना नहीं दी गई। इसके विपरीत विपक्षी का उल्लेख है कि 21-5-88 को कोलोनी में कान्ट्रेक्टर की मेटाडोर से प्रार्थी ने अपने किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर एक लकड़ी का केस चुराया जिसे दिनांक 24-5-88 को पुलिस द्वारा प्रार्थी क्वार्टर नं० ए-23/4 से बरामद किया। विपक्षी ने जो बरामदगी होना लिखा है वह भी पिलिडिंग एवं प्रूफ के आधार पर विरोधाभासी है। प्रार्थी का अभिकथन है कि न्यायालय में कहा गया है कि माल एक तापड़े में लपेटा हुआ था। क्या माल था इसका कोई पंचनामा नहीं हुआ। जबकि आरोप में बेयरिंग कीमती रुपये 943460 पैसे अंकित है। यह भी उजर लिया गया है कि कथित क्वार्टर कभी भी प्रार्थी को आवंटित नहीं हुआ बरन चमन सिंह को दिया गया था और इसमें एक कमरा चैनसिंह ने महेन्द्र सिंह को 100/- मासिक किराये पर ले रखा था। अतः प्रार्थी ने क्वार्टर से कोई संबंध नहीं है एफ०आई०आर० दिनांक 22-5-88 के 14 घंटे बाद 24-5-88 को बरामदगी हुई। ठेकेदार अपने ड्राईवर से पूछताछ में लगे रहे। अमर सिंह ड्राईवर के द्वारा प्रार्थी का नाम बताना कहा है परन्तु अमर सिंह ने न्यायालय में भी बयान में प्रार्थी को चोरी में लिप्त होना स्वीकार नहीं किया है। इस तथ्य के आरोप पत्र में पैरा नं० 2 में यह लिखाना कि ड्राईवर अमर सिंह को लेकर कोलोनी में गाड़ी लेकर प्रार्थी गांव गया और उसके बाद उस गाड़ी को वापस अन्य व्यक्ति के साथ कोलोनी

आया को झूठा एवं आधारहीन बताया है। क्योंकि ड्राईवर अमरसिंह का कथन है कि मेटाडोर लेकर वह चरणा गांव गया वहां से प्रार्थी व अन्य व्यक्ति के साथ गया और एक मोटर साइकिल मेटाडोर में रखकर वापस कोलोनी में आया और वे दोनों चले गये। मेटाडोर में रखे सामान को चेक किया और सो गया। रात को सामान चेक कर सही हालत में पाकर सोया। ठेकेदार ने जो रिपोर्ट दी उसमें कहीं भी यह दर्ज नहीं है कि जो उसने एफ आई आर में लिखाया कि 22-5-88 को सुबह 8 बजे गेट पर आया, सी आई एस एफ के कर्मचारी द्वारा माल चेक कराया व एक पेटी नहीं मिली। फिर गाड़ी लेकर वापस घर चला गया। यह अभिकथन किया गया है कि विपक्षी ने बेयरिंग कीमती 9349 रुपये 60 पैसे किस आधार पर लिख दिये। उनका अभिकथन है कि ड्राईवर अमर सिंह के द्वारा प्रार्थी का नाम बताने पर और पुलिस द्वारा प्रार्थी को गिरफ्तार कर मारपीट कर जबरदस्ती पत्र लिखवाना साबित है दिनांक 29-6-90 को मुन्सिफ एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलमगरा ने प्रार्थी अभियुक्त को बईज्जत बरी कर दिया है। यह भी उल्लेख किया है कि प्रार्थी को तीन मार्च 89 के आदेश से घरेलू जांच के आधार पर विपक्षी को सेवामुक्त कर दिया और उसकी अपील को भी निरस्त कर दिया। अतः प्रार्थना को है कि पुनः सेवा में लिया जाये और इस अवधि को सेवाकाल में मान कर समस्त बकाया वेतन दिलाया जाये।

विपक्षी ने जवाब में सक्षम अनुशासनात्मक अधिकारी होना और नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का विपक्षी को पूर्ण अधिकार होना कहा है। दिनांक 5-6-88 को प्रार्थी को आरोपों का विस्तृत एवं स्पष्ट विवरण दिया गया है जो शिकायत के आधार पर एवं स्थाई आदेश 18 एफ एवं 18(36) के अन्तर्गत जारी हुआ है। एफ आई आर ट्रान्सपोर्ट ठेकेदार द्वारा दर्ज कराई गई है। यह सामान चोरी से पूर्व विपक्षी कम्पनी के सुपुर्गों में था और मैसर्स हिन्दुस्तान जिक लि., राजपुरा मार्हेत्स का था। गाड़ी नम्बर में टंकण लुटि होना बताया है। जांच नियमानुसार करना व प्रार्थी का ए-23/4 क्वार्टर में रहना और उसके अधिपत्य से चोरी का माल बरामद होना कहा है। बिल्डी के साथ सप्लायर का बिल रहता है जिसमें कीमत लिखी रहती है और इसके आधार पर कीमत अंकित की गई है। घरेलू जांच में चोरी करने का कदाचार प्रमाणित हो चुका है और फौजदारी न्यायालय के निर्णय का लाभ प्रार्थी प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। आरोप पत्र दिनांक 5-6-88 को दिया, जांच कार्यवाही 9-7-88 को प्रारम्भ की गई व कोर्ट निर्णय 29-6-90 को हुआ। अतः न्यायालय के निर्णय से घरेलू जांच प्रभावित नहीं होती जो कि पूर्व में हो की जा चुकी थी। अतः प्रार्थी का क्लेम खारिज किये जाने की प्रार्थना की है।

दोनों पक्षकारान की ओर से अधिकरण के समक्ष कोई साक्ष्य सुपुनः प्रस्तुत नहीं की गई है और घरेलू जांच कार्डिफ ही पेश हुआ है। अधिकरण के 11-1-94 के विस्तृत



आदेशानुसार की गई जांच को स्थाई आदेशों के तहत और प्रक्रिया के तहत नैसर्गिक न्यायिक सिद्धान्त के अनुकूल एवं फेयर जांच होना पाया गया है।

जांच अधिकारी के निकाले गये निष्कर्ष एवं दंडादेश के बारे में पुनः बहस सुनी गई। विद्वान् अधिवक्ता प्रार्थी ने विभागीय जांच के निष्कर्ष को सही न होना का तर्क प्रस्तुत किया है और उनका यह अभिकथन है कि प्रथम तो ठेकेदार ने विपक्षी संस्थान ने फर्जी शिकायतपत्र लिया और उसमें भी प्रार्थी का चोरी करने वालों में नाम नहीं है। उन्होंने गाड़ी के नम्बर शिकायतपत्र में और विवरण में भिन्न होने के आधार पर भी विपक्षी संस्थान की बदनियती होना जाहिर किया है। उनका यह भी तर्क है कि जिस क्वार्टर से बरामदगी होना बताया है वह प्रार्थी के नाम से आवंटित नहीं है प्रार्थी उसमें रहता है। उनका यह भी तर्क है कि लखार से पूछने पर उसने प्रार्थी को चोरी करते नहीं देखना कहा है। उसके द्वारा वर्ज एफ.आई.आर. में प्रार्थी का नाम नहीं है और क्वार्टर में से हुई रिक्वरी का दोषारोपण प्रार्थी के ऊपर जोड़ा गया है। दिनांक 24 को पुलिस के आने पर प्रार्थी के साथ मारपीट करने पर उसके हस्ताक्षर करा लिये गये।

यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि मुन्सिफ मजिस्ट्रेट रेलमगर के निर्णय में प्रार्थी को बर्इज्जत बरी किया गया है और विभागीय जांच में भी किसी को भी प्रार्थी को चोरी करते नहीं देखना अंकित है और बरामदगी भी साबित नहीं कराई गई है। अतः विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि दोनों ही कारणों से प्रार्थी के विरुद्ध आरोप साबित नहीं माना जा सकता और प्रार्थी को सेवा मुक्ति के दंड से दंडित नहीं किया जा सकता। विद्वान् अधिवक्ता ने अपने तर्क के समर्थन में ब्रिण्य एल एल जे 1973 (1) पेज 278, एल एल जे 1975 पेज 317, एल एल जे 1993 पेज 447 राजस्थान, एल एल जे 1983 पेज 157, एल एल जे 1985 पेज 30 पेश की है।

विद्वान् अधिवक्ता विपक्षी ने अपने तर्क में कहा है कि विपक्षी संस्थान प्रार्थी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिये सक्षम है और फौजदारी न्यायालय के निर्णय के पूर्व ही आरोप पत्र देकर घरेलू जांच करने में सक्षम हैं। उनका तर्क है कि प्रार्थी के बरामदगी फर्द पर हताक्षर हैं और हस्त्य धारा 114(जी) भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत प्रार्थी के चोर होने और चोरी का माल प्राप्त करने की उपधारणा कायम करने का पर्याप्त आधार है। विद्वान् अधिवक्ता का यह भी तर्क है कि आरोप पत्र दो भाग में है। पहले की सीआईएस एफ. के द्वारा जांच करने पर एक बक्सा कम पाया गया और माल की बरामदगी होना पाया। विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि जांच रिपोर्ट दिनांक 28-1-89 की है और फौजदारी न्यायालय का निर्णय दिनांक 29-6-90 का है। विद्वान् अधिवक्ता ने यह स्वीकार किया है कि यदि क्रिमिनल आरोप ही घरेलू जांच का बेस हो तो स्थिति भिन्न है परन्तु जहां फौजदारी प्रकरण के कथित आरोपों का

आधार न हो वहां विपक्षी के द्वारा प्रार्थी को 2-3-89 के आदेश से सेवामुक्त किये जाने का अधिकारण के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं रहती।

मैंने दोनों विरोधी पक्षों के द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर गंभीरता से मनन किया। पत्रावली का अवलोकन किया। मेरे द्वारा निकाले गए निष्कर्ष निम्न प्रकार हैं।

जहां तक तथ्यात्मक विवेचन है उसमें केवल विपक्षी के द्वारा आरोपों के तहत विरचित आरोपों को दोषी सिद्धी एवं दंडादेश के बारे में ही विवाद है जबकि अन्य सभी तथ्यों पर कोई विवाद नहीं है। अतः उनका पुनः उल्लेख किया जाना अनिवार्य है क्योंकि स्टेटमेंट आफ क्लेम एवं जवाब के आधार पर विस्तृत स्पष्ट से वर्णित किया गया है। निष्कर्ष के लिए स्थिति यह बनती है कि विभाग द्वारा जो घरेलू जांच की गई है उसका विषय एवं फौजदारी प्रकरण के विषय में क्या समानता है अथवा कोई भिन्नता है फौजदारी प्रकरण में जो आरोप लगाए गए हैं वह क्या दिनांक 21-5-81 की रात को अभियुक्त ने मेटाडोर में रखी एक पेटी जिसमें चार बैयरिंग्स थे बर्इमानी-पूर्वक लेने का आग्रह रखते हुए चोरी किया। इस फौजदारी प्रकरण 45/90 में मुसिफ एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग रेलमगर ने निर्णय 29-6-90 को पारित किया है जिससे विवेचन में वर्णित कारणों के आधार पर प्रार्थी को धारा 379 भारतीय दंड संहिता के आरोप से दोषमुक्त किया है।

यहां यह विवेचन करना आवश्यक है कि फौजदारी प्रकरण द्वारा संदेह का लाभ देकर एवं तकनीकी दोषों के आधार पर प्रार्थी को दोषमुक्त नहीं किया है वरन सभी साक्ष्य का पूर्ण विवेचन कर गुणावगुणों के आधार पर बरी किया है।

विभाग द्वारा जे. के. महेमवाल, मुख्य प्रबंधक के आदेश दिनांक 29/30-5-88 में भी अंकित है कि दिनांक 21-5-86 को कोलोनी में कंपनी के ट्रांसपोर्ट कांटेक्टर की मेटाडोर नं. आर.आर.वाई. 3255 (3299) से अपने किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर एक लकड़ी का केस चुराया जिसको दिनांक 24-5-88 को पुलिस द्वारा आपके क्वार्टर नं. ए-23/4 से बरामद किया गया। इस प्रकार आप पर कंपनी के माल को चुराने का आरोप है और स्थाई आदेश के खंड 18(3) एवं 36 के अंतर्गत गंभीर घुराचरण है। कंपनी द्वारा जारी 5-6-88 को आरोपपत्र दिया गया है उसमें भी यही विवरण है कि ट्रांसपोर्ट कांटेक्टर ने इसकी एफ.आई.आर. रेलमगरा थाने में दी जांच पड़ताल करने पर वह लकड़ी का बक्सा जिसमें कंपनी के बियरिंग थे आपके क्वार्टर नं. ए-23/4 से बरामद किए गए बाद में आपको 28-8-88 को कोर्ट से जमानत पर रिहा किया गया। यह बक्सा आपने किसी अन्य व्यक्ति के सहयोग से चुराया। जांच अधिकारी की रिपोर्ट 28-1-88 ने अपने निष्कर्ष में यह अंकित किया है कि मेटाडोर का मिसिंग बक्सा क्वार्टर नं. ए-23/4 से बरामद हुआ और जिसमें प्रार्थी रहता था और जो पुलिस के द्वारा फर्द बरामदगी प्रस्तुत की गई है उस पर प्रार्थी के हस्ताक्षर हैं इस पर अन्य व्यक्ति के भी हस्ताक्षर हैं। यह पाया गया है कि मिसिंग मेटाडोर क्वार्टर नं. ए-23/4 से बरामद हुआ जहां पर कि प्रार्थी रहता था।

मुख्य प्रबंधक के आदेश 2-3-89 के अवलोकन से भी यह तथ्य प्रमाणित होता है। अतः वस्तु स्थिति यह है कि घरेलू जांच का मुख्य आधार मेटाडोर के मिसिंग सामान के गुप्त होने और जिस क्वार्टर में प्रार्थी रहता था उसमें से उस बक्से के बरामद होने और फर्द बरामदगी पर प्रार्थी के हस्ताक्षर होना और उसके द्वारा इसके चुराये जाने का मुख्य आरोप है। साथ ही सामान्य तथ्य कि एफ.आई.आर. पुलिस में दर्ज कराई गई जिस पर फौजदारी प्रकरण चला है। दोनों ही कार्यवाहियों को प्रारम्भ करने हेतु लखारा है विभागीय जांच में विभाग को उसके द्वारा दी गई शिकायत पर गुरु हुई है और पुलिस प्रकरण भी उसके द्वारा एफ.आई.आर. दर्ज कराने पर प्रारम्भ हुआ।

प्रस्तुत प्रकरण में फौजदारी प्रकरण के विनिर्णय से पूर्व ही विभागीय जांच पूर्ण कर प्रार्थी को सेवामुक्ति के आदेश से दंडित कर दिया गया है और फौजदारी प्रकरण के निर्णय में प्रार्थी को दोषमुक्त कर दिया गया है। अतः मैं सर्वप्रथम यह विवेचन करना आवश्यक समझता हूँ कि ऐसी विरोधाभासी स्थिति में विधि व्याख्या क्या की गई है।

1. विनिर्णय मेसर्स बर्कमैन फायर स्टोन टायर एंड रबर कंपनी ऑफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड बनाम मैनेजमेंट एवं अन्य 1973 (1) एल.एल.जे. पृष्ठ 278 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकरण के हस्त धारा 11(ए) के तहत हस्तक्षेप किये जाने के अधिकारों को विस्तृत व्याख्या की गई है और प्रकरण में अधिकरण सेवामुक्ति अथवा सेवा समाप्ति एवं अन्य प्रकार के पारित दंडादेश में हस्तक्षेप किये जाने में समर्थ है जबकि की गई जांच उचित एवं फेयर भी मान ली गई हो।

2. सुपरडेंट ऑफ बेस्ट आफिस चिंगलापुट डिवाजन एवं हायरैक्टर ऑफ पोस्टल सर्विस मद्रास बनाम शेख कासम 1975 एल.एल.जे. पृ. 370 में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है कि मुख्य फौजदारी न्यायालय को अपराध जांच करने के लिये अधिकृत किया गया और उनके पारित निर्णय को पूर्ण रूपेण निर्णायक वर्तमान अर्द्ध न्यायिक कार्यवाही में माना जाना चाहिये। यह विजम्बना व्यक्त की गई है कि अन्यथा यह भयावह स्थिति हो जायेगी कि समान आरोपों के लिये अधिकरण तो दंडित कर रहा है और दूसरी न्यायालय ससम्मान दोषमुक्त कर रहा है।

अतः विनिर्णय के तहत यह सिद्धांत प्रतिपादित हुआ है कि यदि विरचित आरोपों के तथ्य घरेलू जांच एवं फौजदारी प्रकरण में समान रूप से हैं तो उस पर फौजदारी न्यायालय के निर्णय को ही निर्णायक रूप में माना जाना चाहिये।

बाबू लाल गंगवाल व अन्य बनाम राजस्थान राज्य व अन्य 1993 (ii) एल.एल.जे. पेज 447 में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने यह निर्णय पारित किया कि समान आरोपों पर फौजदारी न्यायालय द्वारा दोषमुक्त किये जाने पर घरेलू जांच जारी रखने और निलम्बन आदेश जारी रखने के आदेश को समाप्त किया गया।

विनिर्णय ए. पी. नाथू बनाम जनरल मैनेजर साउथ सेंट्रल रेलवे व अन्य 1983 (i) एल.एल.जे. पेज 155 में यह सिद्धांत प्रतिपादित हुआ है कि जहां फौजदारी प्रकरण में ससम्मान दोषमुक्त किया गया है वहां समान आरोपों के लिये घरेलू जांच किये जाने के तथ्यों को अवैधानिक माना है और प्रार्थी को पदोन्नति के आदेश दिये गये हैं।

जे. आर. देवेकर बनाम यूनियन ऑफ इंडिया 1985 (1) एल.एल.जे. 301 में पारित विस्तृत रूप से इस विवादित विषय का अध्ययन कर सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है और यह माना गया है कि विभाग फौजदारी प्रकरण की कार्यवाही अथवा निर्णय के लिये प्रतीक्षा करने के लिये बाध्य नहीं है। यह भी माना गया है कि यदि फौजदारी प्रकरण में तकनीकी आधारों पर दोषमुक्त किया जाता है तो वह घरेलू जांच का प्रभावित नहीं करेगा। यह भी माना गया है कि आरोपों के तथ्य यदि समान नहीं हैं तो भी फौजदारी प्रकरण के निष्कर्ष घरेलू जांच को प्रभावित नहीं करेगी। परन्तु यह निष्कर्ष निकाला है कि जहां समान आरोपों के लिये फौजदारी न्यायालय के प्रकरण के आरोप के गुणावगुणों के आधार पर ससम्मान दोषमुक्त करता है उन परिस्थितियों में फौजदारी न्यायालय के निर्णय को सम्मानित किया जाना और विभागीय जांच न तो जारी रखी जा सकती है और न ही अन्य प्राधिकरण अन्य प्रकार से दंडित करने में सक्षम है। जहां तक आरोपित आरोप से संबंधित विषय वस्तु का प्रश्न है, वह आधारभूत रूप से समान होना चाहिये। विवेचन का अभिप्राय यह है कि शब्द व शब्द समान होने का उल्लेख नहीं है।

प्रस्तुत प्रकरण में यद्यपि प्रार्थी प्रतिनिधि ने मेरे समक्ष विभागीय जांच के निष्कर्ष को भी सही न होना तथा पक्षपातपूर्ण भेदभावपूर्ण तथा प्लिडिंग एवं प्रूफ में भ्रमता होने बाबत साक्ष्य से लगाये गये आरोप सिद्ध न होने के तर्क भी प्रस्तुत किये परन्तु मैं विभागीय जांच के आधार पर आरोपों को सिद्ध मानने के निष्कर्ष के सही या गलत होने के विवाद में जाना इसलिये उचित नहीं समझा कि उक्त वर्णित विनिर्णयों के विधि व्याख्या के अनुसार अधिकरण के समक्ष फौजदारी प्रकरण में मुंसिफ मजिस्ट्रेट के निर्णय 29-6-80 को प्रति पेश हुई है और इसे दोनों ही पक्षकारान द्वारा स्वीकार किया गया है और इस निर्णय को गुणावगुणों के आधार पर ससम्मान प्रार्थी को दोषमुक्त किये जाने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील होना अथवा अपील का निर्णय पेश नहीं किया है। अतः अंतिम रूप से मुंसिफ मजिस्ट्रेट का निर्णय ही प्रभावित माना जायेगा। यह निर्णय तकनीकी दोषी आधार पर प्रार्थी के दोषमुक्त करने से संबंधित नहीं है। जैसा कि मैंने ऊपर विस्तृत विवेचन में उल्लेखित किया है कि विभागीय जांच का आधार और फौजदारी प्रकरण में विरचित आरोप का आधार समान है। इन परिस्थितियों में फौजदारी प्रकरण के निर्णायक निर्णय माने जाने के आधार पर विभागीय जांच के निष्कर्ष एवं उसके आधार पर पारित सेवामुक्ति के दण्डादेश के आदेश को कायम नहीं रखा जा सकता है।

पंचाट को इस प्रकार पारित किया जाता है कि प्रार्थी को 3-3-89 के आदेश से सेवामुक्त करना न्यायोचित एवं वैध नहीं है और प्रार्थी को तुरन्त प्रभाव सेवा में बहाल किया जाता है। प्रार्थी को निलम्बन काल का भी बकाया वेतन दिलाया जाता है एवं प्रार्थी सेवामुक्ति की तिथि से सेवा में पुनः जोड़ने तक पूर्ण वेतन प्राप्त करने का अधिकारी होगा और यह अवधि सेवा की निरन्तरता के लिये आंकी जायेगी। प्रार्थी को खर्चा मुकदमा 500 रु. दिलाया जाता है।

पंचाट आज दिनांक 27-4-1994 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।

ओम प्रकाश गुप्ता, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.प्र. 3000.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध तंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/879/88 डी. II ए/आई. आर. (बी. 2)]  
वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3000.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Jaipur, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 4-10-94.

[No. L-12012/879/88-D-IIA/IR(B-II)]  
V. K. SHARMA, Desk Officer.

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 61/1989

रैफरेंस: सूत्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्रमांक एल-12012/879/88 डी 2 (ए) दिनांक 23-5-89 पंजाब नेशनल बैंक एम्प्लॉईज यूनियन, परवाना भवन माधोबाग, जोधपुर।

—प्रार्थी

बनाम

क्षेत्रीय प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, श्रीगंगानगर।

—अप्रार्थी

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री के. एल. व्यास, आर. एच. जे. एस.

प्रार्थी की ओर से:

श्री जे. एल. शाह

अप्रार्थी की ओर से:

श्री त्रिलोचन सिंह

दिनांक अर्वाइड:

8-6-94

अर्वाइड

श्री जे. एल. शाह प्रार्थी यूनियन की ओर से उपस्थित है तथा श्री त्रिलोचन सिंह बैंक की ओर से उपस्थित। श्री शाह आज भी शहान्त पेश करने के लिए समय चाहते हैं। श्री शाह ने जाहिर किया कि श्रमिक को कई बार इतला दी जा चुकी है किंतु श्रमिक नहीं आता है। श्री त्रिलोचन सिंह को समय दिये जाने बाबत ऐतराज है। श्री शाह इस प्रकरण में आगे पैरवी नहीं करना चाहते हैं। अतः मामले के तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए इस प्रकरण में नो डिसपूट अर्वाइड पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जावे।

के. एल. व्यास, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.प्र. 3001:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जनरल मैनेजर टेलीफोन, डिस्ट्रिक्ट, जयपुर के प्रबंध-तंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/155/91-आई. आर. (डी. यू.)]  
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3001.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Jaipur, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of General Manager, Telephone District, Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on 5-10-1994.

[No. L-40012/155/91-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer.

अनुबंध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी./6/1992

रैफरेंस : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश  
क्रमांक एल-40012/155/91-डी-2-बी दिनांक  
6-3-1992

श्री दिवेश कुमार मार्फत सचिव, भारतीय टेलीफोन  
एम्प्लॉईज यूनियन, क्लास-III, जयपुर।

—प्रार्थी

बनाम

1. जनरल मैनेजर (टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट) एम.  
आई. रोड, जयपुर।
2. लेखाधिकारी (टी.ए. एंड कैश) जनरल मैनेजर  
(टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट) कार्यालय, एम.आई.  
रोड, जयपुर।
3. लेखाधिकारी (टेलीफोन रैवेन्यू) जनरल मैनेजर  
(टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट) कार्यालय, एम.आई. रोड,  
जयपुर।

—अप्रार्थीगण

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री के.एल. व्यास, आर.एच.जे.एस

प्रार्थी यूनियन की ओर से : श्री आर.सी. जैन  
अप्रार्थी नियोजक की ओर से : श्री वी.एस. गुजर  
दिनांक अर्वाइड : 27 जून, 1994

अर्वाइड

क्लेमेन्ट/श्रमिक दिवेश कुमार दूर संचार विभाग में  
कार्यालय सहायक के पद पर संबंधित समय कार्यरत थे व  
उस बीच दिनांक 19-2-86 को श्रमिक को लेखाधिकारी  
(टेलीकॉम रैवेन्यू) जयपुर द्वारा एक ज्ञापन (मैमोरेण्डम)  
अन्तर्गत नियम 16 केन्द्रीय सिविल सेवा (क्लासिफिकेशन,  
कंट्रोल एंड अपील) रूल्स 1965 (जिसे बाद में नियम  
संबोधित किया जाएगा) के तहत जारी किया गया तथा  
श्रमिक का जवाब प्राप्त होने पर उसकी एक वार्षिक वेतन  
वृद्धि तीन वर्ष के लिए रोकने का दण्ड दिया गया। श्रमिक  
का इस दण्डादेश के विरुद्ध नियमानुसार अपील की गई जो  
भी खारिज हो गई। इससे व्यथित होकर श्रमिक द्वारा  
समझौता अधिकारी के समक्ष समझौता रखा गया व समझौता

वार्ता असफल होने के पश्चात, केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्न  
विवाद इस न्यायाधिकरण में अधिनिर्णय हेतु प्रस्तुत किया  
गया :

'Whether the action of the management of General Manager, Telecom A.O. (T.A. & CASH) and AO (TR), Jaipur in stopping one increment for 3 years without cumulative effect in respect of Sh. Divesh Kumar, Office Assistant is justified? If not, what relief he is entitled to?'

2. श्रमिक ने अपने क्लेम में दण्डादेश को इस आधार पर चुनौती दी है कि जिस अधिकारी द्वारा उसे चार्जशीट दी गई व दण्डादेश पारित किया गया वह नियमानुसार सक्षम अधिकारी नहीं है, श्रमिक को दण्डादेश जारी करने से पूर्व कोई मुनवार्ड का मौका नहीं दिया गया, उपलब्ध तथ्यों से चार्जशीट में वर्णित कोई दुराचरण श्रमिक के विरुद्ध साबित नहीं होता व नियमों में वार्षिक वेतन वृद्धि तीन वर्ष के लिए रोकने का कोई प्रावधान नहीं है।

3. नियोजक की ओर से प्रस्तुत जवाब में उक्त सभी तथ्यात्मक व विधिक आपत्तियों का विरोध करते हुए यह बताया गया है कि श्रमिक के विरुद्ध चार्जशीट देने व दण्डित करने की कार्यवाही नियमानुसार सम्पन्न की गई है। बहस सुनी गई। किसी भी पक्ष की ओर से कोई साक्ष्य मौखिक प्रस्तुत नहीं की गई है।

4. श्रमिक के विद्वान प्रतिनिधि ने नियम 16 व नियमों के तहत बनाये गये परिशिष्ट की ओर न्यायाधिकरण का ध्यान आकषिप्त करते हुए यह बताया है कि इस प्रकार के मामले में दोषारोपण पत्र जारी करने का अधिकार कार्यालय अध्यक्ष (हेड ऑफ ऑफिस) को दिये हुए हैं। नियमों के अनुसार जो विज्ञप्ति केन्द्र सरकार द्वारा जारी की हुई है उसके अनुसार लेखाधिकारी (टेलीकॉम अकाउंट्स) को इस प्रकार के मामले में अनुशासनिक अधिकारी घोषित किया हुआ है इसलिए श्रमिक के विरुद्ध चार्ज शीट जारी करने व दण्डित करने की कार्यवाही जो लेखाधिकारी (टेलीकॉम रैवेन्यू) द्वारा की गई है वह अवैध होने से इसी आधार पर श्रमिक का दण्डादेश अपास्त किये जाने योग्य है ; इस संबंध में उन्होंने नियमों के अलावा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय का एक निर्णय एस.बी. सिविल द्वितीय अपील नं. 273/78 निर्णय दिनांक 7-8-85 को फोटो प्रति प्रस्तुत की है जिसमें माननीय न्यायालय द्वारा केन्द्रीय नियमों, उसके तहत केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति व अन्य संबंधित विधि प्रावधानों की व्याख्या करते हुए यह माना गया है कि इस प्रकार के मामले में लेखाधिकारी (टेलीकॉम अकाउंट्स) ही कार्यालय अध्यक्ष को परिभाषा में आता है व इस कारण संबंधित मामले में भी लेखाधिकारी (टेलीकॉम रैवेन्यू) द्वारा दी गई चार्जशीट की कार्यवाही को

अपास्त किया गया था। नियोजक के प्रतिनिधि ने विभागीय मैन्युअल (निर्देशिका) के नियम 43 की फोटो प्रति प्रस्तुत की है जिसमें यह उल्लेख है कि नियमों के अनुसार सेवा मुक्ति के आदेश के अलावा द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के मामले में अनुशासनिक कार्यवाही करने के लिए सक्षम अधिकारी वे हैं जो परिशिष्ट (ए) में बताये हुए हैं। इस परिशिष्ट के अनुसार तमाम राजपत्रित अधिकारियों को उनके अधीनस्थ कर्मचारियों के मामले में लघु दण्डात्मक कार्यवाही के लिए अधिकृत किया हुआ है। निर्देशिका व परिशिष्ट के आधार पर नियोजक की ओर से यह बहस की गई है कि श्रमिक के मामले में लेखाधिकारी (टेलीकॉम रैवेन्यू) के द्वारा जो कार्यवाही की गई है वह वैधानिक है। यह मान्य स्थिति है तथा नियोजक के अधिवक्ता ने बहस में यह बनाया है कि एस.आर.ओ. (सर्विस रैगुलेशन आर्डर) 1957 के तहत मैन्युअल के साथ परिशिष्ट रचित किये गये हैं व 1965 में सी.सी.ए. रूल्स केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाये गये हैं जिनके तहत 1957 के नियमों को अपास्त करने का प्रावधान है यदि वे सी.सी.ए. रूल्स के प्रावधान के विपरीत हों जैसा कि नियम 34 में उल्लिखित किया गया है। सी.सी.ए. रूल्स 1965 के प्रभाव में आने के पश्चात् संचार मंत्रालय द्वारा 17-1-72 की एक विज्ञप्ति जारी की गई है जिसके तहत जयपुर दूर संचार जिले में लेखाधिकारी (टेलीकॉम अकाउन्ट्स) को कार्यालय अध्यक्ष की परिभाषा में सम्मिलित किया गया है। श्रमिक की ओर से माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा एस. बी.-II अपील नं. 213/78 में पारित निर्णय जो प्रस्तुत किया गया है उसमें सी.सी.ए. रूल्स 1957, सी.सी.ए. रूल्स 1965 व 17-1-72 की विज्ञप्ति की विस्तृत व्याख्या करते हुए यह प्रतिपादित किया गया है कि 17-1-72 के पश्चात् श्रमिक के स्तर के कर्मचारियों के मामले में अनुशासनिक अधिकारी लेखाधिकारी (टेलीकॉम अकाउन्ट्स) ही हैं तथा उस मामले में एस.डी.ओ. (फोन्स) द्वारा श्रमिक को दी गई चार्जशीट व उसके परिणामस्वरूप पारित किये गये दण्डादेश को अपास्त किया गया था। नियोजक की ओर से विभाग के परिपत्र 22-10-90 तथा एक परिपत्र दिनांक 6-1-87 की फोटो प्रतियां प्रस्तुत की गई हैं जिनमें इस संबंध में कुछ प्रशासनिक निर्देश दिये गये हैं। नियमों की जो व्याख्या माननीय उच्च न्यायालय द्वारा उक्त संदर्भित निर्णय में की गई है उसे देखते हुए इस संबंध में जो भी प्रशासनिक आदेश विभाग द्वारा जारी किये गये हैं। वे कोई भी महत्व नहीं रखते व न ही न्यायाधीकरण उन्हें कानूनी रूप से मानने के लिए बाध्य है। नियोजक के प्रतिनिधि की यह बहस कि 1965 के सी.सी.ए. रूल्स बनने के पश्चात् विभाग द्वारा अनुशासनिक कार्यवाही के लिए परिशिष्ट में न तो कोई संशोधन किया गया है व न ही नये परिशिष्ट बनाये गये हैं इसलिए 1957 के एस.आर.ओ. के तहत बनाये गये परिशिष्ट इस मामले में लागू होते हैं व उसे देखते हुए लेखाधिकारी (टेलीकॉम रैवेन्यू) द्वारा श्रमिक के विरुद्ध जो अनुशासनिक कार्यवाही की गई है वह वैध है।

2343 GI/94-2

श्रमिक की ओर से माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के जिस निर्णय को संदर्भित किया गया है उसमें प्रतिपादित गमस्त सिद्धान्तों को देखते हुए इस तर्क को स्वीकार किया जाना किसी भी रूप में विधिसंगत नहीं है। निष्कर्ष यह है कि श्रमिक के मामले में लेखाधिकारी (टेलीकॉम रैवेन्यू) द्वारा जो अनुशासनिक कार्यवाही की गई है वह अवैध है क्योंकि वे इस कार्यवाही को करने के लिए नियमानुसार सक्षम नहीं थे।

5. नियोजक के प्रतिनिधि ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व अन्य वनाम समरेन्द्र कुमार, जे.टी., 1994(1) (एस.सी.) 217 का एक विधि दृष्टान्त प्रस्तुत किया है जिसमें यह प्रतिपादित किया गया है कि किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध पारित दण्डादेश में उच्च न्यायालय या प्रशासनिक न्यायाधिकरण हस्तक्षेप नहीं कर सकता। जो सिद्धान्त संबंधित तथ्यों के आधार पर उक्त निर्णय में प्रतिपादित किये गये हैं उनकी सुसंगतता प्रस्तुत विवरण से किसी भी रूप में नहीं है।

6. श्रमिक की ओर से जो यह बहस की गई है उपलब्ध अभिलेख से यह साबित नहीं होता कि श्रमिक द्वारा अंतिम सूची व्यतिक्रमी उपभोक्ताओं की नहीं बनाई गई थी इसलिए उसके खिलाफ जो चार्जशीट जारी की गई है वह उसी आधार पर अपास्त किये जाने योग्य है, वह तर्क अभिलेख को देखते हुए मानने योग्य नहीं है। श्रमिक के विरुद्ध जो दोषारोपण की विज्ञप्ति जारी की गई है उसमें यह उल्लेख है कि उसके द्वारा दिनांक 14-2-86 से 18-2-86 के बीच अंतरिम व अंतिम सूची व्यतिक्रमों उपभोक्ताओं की बनाई गई थी। परिशिष्ट "ए" में वर्णित सूची के अनुसार कुछ उपभोक्ताओं के नाम दर्ज नहीं किये गये व इस कारण उनसे राजस्व वसूली में बाधा उत्पन्न हुई। श्रमिक की ओर से जो जवाब प्रस्तुत किया गया है उससे कहीं भी यह मानने का आधार नहीं है कि 14-2-86 से 18-2-86 के बीच उक्त सूची श्रमिक द्वारा नहीं बनाई गई हो। नियोजक की ओर से जवाब में यह कहा गया है कि 26-2-86 को एक अन्य कर्मचारी द्वारा उन उपभोक्ताओं की पूरक सूची तैयार की गई थी जिनका नाम श्रमिक द्वारा तैयार की गई सूची में विलोपित किया हुआ था। दोनों पक्षों में से किसी भी ओर से इस संबंध में कोई भी अन्य मौखिक या प्रालेखिक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गई है। अनुशासनिक अधिकारी व अपील अधिकारी दोनों ने श्रमिक की प्रतिरक्षा को तथ्यात्मक रूप से सही नहीं माना है व चकि यह प्रतिरक्षा तथ्यों से संबंधित है इसलिए उपलब्ध अन्य साक्ष्य के बिना यह मानने का आधार नहीं है कि श्रमिक द्वारा व्यतिक्रमी उपभोक्ताओं की अंतरिम व अंतिम सूची नहीं बनाई गई थी।

7. श्रमिक की ओर से मौखिक बहस के दौरान इस तर्क को प्रेरित नहीं किया गया कि विभागीय जांच में श्रमिक को सुनवाई का मौका नहीं दिया गया इसलिए आरोपित दण्डादेश अनुचित व अवैध है। इसके अलावा अभिलेख को देखने से यह स्पष्ट होता है कि श्रमिक को दुराचरण के तथ्यों पर सही मैमोरेण्डम जारी किया गया था व उसका जवाब प्राप्त होने पर लिखित व तर्कसंगत कारणों से अनुशासनिक अधिकारी

द्वारा श्रमिक के स्पष्टीकरण को अस्वीकार करते हुए उसके खिलाफ आक्षेपित दण्डादेश पारित किया गया है व इस कारण यह मानने का आधार नहीं है कि जांच में किसी भी प्रकार नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों की अवहेलना की गई है।

8. श्रमिक के प्रतिनिधि ने क्लेम में अभिकथित तर्कों का समर्थन करते हुए यह बताया है कि नियमों में वेतन वृद्धि तीन वर्ष के लिए रोकने का कोई प्रावधान नहीं है इसलिए भी आक्षेपित आदेश अपास्त किये जाने योग्य है, न्यायाधिकरण के समक्ष जो सी.सी.ए. रूल्स के संबंधित नियम प्रस्तुत किये गये हैं उनमें लिखित दण्ड के रूप में वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का भी प्रावधान है। यह वार्षिक वेतन वृद्धि संव्ययी व असंव्ययी प्रभाव से रोकी जा सकती है। इस विधिक स्थिति पर विवाद करने के लिए कोई भी तर्क नहीं दिया गया है व न ही कोई विधि इष्टान्त प्रस्तुत किया गया है। इसलिए जिस नियम के अनुसार वेतन वृद्धि संव्ययी व स्थाई रूप से रोकी जा सकती है इस नियम के तहत एक वेतन वृद्धि तीन वर्ष के लिए रोकने की कार्यवाही अनुचित व अवैध नहीं कही जा सकती व फलस्वरूप श्रमिक की ओर से लिये गये इस तर्क को अस्वीकार किया जाता है।

9. मामले के उपलब्ध तथ्यों व विधिक स्थिति के वियेवन के फलस्वरूप विवाद का अधिनिर्णय इस प्रकार किया जाता है कि लेखाधिकारी (टेलीकॉम रैवेन्यू) द्वारा श्रमिक दिवेश कुमार के खिलाफ एक वार्षिक वेतन वृद्धि तीन वर्ष के लिए रोकने का पारित किया गया दण्डादेश अनुचित व अवैध है इसलिए उस आदेश को अपास्त किया जाता है व श्रमिक इसके फलस्वरूप पारिणामिक समस्त परिलाभ प्राप्त करने का अधिकारी है।

10. अवार्ड की प्रति केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ अन्तर्गत धारा 17(1) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 को भेजी जावे।

के.एल. व्यास, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.या. 3002.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूची में, केन्द्रीय सरकार टेलीकॉम डिस्ट्रिक्ट इंजीनियर, अजमेर के प्रबन्धनत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/155/90-आई.आर. (डी.नू.)]

के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3002.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of

the Industrial Tribunal, Jaipur, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom District Engineer, Ajmer, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-10-1994.

[No. L-40012/155/90-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer.

अनुबन्ध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 51/91

रैफरेंस : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्रमांक एल-40012/155/90 आई.आर. (डी. बी.) दि. 12-9-91

श्री गणेशी लाल वृत्त श्री मोहनलाल निवासी मुण्डार।  
—पार्थी

जगाम

यूनियन ऑफ इंडिया द्वारा डायरेक्टर टेलीकॉम, उदयपुर।

एवं

टेलीकॉम डिस्ट्रिक्ट ऑफ इंजीनियर, अजमेर।

—अप्रार्थीगण

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री के. एल. व्यास, आर. एच. जे. एस.

पार्थी की ओर से :

श्री डी. पी. ओझा

अप्रार्थीगण की ओर से :

श्री प्रवीण बलवदा

दिनांक अवार्ड :

27-6-94

अवार्ड

श्रमिक गणेशी लाल दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में दूर संचार विभाग में कार्यरत था जिसकी सेवाएं 1-6-89 से समाप्त की गई। श्रमिक द्वारा इस विवाद राज्य सरकार के समक्ष समझौता के लिए रखा गया व असफल बार्ता के पश्चात् निम्न विवाद अधिनिर्णय हेतु इस न्यायाधिकरण में प्रेषित किया गया :

'Whether the action of the management of Department of Telecommunication in terminating the services of Shri Ganeshi Lal s/o Shri Mohanlal Ex Casual Labour on installation of crossbar exchange at Ajmer w.e.f. 1st June, 1989 is justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?'

2. श्रमिक गणेशी लाल ने अपने क्लेम में वर्ष 1984 से 1986 तक कुल 894 दिन नियोजक के यहाँ कार्य करने क्लेम के पद सं. 1 में वर्णित किया है व पद सं. 2 में यह बताया गया है कि इस बीच 17-6-87 व 12-8-88 को विभाग द्वारा उसकी सेवा समाप्त करने के दो नोटिस दिये

गये थे किन्तु वास्तव में उनकी अनुपालना में श्रमिक की सेवाएं समाप्त नहीं की गई थी। पद सं. 4 के अनुसार सितम्बर 1988 के पश्चात् श्रमिक से कनिष्ठ मजदूर पर रखा हुआ था व श्रमिक की सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। श्रमिक के अनुसार उसने अपनी सेवा अवधि में कुल 894 दिन कार्य कर लिया था इसलिए उसकी सेवाएं औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (जिसे बाद में अधिनियम संशोधित किया है) के प्रावधान के अनुसार मात्र नोटिस के जरिये समाप्त नहीं की जा सकती थी। पद सं. 6 में वर्णित श्रमिकों के अनुसार श्रमिक का कथन यह है कि 17-6-87 से उसका सेवा समाप्त करने व सेवा को नियमित नहीं करने की कार्यवाही अवैधानिक है। अनुतोष जो क्लेम में चाहा गया है उसमें भी यह उल्लिखित किया गया है कि यह घोषित किया जावे कि श्रमिक की सेवाएं 17-6-87 व 12-8-86 से समाप्त करने की नियोजक की कार्यवाही अवैधानिक व अवैधानिक है तथा श्रमिक को नियमित रूप से सेवा में मानते हुए संबंधित परिलाभ स्वीकृत किया जावे। कथन के समर्थन में श्रमिक की ओर से संबंधित प्रलेख की फोटो प्रतियां प्रस्तुत की गई हैं।

3. नियोजक की ओर से क्लेम के लिखित जवाब में यह बताया गया है कि श्रमिक को फरवरी 1984 से अगस्त 1984 को अवधि में विशिष्ट योजना पर कार्य हेतु नियोजित किया गया था व उसके पश्चात् श्रमिक काम छोड़कर चला गया व बाद में अगस्त 1986 से सितम्बर 1986 तक अजमेर एक्सचेंज के विस्तार के कार्य पर श्रमिक को नियोजित किया गया था। श्रमिक की सेवा मुक्ति के संबंध में 17-6-87 व 12-8-88 को नोटिस जारी करने की कार्यवाही को नियोजक द्वारा स्वीकार किया गया है। जवाब के पद सं. 3 में यह बताया गया है कि प्रशासनिक निर्देश के अनुसार 30-3-85 के पश्चात् नियोजित सभी आक्रामक श्रमिकों की छंटनी की जानी थी किन्तु 17-6-87 के नोटिस को इसलिए लागू नहीं किया गया क्योंकि अजमेर एक्सचेंज के विस्तार का कार्य सम्पन्न करवाया जाना था व इसी कारण सक्षम अधिकारी की स्वीकृति से श्रमिक को इस तिथि के पश्चात् भी अस्थायी रूप से सेवा में रखा गया। इसके पश्चात् 12-8-88 के नोटिस से श्रमिक की सेवाएं सितम्बर 1988 से समाप्त कर दी गई थी। इन तथ्यों को अस्वीकार किया गया है कि श्रमिक की सेवा मुक्ति के पश्चात् उससे कनिष्ठ कौड़ी भी श्रमिक काम पर रखा गया। सितम्बर 1988 से श्रमिक की सेवा समाप्त करने की कार्यवाही को इस आधार पर वैधानिक बताया गया है कि श्रमिक को एक माह का नोटिस देकर सेवा से अलग किया गया था। यह कथन नियोजक का नहीं है कि श्रमिक को सेवा मुक्ति के समय छंटनी का मुआवजा धारा 25-एफ अधिनियम के प्रावधान के अनुसार दिया गया हो। जवाब के पद सं. 7 में यह उल्लिखित है कि प्रशासनिक नीति के अनुसार 31-3-87 को जिन श्रमिकों ने आक्रामक श्रमिक के रूप में 7 वर्ष पूरे कर लिए थे उन्हें को सेवा में नियमित

किया जाना था व चूंकि श्रमिक का मामला इस तिथि के तहत नहीं आता था इसलिए श्रमिक को सेवा में नियमित नहीं किया गया। नियोजक की ओर से भी संबंधित मस्टररोल व अन्य प्रलेख की फोटो प्रतियां प्रस्तुत की गई हैं।

4. मौखिक साक्ष्य के रूप में श्रमिक ने स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत किया है जबकि नियोजक की ओर से एक गवाह मुकुन्दीलाल का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है वहास दोनों पक्षों की सुनी गई।

5. सर्वप्रथम यह उल्लिखित किया जाना आवश्यक है कि प्रेषित विवाद की शर्तें (टर्म्स) के अनुसार न्यायाधिकरण को यह विनिश्चित करना है कि क्या श्रमिक को 1-6-89 से सेवा मुक्ति की कार्यवाही वैधानिक व उचित है या नहीं? इस बिन्दु के विनिश्चय के लिए श्रमिक को यह प्रमाणित करना आवश्यक है कि उसने 1-6-89 से पूर्व एक कलैण्डर वर्ष में या किसी भी अवधि में 240 दिन से अधिक कार्य किया था व इसके बावजूद उसे धारा 25-एफ, जी व एच के प्रावधानों की पालना किने बिना नियोजक द्वारा सेवा से हटाया गया। दोनों पक्षों की ओर से जो साक्ष्य व प्रलेख प्रस्तुत हुए हैं उनके आधार पर सर्वप्रथम यह विवेचित किया जाता है कि श्रमिक ने 1-6-89 से पूर्व कब कब व अितने समय के लिए नियोजक के यहां दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में कार्य किया।

6. श्रमिक तथा नियोजक दोनों की ओर से संबंधित मस्टररोल की जो फोटो प्रतियां प्रस्तुत की गई हैं उनके अनुसार फरवरी 1984 से अगस्त 1984 तक श्रमिक ने 117 दिन नियोजक के यहां कार्य किया था। इसके पश्चात् की मस्टररोल की जो फोटो प्रति प्रस्तुत की गई है उसके अनुसार अगस्त 1986 से सितम्बर 1988 तक श्रमिक ने हर माह में अलग-अलग कार्य दिवसों में नियोजक के यहां दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में कार्य किया। सितम्बर 1988 के पश्चात् अप्रैल 1989 व मई 1989 में क्रमशः 7 व 18 दिन कार्य करने का तथ्य दोनों पक्षों की ओर से प्रस्तुत मस्टररोल से साबित होता है। इसके अलावा अगली उपस्थिति बाबत अन्य कोई भी प्रलेख विपरीत श्रमिक की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है व न ही इसके विपरीत कोई साक्ष्य दी गई है। मौखिक साक्ष्य में श्रमिक ने शपथ पत्र में यह बताया है कि उसने फरवरी 1984 में सहायक मण्डल अभियन्ता अजमेर के अधीन वेतन भोगी मजदूर के रूप में काम किया था व माह अगस्त 1986 से सितम्बर 1988 तक व पुनः अप्रैल व मई 1989 में क्रॉस बार एक्सचेंज के अधीन काम किया था। इस साक्ष्य से भी नियोजक द्वारा तैयार की गई मस्टररोल में वर्णित तथ्यों की पुष्टि होती है व नियोजक के गवाह मुकुन्दी लाल ने भी मौखिक साक्ष्य में यही कथन न्यायाधिकरण के समक्ष

प्रस्तुत किया है। मौखिक साक्ष्य व दोनों पक्षों की ओर से प्रस्तुत मस्टरोल से यह तथ्य प्रमाणित होता कि श्रमिक ने फरवरी 1984 से अगस्त 1984 तक 117 दिन अगस्त 1986 से सितम्बर 1988 तक कुल 651 दिन श्रमिक ने नियोजक के विभिन्न कार्यालयों में कार्य किया था व अन्त में अप्रैल 1989 व मई 1989 में कुल 25 दिन कार्य किया था। तथ्यों से यह भी स्पष्ट है कि यदि फरवरी 1984 अथवा अगस्त 1986 से भी श्रमिक की सेवाएं धारा 25-एफ के प्रावधान के लिए निरन्तर मानी जावे तो श्रमिक ने सितम्बर 1988 तक निश्चित रूप से 240 दिन से अधिक नियोजक के यहां कार्य कर लिया था व उस स्थिति में नियोजक द्वारा धारा 25-एफ प्रावधान की पालना की जाना आज्ञापक हो जाता है। अप्रैल 1989 व मई 1989 में श्रमिक ने नियोजक के यहां जो कार्य किया है उस अवधि में सिर्फ 25 दिन कार्य करने के कारण जब तक पूर्ण सेवा की अवधि को नहीं जोड़ा जावे तब तक श्रमिक के मामले में धारा 25-एफ के प्रावधान लागू नहीं माने जा सकते।

7. श्रमिक के क्लेम व मौखिक साक्ष्य में कहीं भी यह उल्लिखित नहीं है कि फरवरी 1984 से अगस्त 1984 तक नियोजक के यह कार्य करने के बाद उसकी सेवाएं नियोजक द्वारा समाप्त कर दी गई थी व उसके विपरीत नियोजक का यह कथन है कि श्रमिक स्वयं ही कार्य छोड़कर चला गया था। गवाह मुकुन्दी लाल से इस संबंध में जो जिरह हुई है उसमें उसने यह अभिकथन किया है कि अगस्त 1984 के पश्चात् श्रमिक ने काम पर आना बंद कर दिया था व उसे नौकरी से नहीं हटाया गया था। नौकरी पर रखने का व हटाने का कोई लिखित आदेश नहीं होना गवाह ने बताया है व यह भी कहा है कि श्रमिक ने काम पर आना बंद किया तब उसे कोई भी नोटिस विभाग द्वारा नहीं दिया गया। मौखिक बयान में इस गवाह ने यह कहा है कि अगस्त 1984 के पश्चात् श्रमिक द्वारा स्वयं ही कार्य को त्याग कर दिया गया था। चूंकि श्रमिक के क्लेम व बयान में इसके विपरीत कोई भी तथ्य नहीं आया है इसलिये यह मानने का अधिक आधार है कि अगस्त 1984 के पश्चात् स्वयं श्रमिक ने कार्य पर आना बंद कर दिया था व इसकी सेवाएं पुनः अगस्त 1986 से प्रारंभ हुई है ऐसी स्थिति में अगस्त 1984 तक जो उसने कार्य किया वह अवधि धारा 25 के प्रावधान के उद्देश्य के लिये शामिल नहीं की जा सकती।

8. विवाद के अन्तर्गत 1-6-89 से श्रमिक की सेवा मुक्ति के आदेश की वैधता को निश्चित किया जाना है जबकि श्रमिक ने अपने क्लेम में यह अनुसोप मांगा है कि दिनांक 17-6-87 व 12-8-88 के द्वारा सेवा समाप्ति का जो नोटिस उसे दिया गया उसे अपास्त किया जावे व श्रमिक को निरन्तर सेवा में माना जावे। चूंकि 17-6-87 व

12-8-88 के नोटिस की वैधता विवाद के अन्तर्गत तब नहीं की जानी है इसलिये प्रत्यक्ष रूप से इस पर विनिश्चय किये जाने की आवश्यकता नहीं है किन्तु श्रमिक की ओर से यह बहस की गई है कि चूंकि 17-6-87 व 12-8-88 के दोनों नोटिस अवैधानिक होने से प्रारम्भ से ही शून्य है इसलिये उनके बावजूद श्रमिक को निरन्तर सेवा में माना जाना विधिक रूप से आवश्यक है। एक स्थिति यह श्रमिक के क्लेम से स्पष्ट है कि उसने 1-6-89 को सेवा मुक्ति की कार्यवाही को इसके अलावा किसी भी प्रकार चूनी तो नहीं दी है कि पूर्व में उसकी सेवाएं वैधानिक रूप से समाप्त नहीं की गई थी इसलिये वह निरन्तर सेवा में था। न्यायाधिकरण का यह मत है कि 1-6-89 से सेवा मुक्ति की कार्यवाही को अवैध मानने के लिये श्रमिक को क्लेम में स्पष्ट अभिकथन करना व उसका आधार बताना आवश्यक था किन्तु इसके बावजूद जो भी बहस श्रमिक की ओर से की गई है उस पर विचार किया जायेगा।

9. दिनांक 17-6-87 व 12-8-88 के नोटिस परिशिष्ट 2 व 3 हैं तथा 17-6-87 के नोटिस के लिये नियोजक ने भी यह जवाब में स्वीकार किया है कि उस नोटिस को प्रभाव में लाते हुए श्रमिक की सेवाएं समाप्त नहीं की गई हैं क्योंकि विभाग का अजमेर एक्सपेंज के विस्तार कार्य हेतु मजदूरों की आवश्यकता थी। ऐसी स्थिति में 17-6-87 के नोटिस को अवैधानिक मानने के श्रमिक के तर्क पर विचार करने को कोई आवश्यकता नहीं है व यह माना जाता है कि 17-6-87 का नोटिस नियोजक द्वारा किसी भी रूप में क्रियान्वित नहीं किया गया।

10. दिनांक 12-8-88 के नोटिस के लिए नियोजक के जवाब में यह बताया गया है कि उस नोटिस के अधीन सितम्बर 1988 से श्रमिक की सेवाएं समाप्त कर दी गई व बाद में अप्रैल 1989 व मई 1989 में उसे पुनः आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्य पर रखा गया था जबकि श्रमिक का कथन है कि 12-8-88 के नोटिस को भी क्रियान्वित नहीं किया गया था। दोनों पक्षों की ओर से जो साक्ष्य प्रस्तुत हुई है उससे व प्रस्तुत मस्टरोल को देखते हुए यह स्थिति स्पष्ट है कि सितम्बर 1988 के पश्चात् श्रमिक ने अप्रैल 1989 व मई 1989 में ही नियोजक के पास कार्य किया था। श्रमिक का यह कथन नहीं है कि बीच की अवधि में वह स्वेच्छा से काम पर नहीं आया था व यह भी श्रमिक ने स्पष्ट रूप से नहीं बताया कि 12-8-88 का नोटिस किस प्रकार अवैधानिक है जबकि 17-6-87 के नोटिस के लिए यह अवश्य कहा गया है कि वह नोटिस विधिसंगत नहीं था। इससे यह धारणा ली जाना गलत नहीं होगा कि श्रमिक को सेवाएं 12-8-88 के नोटिस के जरिये समाप्त कर दी गई थीं व उसे पुनः अप्रैल 1989 में नियोजित किया गया था।

11. श्रमिक के विद्वान प्रतिनिधि ने 12-8-88 के पश्चात् भी श्रमिक को निरन्तर सेवा में मानने का तर्क यह दिया है



कि 12-8-88 का नोटिस धारा 25-एफ अधिनियम के प्रावधान के अनुसार नहीं दिया गया था व न ही कोई छंटनी का मुआवजा श्रमिक को दिया गया इसलिए वह नोटिस प्रारम्भ से ही गूँथ व प्रभावहीन है तथा श्रमिक को सेवामुक्त होना नहीं माना जा सकता। इस संबंध में कोई भी विधि दृष्टान्त श्रमिक की ओर से प्रस्तुत नहीं किया गया है। 12-8-88 के नोटिस के लिए कोई भी औद्योगिक विवाद श्रमिक द्वारा कहीं भी नहीं उठाया गया है व न ही इस विवाद में 12-8-88 के नोटिस को वैधता प्रश्नगत है। यदि 12-8-88 का नोटिस अवैधानिक था व सेवा मुक्ति के समय धारा 25-एफ के प्रावधान को अवहेलना नियोजक द्वारा की गई थी तो इसी विषय का औद्योगिक विवाद न्यायाधिकरण में प्रेषित करवाया जाना आवश्यक था तथा प्रस्तुत विवाद में न्यायाधिकरण यह विनिश्चित करने के लिए सक्षम नहीं है कि 12-8-88 के नोटिस के जरिये श्रमिक की सेवाएं वैधानिक रूप से समाप्त नहीं की गई थीं इसलिए काल्पनिक रूप से इसके पश्चात् भी उसे सेवा में माना जावे जब तक कि ऐसा कोई भी विधिक प्रावधान नहीं हो कि अवैधानिक नोटिस के जरिये समाप्त की गई सेवा समाप्त नहीं मानी जा सकती।

12. श्रमिक के विद्वान प्रतिनिधि द्वारा 12-8-88 के नोटिस के पश्चात् श्रमिक द्वारा अप्रैल 1989 व मई 1989 में कार्य करने के कारण समस्त अवधि को निरन्तर मानने का एक तर्क यह दिया गया है कि बीच की अवधि नियोजक द्वारा अत्यावधिक रूप से सेवा में किया गया अवरोध है व इस कारण इस अवरोध के बावजूद श्रमिक को निरन्तर सेवा में माना जावे। उन्होंने इस संबंध में डब्ल्यू.एल.शार, 1991 (एस) राजस्थान 139 माधो शंकर दवे बनाम राजस्थान राज्य का एक निर्णय प्रस्तुत किया है। संदर्भित निर्णय में श्रमिक का क्लेम यह था कि उसने 18 अप्रैल 1977 से जुलाई 1984 तक नियोजक के यहां कार्य किया था व इसके बावजूद उसे धारा 25-एफ के प्रावधान को पालना के बिना सेवा से हटाया गया। 1-1-82 से पूर्व की अवधि की सेवाओं को विवादग्रस्त मानते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने निर्णय के पद सं. 4 में यह अभिनिर्धारित किया है कि 1-1-82 के पश्चात् भी श्रमिक ने कुल मिलाकर सेवा मुक्ति से पूर्व 319 दिन नियोजक के यहां कार्य किया था व बीच की जिस अवधि में उससे कार्य नहीं लिया गया उसको अवैधानिक अवधि मानते हुए यह प्रतिपादित किया गया कि उस अवधि के कारण श्रमिक की सेवा 240 दिन सम्पूर्ण नहीं होने के नियोजक के अभिकथन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। तथ्यों पर जो सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है वह इस मामले के तथ्यों को देखते हुए लागू नहीं होता। संदर्भित निर्णय के तथ्यों के अनुसार 1-1-82 से 31-7-84 को अवधि के बीच श्रमिक की सेवाएं कभी भी नियोजक द्वारा समाप्त करने का कथन किसी भी पक्ष का नहीं था, न ही बीच में श्रमिक को सेवामुक्ति का कोई नोटिस दिया गया था वह न ही नियोजक की यह प्रतिरक्षा थी कि श्रमिक स्वेच्छा से काम छोड़कर चला गया था व उसे किसी भी समय पुनः नियोजित किया गया था। इसके विपरीत तथ्यों के विवेचन के

परिणामस्वरूप यह माना गया था कि श्रमिक ने 1-1-82 से 31-7-84 तक काम किया था वह बीच में उससे काम नियोजक द्वारा नहीं लिया गया व इस कारण वह अवधि अवैधानिक अवधि की परिभाषा में आती है। इस मामले के तथ्यों के विवेचन के परिणामस्वरूप यह माना गया है कि श्रमिक की सेवाएं 12-8-88 के नोटिस से समाप्त कर दी गई थी व पुनः उसे अप्रैल 1989 व मई 1989 में सिर्फ 25 दिन के लिए नियोजित किया गया था इसलिए अप्रैल 1989 से पूर्व जिस अवधि में श्रमिक ने नियोजक के यहां कार्य किया था उस अवधि को निरन्तर सेवा के रूप में धारा 25-एफ के प्रावधान के लिए नहीं माना जा सकता।

13. तथ्यों के विवेचन से यह स्पष्ट है कि 1-6-89 को सेवा मुक्त करने से पूर्व श्रमिक ने मात्र 25 दिन नियोजक के यहां कार्य किया था इसलिए धारा 25-एफ के प्रावधान को पालना करना नियोजक के लिए किसी भी रूप में आवश्यक नहीं था। दिनांक 12-8-88 के नोटिस के जरिये सेवा मुक्ति का प्रश्न इस विवाद के माध्यम से तय नहीं किया जा सकता व उसको अवैधानिकता के संबंध में जो विवेचन पूर्व में किया गया है उससे भी मामले के गुण-दोष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

14. उपलब्ध तथ्यों व दोनों पक्षों को ओर से की गई विधिक बहस के परिणामस्वरूप अधिनिर्णय विवाद में इस प्रकार किया जाता है कि दिनांक 1-6-89 से नियोजक द्वारा श्रमिक गणेशीलाल को सेवा मुक्त करने की कार्यवाही उचित व वैधानिक है व फलस्वरूप श्रमिक कोई भी अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

15. अवार्ड को प्रति केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजी जावे।

के. एन. व्यास, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.ग्रा. 3003 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पोस्ट आफिस, जयपुर बैरड, जयपुर के प्रत्यक्षतंत्र के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचगट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/135/89-डी-2-बी]

के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3003.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Jaipur, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the

employers in relation to the management of Post Office, Jaipur West, Jaipur, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-10-1994.

[No. L-40012/135/89-D-2-B]

K. V. B. UNNY, Desk Officer.

अनुसूच

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 41/1990

रेफरंस: केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्रमांक एल-40012/135/89-डी-2(बी) दिनांक 10-7-1990

श्री महेश चान्दवाड़ पुत्र श्री खल्लुलाल चान्दवाड़, द्वारा बी.एम.बागड़ा, चांदपोल बाजार, जयपुर।

—प्रार्थी

जनाम

1. इन्स्पेक्टर, पोस्ट ऑफीस, जयपुर प्लेट, जयपुर।
2. अधीक्षक, पोस्ट ऑफीस, जयपुर।

—अप्रार्थीगण

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री के.एल. व्यास, आर.एच.जे.एस.

प्रार्थी की ओर से: श्री बी.एम. बागड़ा

अप्रार्थीगण की ओर से: श्री प्रवीण बलवदा

दिनांक अर्वाद: 23-6-1994

अर्वाद

श्रमिक महेश चान्दवाड़ व नियोजक निरीक्षण, पोस्ट आफिस जयपुर के मध्य समताता वार्ता अथकल होने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्न विवाद इस न्यायाधिकरण में अधिनियमित हेतु प्रेषित किया गया है:

“Whether the action of the IPO, Jaipur West Jaipur in terminating the services of Shri Mahesh Chandwarh w.e.f. 21-4-89 is just & legal? If not, to what relief is the worker concerned entitled and from what date?”

2. श्रमिक ने क्लेम में यह अधिकथित किया है कि उसकी नियुक्ति जयपुर स्थित चांदपोल पोस्ट आफिस में स्टेशनरी व स्टाम्प बेचने के लिए क्लर्क के पद पर 21-5-87 को की गई थी तब से उसने 20-4-89 तक लगातार इस पद पर कार्य किया था व 21-4-89 से उसकी सेवा बिना कारण बताये व बिना धारा 25-एफ औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (जिसे बाद में अधिनियम संशोधित किया जायेगा) के प्रावधान की पालना किये समाप्त कर दी गई। श्रमिक का यह भी कथन है कि उसकी सेवा मुक्ति के पश्चात् इस पद पर अन्य कई व्यक्तियों को नियोजित किया गया था। अनुतोष यह मांगा गया है कि 21-4-89 से श्रमिक की निम्नतर सेवा में मानते हुए सेवा में बहाल करने का व समस्त पूर्व परिभाषा दिलाने का आदेश दिया जाये।

3. नियोजक की ओर से जवाब में दो विधिक आपत्तियां यह ली गई हैं कि डाक तार विभाग में कार्यरत कर्मचारी श्रमिक की परिभाषा में नहीं आता है क्योंकि यह विभाग औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत ली गई “उद्योग” की परिभाषा में नहीं आता है तथा चूंकि केन्द्रीय सरकार को विवाद में पक्षकार नहीं बनाया गया है इसलिए भी श्रमिक का क्लेम पोषणीय नहीं है। इन तथ्यों को स्वीकार किया गया है कि श्रमिक ने अविभागीय टिकट विक्रेता के रूप में विभाग में 21-5-87 से 20-4-89 तक कार्य किया था। इसके प्रागे यह बताया गया है कि श्रमिक की नियुक्ति श्री अशोक कुमार शर्मा की एक्जी में की गई थी क्योंकि श्री शर्मा को विभागीय जांच के दौरान सेवा से निलंबित किया गया था तथा श्रमिक की नियुक्ति में यह शर्त थी कि जब भी श्री अशोक कुमार शर्मा ड्यूटी पर उपस्थित होंगे तो श्रमिक की सेवाएं स्वतः समाप्त हो जायेगी। इसी फ्रेम में श्री शर्मा के पुनः ड्यूटी पर आने पर श्रमिक की सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। लिखित जवाब के अनुसार श्रमिक की सेवाएं संविदा के तहत एक निश्चित अवधि के लिए की गई थी व इस प्रकार की नियुक्ति में विभाग के मैनेजल (निर्देशिका) के नियम II के प्रावधान लागू होते हैं व इस कारण श्रमिक को धारा 25-एफ अधिनियम के तहत नोटिस व छंडनी का मुआवजा दिया जाना आवश्यक नहीं था।

4. साक्ष्य में श्रमिक का गण्य पत्र प्रस्तुत किया गया है व इसके अलावा नियोजक की ओर से एक गवाह श्री सुनील कुमार जैन का शपथ पत्र साक्ष्य में प्रस्तुत हुआ है। कुछ प्रलेख दोनों पक्षों की ओर से प्रस्तुत किये गये हैं। बहस सुनी गई।

5. बहस के दौरान नियोजक के विद्वान प्रतिनिधि ने इस तर्क को प्रेरित नहीं किया है कि डाक तार विभाग उद्योग की परिभाषा में नहीं आता है क्योंकि उसका कार्य प्रभुता-सामन्त (सॉवरिन) प्रकृति का है व इस कारण प्रार्थी औद्योगिक श्रमिक की परिभाषा में नहीं आता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बैंगलोर वाटर सप्लाय के मामले में “उद्योग” की परिभाषा के संबंध में जो सिद्धान्त प्रतिपादित किये गये हैं उनको देखते हुए भी नियोजक का यह कथन किसी भी रूप में मानने योग्य नहीं है कि उनका विभाग उद्योग की परिभाषा में नहीं आता है।

6. दूसरी विधिक आपत्ति नियोजक की ओर से यह ली गई है कि डाक तार विभाग का अंतिम नियन्त्रण केन्द्र सरकार के अधीन है व बजट भी संसद द्वारा पारित किया जाता है इसलिए इस क्लेम में केन्द्र सरकार को पक्षकार बनाया जाना आवश्यक था व इसके अभाव में क्लेम पोषणीय नहीं है। सी.पी.सी. के प्रावधान के अनुसार दीवानी याद में व रिट याचिका में केन्द्र सरकार को पक्षकार बनाने का जो कानून व प्रक्रिया है वह औद्योगिक विवाद के मामले पर लागू नहीं होती है। औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत नियोजक की जो परिभाषा है उसमें वही व्यक्ति शामिल है जिसके द्वारा

श्रमिक को नियुक्ति दी जाती है तथा जो श्रमिक को सेवा से स्टाफ के लिए क्षम्य है। नियोजक को क्लेम में पक्षकार बनाना अधिनियम के तहत पर्याप्त है व इसके अन्तर्गत जो समझौता जार्ज दोनों पक्षों के मध्य हुई थी उसी के अनुसार केन्द्र सरकार द्वारा ही विवाद अधिनियम हेतु न्यायाधिकरण में प्रेषित किया गया है व इसमें निरीक्षक पोस्ट आफिश जयपुर की ही नियोजक बताते हुए श्रमिक की सेवा मुक्ति के विवाद को निश्चित करने के लिए विवाद भेजा गया है। ऐसी स्थिति में श्रमिक के लिए यह आवश्यक नहीं था कि वह क्लेम में भारत संघ की भी पक्षकार बनाता। न्यायाधिकरण द्वारा भी विवाद का नोटिस नियोजक के रूप में उसी अधिकारी को भेजा जाता है जिससे द्वारा श्रमिक की सेवा समाप्त की गई थी। इन सभी परिस्थितियों में नियोजक की इस भाषा को भी अस्वीकार किया जाता है कि भारत संघ को पक्षकार बनाये बिना श्रमिक का क्लेम पोषणीय नहीं है।

7. जहां तक मामले के गुण दोष का प्रश्न है, उसके लिए दोनों पक्षों के अभिकर्तों के अनुसार साक्ष्य का विवेचन किए बिना यहां यह लिखना पर्याप्त होगा कि स्वयं नियोजक के अनुसार भी श्रमिक द्वारा अधिभागीय स्टाम्प विक्रेता के रूप में 21-5-87 से 25-4-89 तक विभाग में काम किया गया था व इस प्रकार दिनांक 240 दिन कार्य करने की शर्त का प्रश्न है, वह श्रमिक के मामले में पूरी होती है। बलेन्ट ओद्योगिक श्रमिक की परिभाषा में आता है यह विनिश्चय भी पूर्व में किया जा चुका है। सामान्यतः इन परिस्थितियों में नियोजक द्वारा श्रमिक की सेवाएं समाप्त करते समय धारा 35-एफ अधिनियम की पालना की जाना आवश्यक है वह इस संबंध में नियोजक की ओर से यह प्रतिरक्षा ली गई है कि चूंकि श्रमिक की नियुक्ति श्री अशोक कुमार शर्मा की एक्जी में भविष्य के तहत निश्चित अथवा के लिए की गई थी तथा विभागीय मैन्यूअल के नियम 11 के प्रावधान लागू होते हैं इसलिए श्रमिक के मामले में सेवा मुक्ति के समय 25-एफ के प्रावधान की पालना की जाना आवश्यक नहीं था। इस बिन्दु पर विनिश्चय करके यह देखना है कि क्या नियोजक की प्रतिरक्षा मानने योग्य है?

8. श्रमिक ने अपनी मौखिक साक्ष्य में यह बताया है कि उसकी नियुक्ति 21-5-87 को चांद्रपोल पोस्ट ऑफिस में स्टाम्प सन्डर के रूप में काम करने हेतु की गई थी व उसने इस पद का चार्ज श्री अशोक कुमार शर्मा से प्राप्त किया था। चार्ज रिपोर्ट की प्रति प्रदर्श डायरी-1 है। श्रमिक के अनुसार उसे मासिक वेतन निर्धारण के दौरान 412 रुपये दिया गया था। श्रमिक का यह भी कथन है कि सेवा मुक्ति से पूर्व उसे न तो नोटिस दिया गया व न ही छुट्टी का मुआवजा दिया गया। इस तथ्य पर नियोजक की ओर से कोई भी विवाद जवाब में भी नहीं दिया गया है। श्रमिक की साक्ष्य में यह स्पष्ट नहीं है कि उसकी नियुक्ति लिखित आदेश से हुई थी अथवा मौखिक आदेश से व नियुक्ति की शर्तें क्या थीं। जिरह जो नियोजक की ओर से की गई है उसमें श्रमिक ने यह बताया है कि नियुक्ति से पूर्व न तो उसका

नामांकित लिखा गया था व न ही उसे कोई प्रार्थना पत्र दिया था तथा उसे नौकरी पर श्री सुनीत कुमार जैन ने रखा था। इसके अन्तर्गत श्रमिक ने यह बताया है कि उसे नियुक्ति के समय यह नहीं बताया गया था कि उसको नियुक्ति श्री अशोक कुमार शर्मा के निस्संबन्ध के कारण उसकी एक्जी में दी गई थी। इस संदर्भ में नियोजक के गवाह श्री सुनीत कुमार जैन ने अपने मुख्य बयान में यह कहा है कि श्रमिक की नियुक्ति श्री अशोक कुमार शर्मा के निस्संबन्ध की अवधि के दौरान उसकी एक्जी में की गई थी व श्रमिक को यह बताया गया था कि उसे इस कार्य हेतु आकस्मिक रूप से सेवा में रखा गया है व श्री अशोक कुमार के ड्यूटी पर आने पर श्रमिक की सेवाएं स्वतः ही समाप्त हो जायेंगी। इस गवाह का यह भी कथन है कि श्रमिक को कोई भी नियुक्ति पत्र लिखित में नहीं दिया गया था किन्तु संविदा की शर्तों के अनुसार उसे श्री अशोक कुमार शर्मा के सेवा में आने पर हटाया गया था। अशोक कुमार को ड्यूटी से अलग रखने के आदेश की प्रतिलिपि प्रदर्श आर-1 प्रस्तुत की गई है। इस तथ्य को श्रमिक ने विवादग्रस्त किसी भी रूप में नहीं बताया है इसलिए यह तथ्य साबित माना जा सकता है कि श्री अशोक कुमार को विभाग द्वारा जांच के दौरान दिलवित किया गया था। प्रति परीक्षण में श्री जैन ने यह बताया कि श्रमिक की लिखित आदेश से नौकरी पर रखा गया था जबकि मुख्य परीक्षण में उसका कथन है कि नियुक्ति का कोई लिखित आदेश श्रमिक को नहीं दिया गया। इसी प्रकार नियोजक की ओर से जो क्लेम का जवाब दिया गया है उसमें यह बताया गया है कि प्रथम नियुक्ति के बाद समय समय पर श्रमिक की सेवा अवधि अशोक कुमार के निस्संबन्ध के कारण बढ़ाई गई थी व श्रमिक को यह भी बताया गया है कि उसकी सेवा श्री अशोक कुमार के ड्यूटी पर उपस्थित होने के बाद समाप्त हो जायेंगी। श्री जैन ने बयान में समय समय पर श्रमिक की नियुक्ति को बढ़ाने संबंधी कोई साक्ष्य नहीं दी है व न ही इस प्रकार का कोई आदेश प्रस्तुत किया गया है। श्री जैन की साक्ष्य इस संबंध में महत्वपूर्ण विरोधाभास रखती है कि श्रमिक को नियुक्ति लिखित आदेश से दी गई थी अथवा मौखिक आदेश से जबकि अपनी साक्ष्य में श्रमिक इस संबंध में मौन है। इसी को परिणामस्वरूप श्री जैन का यह कथन विश्वसनीय नहीं रहता कि नियुक्ति के समय श्रमिक को यह पता दिया गया था कि उसकी सेवाएं श्री शर्मा के ड्यूटी पर आने पर स्वतः ही समाप्त हो जायेंगी क्योंकि मूल नियुक्ति व सेवावधि के बढ़ाने के संबंध में भी उसका बयान न्यायाधिकरण की राय में विश्वसनीय नहीं है। श्रमिक ने शपथ पर यह कहा है कि उसे मौखिक या लिखित रूप में कभी भी यह नहीं बताया गया कि उसकी नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थायी है व अशोक कुमार शर्मा के निस्संबन्ध के समय तक दी गई थी। श्रमिक के विज्ञान प्रतिनिधि ने विभाग के मैन्यूअल के नियम 11 (3) की ओर न्यायाधिकरण का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें यह उल्लेख है कि निस्संबन्ध के दौरान अथवा किसी कर्मचारी की सेवा मुक्ति के पश्चात् अपनी अथवा रिट के विचारधीन होने के दौरान यदि अन्य व्यक्तियों

को नौकरी पर रखा जाता है तो ऐसे व्यक्ति की नौकरी परिशिष्ट "बी" प्रपत्र से जरिये की जायेगी व चूंकि नियोजक ने कोई भी निश्चित आदेश नियुक्ति का प्रस्तुत नहीं किया है इसलिए यह मानने का आधार नहीं है कि नियुक्ति से संबंधित जवाब में कथित शर्त श्रमिक को बताई गई थी। उनका यह भी कथन है कि प्रपत्र "बी" में नियुक्ति का एक मात्र उद्देश्य यह है कि नये नियुक्त व्यक्ति को यह जानकारी हो सके कि उसकी नियुक्ति अस्थायी रूप में एवजी में की गई है। प्रपत्र "बी" के अवलोकन से भी यह पता लगता है कि उसमें इस प्रकार के तथ्यों का समावेश किया जाता है। दोनों पक्षों की उपलब्ध साक्ष्य से यह प्रतिरक्षा नियोजक की मानने योग्य नहीं है कि श्रमिक की नियुक्ति श्री अणोक कुमार शर्मा के निवृत्तन के कारण उसकी एवजी में की गई थी व श्रमिक को इस प्रकार की शर्त नियुक्ति के समय स्पष्ट की गई थी व यह भी साबित नहीं है कि श्रमिक को नियुक्ति प्रारंभ में या बाद में कभी भी लिखित में की गई अथवा सेवा अवधि बाद में कभी भी लिखित या मौखिक रूप से तह्दाई गई। इन तथ्यों को देखते हुए धारा 2(100)(बीबी) अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होते जिसके अनुसार यदि किसी श्रमिक को संविदा के तहत निर्दिष्ट अवधि के पश्चात् सेवा से हटाया जाता है या संविदा का नवीनीकरण नहीं किया जाता है तो इस प्रकार की सेवा मुक्ति छंटनी की परिभाषा में नहीं आती।

9. नियोजक के विद्वान प्रतिनिधि ने एस.एच.आर. 1092 (1) पेज 375 (पंचायत व हरियाणा) अन्वि कुमार बनाम हरियाणा अग्रदत्त डेवलपमेंट अथॉरिटी का एक निर्णय पेश किया है जो संश्लिष्ट कर्मचारी द्वारा अनुच्छेद 14 व 16 के तहत प्रस्तुत रिट याचिका से संबंधित है। इसमें यह प्रतिपादित किया गया है कि जिम्मेदार कर्मचारी को पूर्ण रूप से अस्थाई तौर पर रखा जाता है वह नियमितकरण का क्लेम रिट याचिका के जरिये प्रस्तुत नहीं कर सकता। उस मामले में 89 दिन के लिए तीन चार चार नियुक्ति श्रमिकों को संबंधित विभाग द्वारा रखा गया था। इसमें उक्त निर्णय में प्रतिपादित सिद्धान्त संधिधान के अनुच्छेद 14 व 16 के संबंध में प्रतिपादित विधे हुए हैं व इसके अलावा भी उसमें अधिनियम के प्रावधान भी कहीं विवेचना की हुई नहीं है व इस कारण निर्णय में प्रतिपादित सिद्धान्त इस मामले में लागू नहीं होते तथा जो तथ्य संश्लिष्ट निर्णय में उल्लिखित हैं व भी इस मामले में तथ्यों से भिन्न थे।

10. श्रमिक के विद्वान प्रतिनिधि ने धारा 25-एफ, जी व एच के प्रावधान को पालना इस मामले में आवश्यक बताने के लिए माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के दो निर्णय आर.एल.आर. 1991 (2) 463 आदी खनीस बनाम राज्य 1993 (I) आर.एल.आर. पेज 40 हेमराज बनाम राज्य प्रस्तुत किये हैं। दोनों विधि दृष्टान्तों में यह प्रतिपादित किया गया है कि श्रमिक द्वारा एक वर्ष में 240 दिन का सेवा काल पूरा करने की स्थिति में धारा 25-एफ अधिनियम के प्रावधान का पालना की जाना आवश्यक है। इस सामान्य विधि दृष्टान्तों पर नियोजक की ओर से कोई विवाद नहीं किया गया है।

11. श्रमिक ने अपने क्लेम में यह कहा है कि उसे सेवा से हटाया गया उस समय उसने कनिष्ठ कर्मचारी विभाग में कार्यरत थे व इस कारण उसके मामले में धारा 25 जी अधिनियम के प्रावधान को भी अवहेलना नियोजक द्वारा नहीं की गई है। मौखिक साक्ष्य की निरह में श्रमिक ने यह कहा है कि उसे सेवा से हटाया गया तब उसने कनिष्ठ व्यक्ति कोई भी विभाग में कार्यरत नहीं था व उसको सेवा से हटाने के पश्चात् किसी नये कर्मचारी को नहीं रखा गया। नियोजक से इस संबंध में श्रमिक की प्रार्थना पर अभिलेख तैयार किया गया था व उसमें 19-6-93 का दस्तावेज प्रस्तुत करने का एक प्रार्थना पत्र विभाग का है जिसके साथ एक विवरणिका भी संलग्न की गई है। इस विवरणिका के अनुसार 20-4-89 से 31-1-92 की अवधि में 4 व्यक्तियों को अतिभागीय टिकट धिक्रेताओं के रूप में विभिन्न पोस्ट आफिस में नियुक्त किया गया था व इससे इस तथ्य की भी पुष्टि होती है कि श्रमिक की सेवा मुक्ति के पश्चात् धारा 25-एफ के प्रावधान को पालना भी नियोजक द्वारा नहीं की गई।

12. तमाम उपलब्ध साक्ष्य व अभिलेख के आधार पर निनिष्चय यह किया जाता है कि श्रमिक को सेवा मुक्ति के समय विभाग द्वारा धारा 25-एफ के प्रावधान को पालन किया जाना आवश्यक था जो नहीं की गई है व इस कारण श्रमिक की सेवा मुक्ति का आदेश अनुचित एवं अवैध है। श्रमिक ऐसी स्थिति में सम्पूर्ण पूर्व परिलाभ सहित सेवा में वापस आने का अधिकारी है।

13. विवाद का अधिनियम इस प्रकार किया जाता है कि निरीक्षक, पोस्ट आफिस द्वारा श्रमिक महेश चांदबाड़ को जो सेवाएं 21-4-89 के आदेश से समाप्त की गई हैं वह कार्यवाही अवैधानिक व अनुचित होने से उस आदेश को अपास्त किया जाता है तथा श्रमिक उस तिथि से सेवा को निरन्तरता बनाये हुए वापस सेवा में बहाल होने का व समस्त परिणामिक परिलाभ प्राप्त करने का अधिकारी है।

14. अर्वाइ की प्रति केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ निगमानुसार भेजी जावे।

के.एल. व्यास, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का.प्रा. 3004:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टैलीकॉम नई दिल्ली के प्रबन्धतंत्र के संश्लिष्ट नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/79/89-आई.आर. (सी.यू.)]  
के.वी.बी. उन्नी, डीएफ अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3004.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Jaipur, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom, New Delhi, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-10-1994.

[No. L-40012/155/90-IR(DV)]  
K. V. B. UNNY, Desk Officer.

अनुबन्ध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 59/91

रैफरेंस : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश  
क्रमांक एल-40012/79/89-आई.आर. (डी.बी.)  
दिनांक 25-10-91

श्री नौरत सिंह पुत्र श्री कालू सिंह निवासी जी.पी.ओ.  
क्वाटर्स हैड पोस्ट ऑफिस, अजमेर ।

—प्रार्थी

बनाम

1. भारत सरकार द्वारा सचिव, दूर संचार विभाग, नई दिल्ली ।
2. जिला दूरभाष अभियन्ता, अजमेर ।
3. उपखण्ड अधिकारी, दूरभाष, अजमेर ।

अप्रार्थीगण

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री के.एल. व्यास, आर.एच.जे. एस.  
प्रार्थी की ओर से : श्री एस.एन. अरोड़ा  
अप्रार्थीगण की ओर से : श्री प्रवीण वनबदा  
दिनांक अवाई : 20-6-1994

अवाई

श्रमिक नौरत सिंह व उसके नियोजक एस.डी.ओ.  
फोन्स अजमेर के मध्य उत्पन्न निम्न विवाद को केन्द्रीय सर-  
कार द्वारा न्यायाधिकरण में अधिनिर्णय हेतु प्रेषित किया गया है ।

“Whether the action of the management of Telecom Department (SDOP Ajmer) in terminating the services of Shri Naurat Singh with effect from 5-2-1988 is justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?”

2. क्लेम में श्रमिक ने यह बताया है कि उसकी नियुक्ति प्रथम बार वैदिक वेतन भोगी के रूप में जून 1978 में दूर संचार विभाग अजमेर में हुई थी व उस रूप में उसने 28-11-86 तक कार्य किया था व 28-11-86 से उसकी सेवाएं बिना किसी कारण समाप्त कर दी गईं । पुनः श्रमिक को 9-11-87 को सेवा में रखा गया व उसके 2343GI/94—22

पश्चात् 5-2-88 के आदेश से उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं । श्रमिक के क्लेम के अनुसार उसने 28-11-86 से पूर्व करीब 7 वर्ष तक विभाग में कार्य कर लिया था व इसलिए उसे नियमित किया जाना आवश्यक था व इसके अलावा मस्टररोल के जरिये कार्य करने वाले श्रमिकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था किन्तु उममें भी श्रमिक को कोई अवसर नहीं दिया समझौता बार्ता असफल होने के पश्चात् यह विवाद प्रेषित किया गया है । दिनांक 5-2-88 के सेवा मुक्ति के आदेश को मारंग में इस आधार पर चुनौती दी गई है कि श्रमिक ने 240 दिन से अधिक कार्य कर लिया था और दिनांक 30-8-89 से उसे नियमित किया जाना चाहिये था । व इन्ने स्थाई कर्मचारी माना जाना चाहिये था । इसके अलावा 5-2-88 के आदेश को इस आधार पर भी चुनौती दी गई है कि नियोजक द्वारा धारा-25-एफ औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधान की पालना सेवा मुक्ति के समय नहीं की गई ।

3. नियोजक की ओर से जवाब में यह स्वीकार किया गया है कि श्रमिक ने एस.डी. ओ. टेलीफोन्स अजमेर के तहत विभिन्न निरीक्षकों के पास 28-11-86 तक 1979 से कार्य किया गया था व निरीक्षकों की इस रिपोर्ट पर कि श्रमिक अधिकतर अनुपस्थित रहता है व उसका कार्य संतोषजनक नहीं है, श्रमिक की सेवाएं 28-11-86 के नोटिस से 1 जनवरी, 1987 से समाप्त की गई हैं । इसके पश्चात् श्रमिक ने पुनः लिखित आवेदन किया व अपनी गलती का पश्चाताप किया इसलिए 4-6-87 से उसे नई नियुक्ति मस्टररोल के जरिये किन्तु जून 1987 में सिर्फ 18 दिन ही श्रमिक ने कार्य किया व उसके बाद वह काम पर उपस्थित नहीं हुआ इसलिए उसकी सेवाएं पुनः लिखित आदेश से समाप्त की गईं । श्रमिक के लिखित प्रार्थना पत्र पर 9-11-87 को उसे नई नियुक्ति मस्टररोल के जरिये दी गई किन्तु इस बार भी वह लगातार अनुपस्थित रहा इसलिए आक्षेपित आदेश दिनांक 5-2-88 से इसकी सेवाएं समाप्त की गईं । इस प्रकार नियोजक की प्रतिरक्षा यह है कि 5-2-88 से पूर्व श्रमिक ने 240 दिन पूरे नहीं किये थे इसलिये धारा 25-एफ के प्रावधान की पालना करना आवश्यक नहीं था व उसकी सेवा मुक्ति का आदेश न्यायोचित बताया गया है ।

4. प्रावेक्षीय साक्ष्य के रूप में दोनों पक्षों ने विभिन्न दस्तावेज प्रस्तुत किये हैं व इसके अलावा मौखिक साक्ष्य में श्रमिक ने स्वयं को प्रस्तुत किया है व विभाग की ओर से एक गवाह श्री मूकन्दीलाल को माध्य कारवाई गई है । क्लेम व जवाब में जो तथ्य श्रमिक तथा नियोजक द्वारा अभिलिखित किये गये हैं उन्हींको पुनरावृत्ति साक्ष्य में की गई है । बहस सुनी गई ।

5. दोनों पक्षों की मौखिक साक्ष्य व प्रावेक्षीय साक्ष्य जो प्रस्तुत हुई है उससे यह साबित है कि दिनांक 1-1-87 से सेवा मुक्ति से पूर्व श्रमिक ने 240 दिन से अधिक कार्य

किया था क्योंकि उसकी नियुक्ति मस्टरोल पर 1979 में हुई थी। इस संबंध में श्रमिक द्वारा परिशिष्ट 3 मस्टरोल की फोटो प्रति प्रस्तुत की गई है जिनका खण्डन किमी भी रूप में नियोजक द्वारा नहीं किया गया है। नियोजक के जवाब में भी यह स्वीकार किया गया है कि श्रमिक को 1989 में मस्टरोल पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में रखा गया था व 1-1-87 से उसे सेवा मुक्त किया गया क्योंकि उस बीच वह कार्य पर नियमित रूप से उपस्थित नहीं होता था तथा उसका कार्य भी संतोषजनक नहीं था। विभाग को इस संबंध में निरीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी जो जवाब के साथ परिशिष्ट-2 के रूप में प्रस्तुत की गई है। 1-1-87 से श्रमिकों को सेवा मुक्त करने का जो नोटिस दिया गया था वह प्रदर्श आर-3 है। इस प्रलेख पर श्रमिक की ओर से कोई भी आपत्ति नहीं की गई है। श्रमिक के विद्वान प्रतिनिधि की मुख्य बहस इसी सेवा मुक्ति के आदेश पर आधारित है कि चूंकि श्रमिक ने 1-1-87 से पूर्व करीब सान वर्ष तक मस्टरोल पर कार्य किया था इसलिए उससे विभाग के नियमानुसार नियमित माना जाना चाहिये था यद्यपि इस प्रकार का कोई आदेश पारित नहीं किया गया है व इसके अलावा नोटिस प्रदर्श आर.-3 के जरिये श्रमिक की सेवा मुक्ति 1-1-87 से करने के आदेश को इस आधार पर श्रमिक ने बहस के जरिये चुनौती दी है कि सेवा मुक्त करने समय धारा 25-एफ के प्रावधान की पालना नहीं की गई थी इसलिए वह आदेश प्रारंभ से ही अवैध व शून्य होने से एव माना जावे कि श्रमिक को कभी भी सेवा मुक्त नहीं किया गया। यह भी बहस की गई कि 1-1-87 के पश्चात भी श्रमिक को नियमित रूप से सेवा में माना जावे। इसके विपरीत नियोजक की ओर से यह बहस की गई है कि प्रस्तुत निर्देश के जरिये विवाद यह तय होना है कि क्या श्रमिक की सेवा मुक्ति दिनांक 5-2-88 के न्यायोचित है या नहीं तथा 1-1-87 को सेवा मुक्ति का आदेश किसी भी प्रकार विवाद से संबंधित नहीं है इसलिए न्यायाधिकरण यह तय करने के लिए सक्षम नहीं है कि 1-1-87 से श्रमिक को सेवा मुक्त करने की कार्यवाही वैध है या नहीं। नियोजक के विद्वान प्रतिनिधि द्वारा की गई बहस निश्चित रूप से विधिक रूप से मान्य है क्योंकि 1-1-87 से श्रमिक को सेवा मुक्त करने की जो कार्यवाही विभाग द्वारा की गई थी उसे किसी प्रकार श्रमिक ने चुनौती नहीं दी है। इसके अलावा श्रमिक ने प्रदर्श आर-4 (तीन प्रार्थना पत्र) के जरिये दिनांक 2-2-87 व 4-6-87 को विभाग को यह लिखित अनुरोध किया था कि पूर्व में उसने जो गलतियां की हैं उसकी पुनरावृत्ति वह नहीं करेगा इसलिए उसे पुनरा कार्य करने का अवसर दिया जावे व इसी प्रार्थना पत्र के आधार पर पुनः श्रमिक को 4-6-87 के आदेश प्रदर्श आर-5 के जरिये मस्टरोल पर नौकरी पर रखा गया। कहीं भी श्रमिक ने विभाग में यह निवेदन प्रस्तुत नहीं किया था कि 1-1-87 से उसकी सेवा मुक्ति का आदेश अवैध है इसलिए उसे वापस लिया जाकर उसे सेवा में निरन्तर माना जावे व न ही इस प्रकार का अनुतोष विभाग ने स्वतः ही श्रमिक को प्रदान किया

है इसलिए यह मानने का आधार नहीं है कि 1-1-87 से श्रमिक को सेवा मुक्त करने की कार्यवाही को श्रमिक ने कहीं भी चुनौती दी थी अथवा उस सेवा मुक्ति के आदेश की वैधता को इस विवाद में अधिनिर्णित किया जा सकता हो। निष्कर्ष साध्य व बहस का यह है कि दिनांक 1-1-87 से श्रमिक की सेवा मुक्ति का आदेश जो विभाग ने पारित किया था वह अब तक विभाग व समक्ष या अन्यत्र विवाद का विषय नहीं है तथा इस स्थिति को देखते हुए यह मानने का आधार नहीं है कि 1-1-87 के पश्चात भी श्रमिक को फरवरी 1979 से नियमित रूप से सेवा में माना जावे तथा जो नियुक्ति आदेश व श्रमिक के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए हैं उनसे यह स्पष्ट है कि श्रमिक को 4-6-87 से नियुक्ति आदेश पुनः नये सिरे से दिया गया था।

6. श्रमिक के प्रतिनिधि ने जो यह बहस की है कि 1-1-87 से पूर्व नियमानुसार श्रमिक के नियमितकरण के आदेश विभाग द्वारा जारी किये जाने चाहिये व यदि ऐसे आदेश जारी नहीं हुए हैं तो भी उसे नियमों की व्याख्या के अनुसार नियमित माना जाना चाहिये वह तर्क भी उस विवाद में विचारणीय नहीं है क्योंकि स्पष्ट रूप से इस विवाद में मात्त यह तय किया जाना है कि क्या श्रमिकों की सेवा मुक्ति दिनांक 5-2-88 से वैध है या नहीं? इस स्थिति से पूर्व जो भी विवाद सेवा के नियमितकरण का अथवा अन्य प्रकार का है वह श्रमिक अन्य विवाद के जरिये से तय करवा सकता है।

7. श्रमिक के विद्वान प्रतिनिधि ने आर.आर.एल. 1985 (1) 624 बाबू लाल बनाम अजमेर विश्वविद्यालय राम जानकी बाई बनाम राजस्थान राज्य वेस्टन लॉ केसेज 1992 पेज 416 तथा आर.एल.आई. 1979 (1) 197 प्रभुधयाल शर्मा बनाम राजस्थान राज्य प्रस्तुत की हैं। इन विधि दृष्टान्तों में यह प्रतिपादित किया गया है कि 240 दिन की निरन्तर सेवा मानने के लिए रविवार व अन्य अवकाश (राजपत्रित) को शामिल किया जाना चाहिये, यदि एक माह के नोटिस के बदले जो वेतन दिया जाता है यदि वह नियमानुसार कम दिया जाता है तो उस नोटिस को अवैध माना जाना चाहिये तथा धारा 25-एफ औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधान की पालना के अभाव में सेवा मुक्ति के आदेश को शून्य व अवैध माना जाना चाहिये। इन विधि दृष्टान्तों पर न तो कोई विवाद है व न ही विभाग के प्रतिनिधि ने इसके संबंध में कोई विपरीत बहस की है किन्तु देखना यह है कि क्या इस विवाद के तथ्यों पर ये सिद्धान्त लागू होने हैं अथवा नहीं।

8. दोनों पक्षों के अभिकथनों व साक्ष्य से मान्य स्थिति यह है कि दिनांक 1-1-87 के पश्चात श्रमिक को उसके लिखित आवेदन पर 4-6-87 से प्रदर्श 5 आदेश के जरिये पुनः मस्टरोल पर रखा गया था व प्रदर्श आर-6 के जरिये उसे सेवा मुक्त किया गया क्योंकि जून 1987 में सिर्फ 18 दिन ही श्रमिक ने कार्य किया था व उसके पश्चात

अक्टूबर 1987 तक काम पर नहीं आया। 3-11-87 के प्रार्थना पत्र पर पुनः श्रमिक को 9-11-87 को प्रदर्श-8 आर के जरिये नौकरी पर रखा गया था व उसके पश्चात 5-2-88 से प्रदर्श आर-10 के जरिये उसे सेवा मुक्त किया गया। दोनों बार सेवा मुक्ति का कारण विभाग ने यह बताया है कि श्रमिक लगातार अनुपस्थित रहा इस प्रकार विभाग के नियमित कार्य में व्यवधान उत्पन्न होता था। यह भी मान्य स्थिति है कि 5-2-88 को सेवा मुक्ति के समय धारा 25-एफ औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधान के अनुसार ना तो श्रमिक को नोटिस दिया गया व न ही विकल्प में एक माह का वेतन दिया गया। दिनांक 4-6-87 से 5-2-88 की सम्पूर्ण अवधि को एक ही नियुक्ति के रूप में विचार किया जावे तो भी यह स्पष्ट है कि श्रमिक ने 240 दिन कार्य नहीं किया व डाक्यूमेंट के अनुसार उसका कार्य 40 या 50 दिन का बनता है जैसा कि विभाग के प्रस्तुत मस्टररोल में साबित होता है। श्रमिक के प्रतिनिधि का भी यह कथन नहीं है कि 4-6-87 से 5-2-88 बीच के श्रमिक ने 240 दिन अथवा उससे अधिक अवधि के लिए कार्य किया। एक तथ्य यह भी विचारणीय है कि 4-6-87 को नियुक्ति देने के पश्चात श्रमिक को पुनः सेवा मुक्त कर दिया गया था व दुबारा 1987 में 9-11-87 से उसे सेवा में रखा गया था व विभाग का कथन है कि यह नियुक्ति भी दुबारा नहीं दी गई थी इसलिए 4-6-87 से श्रमिक को लगातार सेवा में नहीं माना जा सकता। इस विधिक विवाद पर विनिश्चय करने की इसलिए आवश्यकता नहीं है क्योंकि मान्य रूप से 4-6-87 से 5-2-88 की अवधि में भी श्रमिक ने 240 दिन तक कार्य नहीं किया। पूर्व से यह विनिश्चय किया गया है कि श्रमिक की सेवाएं 1-1-87 से समाप्त करने का विवाद इस अधिनियम से संबंधित नहीं है व उस सेवा मुक्ति के आदेश को यह न्यायाधिकरण अवैध घोषित नहीं कर सकता इसलिए दुबारा जून 1987 से जो श्रमिक को नियुक्ति दी गई है उसी अवधि को आधार मानते हुए धारा 25-एफ के प्रावधान पर विचार किया जाना आवश्यक है। स्पष्ट रूप से साबित तथ्यों के आधार पर श्रमिक द्वारा 4-6-87 से 5-2-88 की अवधि में 240 दिन तक कार्य नहीं किया गया है इसलिए नियोजक द्वारा धारा 25-एफ के प्रावधान की पालना करना किसी भी रूप में आवश्यक नहीं था। धारा 25-जी व 25-एच के प्रावधान की अवहेलना विभाग द्वारा करने का अभिकथन श्रमिक का नहीं है व न ही इस बाबत कोई तथ्य क्लेम में बताया गया है। इसलिए इन पर विचार करके कोई भी विनिश्चय करने का औचित्य नहीं हो सकता। जो विधि दृष्टान्त पूर्व में उल्लिखित किये गये हैं उनकी वर्तमान मामले में तथ्यों से कोई भी सुसंगतता नहीं है इसलिए उन पर पुनः विचार करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

9. केन्द्रीय सरकार की ओर से प्रेषित विवाद का अधिनियम इस प्रकार किया जाता है कि श्रमिक नौरतसिंह के खिलाफ नियोजक एस.डी.ओ. फोन्स अजमेर द्वारा पारित

सेवा मुक्ति का आदेश दिनांक 5-2-88 न्यायाचित है व इस कारण श्रमिक कोई अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

10. अवार्ड की प्रति प्रेषित सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजी जावे।

के.एल. व्यास, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1994

का. प्रा. 3005.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सहायक निदेशक (प्रश.) लघु उद्योग सेवा संस्थान के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, राजस्थान, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/2/87-डी-2-बी]

के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1994

S.O. 3005.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Lagu & Udhog Sena Sasthan, Jaipur, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-10-1994.

[No. L-42012/2/87-D 2(B)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer.

अनुबन्ध

केस नं. सी. आई. टी. 108/89

रैफरेंस : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्रमांक एल. 42012/बी 2/87 डी-2-बी दिनांक 23-10-89

श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री पन्ना लाल जाति रैगर निवासी खारा कुआरा के पास, दौसा जिला—जयपुर।

—प्रार्थी

बनाम

1. सहायक निदेशक (प्रशासन) लघु उद्योग सेवा संस्थान एम. आई. रोड (पूनम ढाबा के पास) (जयपुर)।
2. निदेशक, लघु उद्योग सेवा संस्थान एम. आई. रोड पूनम ढाबा के पास, जयपुर।

—अप्रार्थीगण

उपस्थित

माननीय न्यायाधिकरण श्री के. एल. व्यास,

आर. एच. जे. एस.

प्रार्थी की ओर से

श्री अरविन्द सिंह

अप्रार्थी की ओर से

श्री एम. रफीक

दिनांक अवार्ड

6-6-1994

### अवार्ड

केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्न औद्योगिक विवाद अधिनियम हेतु इस न्यायाधिकरण में प्रेषित किया है :

"Whether the action of the management of S.I.S.I. Jaipur in terminating the services of Shri Kanahya Lal casual labour w.e.f. is justified ? If not, what relief and from what date he is entitled to ?"

2. दोनों पक्षों को नोटिस जारी किए गए। श्रमिक ने अपने क्लेम में यह बताया है कि उसकी नियुक्ति लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर (जिसे बाद में नियोजक संबोधित किया जाएगा) द्वारा 14-1-85 को 9/- रुपए दैनिक वेतन पर की गई थी जो बाद में बढ़ाकर 12 रुपए 75 पैसे कर दी गई। श्रमिक ने नियोजक के यहां एक कलैण्डर वर्ष में 240 दिन से अधिक कार्य किया था व इसके पश्चात् 29-8-86 को उसकी सेवाएं आदेश दिनांक 21-8-86 से समाप्त कर दी गई। श्रमिक के अनुसार उसे सेवा से हटाने समय धारा 25-एफ, 25-जी व 25-एच के प्रावधानों को पालना नहीं की गई इसलिए वह पुनः सेवा में बहाल होने का व समस्त बकाया वेतन प्राप्त करने का अधिकारी है।

3. नियोजक की ओर से क्लेम के जवाब में इन तथ्यों को स्वीकार किया गया है कि श्रमिक को नियोजक द्वारा दैनिक वेतन पर 14-1-85 को सेवा में रखा गया था तथा 21-8-86 के आदेश से उसकी सेवाएं 29-8-86 से समाप्त की गई क्योंकि अप्रार्थी संस्थान को श्रमिक की सेवाओं की आवश्यकता नहीं थी। यह अभिकथित किया गया है कि चूंकि श्रमिक की सेवाएं आवश्यकता नहीं होने के कारण समाप्त की गई थी इसलिए यह कार्यवाही छंटनी की परिभाषा में नहीं आती। सबसे महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा जवाब में यह ली गई है कि नियोजक संस्थान उद्योग की परिभाषा में नहीं आता इसलिए श्रमिक को सेवा से हटाने की कार्यवाही औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधान के तहत सुनवाई योग्य नहीं है।

4. मौखिक साक्ष्य के रूप में श्रमिक को स्वयं का शपथ पत्र व नियोजक की ओर से श्री रवि कपूर, उप निदेशक का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। दोनों शपथ पत्रों को संबंधित पक्ष द्वारा प्रति-परीक्षण किया गया है। श्रमिक की ओर से प्रदर्शन डब्ल्यू-1 से प्रदर्शन डब्ल्यू-2 प्रलेख प्रस्तुत किए गए हैं। दिनांक 7-8-93 के प्रार्थना पत्र के साथ प्रदर्शन एम-1 व कुछ अन्य प्रमुख की फोटो प्रति नियोजक की ओर से प्रस्तुत की गई हैं। दोनों पक्षों को बहस सुनी गई।

5. श्रमिक ने अपने शपथ पत्र में दिनांक 14-1-85 में नियोजक के यहां काम करना व 29-8-86 से उसे सेवा मुक्त करना बताया है। सेवा मुक्ति का आदेश प्रदर्शन डब्ल्यू-1 है। श्रमिक का यह भी कथन है कि उसने सेवा मुक्ति से पूर्व एक कलैण्डर वर्ष में लगातार 240 दिन से अधिक काम किया था। इसके आगे श्रमिक का कथन है कि सेवा मुक्ति के समय उसे न तो छंटनी का मुआवजा दिया गया व न ही धारा 25-जी व एच औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधानों

की पालना की गई। जो जिरह गवाह से की गई है उसमें उसने यह बताया है कि 1-1-86 से 29-8-86 तक उसने 224 दिन काम किया होगा। इस तथ्य से मामले के गुण दोष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि 29-8-86 से एक वर्ष पूर्व से यह गणना की जानी है कि श्रमिक ने 240 दिन से अधिक कार्य किया या नहीं। इसके अतिरिक्त कोई भी महत्वपूर्ण जिरह गवाह में नहीं की गई है। नियोजक की ओर से श्री रवि कपूर का जो शपथ पत्र प्रस्तुत हुआ है उसमें श्रमिक की नियुक्ति व सेवा मुक्ति के संबंध में कोई भी तथ्य उल्लिखित नहीं है इसके अलावा जिरह में यह बताया है कि श्रमिक ने नियोजक के यहां कुल 379 दिन काम किया था व यह भी आया है कि सेवा मुक्ति से पूर्व एक वर्ष में श्रमिक ने 240 दिन से अधिक काम किया है। यह भी श्री कपूर ने स्वीकार किया है कि सेवा मुक्ति से पूर्व कोई नोटिस मुआवजा श्रमिक को नहीं दिया गया न ही धारा 25-जी व 25-एच के प्रावधान की पालना की गई। गवाह श्री रवि कपूर का शपथ पत्र मुख्य रूप से इस तथ्य को बताने के लिए है कि उनका संस्थान "उद्योग" की परिभाषा में नहीं आता है। इस बिन्दु पर विनिश्चय व विवेचन बाद में किया जाएगा। दोनों पक्षों की जो मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत हुई है उससे यह तथ्य निर्विवाद साबित है कि श्रमिक ने सेवा मुक्ति से पूर्व एक कलैण्डर वर्ष में 240 दिन से अधिक कार्य नियोजक के यहां किया था व धारा 25-एफ, जी व एच को पालन नियोजक द्वारा सेवा मुक्ति से पूर्व नहीं की गई है। श्री कपूर की जिरह में यह तथ्य भर माना गया है कि वर्तमान में 98 अधिकारी व कर्मचारी नियोजक संस्थान में कार्यरत हैं। यह बताने में गवाह असमर्थ रहा है कि श्रमिक को नौकरी से हटाया गया उस समय दैनिक वेतन पर कितने कर्मचारी कार्यरत थे। गवाह द्वारा यह साबित नहीं किया गया है कि श्रमिक कनिष्ठतम होने के कारण उसे सेवा से हटाया गया था। इस प्रकार यह तथ्य संपूर्ण रूप से साबित है कि श्रमिक को सेवा मुक्ति औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नहीं की गई है तथा यदि नियोजक संस्थान "उद्योग" की परिभाषा में आता है तो निश्चित रूप से श्रमिक क्लेम में मांगा गया अनुत्तम प्राप्त करने का अधिकारी है।

6. अगला व सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु विनिश्चय हेतु इस मामले में यह है कि क्या नियोजक संस्थान "उद्योग" की परिभाषा में आता है कि नियोजक के विद्वान प्रतिनिधि ने इस संबंध में प्रस्तुत शपथ पत्र व संस्थान के प्रस्तुत श्रोत्र (विश्लेषिका) के आधार पर यह बनाने का प्रयास किया है कि उनका मुख्य रूप से कार्य उद्योगों को तकनीकी व वित्तीय सलाह देना तथा प्रशिक्षण देना है व इस कारण संस्थान उद्योग की परिभाषा में नहीं आता है। प्रदर्शन एम-1 आफीस मैमोरेण्डम नियोजक की ओर से साक्ष्य में प्रस्तुत किया गया है जो इसी मामले से संबंधित है इसमें उद्योग सचिवालय के उप निदेशक द्वारा यह लिखा गया है कि नियोजक संस्थान उद्योग की परिभाषा में नहीं आता है इस



इसलिए विवाद को न्यायाधिकरण में नहीं भेजा जाए। इसमें कुछ विधि दृष्टान्तों का उल्लेख भी किया गया है। उप निदेशक की राय से न्यायाधिकरण सहमत हो यह आवश्यक नहीं है किन्तु इस पर विचार किया जाना निश्चित रूप से सुसंगत है। इसके अतिरिक्त नियोजक द्वारा केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण बेंगलूर का एक निर्णय दिनांक 8 अगस्त 1986 प्रस्तुत किया है जिसमें न्यायाधिकरण द्वारा इस प्रकार के संस्थान को उद्योग की परिभाषा में नहीं माना गया। सर्वप्रथम नियोजक द्वारा प्रस्तुत विवरणिका के आधार पर यह उल्लेख किया जाना आवश्यक है कि नियोजक संस्थान के मुख्य रूप से क्या कार्य हैं? विवरणिका के अनुसार उद्योगों को तकनीकी सहायता प्रदान करना, प्रशिक्षण की सुविधाएं प्रदान करना, आर्थिक एवं सांख्यिकी सूचनाएं उपलब्ध कराना, विपणन हेतु उद्योगों को सहायता करना, निर्यात संबंधों हेतु सलाह देना व व्यापार मेलों व प्रशिक्षण में भाग लेना, तकनीकी साहित्य तैयार करना एवं रचनात्मक संगोष्ठियां आयोजित करना, नियोजक संस्थान के मुख्य कार्य बताए गए हैं। इसके अलावा सामान्य सेवाओं के रूप में उल्लिखित उद्योगों के लिए सामान्य इंजीनियरिंग ऐसे होट टोटमेंट नाम मात्र के शुल्क पर सप्लाय करना ऐसे अन्य औजार, फिक्सचर्स बनाना व उद्योगों को नाम मात्र शुल्क पर सप्लाय करना भी विवरणिका में लिखा है। नियोजक संस्थान केन्द्र सरकार के अन्तर्गत है व उसका बजट भी केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत किया जाता है। इस संबंध में बजट स्वीकृति के पत्रों की प्रतिलिपियां भी प्रस्तुत की गई हैं। इन तथ्यों की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए जो विधि दृष्टान्त दोनों पक्षों को ओर से प्रस्तुत किए गए हैं उन पर विचार करके यह निगित किया जाना है कि नियोजक संस्थान उद्योग की परिभाषा में आता है अथवा नहीं। नियोजक द्वारा जो उद्योग सचिवालय मैमोरेण्डम व कर्नाटक केन्द्रीय न्यायाधिकरण निर्णय प्रस्तुत किया गया है वह अधिक महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि इस संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपने विभिन्न निर्णयों में उद्योग को विस्तृत व स्पष्ट परिभाषा देते हुए यह प्रतिपादित किया है कि किस प्रकार का संस्थान उद्योग की परिभाषा में आता है?

7. दोनों पक्षों की ओर से माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 2 निर्णय 1978 एल. आई. सी. (एस. सी.) 467, बेंगलूर वाटर सप्लाय बनाम ए. राजप्पा एवं 1989 एल. आई. सी. (एस. सी.) 1317, ए. सुन्दरम बाला बनाम गोप्पा, दमन ड्यू राज्य प्रस्तुत किए गए हैं। बेंगलूर वाटर सप्लाय के निर्णय से पूर्व माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जो उद्योग की परिभाषा अन्य निर्णयों में दी गई थी उन्हें अपास्त करते हुए इस मामले में उद्योग की सुस्पष्ट व विस्तृत व्याख्या की गई है। बेंगलूर वाटर सप्लाय के मामले में किसी भी संस्थान को उद्योग मानने के लिए जो मानदण्ड निर्धारित किए गए हैं वे निम्न प्रकार हैं :

'Industry' as defined in S. 2(j) has a wide import.

Where there is (i) systematic activity, (ii) organised by co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is commercial), (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes (not spiritual or religious but inclusive of material things or services geared to celestial bliss e.g., making on a large scale, prasada or food) prima facie, there is an 'industry' in that enterprise.

Absence of profit motive or gainful objective is irrelevant, be the venture in the public joint private or other sector.

The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity with special emphasis on the employer-employee relations.

In the organisation is a trade or business it does not cease to be one because of philanthropy animating the undertaking.

Although S. 2(j) uses words of the widest amplitude in its two limbs, their meaning cannot be magnified to over reach itself.

8. 1989 एल. आई. सी. 1317 में बेंगलूर वाटर सप्लाय के मामले में प्रतिपादित सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए यह माना गया है कि शिक्षण संस्थान भी उद्योग की परिभाषा में आता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए दोनों निर्णयों में यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है कि जिस संस्थान के मामले में "उद्योग" की परिभाषा के तीनों मानदण्ड लागू होते हों तो वह उद्योग की परिभाषा में शामिल होगा चाहे वह औद्योगिक संस्थान हो अथवा कोई बलव या अन्य प्रकार की संस्थान हो।

9. नियोजक की ओर से इलाहबाद उच्च न्यायालय का एक निर्णय एफ. एल.आर. 1981 पेज 328 रमेश चन्द्र सिंह बनाम भारत संघ प्रस्तुत किया गया है जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय के बेंगलूर वाटर सप्लाय वाले मामले के सिद्धांतों पर व्याख्या करते हुए नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट को इस आधार पर उद्योग की परिभाषा में नहीं माना गया है क्योंकि तथ्यों के अनुसार यह संस्थान मुख्य रूप से रिसर्च के कार्य में लगी हुई है तथा अपने रिसर्च के आधार पर उद्योगों को तकनीकी सलाह देकर लाभान्वित करती है। माननीय न्यायाधीशों ने जो कारण उक्त संस्थान को उद्योग नहीं मानने के दिये हैं उन पर अधिक विवेचन की आवश्यकता इसलिए नहीं है क्योंकि तथ्यों के आधार पर वर्तमान नियोजक संस्थान का मामला निश्चित रूप से सुभिन्न/डिस्टिंक्शिवल है क्योंकि जैसा कि ऊपर उल्लिखित किया गया है नियोजक संस्थान द्वारा तकनीकी, तकनीकी, वित्तीय व प्रशिक्षण के संबंध में सलाह के अलावा शुल्क प्राप्त कर कुछ औजार भी उद्योगों को सप्लाय किये जाते हैं। इसके अलावा एक अन्य निर्णय बम्बई उच्च न्यायालय का रिट याचिका नं. 1808/87 निर्णय दिनांक 31-10-90 की फोटो प्रति नियोजक की ओर से प्रस्तुत की गई है जिसमें बाम्बे आयरन एंड स्टील लेबर बोर्ड को इस आधार पर उद्योग नहीं माना गया क्योंकि यह मुख्य रूप से राज्य के सीवरिन फंक्शनस (प्रभुसत्तासंपन्न कार्य) का कार्य करते हैं। इस प्रकरण के तथ्य

भी निश्चित रूप से वर्तमान मामले के तथ्यों से भिन्न होने कारण नियोजक को इस निर्णय में प्रतिपादित सिद्धांतों से कोई लाभ नहीं मिल सकता। नियोजक व श्रमिक की ओर से कुछ अन्य निर्णय भी इस संबंध में प्रस्तुत किये गये हैं जो मामले के तथ्यों से असंगत होने के कारण उन पर विचार किया जाना आवश्यक नहीं है।

10. नियोजक संस्थान द्वारा किये जाने वाले कार्यों के संबंध में जो टिप्पणी की गई उन्हें तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये बेंगलूर वाटर सप्लाई तथा ए. सुन्दरम हाल के मामलों में उद्योग की परिभाषा के संबंध में प्रतिपादित सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए यह माना जाता है कि नियोजक संस्थान उद्योग की परिभाषा में आता है व इस कारण श्रमिक औद्योगिक श्रमिक की परिभाषा में आता है व चूंकि श्रमिक का सेवा मुक्ति के मामले में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 25-एफ, 25-जी व 25-एच के प्रावधानों की पालना नहीं की गई है इसलिए श्रमिक की सेवा मुक्ति का आदेश अवैध व अनुचित होने से अपास्त किये जाने योग्य है।

11. श्रमिक द्वारा समझौता अधिकारी के समक्ष यह विवाद सेवा मुक्ति के थोड़े समय बाद प्रस्तुत किया गया था जैसा कि प्रदर्श डब्यू-2 समझौता अधिकारी की रिपोर्ट से स्पष्ट होता है। उसके पश्चात् यह विवाद अधिनिर्णय हेतु न्यायाधिकरण में प्रेषित किया गया था व अधिनिर्णय में जो भी विलम्ब हुआ है उसके लिए प्रथम दृष्टया श्रमिक का कोई भी दोष प्रकट नहीं होता है। श्रमिक को पिछला संपूर्ण बकाया वेतन सामान्य रूप में स्वीकृत किया जाना आवश्यक है व नियोजक की ओर से इस संबंध में कोई भी मौखिक या लिखित प्रतिरक्षा नहीं ली गई है। यदि श्रमिक द्वारा सेवा मुक्ति के पश्चात् अन्यत्र कोई कार्य आजीविका के लिए किया गया है तो उसका निपटारा धारा 33(सी)(2) के प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत नियमानुसार किया जा सकता है।

12. प्रस्तुत विवाद का अधिनिर्णय इस प्रकार किया जाता है कि श्रमिक कन्हैया लाल के विरुद्ध नियोजक संस्थान द्वारा पारित सेवा मुक्ति का आदेश दिनांक 29-7-86 अनुचित व अवैध है तथा श्रमिक उस तथि से सेवा में पुनः बहाल होने का व संपूर्ण पिछला बकाया वेतन मय सेवा की निरन्तरता के प्राप्त करने का अधिकारी है।

13. अर्बाई की प्रति केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजी जावे।

के. एल. व्यास, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1994

का.आ. 3006.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोकिंग कोल लिमि. की सुधामडीह शापट मार्शन के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय

सरकार औद्योगिक अधिकरण, (स. 1), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-10-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल-20012/56/92-आई आर (कोल-1)]

बृज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th October, 1994

S.O. 3006.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Sudamdih Shaft Mine & M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 4-10-1994.

[No. L-20012/56/92-IR(Coal-I)]

BRIJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD  
In the matter of a reference under section 10(1)(d)  
of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 104 of 1992.

## PARTIES :

Employers in relation to the management of  
Sudamdih Shaft Mine of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

## PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

## APPEARANCES :

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen.—Shri D. K. Dey, President,  
Dhanbad Colliery Karmachari Sangh.

STATE : BIHAR.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 22nd September, 1994.

## AWARD

By Order No. L-20012(56)/92-I.R. (Coal-I), dated, the 15th September, 1992, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the demand of the union for re-installment of Shri S. M. Goswami, Mining Sirdar dismissed vide letter No. SR : PO : DISCIP dated 1-4-88 of the management of Sudamdih Shaft Mine under Sudamdih Shaft Mine under Sudamdih Area of M/s. B.C.C. Ltd. is justified? If so, to what relief the workman is entitled?”

2. The dispute has been settled out of Tribunal. A memorandum of settlement has been filed in this Tribunal. I have gone through the terms of settlement and I find those to be fair and reasonable. I allow the prayer to pass an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

P. K. SINHA, Presiding Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, AT DHANBAD

Reference No. 104/92

Employers in relation to the management of Sudamdih Shaft Mine.

AND

Their workmen.

### PETITION OF COMPROMISE

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the Central Government by Notification No. L-20012/56/92 IR(Coal-1) dated 15-9-1992 has been pleased to refer the present case to the Hon'ble Tribunal for adjudication on the issue contained in the Schedule of Reference which is reproduced below :—

### THE SCHEDULE

"Whether the demand of the Union for reinstatement of Shri S. N. Goswami, Mining Sirdar, dismissed vide letter No. SE/PO/DISEP dated 1-4-1988 of the management of Sudamdih Shaft Mine under Sudamdih Area of M/s. BCCL is justified? If so, to what relief the workman is entitled to?"

2. That the above dispute has been amicably settled between the parties on the following terms :—

### TERMS OF SETTLEMENT

- (a) That Shri S. N. Goswami will be reinstated in service and he will not be entitled for any back-wages for the period of idleness from the date of his dismissal till he resumes his duties.
- (b) The period of idleness shall be treated as dies-non but continuity of service will be retained.
- (c) Shri S. N. Goswami will not indulge in such mis-conduct in future.
- (d) Both Union and Management are agree to file a Compromise Petition before the Hon'ble Tribunal for passing Award accordingly.

3. That in view of the aforesaid settlement there remains no dispute to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above, the Hon'ble Tribunal will be grasipually pleased to accept the Settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of Settlement.

Sd/-  
For the Workman

Sd/-  
(K. D. Mishra)  
President  
Dhanbad Colliery Karmchari,  
Sangh.

Sd/-  
For the Employer.  
(Chief General Manager),  
Sudamdih Area,  
B.C.C.L.

Witness :

1. Sd/-  
22-8-94  
2. Ashok Kumar  
22-8-94  
Sd/-  
12-9-94

Part of the award

डी०जी०ई०टी०

नई दिल्ली, 11-अक्टूबर, 1994

का. आ. 3007.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों को बेदखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमूचना सं. का. आ. 1312, तारीख 4 अप्रैल, 1984 को अधिकाृत करते हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ 1 में उल्लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ 2 में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अपनी अधिकारिता की स्थानीय संपदा सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन संपदा अधिकारियों की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पद नाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
-------------------	--

1	2
1. निदेशक, फोरमैन प्रशिक्षण संस्थान, तुमकूर रोड, बंगलौर-22	बंगलौर में केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

1	2	1	2
	फोरमेन प्रशिक्षण संस्थान, तमकुर रोड, बंगलोर के प्रशासनिक नियंत्रण में है।		
2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, गिन्डी, मद्रास-600032	मद्रास में केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, और केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, गिन्डी, मद्रास। के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।	6. निदेशक, कानपुर	कानपुर में केन्द्रीय सरकार के या उच्च प्रशिक्षण संस्थान, उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक उच्च प्रशिक्षण संस्थान, गोविन्दनगर, कानपुर और प्रादेशिक निदेशक शिक्षिता प्रशिक्षण, कानपुर और विकलांगों के लिए व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, कानपुर के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।
3. निदेशक, मुम्बई के उच्च प्रशिक्षण संस्थान, या उसके द्वारा और उसकी सिमान, ट्राम्बे रोड, और से पट्टे पर लिए गए मुम्बई-400022	मुम्बई के केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, उच्च प्रशिक्षण, प्रादेशिक निदेशक शिक्षिता प्रशिक्षण, प्रादेशिक महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, विकलांगों के लिए व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, सिमान ट्राम्बे रोड, शारीरिक रूप में विकलांगों के लिए व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, सिमान ट्राम्बे रोड, मुम्बई के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।	7. निदेशक, लुधियाना	लुधियाना में केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, गिल रोड, लुधियाना के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।
4. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, दामनगर, हावड़ा।	कलकत्ता हावड़ा में केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, दामनगर हावड़ा के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।	8. निदेशक, कलकत्ता	कलकत्ता के केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे और अनुसंधान संस्थान, पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, केन्द्रीय स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, माण्ट नेक, कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।
5. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद।	हैदराबाद में केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा और उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।	9. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण हैदराबाद	हैदराबाद में केन्द्रीय सरकार के संस्थान, इलैक्ट्रॉनिक्स या उसके द्वारा और उसकी ओर प्रक्रिया यंत्रीकरण, और से पट्टे पर लिए गए या अधिगृहीत स्थान, जो निदेशक, इलैक्ट्रॉनिक्स और प्रक्रिया यंत्रीकरण, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, रामनथापुर, हैदराबाद, प्रादेशिक शिक्षिता प्रशिक्षण निदेशालय, हैदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

[सं. डी. जी. ई एण्ड टी-डी 11014/2/93-टी. ए.-II]

बी. डी. नागर, उपमन्त्रि

(D.G.E.&amp;T.)

New Delhi, The 11th October 1994

S. O. 3007.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1312, dated the 4th April, 1984, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in the column 1 of the Table below, being Gazetted Officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column 2 of the said Table :

TABLE

Designation of officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. Director, Forman Training Institute, Tumkur Road, Bangalore-22	Premises belonging to or taken on lease or requisition by and on behalf of the Central Government in Bangalore and which are under the administrative control of the Director, Foreman Training Institute, Tumkur Road, Bangalore.
2. Director, Advanced Training Institute, Guindy, Madras-600032.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Madras and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Guindy, Madras as well as Central Training Institute for Instructors, Guindy, Madras.
3. Director, Advanced Training Institute, Sion, Trombay Road, Bombay-400022.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Bombay and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Regional Director of Apprenticeship Training, Regional Vocational Training Institute for Women, Vocational Rehabilitation Centre for Handicapped, Sion-Trombay Road, Physically Handicapped, Sion Trombay Road, Bombay.
4. Director, Advanced Training Institute, Dasnagar, Howrah.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Calcutta/Howrah and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Dasnagar, Howrah.
5. Director, Advanced Training Institute, Hyderabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Hyderabad and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Hyderabad.
6. Director, Advanced Training Institute, Kanpur.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Kanpur and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Govind Nagar, Kanpur and Regional Director of Apprenticeship Training, Kanpur and Vocational Rehabilitation Centre for Handicapped, Kanpur.
7. Director, Advanced Training Institute, Ludhiana.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Ludhiana and which are under the Administrative control of the Director, Advanced Training Institute, Gill Road, Ludhiana.
8. Director, Central Staff Training and Research Institute, Calcutta.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Calcutta and which are under the administrative control of the Director, Central Staff Training and Research Institute, Salt Lake, Calcutta.
9. Director, Advanced Training Institute for Electronics and Process Instrumentation, Hyderabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by and on behalf of the Central Government in Hyderabad and which are under the administrative control of the Director, Advanced Training Institute for Electronics Electronics and Process Instrumentation, Ramanthapur, Hyderabad, Regional Director of Apprenticeship Training, Hyderabad.

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1994

का.ग्रा. 3008.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-11-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6) धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) (के उपबंध गुजरात राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

जिल पंचमहल के तालुक गोधरा में राजस्व ग्राम भामिया और तालुक कलोल में राजस्व ग्राम कटोल और उसकी पंचायत सीमाओं के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र।

[संख्या: एस-38013/15/94-एस.एस. I]

जे. पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 12th October, 1994

S.O. 3008.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st November, 1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Gujarat namely:—

“Areas within the revenue and Panchayat limits of Village Bhamiya taluk Godhra and Village Katol taluk Kalol District Panchmahals.”

[No. S-38013/15/94-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1994

का.ग्रा. 3009.—गोबी कर्मकार (सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण) अधिनियम, 1986 (1986 का 54) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की दिनांक 28 अप्रैल, 1987 की अधिसूचना संख्या 448 अ का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे दी गयी तालिका के कालम (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को इस अधिनियम के प्रयोजनार्थ उक्त तालिका के कालम (2) में दी गयी प्रविष्टियों में निदिष्ट पदतनों की स्थानीय सीमाओं के अन्दर मुख्य निरीक्षक/निरीक्षकों के रूप में नियुक्त करती है।

तालिका

अधिकारी	क्षेत्राधिकार वाले पदतन
1	2
1. महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा एवं श्रम संस्थान महानिदेशालय, बम्बई	मुख्य निरीक्षक सभी प्रमुख पदतन

1	2	3
2. उप महानिवेशक, निवेशक (सुरक्षा) और उप निवेशक (सुरक्षा) गोबी सुरक्षा प्रभाग, कारखाना सलाह सेवा एवं श्रम संस्थान महानिदेशालय, बम्बई	निरीक्षक	सभी प्रमुख पदतन
3. उप निवेशक (सुरक्षा) और सहायक निवेशक (सुरक्षा), गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, बम्बई	निरीक्षक	बम्बई, जवाहरलाल नेहरू पदतन मारमगाव और कांडला
4. उप निवेशक (सुरक्षा) और सहायक निवेशक (सुरक्षा) गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, कलकत्ता	निरीक्षक	कलकत्ता, हल्दिया पारावीप और विशाखापत्तनम
5. उप निवेशक (सुरक्षा) और सहायक निवेशक (सुरक्षा) गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, मद्रास	निरीक्षक	मद्रास, तूतीकोरिन, कोचीन और न्यू मंगलोर
6. अतिरिक्त सहायक निवेशक (सुरक्षा) और तकनीकी सहायक, गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, बम्बई	निरीक्षक	बम्बई
7. अतिरिक्त सहायक निवेशक (सुरक्षा) और तकनीकी सहायक, गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, कलकत्ता	निरीक्षक	कलकत्ता
8. अतिरिक्त सहायक निवेशक (सुरक्षा) और तकनीकी सहायक, गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, मद्रास	निरीक्षक	मद्रास
9. सहायक निवेशक (सुरक्षा), गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, मारमगाव	निरीक्षक	मारमगाव
10. सहायक निवेशक (सुरक्षा), गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, कांडला	निरीक्षक	कांडला
11. सहायक निवेशक (सुरक्षा), गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, विशाखापत्तनम	निरीक्षक	विशाखापत्तनम
12. सहायक निवेशक (सुरक्षा), गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, पारावीप	निरीक्षक	पारावीप
13. सहायक निवेशक (सुरक्षा), गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, तूतीकोरिन	निरीक्षक	तूतीकोरिन
14. सहायक निवेशक, सुरक्षा गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, न्यू मंगलोर	निरीक्षक	न्यू मंगलोर
15. सहायक निवेशक (सुरक्षा) और अतिरिक्त सहायक निवेशक (सुरक्षा) गोबी सुरक्षा निरीक्षणालय, कोचीन	निरीक्षक	कोचीन

[का. सं. एस. 17025/3/93-आई.एस.एच.-II]

आर. के. रण, उप सचिव

New Delhi, the 13th, October, 1994

S.O.3009:—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the Dock Workers (Safety Health and Welfare) Act, 1986 (54 of 1986) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 448-E, dated the 28 April, 1987, the Central Government hereby appoints the officers specified in column (1) of the Table below to be the Chief Inspector/Inspector of Dock Safety for the purposes of the said Act within the local limits of the ports specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table.

TABLE

Officers		Ports of Jurisdiction	
1	2	3	4
1.	Director General, Directorate General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay.	Chief Inspector	All major ports.
2.	Deputy Director General, Director (Safety) and Deputy Director (Safety), Dock Safety Division, Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay.	Inspectors	All major ports.
3.	Deputy Director (Safety), and Assistant Director (Safety), Inspectorate of Dock Safety, Bombay.	Inspectors.	Bombay, Jawaharlal Nehru Port, Mormugao and Kandla.
4.	Deputy Director (Safety) and Assistant Director (Safety), Inspectorate of Dock Safety, Calcutta.	Inspectors	Calcutta, Haldia, Paradip Visakhapatnam.
5.	Deputy Director (Safety) and, Assistant Director (Safety), Inspectorate of Dock Safety, Madras.	Inspector	Madras, Tuticorin, Cochin New Mangalore.
6.	Additional Assistant Director (Safety) and Technical Assistant, Inspectorate of Dock Safety, Bombay.	Inspectors	Bombay.
7.	Additional Assistant Director (Safety) and Technical Assistant, Inspectorate of Dock Safety, Calcutta.	Inspectors	Calcutta.
8.	Additional Assistant Director (Safety) and Technical Assistant, Inspectorate of Dock Safety, Madras.	Inspectors	Madras.
9.	Assistant Director (Safety) Inspectorate of Dock Safety, Mormugao.		
10.	Assistant Director (Safety) Inspectorate of Dock Safety, Kandla.	Inspector	Kandla.

1	2	3	4
11.	Assistant Director (Safety), Inspectorate of Dock Safety, Visakhapatnam.	Inspector	Visakhapatnam.
12.	Assistant Director (Safety) Inspectorate of Dock Safety, Paradip.	Inspector	Paradip.
13.	Assistant Director (Safety), Inspectorate of Dock Safety, Tuticorin.	Inspector	Tuticorin
14.	Assistant Director (Safety), Inspectorate of Dock Safety, New Mangalore	Inspector	New Mangalore.
15.	Assistant Director (Safety), and Additional Assistant Director (Safety) Inspectorate of Dock Safety, Cochin.	Inspectors	Cochin

[File No. S-17025/3 93-94 I. II]

R.K. RANG Dy. Secy.